He Gazette of India

मं० 52]

नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 27, 1980 (पौष 6, 1902)

No. 521

NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 27, 1980 (PAUSA 6, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

PUBLISHED BY AUTHORITY

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उभच न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Additor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

सं० 20 ग्रार० सी० टी० 6—केन्द्रीय सतर्कता भ्रायुक्त एतद् द्वारा श्रीमती कुसुम प्रसाद ग्राई० ए० एस० (राज०-1960) को 2 दिसम्बर 1980 पूर्वीक्ष से भ्रगले श्रादेश तक केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एन० एल० लखनपाल उप सचिव **कृते** केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त

गृह मन्त्रालय केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्युरी

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० ए-19036/18/80-प्रशासन-5----निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, प्रपने प्रसाद से श्री एस० एन० मजृमदार, निरीक्षक को दिनांक 1—386GI/80

30-10-80 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरोमें तदर्थ आधारपरस्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूपमें प्रोन्नत करते हैं।

> की० ला० ग्रोवर प्रणासनिक ग्रिधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्थूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

सं० डी० एक-8/80-स्थापना--श्री डी० राम, उप-पुलिस ग्रघीक्षक, ई० डी०पी० सैल, महानिदेशालय, के०रि०पु० बल की सेवायें 01-12-80 से महानिदेशालय समन्वय पुलिस कम्प्यूटर्स गृह मन्त्रालय को सौंपी जाती हैं।

विनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० भ्रो० दो-889/72-स्थापना--श्री सी०टी० पेसवानी ने सरकारी सेवा से निवृक्त होने के फलस्वरूप संयुक्त सहायक

13853

निद्रेशक (लेखा) महानिदेशालय, के०रि० पु० वल के पद का कार्यभार 30-11-80 (अपराक्ष) को त्यागदिया।

ए० के० सूरी सहायक निवेशक (प्रसासन)

मारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, तारीख 3 विसम्बर्1980

सं० 11/10/78-प्रकार-I-राष्ट्रंपति, मणिपुर सिविस सेवा के ग्रंधिकारी श्री मोहम्मद, प्रब्कुल सत्तार को मणिपुर, इंम्फाल में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 13 नवस्वर, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की ग्रविध के लिए या जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी ग्रविध पहले हो, तदर्म आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सत्तार का मुख्यालय इम्फाल में होंगा।

सं० 11/2/80-प्रणा०-I—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के अधिकारी श्री नागेण्वर प्रसाद को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 31 अक्तूबर, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, तबर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रसाद का मुख्यालय हजारी बाग में होगा।

सं० 11/2/80-प्रशा०-I—-राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के मिधकारी श्री जितेन्द्र कुमार सिंह को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीखा नवम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से, धगले म्रादेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

2. श्री सिंह का मुख्यालय भागलपुर में होगा।

सं० 11/2/80-प्रशा० I—राष्ट्रपति, बिहार सिविल सेवा के प्रधिकारी श्री ए० के० श्रीवास्तव को बिहार, पटना में जन-गणना कार्य निदेशालय में तारीख 6 श्रवतूबर, 1980 के पूर्वाह्म से एक वर्ष की श्रवधि के लिए या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाए जो भी श्रवधि पहले हो, तदर्थ श्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियक्त करते हैं।

श्री श्रीवास्तव का मुख्यालय छपरा में होगा।

(पी० पद्मनाभ) भारत के महापंजीकार

विक्त मंद्रालय श्राधिक कार्य विभाग बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

सं० बी० एन० पी०/सी/5/80--इस कार्यालय की सम-संवयक श्रिधसुनना दिनांक 7-9-80 के श्रनुकम में निम्न तक- नौंकी श्रधिकारियों (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) की तदर्थं नियुक्तियों की श्रवधि उनके नाम के सम्मुख वर्शाई गई तिथि से 3 माह तक के लिए श्रथवा पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, को भी पहले ही बंदाई जाती हैं।

क्रमसं० नाम	दिनांक जब से तदर्थ नियुक्ति बढ़ाई गई	
सर्वे श्री		
1. ए० डीं० देशपाण्डे	28-11-80	
2. एस० के० शुक्ला	1-12-80	
	(मु० वै ० चार) उप महाप्रवन्धक	

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग निदेशक लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे बम्बई, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

सं० एयू | ग्रंडिमन | मिस | कॉन | 8502 --- इस कार्यालय के ग्रस्थायी लेखा परीक्षा ग्रिधकारी श्री एन० एन० कापाडी या की दिनांक 1-4-79 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा ग्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सं० एयु/घंडमिन/मिस/कॉन/8502—इस कार्यालय के अस्थायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी श्री के० एन० गुरबक्षाणी को विनांक 1-4-79 से स्थायी रूप से लेखा परीक्षा घिषकारी के पद पर नियुक्त किया है।

स० य० गोविन्दराजन निदेशक लेखा परीक्षा

उद्योग मन्त्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1980

सं० ए० 19018/476/80-प्रशासन (राजपितत)—
राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के लघु उद्योग
संवर्द्धन श्रिषकारी (श्रीद्योगिक प्रबन्ध एकं प्रशिक्षण) श्री
एस० सूर्य प्रकाश राव को दिनांक 29 श्रक्तूबर, 1980
(पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर
में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (श्रीद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण)
के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गुप्त उपनिदेशक (प्रशा०)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

सं० ई-11 (7)—इस विभाग के विनांक 11 जुलाई, 1969 के श्रधिसूचना सं० ई० 11 (7) में श्रेणी 6 वर्ग 3 के श्रधीन "कोल डिले डिटोनेटरस्" के पश्चात "क्राइम्पडेटस्" जोडा जाय।

सं० ई-11 (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई 11 (7) में श्रेणी 3 वर्ग 2 के अधीन "ब्लाक्सि-बी" के पूर्व "ब्लामिक्स 111 ए" जोड़ा जाय।

> चरणजीत लाल, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय (प्रशासन ध्रनुभाग-1)

नई विल्ली, दिनांक 1 विसम्बर 1980

सं० प्र-1/1 (782)—इस महानिवेशालय में स्थाई कनिष्ठ प्रगति ग्रिधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक निवेशक (ग्रेड I^I) श्री एच० डी० राय निवृतमान श्रायु होने पर दिनांक 30-11-80 (ग्रिपराङ्ग) से सेवा निवृत्त हो गए।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

सं० प्र-1/1 (398)— राष्ट्रपति ने यह निर्णय किया है कि श्री पी० एस० ग्लैंड की पदोन्नति इस महानिदेशालय में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए० के ग्रेड II के रूप में दिनांक 7-7-79 (पूर्वाह्न) से की गई थी। उनकी पदोन्नति की तारीख 25-11-78 (पूर्वाह्न) समझी जाये।

पी० डी० सेठ [उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात भौर खान मन्द्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० 9147 बी/ए-32013 (4-ड्रिलर)/78-19बी०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्बेक्षण के वरिष्ठ ड्रिलिंग सहायक श्री बाई० एस० घपोला को ड्रिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, घ्रागामी घ्रावेश होने तक 25 सितम्बर, 1980 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० 9280 बी ए-19012 (3-एन सी पी) 80-19बी— राष्ट्रपति जी श्री निवन चन्द्र पंत को सहायक रसायनक्ष के रूप में भारतीय भूवेंज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, म्यागामी मादेश होने तक 26-9-1980 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं। सं० 9292 बी०/ए-19012 (3-के० के० एन०)/80-19-बी०---राष्ट्रपति जी श्री कमल किशोर नारंग को सहायक रसायनक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 29-9-80 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 2 विसम्बर 1980

सं० 9364 बी०/ए-19012 (3-म्रार० सी० के०)/80-19बी०—राष्ट्रपति जी श्री रमेश चन्द्र खुलबे को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रू० प्रतिमाह केन्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, म्रागामी म्रादेश होने तक, 27-9-80 के पूर्वाह्र से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 3 दिसम्बर 1980

सं० 9381-बी०/ए-19012 (3-के० एल० एम०)/80-19-बी०—-राष्ट्रपति जी श्री के० एल० मीना को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी ग्रावेग होने तक 16-9-1980 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे

वी० एस० क्रुडणस्वामी महा निवेशक

कलकत्ता-700016,दिनांक 6दिसम्बर 1980 भूस्त्रि-पत्र

सं० 9447 बी०/ए-32013 (4-ब्रिलर)/79-19बी०—— दिनांक 10-4-80, 21-4-80, 2-5-80, 13-5-80, 27-5-80, 6-6-80, 6-10-80, तथा 9-10-80 ऋमशः की प्रधिसूचना संख्या ए-32013 (4-ब्रिलर)/79-19बी० में ग्रिधसूचित ब्रिलर के पद पर पदोन्नत किए गए श्रिधकारियों के पदनाम को विष्ठित तकनीकी सहायक (ब्रिलिंग) के स्थान पर विष्ठि डिलिंग सहायक पढ़ा जाए।

एन० मं**ड**ल वरिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी, **कृते** महानिदेसक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर,दिनांक 24 प्रक्तूबर 1980

सं० ए० 31014/1/80 स्थापना ए०—-निम्नलिखित श्रधि-कारियों को भारतीय खान ब्यूरों में प्रशासनिक श्रधिकारी के पद पर उनके नामों के श्रागे दर्शायी गई तारीखों से स्थायी किया जाता है।

- श्री एक । भार ० एस ० राव 1-4-1977
- (2) श्री एच० के० तनेजा 2-9-1979

सं० ए० 31014/2/80-स्थापना ए०---निम्नलिखित प्रधिकारियों को दिनांक 7-3-79 से भारतीय खान ब्यूरों में सहायक प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर स्थायी किया जाता है।

- 1. श्री पी० पी० वादी
- 2. श्री एच० बॅनार्जी

दे० नं० भार्गव नियंत्रक

नागपुर, दिनांक 6 विसम्बर 1980

सं० ए-19011 (121)/79-स्थापना, ए०—-सहायक रसायनविद् के पद से इस्तीफा स्वीकृत किए जाने पर डा० के० एस० एन० मूर्ती, सहायक रसायनविद् को एतद्द्वारा 31-10-80 के भ्रपराह्म से भारतीय खान ब्यूरो में उनके कार्यभार से मुक्त किया गया है श्रीर तदनुसार उनका नाम इस विभाग की प्रभावी स्थापना से काट दिया जाता है।

> एस० व्ही० ग्रली कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

सं० 14-9/80-एम (टी)-स्मारक (पर्यटन)--मैं, जगतपति जोशो, निदेशक (अन्वेषण) प्राचीन स्मारक भ्रौर पुरा-तत्वीय स्थल एवं नियमावली, 1959 के नियम-6 के प्रधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए यह निदेश जारी करता हं कि "चैत्य गिरी", बिहार के 28वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर, सांची, जिला रायसेन (मध्य प्रदेश) के बौद्ध स्मारकों में 6 विसम्बर, 1980 तक प्रवेण गुल्क नहीं लिया जायेगा।

जगतपति जोशी निदेशक (भ्रन्वेषण)

भाकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

सं० 10/67/61-एस-दो (भाग दो)---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्दारा श्री के० एल० सचदेवा, लेखाकार, आकाणवाणी, ग्वालियर को 21-11-80 (पूर्वाह्म) से प्रशास-निक श्रिक्षकारो, श्राकाशवाणी, रांची के पद पर स्थानापश्च रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० बी० सेपादी प्रशासन उपनिदेशक **इ.ते** महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

सं० 4 (87)80-एस-1---महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री लालयसंगा को ग्राकाणवाणी ऐजल में 27-9-80 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (21)80-एस-I—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री लक्ष्मी शंकर बाजवेयी को श्राकाशवाणी ग्वालियर में 21-10-80 से श्राले श्रादेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृसे महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० ए० 12025/4/78 (मुख्य) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने डा० गोपाल कुमार विश्वास को 12 नवम्बर, 1980 पूर्वाह्स से आगामी श्रादेशों तक सहायक महानिदेशक (भण्डार) स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली के पद पर श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 दिसम्बर 1980 शुद्धि-पक्ष

मं० ए० 31014/4/77-(एच० क्यू०) प्रशा०-1-इस निदेशालय के दिनांक 21 मार्च, 1980 की ग्राधिसूचना संख्या ए० 31014/4/77 (एच० क्यू०) प्रशा०-1 में श्री बो० बी पंचाल के नाम के श्रागे दी गई तारीख 11 अक्तूबर, 1972 के स्थान पर 11 श्रक्तूबर, 1971 पढ़ा जाए।

> शाम लाल कुठियाला उपनिदेशक प्रशासन

कृषि मन्द्रालय

(कृषि भौर सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1980

मं० 2-4/78-स्थापना (1)—सर्वश्री के० बी० नायार, एम० शिवरामकृष्णन् की सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (ग्रेड प्रथम) औरश्री पी० बी० दत्त की सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (दृश्य) के पद पर तवर्थ नियुक्ति समाप्त होने के परिणाम स्वरूप, इन अधिकारियों ने अपने पदों का कार्यभार छोड़ दिया है और अपने निचले सहायक प्रदेशनी अधिकारी, (ग्रेड II) व कलाकार (वरिष्ठ) कमणः के राजपत्नित पदों पर विस्तार निदेशालय में 1 मार्च 1980 के पूर्वाह्न से चले आये हैं।

सं० 12-7/78-स्था० (1)—कृषि श्रीर सहकारिता विज्ञान की विभागीय पदोक्षति समिति की सिफारिश पर कुमारी शुक्ला हाजरा, वर्तमान तदर्थ रूप में स्थानापन्न सम्पादक को सहायक सम्पादक जी० सी० एच० समूह (बी) (राजपिक्षत) के स्थायी पद पर मूल रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान

में विस्तार निवेशालय कृषि मन्त्रालय, कृषि भौर सहुकारिता विभाग में 9-2-75 से नियुक्त किया गया।

> बद्री नाथ चड्ढा निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्नानमीण मन्त्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं०ए-19025/58/80-प्र०-III—संघ लोक सेवा भ्रायोग की संस्तुतियों के श्रनुसार श्री ए० के० सिंगला को इस ्निदेशालय के अधीन बम्बई में तारीख 14-11-80 (पूर्वाह्न) से श्रगले भ्रादेश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन श्रिधकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कुसे कृषि विपणन सलाहुकार

भाभा परमाणु श्रनुसन्धान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 2 दिसम्बर 1980

सं० पी०ए०/79 (II)/79 म्रार० 9—नियंत्रक, भाभा परमाणु म्रनुसन्धान केन्द्र श्री गोबिन्दराम मजनोमल तोलानी, म्रधीक्षक, प० उ० दि० को सहायक प्रभासन म्रधिकारी (रूपए 650-960) ग्रेड में, भाभा परमाणु म्रनुसन्धान केन्द्र में 11 नयम्बर 1980 (पूर्वाह्न) से म्रप्रिम म्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० एस० दीक्षित उप स्थापना **ग्र**धिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत, प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग वम्बई-5, दिनांक 8 दिसम्बर 1980

सं० विश्वहित्र/3 (283)/76-प्रणासन — निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्द्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी लेखाकार तथा स्थानापन्न सहायक लेखा प्रधिकारी श्री एस० श्रार० श्रार० राव को अक्तूबर, 16, 1980 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में लेखा श्रधिकारी-II के पद पर वेतनमान 840-40-1000-द० रो०-40-1200 में श्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्त लेखा श्रधिकारी-III, श्री एस० व्हि० पावगी के स्थान पर की जा रही है जिनकी लेखा श्रधिकारी-III के रूप में पदोश्नति हुई है।

ब० वि० यत्ते प्रशासन प्रधिकारी

भ्रन्तरिक्ष विभाग विक्रम साराभाई भ्रन्तरिक्ष केन्द्र तिरुवनंतपूरम-695022,दिनांक 27 नवस्वर 1980

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ० I(17)——निदेशक, वी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तिरुवनंतपुरम में निम्नलिखित कर्मचािये को, वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के ग्रेड में 1 अक्तूबर, 1980 पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

ऋम	नाम -	पदनाम			श्रभाग/
सं०		•			ं परियोजना
1	2	3	3		4
	सर्वेश्री				
1.	के० रामस्वमी		निक/इं बी०	जीनिय	र एम सी एफ
2.	एम० बालन नंबियार	"	"	,,	पी एस एस
3.	ग्रार० बाल- सु ब ह्मण्यम	,,	"	"	एस एल वी
4.	ए० कुट्टन	,,	, ,	1,	एल सी एस.डी
5.	सी०पी० गोविन्दन	,,	,	17	श्राई एस श्राई
6.	ई० जेकब	, ,	,,	,,	एम ए सी
7.	श्चार० सदाशिवन पिल्लै	"	,,	"	एस एल बी
8.	के॰ सुद्रह्मण्यन	,,	11	"	भ्रारपीपी
9.	वाई० वेंकिटरामन	, ,	, ,	, ,	ई एल एस
10.	श्रीमती खनजा० वी	, ,	7.1	,,	ई एल एस
11.	ए० सिद्धार्थ	,,	, ,	7.1	कंप्यूटर
12.	संजीव	, ,	,,	,,	ब्रारएस बार
13.	टी० राजेंया	, ,	11	,,	एस एल वी
14.	एस० कृष्णमूर्ति	. ,	"	,,	एस एल वी
15.	वी० के० वेंकिटा-	11	,,	1)	एफ अगरपी
	चलम				
16.	जी० शक्षिधरन नायर	,,	11	11	म्रारएस मार
17.	जी० राममोहन उण्णित्तान	7 1	,,	17	सी डब्स्यू एस
18.	के० रामचन्द्रन	,,	,,	,,	. सी एम जी
19.	सी०वी० मोहनदास	,,	,,		भारपीप <u>ी</u>
20,	-	,,	,,	,,	एस एम ए
	. के०एस० चन्द्रभानु		,,	,,	
22	. पी०पी० ग्रब्दुल ग्रसीस	,,	"	31	पी एस एस
23	. टी० ग्रास्टिन	,,	,,	,,	जी एस एस
	. श्रीमती एलसी० फेर्णाण्डस		"		ईएफएफ.

1	2		3	·- <u>-</u>		4
	•	, ;	11	,,	Ħ	ार पी पी
	ायर टी० बी० वरदराजन	,,	,,	7 2	τ	ए यी एस यू
						कुरियन
					-II ((स॰ एस	स्थापना) र-सी≎

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 नवस्थर 1980

सं० ए० 31013/3/79-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रधिकारियों की दिनांक 24 जून, 1980 से नागर विमानन विभाग में विभान क्षेत्र ग्रधिकारी के ग्रेड में स्थायी-तौर पर नियुक्त किया है:---

ऋम सं ०	नाम	 	 	
1	2	 	 	

- 1. श्रीएम० ए० पाल
- 2. श्री घो०पी० हीगरा
- 3. श्री एम॰ पी॰ खोसला
- 4. श्री के० एस० प्रसाद
- 5. श्री एन० डी० घोष
- 6. श्री प्रवीतन्खा
- 7. श्री सी० ग्रार० राव
- 8 श्री ग्रार० एस० भगत
- 9 भी कृत्वम लाल
- 10 श्रीजे०के० सरदना
- 11. श्री के० सी० मिश्रा
- 12. श्री जी० बी० के० नैयर
- 13. श्री डी० डी० सरदना
- 14. श्री के०एन० वेंकटचलैया
- 15. श्री एस० सी० गेखरी
- 16. श्री एस० के० ज़ैन
- 17. श्री डी० रामानुजम
- 18. श्री ए० टी० वर्गीस
- 19. श्री के० थी० एस० राव
- 20. श्री एन० पी० शर्मा
- 21. श्री एस० के० बनर्जी
- 22. श्री ग्रार० कोविन्दारमन
- 23. श्री कें कें के सेक्सेना
- 24. श्री ए० एम० थामस
- 25. श्री एस० ए० राम
- 26. श्री एम० एम० शर्मा
- 27. भी डी०सी० खरच
- 28. श्री के बी० के ० खन्ना
- 29. श्री इडी । एन । धवन
- 30. अशी हर एफ० टिन्गा
- 314 श्रीए०एम० नन्दकर

1 2

- 32. श्री एच० एस० चावला
- 33. श्री डी॰ संधानम
- 34. श्री भार० एल० वर्मा
- 35. श्रीए० के० बस्
- 36. श्री भार० एल० चोपड़ा
- 37. श्री पी० सी० गीयल
- 38. श्री सी० एन० प्रसाद
- 39. श्री एच० एम० इसराइल
- 40. श्री डी०एन० घोष
- 41. श्री डी० के० सेन
- 42. श्रीबी० एम० श्ररोरा
- 43. श्री बी० के० दुगाल
- 44. श्रीबी० के० सरकार
- 45. श्री बी० एस० गम्भीर
- 46. श्री एन० के० मूर्ति
- 47. श्री पी०ए० रघुनाथन
- 48. श्री एम० बी० एल० प्राप्रवाल
- 49. श्री एच० एल० गुप्ता
- 50. श्री सी० के० कुट्टी कुल्णन
- 51. श्री श्रार० सी० खुराना
- 52. श्री पी० ग्रार० संबरवाल
- 53. श्री एम० पी० चावला
- 54. श्री एम० एम० जार्ज
- 55, श्री के०एल० तनेजा
- 56. श्री डी०पी० ग्ररोड़ा
- 57. श्री जी० बी० सुब्रहामन्यम्
- 58. श्री एम० एम० मलिक
- 59. श्री एम० एल० उप्पल
- 60. श्री डी० के० पांडेय
- 61. श्री ए० डी० मलिक
- 62. श्री भार० ए० भवस्थी
- 63. श्रीएस०पी० ग्ररोड़ा
- 64. श्री ओ०पी० वधवा
- 65. श्रीजे० एन० जेटली
- 66. श्री एम० के० दत्ता
- 001 41 31 1 1 1 1 1 1
- 67. श्री ग्रार० सी० कान्डा
- 68. श्रीके० मुकन्दन
- 69. श्रीके० एल० बतुरा
- 70. श्री ओ०पी० सतिजा
- 71. श्री मार० मार० चुघ
- 72. श्री डी० एन० सिंह
- 7.३. श्री एम० एला० कपूर
- 74. श्री जे० एस० वजीर
- 75. श्री टी० एस० सन्धू
- 70, 41 01 74 44
- 76. श्री ए० एन० खेरा

इस कार्योलय की दिनांक 19 जुलाई, 1980 की घ्रधिसूचना सं०ए० 31013/3/79 ई० ए० एतद्दारा रहकी जाती है। सं० ए० 32013/10/80-ई० I—राष्ट्रपति ने निम्न-निष्टत उपनिवेशकों/विमानक्षेत्र नियन्सकों को उनके नाम के गमने दी गई तारीख से 6 मास के लिए या पद को नियमित रूप भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, निवेशक विमान मागं रिविमान क्षेत्र संगठन रूप में तदर्थ प्राधार पर नियुक्त किया ग्रीर उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर सैनात किया

, नाम o	कार्यभार संभालने की तारी ख	निदेशक के रूप में तैनाती स्टेशन
श्री . एस० डब्ल्यू० जे० मोर्टन	23-10-80	मद्रास एयरपोर्ट
८ भ्रार० एस० पेरेरा	24-10-80	बम्बई एयरपोर्ट

दिनांक 27 नवम्बर 1980

सं० ए० 32013/2/80-ई-1—राष्ट्रपति ने नागर विमानन वभाग के श्री श्रार० एस० गोयता उप निदेशक संचार को देनांक 24-5-80 से 2-9-80 तक उसी विभाग में निदेशक ंचार (पी० ई०) के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

- 2. निम्नलिखित ग्रधिभूचनायें रहकी जाती हैं:--
- (i) ए॰ 32013/2/80 (ii) ई॰ I दिनांक 1-7-80
- (ii) ए० 32013/2/80-ई० I दिनांक 30-9-80
- (iii) ए० 32013/2/80-ई I दिनांक 30-9-80
- (iv) ए० 32013/2/80 (ii) ई० I दिनांक 5-10-80
- (v) ए० 32013/2/80 (ii) ई० दिनांक 20-11-80

विनांक 28 नवम्बर 1980

सं० ए० 32013/11/80-ई० ए०—महानिदेशक नागर विमानन में निम्नलिखित विमान क्षेत्र सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से 6 मास की श्रवधि के लिए या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र श्रिकारियों के ग्रेड में नितान्त तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है। उन्हें नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र धमरोली (इलाहाबाद) में तैनात किया जाता है।

ऋम सं०	• •			दिनांक
1	2			3
1.	श्री गुरमुख सिंह .			6-10-80
2.	श्री बी० के० वेडारकर			6-10-80
3.	श्री फ्रार० के० सेन गुप्ता			6-10-80
4.	श्री एम० के० लोखन्डे			6-10-80
5.	श्री ए० कें० मजूमदार		•	6-10-80

1	2		· ·	3
6.	श्री सी० कारंट चक्रवर्ती			6-10-80
7.	श्री ग्रार० एन० दत्ता		•	6-10-80
8.	श्री ग्रार० के० शर्मा		•	6-10-80
9.	श्रीबी० के० मजूमदार			6-10-80
10.	श्री के० के० मजूमदार			6-10-80
11.	श्रीरत्तन कुमारे .			6-10-80
1 2.	श्री द्वार० रंगाराजन	•	,	8-10-80
	70			

एस॰ गुप्ता उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 विसम्बर 1980

सं ॰ ए-32014/4/79-ई० सी०---महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित वो संचार सहायकों को, जो फिलहाल तवर्ष प्राधार पर सहायक संचार श्रीधकारी के ग्रेड में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 24-11-79 से सहायक संचार श्रीधकारी के ग्रेड में गियमित श्रीधार पर नियुक्त किया है ग्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

कम नाम सं०	तैनाती स्टेशन		
1. श्री एस० के० सेन	वैमानिक संचारस्टेशन, कलकत्ता।		
2. श्री के०पी०स्वामी	वैमानिक संचार स्टेशन, यम्बई ।		

सं० ए-32014/1/80-ई० सी०—महानिवेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को जो इस समय तदर्थ आधार पर सहायक संचार मधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 4-11-80 से सहायक संचार मधिकारी के ग्रेड में नियमित म्राधार पर नियुक्त किया है भ्रौर उन्हें प्रश्येक के नाम के सामने विए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

कम सं०	नाम	तैनासी स्टेशन
1	2	3
1. श्रीटी	० एम० जी० मेनन	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदरायाद।
2. श्रीए	ग०डी० कतीरा	वैमानिक संचार स्टेशन, श्रहमदाबाद ।
3. খীয়	रर ७ एन० मी गे	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ।

1 2	3
4. श्री वी० ए० मेनन	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद ।
5. श्री एन० टी० वजीरानी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ।
6. श्रीसी० जान	नागर विमात्तन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद।

दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं० ए० 32014/4/79-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित छः संचार सहायकों को जो फिलहाल तदर्थ स्राधारपर सहायक संचार स्रधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, दिनांक 22-5-80 से सहायक संचार स्रधिकारी के ग्रेड में नियमित स्राधारपर नियुक्त किया है भीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन परतैनात किया है :—

वैमानिक संचारस्टेशन, बम्बई।
*
वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई।
वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर।
वैमानिक संघार स्टेशन, कलकत्ता ।
वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी ।
वैमानिक संचार स्टेणन, मद्रास ।

श्रार० एन० दास सहायक निदेशक, प्रशासन

विदेश संचार सेवा बम्बई, दिनांक 1980

सं० 1/257/80-स्था०—िविदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा बम्बई शाखा के श्री जी० सी० डीलिमा को तदर्थ श्राधार पर श्रल्पकालीन खाली जगह पर 5-5-80 से 17-7-80 तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परीयात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

> एष० एष० मलहोत्ना उप निदेशक (प्रशा०) हुते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एंव सीमा शुल्क समाह्रतिशय बड़ौदा, दिनांक 18 नवम्बर 1980

सं० 11/80—-केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नश्रीयाद के सहायक समाहर्ता के प्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "ख" के प्रधीक्षक श्री डी० टी० मकवाना वृद्धावस्था पेंशन की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-9-80 के श्रपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 12/80—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क बड़ौदा, के म्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के वर्ग "क" के मुख्य लेखा मधीक्षक श्री ओ० म्रार० के० मद वृद्धावस्था पेंशन की म्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-9-80 के श्रपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 26 नवम्बर 1980

सं० 13/80--केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के प्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "क" के सहायक समाहर्ता प्रिवेन्टीय श्री बी०एम० रेट्द्धावस्था पेयन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-10-80 के श्रपराह्न से निवृक्त हो गए हैं।

दिनांक 29 नवम्बर 1980

सं० 14/80-- केन्द्रीय उत्पादन शुरुक, बड़ौदा के सहायक समाहर्ता के प्रधीन कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुरुक के वर्ग "ख" के सहायक समाहर्ता/ श्रधीक्षक श्री एस० श्रार० दे वृद्धावस्था पैशन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-10-80 के श्रपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

बी० पी० कुमार समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

बड़ौदा, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

सं० 15/80—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा के उप सहायक समाहर्ता के ग्रधीन कार्यरस, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग "क" के सहायक समाहर्ता/श्रधीक्षक श्री बी० जे० गाड़ी वृद्धावस्था पैशन की ग्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-80 के ग्रपराह्म से निवृत्त हो गए हैं।

सं 16/80—केन्द्रीय उत्पादन गुल्क बड़ौदा, के सहायक समाहर्सा के श्रधीन कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के वर्ग "ख" के श्रधीक्षक श्री सी ० पी० गंदोपिया वृद्धावस्था पेंगन की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 30-4-80 के श्रपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

जे० **एम० वर्मा** समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, **ब**ड़ौदा मद्रास-600 034, दिनांक, 1 दिसम्बर 1980

सिं तं IV/16/384/78 CX.ADJ. II-केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (सातवां संशोधन) नियमावली, 1976 के नियम 232-"क" के उपनियम (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो दिनांक 21-02-1976 से प्रभावी है, यह घोषित किया

जाता है कि उपनियम (2) के श्रन्तगंत निर्दिष्टिन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा नमक श्रिधिनयम 1944 की धारा 9 के श्रन्तगंत न्यायालय द्वारा दोषी ठहराए गए व्यक्तियों और उनके नाम, पता व श्रन्य विवरण जिन पर पूर्वोक्त श्रिधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्टित श्रिधिकारी द्वारा ६० 10,000/- था उससे श्रिष्ठक णास्ति श्रिधरोपित की गई है नीचे दिए जाते हैं। (चौथाई हिस्सा 30-09-1980 के लिए)

क्र० व्यक्तियों के नाम सं०	पता	ग्रधिनियम के उल्लेखित उपबन्ध	म्रधिरोपित शास्ति की राजर्फि
श्री ए० मोहम्मद गौप एस० पी० ग्रब्दुल खादन् के सुपुत्र	तम्बाकू व्यापारी एल० 5 सं० 11/16, घर संख्या 100, गनफैर स्ट्रीट फोर्ट सेलम-1	केन्द्रीय उत्पादन गुल्क तथा नमक श्रधिनियम के 1944 की धारा 9 (1) (ख) 9 (1) (ख ख) पढ़िए केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के 1944 की नियम 15 (ग) श्रीर 223	चुकाने का जुर्माना दो सहवती पर (रु० 200/-
 श्रीमती चिन्तम्माल के० भ्रांडियप्पन कीपत्नी 	तम्बाकू व्यापारी एल० 5 सं० 2/72 सं० 68, पार्क स्ट्रीट, सेलम-1	केन्द्रीय उत्पादन भुल्क तथा नमक ग्रिधिनियम के 1944 की धारा 9(1) (ख) 9(1) (ख ख) पढ़िए केन्द्रीय उत्पादन भुल्क के 1944 की नियम 151 (ग) ग्रीर 223	दण्डित ग्रौर ६० 200/- चुकाने का जुर्माना श्रनुपस्थिति में 2 महीने का कठोर कारावास

IJ विभागीय न्यायानिर्णय

बी० भ्रार० रेड्डी समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मद्रास

बम्बई-400 020, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० II/3ई० (9) 2/77 पार्ट-I—िनम्निलिखित प्रवरण कोटि निरीक्षण ने प्रोन्नित पर उनके नामों के श्रागे दर्शाई गई तिथि से बम्बई केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय-I में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क स्थानापन्न श्रधीक्षक वर्ग "ख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

कम नाम सं०			कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1 2			3
1. श्री बी० ए० मैनचन्दार्न	t .		14-10-80 (पूर्वाह्न)
2. श्री एन० बी० कालवस	ते .	•	4-11-80 (पूर्वाह्म)
3. श्री जी० धरमादेवम्	•		25-11-80 (पूर्वाह्स)

_1	2			3
4.	श्री के० ग्री० जार्ज		,	25-11-80
				(पूर्वाह्न)
5.	श्री के० जी० माहुली	-	•	25-11-80
	-^			(पूर्वाह्स)
6.	श्री ग्रार० सुन्दरम्	•	•	21-11-80
_	***** **			(भ्रपराह्न)
7.	श्रीके० बी० पई	•	•	27-11-80
o	श्री ए० के० चटर्जी			(पूर्वाह्न)
0.	आ ए० ५० ५८ ग	•	•	25-11-80
9.	श्री श्रार० के० मेहरा			(पूर्वाह्न) 26-11-80
.	an Arta ha aga	•	•	20-11-80 (पूर्वाह्म)
10.	श्री एस० के० मोतीवाला			21-11-80
	•			(ग्रपराह्न)
11.	श्री जी० जे० जोशी	•		25-11-80
				(पूर्वाह्न)
12.	श्री डी० वी० दांडेकर	•		25-11-80
			_	(पूर्वाह्न)

1 2			3
13. श्री एस० श्रार० परझ	•	•	25-11-80 (पूर्वाह्म)
14. श्री पी० डी० पंडित	•	•	28-11~80 (पूर्वाह्म)
15. श्री बी० ए० चडोले	•	•	25-11-80 (पूर्वाह्म)
16. श्री ए० एन० सैयद	*	•	25-11-80 (पूर्वाह्न

सं 0 II / 3 ई० (9) 2/77 पार्ट-I— श्री एम० जे० दावर, कार्यालय अधीक्षक ने प्रोन्नति पर दिनांक 21-11-1980 पूर्वाह्न से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय बम्बई-1 में परीक्षक वर्ग "ख" के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

सं । II/3 ई । (9) 2/77 पार्ट- । — श्री के । एम । हरवाड-कर, प्रधीक्षक वर्ग "ख" केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय-बम्बई- । श्रधिवार्षिकी की श्रायु प्राप्त होने पर दिनांक 31-10-1980 को श्रपराह्न सेवा निवृत्त हुए।

सं० II/3ई० (9) 2/77 पार्ट- — राज्य जन सेवा ब्रायोग (यू०पी० एस० सी०) के दिनांक 15-9-1979 के पन्न फा० सं० एफ-1/12/79-श्रार० जी० तथा दिनांक 28-9-1979 के पन्न फा० सं० एफ-1/2/79 श्रार० डी० के फलस्वरूप निम्निलिखत उम्मीदवारों की उनके नामों के ब्रागे दर्शाई गई तिथि से बम्बई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय-1 में ब्रस्थाई तौर पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रधीक्षक वर्ग "ख" (विशेषक्र) के रूप में नियुक्त किया गया।

क्रम नाम सं०			कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1. श्री कुलभूषण खेत्रपाल		•	11-4-80 (भ्रपराह्न)
2. श्री ए० डी० काम्बली	•		30-6-80 (ग्रपराह्न)
3. श्री वी० के० भटनागर	•	•	28-8-80 (पूर्वाह्न)
4. श्री सी० के० गोयल	•	•	7-10-80 (पूर्वाह्न)

कु० श्री दिलीपसिंहजी समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-I . विधि त्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ई० विरैया एंड कम्पनी (श्रोवरसीज) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर, 1980

सं० 534/लिक/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के हेतु द्वारा सूचना दी जाती है कि "ई० विरैया एंड कम्पनी (ओवरसीज) प्राईवेट लिमिटेड" (समा-पनाधीन) का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 युनाइटिङ कंस्ट्रेक्शन लिमिटेङ (समापनाधीन) के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

मं० 672/लिक/560——कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के हेनु द्वारा सूचना दी जाती है कि युनाइटिड कंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड (समापनाधीन) का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वी० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार श्रान्ध्र प्रदेश, हैदरांबाद ।

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 1097/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चन्द्रा इलें क्ट्रिक एण्ड इंजीनिर्रार्रेग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 1416/560/80—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि चेतन उद्यम संघ प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 1421/560/80—कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कावेरी फिल्मस लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

बेंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 2570/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसूर आयल प्रोटीनज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बेंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 2652/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि राव केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 2815/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पन्डिबपूरा चिट फन्ड प्राईबेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 3059/560/80—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एनद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बी० श्रार०सी० बीचरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बेंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 3103/560/80—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि करनाटक प्राजनसन एंड मानूफाकचरमें प्राईवेट निमिटेंड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

बंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 3191/560/80—कम्पनी ऋघिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सन्दीमसर एक्पपोर्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बेंगलूर, दिनांक 5 दिसम्बर 1980

सं० 3390/560/80——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण से एतदृद्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीराम रेस्टोरेन्ट प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बेंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० 2268/560/80—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पालीमेरस एन्ड केमिकलस प्राईवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट विया गया है भ्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

बेंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० 2518/560/80—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के ग्रनुसरण से एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि कार इण्डिस्ट्रियल प्रोडक्टस एण्ड जनरल एजन्सी ज प्राईवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर श्रालहसरू प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० 2635/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्ढारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आलहसक प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर संपुतनिक लेंबोरेटरीस श्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बेंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1980

सं० 2903/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्कारा सूचना दी जाती है कि संपुतनिक लेंबोरेटरीस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर हो गई है।

पी० टी० गजवानी कम्पनियों का रजिस्ट्रार ।

कार्यालय श्रायकर श्रायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 29 नधम्बर 1980

भ्राय-कर

सं० जूरि/दिल्ली-3/80-81/30617----श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 42 वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबन्ध में प्राप्त ग्रन्य सभी मक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि दिनांक 1-12-1980 से नि्म्नलिखित श्रायकर सर्विकल बनाया जाएगा :---

डि॰ 10 (6) म्रातिरिक्त, नई दिल्ली।

सं० सी० आई० टी० 3/जुरि/80-81/30737—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए तथा इसी विषय पर पहले जारी की गई अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, आयकर आयुक्त दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि आयकर अधिकारी, डि० 10 (6) अतिरिक्त नई दिल्ली का आयकर अधिकारी डि० 10 (6), नई दिल्ली के साथ उनके द्वारा निर्धारती / निर्धारण योग्य व्यक्तियों/मामलों के संबंध में समवर्ती अधिकारी क्षेत्र होगा। किन्तु इसके धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले मामले शामिल नहीं होंगे।

कार्य-निष्पादन की सुविधा के लिए, श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली-3, निरीक्षिय सहायक श्रायकर श्रायुक्त, रेंज-4-सी, नई दिल्ली को श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 124 की उप-धारा (2) में श्रपेक्षित श्रादेशों को पास करने के लिए भी प्राधिकृत करते हैं।

यह अधिसूचना 1-12-80 से लागू होगी।

पी० के० मिला श्रायकर श्रायुक्त, दिल्ली 3, नई दिल्ली कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 दिसम्बर, 1980

शुद्धिपत्र

सं० 2338—धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना जो भारत के राजपत्न भाग III-खण्ड 1 में सप्ताहान्त 22 नवस्वर 1980 को पृष्ठ संख्या 12377 तथा 12380 पर निदेश संख्या अमृतसर/80-81/174 दिनांक 13 श्रक्तूबर 1980 तथा संख्या श्रमृतसर/80-81/177 दिनांक 16 श्रक्तूबर 1980 के श्रधीन प्रकाणित हुई हैं, में निम्नलिखित संशोधन किया जाए:—-

पृष्ठ 12377 पर श्रनुसूची, पंक्ति 2 में---'डीड संख्या 3525' के स्थान पर' 'डीड संख्या 3505' पढ़ा जाए।

पृष्ठ 12380 पर प्रनुमूची, पंक्ति 2 में---

'डीड संख्या 3350' **के स्थाम परं** 'डीड संख्या 3380 पढ़ा जाए।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, अमृतसर

प्ररूप माई॰ टी० एन० एस०---___

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० भ्रजंन/817--यतः मुझे एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० जी-32/33 है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 22-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरग निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रत, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण ग, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधार। (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,श्रथात:—

- (1) श्री रामनाथ, नटवरलाल, बनवारीलाल, रमेश चन्द्र पुत्र जगन्नाथ श्रीमनी नरन्द्र देवी पत्नी श्री जगन्नाथ जी लाहोती निवासी 47 मंडीमोहल्ला पाली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री गंकरलाल (2) श्रीमती जिमी देवी पत्नी भैरामलजी (3) श्रीमती गारदा देवी पत्नी रामनारायण जी, गोविन्द प्रसाद पुत्र भेरा मल जी सर्राफ निवासी रतनगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील स०30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा. श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधि-निशम के यञ्चाय 20-क में परिभाःषत हैं. बही भर्ष होगा जा उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० जी-32 एवं जी-33, इण्डस्ट्रीयल ऐरिया-2, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा ऋम संख्या 41 दिनांक 22-3-80 पर पंजीबद्ध विकयपत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-11-80

प्रकृप भाई • टी • एत • एस • =----

आयकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के श्रवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/818—यतः मुझे एम०एल० चौहान,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधिक है

श्रौर जिसकी प्लाट सं० जी-31 है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति कि उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय, या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीम्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भामिनियम, या धन-कर भीमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, सन, उत्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त प्रधिनियम की बारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपितियों, अर्थात्:→- (1) श्री रामनाथ, नटवरलाल, बनवारीलाल, रमेश चन्द्र पुत्र जगन्नाथ जी, श्रीमती नर्बदा देवी पत्नी जगन्नाथ लाहोती नि॰ नदी मोहल्ला पाली डा॰ इन्द्र सेन पुत्र चिमनलाल जी सेन, श्रीमती श्राशारानी पत्नी श्री इन्दरसेन नि॰ नेहरनगर, पाली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुरेशकुमार पुत्र शंकरलाल, (2) श्रीमती जिमी देवी पत्नी भरमल (3) श्रीमती सारदा पत्नी राम निरंजन, (4) गोविन्दश्रसाद पुत्र मेरुमलजी सर्राफ निवासी रतनगढ़

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य क्यक्ति झारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दी का, जो उक्त धाधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस घड़्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्लाट नं जी-31, इंण्डस्ट्रीयल ऐरिया नं 2, पाली जो कि उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 42 दिनांक 22-3-80 परपंजीबद्ध विकयपत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णात है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) झर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 20-11-80

मारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रज, जयपुर

जयपुर,दिनांक 17 नवम्बर 1980

श्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/809--यतः मुझे एम०एन० चौहान

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'अकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका जिसत बाजार मूह्म 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 31-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाशाविक कुप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किशो माय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के नन्तरक के वायिका में अभी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर सिघनियम, 1922 (1922 का 11)या उनत अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त धिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निश्निलिखित व्यक्तियों, अथौंस्:-- श्री चन्द्र प्रकाश ग्रग्नवाल पुत्र श्यामसुन्दर लाल, जयपुर

(श्रन्तरक)

(2) श्री दयाल सिंह पुत्र रामसिंह द्वारा दयाल पलोर मिल कासिंह गंगापोल के पास, जयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अध्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोतृस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त भव्दों भीर पदों का, जो उक्त स्राधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया है

श्रनुसूची

चितवाड़ी का बाग, चौकड़ी गंगापोल में स्थित एक प्लाट जी उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 669 दिनांक 31-3-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-11-80

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-----

थ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के स्रवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

न्नादेण सं० राज०/सहा० ग्रा० म्रजैन/810—यतः मुझ एम०एल० चोहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राश्चिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राये से प्रश्चिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 68 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपावख प्रजुस्ची में ग्रीर पूर्ण कप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजरट्रीवरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-3-1980

को पूर्वोषत सम्पत्ति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अप्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अप्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिश्रिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीननिम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:--- (1) श्रीमती शकुन्तला ढींगरा श्रप्रवाल कालेज के सामने ग्रागरा रोड जयपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र कला णर्मा, सी-18, भगवानदास रोड, जयपुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

एक खुला प्लाट जिसके बाउन्छरी वाल सहित, प्लाट नम्बर 68, रामपुरा रफा, गृह निर्माण सहकारी समिति की यूनिट नं० 2 में, क्षेत्रफल 729 वर्ग गज जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 642 दिनांक 28-3-80 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में स्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-11-80

मोहर ।

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर पायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश मं० के० एन० एन०/115/79-80--श्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है और जिसकी संब दुकान नंव 88 है तथा जो नई ग्रेन मार्किट खन्ना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, तारीख मार्च 80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) प्रन्तरण न हुई किसी प्राय की बायत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घातः— 3—386GI/80 (1) श्रीमती कमला देवी विधवापत्नी श्री रामजी दास, निवासी खन्ना।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जंग सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह व सर्वेश्री रणजीत सिंह, चरन सिंह दोनों पुत्र श्री सज्जन सिंह, निवासी गांव रॉन हेडी, खन्ना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20 क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 88 नई ग्रेन मार्किट खन्ना (ज्यादाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2136, मार्च 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-11-80

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल० डी० एम०/647/79-80--- मतः मुझे सुखदेव चन्द **धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें** इसके पण्चात् 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-VI-166 (नया) है तथा जो माधोपुरी कुच्चानं० 2, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब अनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख 3/80 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रक्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में, उदत श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिक्टित व्यक्तियौ, प्रयातः :---

- (1) श्री राम प्रकाण खोसला पुत्र श्री मुकन्द लाल निवासी माधोपुरी, क्च्चानं० 2, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुशील कुमार जैन पुत्न श्री प्यारा लाल निवासी 1076ए, सेक्टर 20-बी, चण्डीगढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई मी ब्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त मन्दों भौर पदों का, जो उक्त म्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा, जो उस स्रघ्याय में दिया गया है।

अनु सूची

1/2 भाग मकान नं० बी-VI-166 (नया), माधोपुरी, कुण्यानं० 2, लुधियाना।

(जायदाद जैसा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5927, मार्च 1980 में दर्ज

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारी**खा**: 18-11-80

भारत सरकार

फायां लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश सं० एलडीएच/623/79-80—-भ्रतः मुझे, सुखदेव चन्द,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कहे, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 424.1 1/3 वर्गगज है तथा जो तरफ कारा वारा, गुरदेव नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16 के श्रिधीन, तारीख 3/80

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखिल व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री राविन्द्र सिंह पुत्न श्री लाल सिंह निवासी नारूर, तहसील फगवाड़ा श्रव मकान नं० बी-XX-427/2, कृष्णा नगर, नजदीक गुरूद्वारा माई नन्द कौर, घुमार मण्डी, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तरसेम लाल पुत्र श्री राम दित्ता, मकान नं० बी-XX-427/2, घुमार मण्डी, लुधियाना । (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्परिस के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- पद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

प्लाट क्षेत्रफस $424\ 1/3$ वर्ग गज, तरफ कारा बारा, ग्रहेव नगर, लुधियाना ।

(जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्सा मधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5612, मार्च 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्य सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 18-11-80

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायक्रील्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निदेश सं० एलडीएच/242/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संप्रित् जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी मकान जायदाद है तथा जो राजेण नगर, हेवोबाल कला तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालाय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, 3/80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कांथत नहीं किया गया प्राहरें——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शैक्क/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुबरण में; मैं, उन्त अधिनियम की बारा 269-च मी स्पधारा (1) के बाधीम, निम्मलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् 1—— (1) श्री गुरुपकार सिंह पुत्र श्री करतार सिंह 81, राजेश नगर हेवोवाल कला, तहसील लुधाना।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती फूल कान्ता घोपड़ा पत्नी श्री प्रेम प्रकाश चोपड़ा, निवासी राजपुरा रोड, सिविल लाईन, लुधियाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्परित के कर्चन के निस् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

मकान जायदाद, राजेश नगर हेबोवाल कलां तहसील लुधि-याना, (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 7325, मार्च 1980 में दर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीखा: 18-11-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नथम्बर, 1980

निदेश सं० एलडोएच | 646 | 79-80 -- अतः मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० भाग कोठी नं० 81बी है तथा जो सारामा नगर लुधियाना में स्थित है (ष्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रेंकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रेंकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख 3/8 0

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये उसे तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; म्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः मन, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

(1) श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह, निवासी गांव मियानी, तहसोल दस्हा, जिला होशियारपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो रणजीत सिंह सोहल पुत्र श्री करतार सिंह, निवासी गांव दाद, तहसील व जिला लुधियाना (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन की प्रविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंद-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो खकत प्रधिनियम के घड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भाग कोठी नं० 81बी, सरामा नगर, लुधियाना। (जत्यदाद जैसा कि रजिस्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5911, मार्च 1980 में दर्ज हैं)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 18-11-80

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>.रीक्षण)</u> श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निदेश सं० एलडीएच/643/79-80—श्रतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी० VI-896 (पुराना बी-1X-911 (नया) है तथा जो गुलचमन गली लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3/80 को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति हैं रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिख्त व्यक्तियाँ अर्थात्:-- (1) श्री शिगारा सिंह पुत्र श्री किशन सिंह, निवासी 53-डी, सराभा नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार पुत्र श्री जगदीश लाल निवासी 1292/2, गली नं० 1, माधोपुरी, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निलिखत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनुसूची

½ भाग मकान नं B VI. 896 (पुराना) B. IX 911 (नया) गुलचमन गली, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5840, मार्च 1980 में दुर्ज है)

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 18-11-80

म्रोहरु 🗵

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 दिसम्बर 80

निदेश मं० पी० एन० पी०/40/79-80--श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० मकान नं० 333-334, वार्ड नं० 5, है तथा जो मेन बाजार, पानीपत में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय पानीपत में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 80

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्ः-- (1) श्री टिल्ल् राम उर्फ श्री प्रेम सागर पुत्रश्री लाल चन्द पानीपत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राज दुलारी पत्नी श्री लक्षमी धन्द, 85, सुखदेव नगर, पानीपत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 333-334, बाई नं० 5, मेन बाजार, पानीपत तथा जिसका श्रीर श्राफिस विवरण रजिस्ट्रीकर्ता पानी-पत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 6129 दिनांक 3-3-80 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राप्थिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 5-12-80

मोहर 🛭

प्ररूप आहर् .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश सं० एस० पी० टी०/23/79-80—-श्रतः मुझे गो०सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 69-एल, माडल टाउन है तथा जो सोनीपत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल सो, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुईं िकसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियां अर्थात्;-- (1) श्री इन्द्र सैन कालड़ा पुत्रश्री शाम दास मकान नं० 69-एल, माडल टाऊन, सोनीपत

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला राय पत्नी श्री केपटन रण सिंह, निवासी ग्राम मोई तहसील सोनीपत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

सम्पत्ति मकान नं० 69-एल, जोकि माडल टाऊन सोनीपत में स्थित है तथा जिसका ग्रौर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5364 दिनांक 14-3-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 4-12-80

प्रारूप आई॰ टी॰ एन० एस०-----

अरायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)ी

भ्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेण सं० बी० जी० श्रार०/44/79-80—स्प्रतः मुझे गो०सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु• से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन रकबा 42 कनाल 11 मरले है तथा जो ग्राम सीकरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिझिनयम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब उनत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—~
4—386GI/80

- (1) श्री बिमल प्रसाद जैन पुत्र श्री उग्र सैन जैन
 32/1, हनुमान रोड, नई दिल्ली ।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री वी० बी० गुलाटी पुस्न श्री एल० श्रार० गुलाटी, निवासी एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रंभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण। --- इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पर्दो का, जी छन्त भिधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिकाषित है, बही भयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूघी

सम्पत्ति भूमि रकबा 42 कनाल 11 मरले जोकि ग्राम सीकरी में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी बल्लबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 9243 दिनांक 28-3-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 4-12-80

प्ररूप आइ°.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 80

निदेण सं० बी० जी० श्रार०/45/79-80—-श्रत:मुझे गो०सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि रकवा 17 कनाल 16 मरले हैं तथा जो ग्राम सीकरी में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से फम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री बिमल प्रसाद जैन पुत्न के उगर सैन जैन, निवासी 32/I, हनुमान रोड, नई दिल्ली (भ्रन्तरक)

कैंपटन एल० भ्रार० गुलाटी पुत्र श्री पी० सी० गुलाटी, निवासी 1-सी/110, एन० श्राई० टी०, फरीदाबाद (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रक्ष्या 17 कनाल 16 मरले जोकि ग्राम भीकरी में स्थित है तथा जिसका श्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 9244 दिनांक 28-3-80 में स्थित है।

> गो० सि० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 4-12-80

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कों धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/46/79-80—श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि रकबा 23 कनाल 10 मरले हैं तथा जो ग्राम सीकरी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 80

को पूर्वांकत संपर्तिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे ब्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्:--

- (1) श्रीमती सरला जैन पत्नी श्री बिमला प्रशाद जैन निवासी 32/1, हनुमान रोड, नई दिल्ली।
 - (भ्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती सरोज रानी पत्नी श्री ग्रार० एस ग्रग्नवाल निवासी 5/8ए अहीर बाड़ा श्रोल्ड फरीदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 23 कनाल 10 मरले जोकि ग्राम सीकरी में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 9245 दिनांक 28-3-80 में दिया गया है।

> गो० स० गोपाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंग रेंज, रोहतक ।

तारीख: 4-12-80

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 80

निदेश सं० बीजीग्रार/47/79-80---श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका जाचत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर सिजकी सं० भूमि रकबा 28 कनाल 5 मरले है तथा जो ग्राम सीकरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन; मार्च, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- भल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तुत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविवा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखनु व्यक्तियों अर्थान्:-- (1) श्रीमती सरला जैन पत्नी श्री बिमल प्रशाद जैन निवासी 32/1 हनुमान रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा गुलाटी पत्नी श्री बी० बी० गुलाटी नियासी 1-सी/110, एन० ग्राई० टी० फरीदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्त्रची

सम्पत्ति भूमि रकबा 28 कनाल 5 मरले जोकि ग्राम सीकरी में स्थित है तथा जिसका ग्रीर ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 9247 दिनांक 28-3-80 में दर्ज है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 4-12-80

प्ररूप माई० टी० एन• ए स०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर 1980

निदेश सं० बी० जी० श्रार०/100/80-81—श्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि रकबा 4 कनाल 12 1/2 मरले है तथा जो बलवगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बलबगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्राप्रैल, 1980

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों वर्धात्:-- (1) श्री बृजराज सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह निवासी बलवगढ़।

(अन्तरक)

- (2) (1) सर्बश्री लछमन दास, सूरज भान पूरन सिह पुत्रान श्री उमरा
 - (2) श्रीमती मामा देवी पत्नी श्री सुगानचन्द
 - (3) श्रीमती उमरानी पत्नी श्री भ्रानन्द प्रकाश निवासी बलबगढ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही

धनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकवा 4 कनल 18 1/2 महैले जोकि बलबगढ़ में स्थित है तथा जिसका श्रौर श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 635 दिनांक 16-4-80 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारी**ख**ः 4-12-80

प्ररूप आहु-ै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 4 दिसम्बर, 1980

निदेश सं० एस० श्रार० एस०/4/80-81—अतः मुझे, गो०सि० गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि रकवा 56 कनाल 12 मरले है तथा जो ग्राम खांडा खेड़ा (सिरसा) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यआस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती काशमीर कौर उर्फ लखबीर कौर धर्मपत्नी श्री चानन सिंह पुत्र श्री बगा सिंह निवासी ग्राम खांडा खेड़ा, तह० सिरसा

(अन्तरक)

- (2) (1) श्री दिवन्द्र सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह
 - (2) श्री गुरबखश सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह
 - (3) श्रीमती गुरमुख कौर
 - (4) श्री स्वर्ण सिंह पुत्रश्री बलवीर सिंह
 - (5) श्री गुरबिन्द्र सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी ग्रेवाल बस्ती, सिरसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्पत्ति भूमि रक्षबा 56 कनाल 12 मरले तथा टयूबवैल जो कि ग्राम खाँडा खांड़ा (सिरसा) में स्थित है तथा जिसका ग्रीर श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यालय में रजिस्ट्री कुमाऊ 495 दिनांक 23-4-1980 में दिया गया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 4-12-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

अरायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 श्रगस्त 1980

निदेश सं० III, 427/म्रर्जन/80-81—म्प्रतः मुझे ज्योतिन्द्र

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है।

श्रौर जिसकी सं तौजी नं 143 बार्ड नं 2 सर्किल नं 6 एम एस एस प्लाट नम्बर 84, 85 होल्डिंग नं 134 146 175 घी है, तथा जो बांकीपुर फेजर रोड, पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूणक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-3-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है गौर ग्रन्तरक (अन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्रविधा के लिए;

भतः, भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीतः-- (1) श्रीमती श्यामा वती देवी जौजे स्व० भरत नारायण सिंह, ग्राम-ञ्डुमरी पोस्ट श्राफिस सोनपुर जिला छपरा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मिथलेण कुमार सिंह बल्द स्व० राम रतन सिंह वहरसियत मैनेजिंग डायरेक्टर होटल चाणन्य प्रा० लिमिटेड रिजस्टर्ड ग्राफिस बुद्ध बिल्डिंग, बुद्ध मार्ग, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसम प्रयुक्त सब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के स्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही स्रथं होगा, जो उस स्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 10 घूर जो बांकीपुर फेजर रोड, पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से वासिका नम्बर 1372 दिनांक 12-3-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धक पदा-धिकारी पटना के द्वारा हुश्रा है।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम पदाधिकारी निरीक्षक सहायक श्रायकर श्रामुक्त श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना ।

तारीइ : 8-8-80

प्ररूप बाई • टी • एन • एत • ---

आयकर **नधिनियम; 1961 (1961 का 43) की** घारा 269-न (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांक 8 श्रगस्त, 1980

निदेश सं० III, 428/म्रर्जन/80-81—-भ्रतः मुझे ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रमीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० तौजी नं० 143 वार्ड नं० 2 सिकल नं6 एम० एस० प्लाट नं० 84, 85 होल्डिंग नं० 134, 146 175 वी० है, तथा जो बांकीपुर फ्रेजररोड पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपलब्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्ष्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अभ्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिखित व्यक्तियाँ सुधृत्रिः—

- (1) श्री दीना नाथ सिंह सपुत्र श्री देव नन्दन सिंह याना जगदीशपुर At कवरा जिलाभोजपुर ।
- (2) श्री मिथलेश कुमारसिंह श्रात्मजस्व० राम रतनसिंह वहैंसियत मैंनेजिंग डायरेक्टर, होटल चाणक्य प्राईवेट लिमिटेड रस्जिटर्ड श्राफिस- —बुद्ध बिल्डिंग बुद्ध मार्ग पटना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकारी।

स्पष्डिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

धनुसूची

जमीन का रकबा 15 घूर (1020 वगफीट) जो बांकीपुर फ्रेंजर रोड पटना में स्थित है तथा पूर्णरूप से दस्तावेज संख्या 1893 दिनांक 27-3-80 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धक जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी पटनाद्वारा हुश्रा है।

> (ज्योतीन्द्र नाथ) (सक्षम पवाधिकारी) निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार पटना।

तारी**ख**: 8-8-80

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

पटना,दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश सं० III 456/श्रर्जन/80-81---श्रतः मुझे हृदय नारायण

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 145 म्यूनसपल होत्डिंग नं० 54, वाड नं० 1 एदर अचल मुंगेर के अधीन, तौजी नं० 1333 खाता न० 11, जमाबन्दी नं० 10/70 किला के श्रन्दर थाना व जिला मुंगेर में स्थित है (श्रौर इससे उपावध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 19-3-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्ष्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रनिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---5--386GI/80 (1) श्री परमहंस सत्यानन्द सरस्वती जो स्वामी णिवा-नन्द जी के चेलातथा श्रध्यक्ष विहार स्कूल श्राफ योगा णिवानन्द श्राक्षम फगलय/थाना/जिला मुगेर विहार

(ग्रन्तरक)

(2) (1) निर्मल कुमार जलान (2) विनोध कुमार जलान (3) श्रवण कुमार जलान (4) भरत कुमार जलान, सभी पुत्र श्री प्रहलाद राय जलान (स्वर्गीय) निवासी—महल्ला चौक बाजार पोस्ट/जिला मृंगर

(ग्रन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **प्रार्थन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पड्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची]

जमीन का रकबा 1 बीघा 1 कट्ठा 16 घर स्रौर 9 घूरकीं मकान सिहत किता के स्नन्दर फगलय व थाना के जिला मुंगेर में स्थित है तथा जो पूणरूप से विजिसका नम्बर 1---1740 दिनांक 19-3-80 (तम्बर 1-1680 दिनांक 19-3-80) में विजित है तथा जिसका निवन्धन रिजिस्ट्रार स्नाफ एरयोरेंस वलकत्ता के द्वारा संम्यत्र हुआ है

हृदय नारायण (सक्षम पदाधिकारी) निरीक्षण महायक श्रायकर आयुक्त ग्रजन परिक्षेत्र विहार, पटनाः

तारोखा: 18-11-80

मोहरः

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरक्षिण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना
पटना, दिनांक 20 नवम्बर, 1980

निदेश सं । III, 457/ग्रर्जन/80-81—ग्रनः मुझे, हृदय नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- सं अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० थाना नं० 347 वार्ड नं० 26 तौजी नं० 5990 इत्यादि है नथा जो मुहल्ला नया टोला, मुजफ्फरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावब्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 28-3-80

को क्यों क्या गर्पात्त के उचित बाजार मृत्य से फ्रम् के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिब रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सियधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमः, की भाग 269-ग के अनुसरण में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः-- (1) श्री रामदेव राय वल्दश्री निरणु राय, ग्राम जावज, थाना महनार, जिला वैणाली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मदन मंजरी देवी जीजेश्री राम दास णुक्ला निवासी मृहल्ला--नया टोला, मृजपफरपुर सहर, मृजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन वे लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रची

जमीन का रकबा 5 किट्ठा 2 चूर जो मिल जुमते सी० एम० पी० नम्बर 184, 185 198, 199, 200 तथा 201 का श्रंण तौजी नम्बर 5990, वार्ड नं० 26, थाना नम्बर 347 जो मुहल्ला नया टोला मुजपफरपुर में स्थित है तथा जो पूर्णस्था से बासिका नम्बर 3922 दिनांक 28.38 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निबन्धन पदाधिकारी मुजफफरपुर द्वारा संपन्न हुई है।

> हृदय नारायण मक्षम पदाधिवारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 20-11-80

प्रकप भाई• टी• एन• एस•---

आयकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 20 नवम्बर, 1980

निदेश सं । III 455/श्रर्जन/80-81 — ग्रतः मुझे हृदय नारायण आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पार्ट होल्डिंग न० 156, सिंकल न० 52 वार्ड न० 15 सीट न० 121 पार्ट एम० एस० प्लाट न० 390 है, तथा जो मुहल्ला मुलतानगंज, पटना णहर, पटना में स्थित है (श्रौर इसमें उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिंगित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिक्षकारों के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 22-3-80 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः भव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मिश्वित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्रोमती सावित्ती देवी पत्नी श्री विन्देश्वरी प्र० सिंह मोइवार ग्रीर (2) श्री कृष्ण कुमार मोईवार पिता श्री विन्देश्वरी प्र० सिंह मोईवार कानूनी तौर पर उनके ग्रिधकृत प्रतिनिधि श्री विन्देश्वरी प्र० सिंह मोइवार निवासी मोहल्ला "जोधन निवास" मुलतानगंज पटना गहर, पटना-6 (निरीक्षण)
- (2) (1) कुमारी सहीदा परवीन (2) कौशर परवीन (3) निशात परवीन पुत्री निशार ग्रहमद खान, महल्ला गुलाब बाग, पटना-4

त्रतमान निवासी मुलतानगंत्र, पटना शहर पटना-6

(अन्तरिता)

- (3) (1) नवरतन जनरल स्टोर्स प्रोपराइटर्म, साकीर हुमैन, सुलतानगज प्रश्ना शहर पटना।
- (2) बी० एस० मी० णू मोप, प्रोपराइटर नूरे जहान बेगम, महल्ला मुलतानगज पटना णहर, पटना।
- (3) क्लाथ शाप मालिक श्री एम० हवीकुल्लाह महल्ला मुलतानगज पटना शहर पटना।
- (4) तालावाला
- (5) श्री वसीम भ्रमशारी स्टेनो पटनायूनिवर्मिटी, निवासी सुलतानगज, पटनाशहर पटना।
- (6) शहीदा परवीन, कौशल परवीन ग्रीर निशात परवीन पुत्री निशात श्रहमद, मुलतानगज पटना शहर, पटना। (बहुव्यक्ति जिसके श्रभियोग में सम्पत्ति है।)

 मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बही प्रथं होगा, जो उस प्रक्ष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो तल्ला मकान का उतरी भाग जो 1202 वर्ग फीट में बना हुआ है और जिसमें अनेक दुकानें, कमरे एवं सीड़ियां निचले तल्ले में और पहले तल्ले में निवास फ्लैट बने हुए हैं और जो अनेक किरायेदारों के कब्जे में है जिसका होल्डिंग नम्बर 156, सिकल नम्बर 52 वार्ड नं० 15 सीट नं० 121 म्यूनिसपल फ्लैट नं० 390 जिसका रक्षवा 14 म्युनिसपल डिसमल है और म्यूनिसपल पलैट नम्बर 391 (पार्ट) का रक्षवा 11 म्यूनिसपल डिसमल (1202 वर्गफीट) के बराबर है जो महल्ला व थाना मुलतानगंज पटना शहर पटना-6 में म्थित है तथा जिसका निबन्धन पटना मिटी में वासिका नम्बर 1054 दिनांक 22-3-80 को हुआ है।

हृदय नारायण (सक्षम प्राधिकारी) सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रजंन परिक्षेत्न, बिहार, पटना।

तारीख: 20~11-80

प्रकप शाई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक झार्यकर झार्यक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 18 नवम्बर, 1980

निदेश सं० III 454/ग्रर्जन/80-81——ग्रनः मुझे हृदय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पार्ट होल्डिंग नं० 156 सिकल नं० 52, वार्ड नं० 15 सीट नं० 121 पार्ट एम० एस० प्लाट नं० 391 है, तथा जो मुहल्ला मुलतानगंज, पटना शहर, पटना-6 में स्थित है (और इसके उपलब्ध भ्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटना सिटी में रेजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-2-80 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल का नम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आप्/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री विन्देण्वरी प्र० सिंह मोइवार ग्रीर (2) श्री कृष्ण कुमार मोइवार पिता श्री विन्देण्वरी प्र० सिंह मोइवार कानूनी तौर पर उनके ग्रधिकृत प्रतिनिधि श्री विन्देण्वरी प्र० सिंह मोइवार निवासी मुहल्ला मुलतानगंज, पटना टाउन, पटना-6 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सकराखनैन पत्नीश्री निणार श्रहमद मुहल्ला मुलतानगंज, पटना शहर, पटना। (श्रंतरिती)
- (3) (1) श्री मुर्तजा हुसैन मुलतानगंज, पटना गहर, पटना
 - (2) श्रो ए० ख० मुलतानगज पटना णहर, पटना
 - (3) सवराखनैन पत्नी निषार ग्रहमद, सुलतानगंज पटना णहर पटना।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या स्ट्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्युध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभः पित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गयः हैं।

भ्रनुसूची

दो तल्ला मकान का दक्षिणी भाग जो 1746 वर्ग फीट में बता हुआ है और जिसमें अनेक निवास पलैट निचले तल्ले में और दो फ्लैट पहले तल्ले में बने हैं और जो अनेक किरायदारों के कब्जे में हैं, केवल दो ही कमरे केदो यूनिट निचले तल्ले पर और एक फ्लैट पहले तल्ले पर दक्षिण तरफ खाली है जिसका होल्डिंग न० 156, सर्किल नं० 52 वार्ड नं० 15 फीट न० 121 म्यूनिसपल फ्लैट न० हिस्सा 391 जिसका रक्बा 38 म्यूनिसपल डिसमिल है जो 1746 वर्ग फीट के बराबर करीब करीब होता है और जो मुह्ल्ला मुलतानगज पटना गहर में स्थित है जिसका निबन्धन पटना सिटी में विसका नम्बर 1058 दिनांक 22-3-80 को हुआ है।

हृदय नारायण (सक्षम पदाधिकारी) निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन परिक्षेत्न, बिहार, पटना

तारोख: 18-11-80

प्ररूप आई० टी∙ एन• एस०-----

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 25 ध्रगस्त 1980

निदेश म० 285/80-81—यतः मुझे आर० थोथाद्रि आयकर घिषिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से प्रधिक है और

जिसकी मं० सी० टी० एस० नम्बर 1439 है, तथा जो कलमट रोड, बनवन गल्नो, बेलगाम में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्राँर पूर्ण क्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय बेलगाम श्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 2928 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-3-80 की पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है, भीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविचल, निन्निविखत उरेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से हिया नहीं हिया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बल्दरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म बुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अव, उमत प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात्र-

(1) श्री रामचन्द्र नारायण किसूर बेलगाम

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शैलजा रत्नाकर शानभाग क्लब रोड, प्लाट नवर 13, वेंगुली रोड, बेलगाम

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भिष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जगह स्रौर बिल्डिंग जिसका सी०टी० एस० तम्बर है 1349 भ्रौर जो कलमट रोड, बसबनगल्ली बेलगाम में स्थित है।

> भ्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलौर।

मोहर: 25-8-1980

प्ररूप बाई∙ टी.• एन• इस•----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, बंगलूर

बेंगलुर, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० घ्रार० 62/26521/79-80/ए सिक्यू/ ी०---यतः मुझे, घ्रार० तोषात्री,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका छनित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 11 (पुराना) श्रीर नया सं 144 है, तथा जो भाइयस रोड, कॉटनपेट, बेंगलूर -2 में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींख 24-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रिक्तल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे पर विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिप ल का पन्द्र प्रतिशत धिक है और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीज ऐने अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीज ऐने अन्तर्श के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्यत में वास्तिक रूप से रुप्य तहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त पश्चितियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसो किसो आप या किसी घन या अन्त्र आस्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-च की उपवारा (1)के सवीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्घात !--- (1) श्री ग्रार० सदानन्दराव, श्री रामचन्द्रराव के पुत्र, सं ० 15, एस० ए० बिल्डिंग रत्नविलास रोड, बसवनगुडी, बेंगलूर-4 में रहते हैं।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) मैं० डेक्कन ग्लास एम्पोरियम सं० 241, चिकपेट, बेंगलूर-53, (2) मैं० 11 डेक्कन बोर्डस एम्पोरियम, सं० 37, बाबू बाजार, बेंगलूर-2 रिप्रेजेंट करते हैं इनके पार्टनर (1) श्री तहेर अब्दुल हुसेन, (2) श्री अब्दुल हुसेन दाऊद भाई। (3) श्री इसूफअल्ली दाऊद भाई, (4) श्री सालेह भाई दाऊद भाई, (5) श्री मोहम्मद हुसेन श्रब्दुल हुसेन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के पत्रंत के सबंध में कोई भी ग्राखेंप !---

- (क) इस सूबना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, ओ भी घविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किया प्रमास क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरणः —इसमें प्रमुक्त शब्दों मीर पर्दों का, जो उन्नत प्रधि-नियम के भ्रष्टमाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4477/79-80 तारीख 24-4-1980) मम्पिन का दक्षिण भाग जिसका पुराना सं० 11 श्रीर नया सं० 144, तथा जो भाइयम रोड, कॉटनपेट, बेंगलूर-2 में स्थित है।

चकबन्दी---उत्तर में श्रीमती श्रनसूथाबाई की सम्पत्ति का शेयरभाग।

दक्षिण में टिबरमार्ड फ्रौर सॉ मिल्ल। पूर्व में भाइयम गार्डन। पश्चिम में भाइयम रोड।

> ग्रार० तोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, क्षेंगलूर ।

तारीख: 17-11-1980

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 13 नवम्बर 1980

निदेण सं० सी०श्चार० 62/26582/79-80/ए० सिक्यू/बी०— यतः मुझे ग्रार० तोथात्री,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 23/24, हैं, तथा जो लक्ष्मी रोड, शांतिनगर, बेंगलूर-27 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिमा से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, शिष्पाने मे मुविधा के लिए;

म्रत: मन, उक्त मिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) शभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती के० मालती, 8/म्न, चन्द्रभाग एवेन्यू मैलापुर, मद्रास-4

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीण श्रार० मनवानी, सं० 50/1, नंजणा रोड, णांतिनगर, वेंगलूर-27

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रीमती (1) इन्दू राजगोपाल, पी० ग्रार० ग्रो० बैंक ग्राफ इंडिया, सेंट मार्क्स रोड, बेंगलूर, (2) श्रीमती नायिक, सं० 24, लक्ष्मी रोड, ग्रांतिनगर, बेंगलूर-27

(बहु व्यक्ति, जिसक अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूत्रना जारो करके पूर्वीका सम्पत्तिके स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उन्हें स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों थ्रौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 5261/79-80 तारीख 24-3-1980) घर सम्पत्ति जिसका सं०: 23/24, तथा जो लक्ष्मी रोड, ग्रांतिनगर बेंगलूर-27 में स्थित हैं। कार्पोरेशन डिविजन सं०: 62, मेर्जीरंग पू० से प०--50', उ० से द०---82' सब मिलकर

381 चदर मीटर।

चकबन्दी∶––

ज--में लक्ष्मी रोड ।

द--में प्राईवेट सम्पत्ति ।

पू--में प्राईवेट सम्पत्ति

प--में प्राईवेट सम्पत्ति ।

श्चार० तोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) स्रार्वन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 13-11-1980

भारत सरकार

कार्याना, सहायक प्रायकर भायुन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 21 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० एम० श्रार०/80-81/188—यतः सुझे भ्रानन्द सिंह

प्रायक्तर प्रत्वेतियम, 1961 (1961 का 43) (जि. इ.गें इतत परवात् 'छक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), को पारा 269-व के प्रधीत सक्षत प्रधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सन्दत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक दुकान कटरा श्राहलूबालिया है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एन० आर० श्रजृतसर में रजिस्ट्री- करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यनान गतिफन से, ऐसे दृष्यनान गतिफन का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और बन्तरक (मन्तरकों) और धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखा छरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है: ...

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी मार्थ के बाबत, उक्त मधि-नियम के मधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी माथ या किसी धन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, बैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात (1) श्री सुरिन्दर मेहरा, सुवर्णन मैहरा पुत्र पूरन चन्द श्रौर पूरन चन्द मैहरा पुत्र परमा नन्द वर्मा रतन चन्द रोड, श्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती अनसूईश्रा पाटेल पत्नी विपन भाई पटेल वासी शहीद भक्त सिंह रोड, श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किराएदार में एच एफ० पटेल 1954 को २० 150 प्रति माह 1974 से (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे म अधो हम्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>मर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः ---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाचा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक द किसी मन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

हर6डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 785/2-18 कटरा भ्राह्लूवालिया श्रमृतसर में जैसा कि विलेख नं० 3829/1 दिनांक 27-3-80 रजिस्टरी भ्रधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृक्षमर ।

तारीख: 21-10-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज श्रमतसर श्रमृतसर, दिनांक 22 श्रक्तूबर 1980

निवेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/189--यतः क्षायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट रघुनाथ पुरा में है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एन० आर० बाजार श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दुग्थमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे **बु**ण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक **है मौर** अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उनुम्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की **बाबत उन्**त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व [में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; फ्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी श्रायया किसी धनया धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: धन, उपत अधिनियम की बादा 269-व के बनुसरण में, मैं, उक्त मिलनियम की धारा 269 व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---6-386GI/80

- (1) राधिका भवन चावला पूजी हीरा लाल नारंग निवासी 81-बी० मोहरापरमेंट्स अलाम रोड राही श्री मित प्रभा देवी हीरा लाल नारंग वासी बाम्बे 90 मार्फत श्रमृतसर आईस फैक्टरी जी० टी० रोड श्रमृतसर (अन्तरक)
- (2) श्री सन्तोख सिंह पुत्र तेज सिंह निवासी 85-गोल्डन एवेन्यु, भ्रमृतसर

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएवार (बह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता हैकि वह सम्पत्ति में हितबद्ध) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्ये**वाहियां** करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीरपदों का, जो उक्त अधि-नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जमीन नं० 8 खसरा नं० 2672/1977/76 (1400 वर्गगज) रघुनाथ पुरा में जैसा कि सेल डीइ सं० 3804/1 दिनांक 27-3-80 रिजस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> सिंह श्रानन्द प्राधिकारी सक्षम (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर :

विनांक 22-10-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 23 अक्टूबर 1980

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/190--यतः **मुझे,** म्रानन्द सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक बिल्डिंग गली पुराना किला में है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस श्रार श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उपत धिम-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रन, उनत श्रीविनियम, की धारा 269-ग ने अनुसरण में, में, उकत ग्रीविनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :- (1) श्रीमती भ्राशा रानी पत्नी बलदेव राज बाली, कटरा चड़त सिंह, गली जरगरां, भ्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री तरलोक चन्द पुत्र विवान चन्द श्रौकी लोड गढ़ कुन्नां, श्रठवनमल, ग्रमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भग्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रष्याय 20-क में परिकाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुसधी

एक प्रापर्टी नं० $^{!}1862/\times7$, $1592/\times7$ कटरा चड़त सिंह गली जरगरां श्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 3766/Iदिनांक 20-3-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> म्नानन्व सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 23-10-80

प्ररूप आई • टी • एन • एस • -

आयकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बाधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर,दिनांक 1 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/191---यतः, मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) | (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 को के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्तिक उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है भौर मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्दह प्रतिशत से बाधिक है और अग्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अग्वरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण लिखित में वास्त-जिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय को बाबत उन्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दाथिश्य में कमी करने या उउते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1657 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मुकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अमन्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री राज कुमार, कुलवन्त कुमार, विजय कुमार, रघुनाथ चन्द्र, केवल किशन, रमेश कुमार पुत्र हरीचन्द समिन्ना देवी ग्रौर रघुविन्दर कुमार वासी शक्ति नगर श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्ररजन सिंह पुत्र पिग्रारा सिंह एच० न० 1550-51 कटरा भरत सिंह, ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्षांच्या त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वांध, जो भी धर्यां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की ठारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निवात में किए जा सकोंगे।

हपदतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत | श्राधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान न० 1550-51 समिता कम्बोज बाजार जटां वाला कटरा भरतासिंह सेल डीड नं० 3856 दिनांक 31-3-80 रजिस्ट्री म्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

सारीख: 31-3-80

प्रकप आई० ठी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) श्रर्जन रेंज श्रमुतसर

भ्रमतसर, दिनांक 4 नवम्बर 1980

निदेण सं० ए० एस० म्रार०/80-81/192--यतः मुझे म्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप में बर्णित है), रिजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती जीला बन्ती Wd/o मनोहर लाल वासी मक्बूल रोड, श्रम्तसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलदेव राज खन्न। पुत्न लछी धर खन्ना बाजार सिरकी बन्दा, स्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) कुमारटरेडर्ज क० सोहन लाल खन्ना ऐन्ड सन्स बिहारी लाल खन्ना और सन्स

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित है)

(4) औरकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबस्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

सपस्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

प्रमुसूची

एक प्रापर्टी 1036/11-13 कटरा ग्राहलूबालिया में बाजार घन्टा घर जैसा कि सेल डीड नं० 3614/9 दिनांक 2-3-80 रजिस्टर्ड ग्राधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम श्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 4-11-80

प्रकृप भाई•टी०एन•एस•----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर,दिनांक 4 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/8081/193—यतः मुझे श्रानन्द सिंह

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से धिक है।

स्रोर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (स्रोर इससे उपाबढ़ स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय एस० स्रार० हिसार में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठ है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाष-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती लीलावती पत्नी मनोहर लाल मकबूल रोड अमृतसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीदेव राजखन्नापुत्र लछीधर खन्ना बाजार सिरिक्षिबन्दा श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) कुमार टेर्लारंग कं० मै० सोहन लाल खन्ना एण्ड सन्ज भ्रौर बिहारी लाल खन्ना

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) भ्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारेमें भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकन्न किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम के सध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बड्डी धर्य होगा, जो उस ध्रव्याय में दिया गया है।

भनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 1036/11-13 कटरा म्राल्वालिया बाजारघन्टा घरजैसा कि सेल डीड नं० 36931 दिनांक 13-3-80 रिजम्ट्री म्रिधिकारी भ्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर ।

तारीख: 4-11-80

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज़ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्थाल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमतसर, दिनांक 1 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/194---यतः मुझे म्रानन्द सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावृर संपरितृ जिस्का उचित् बाजार मृन्य 25,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं मकान है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० आर अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च 80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित नाषार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयू या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गु के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात्ः--- (1) श्री जसबीर कौर पत्नी परीतम सिंह ग्रौर जगप्रीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह राही सुखिवन्द्र सिंह पुत्र हीरा सिंह वासी सुर सिंह ग्रमृतसर।

(म्रन्तरक)

(2) श्री मखन सिंह पुत्र निरमल सिंह निवासी 168-169-186 श्रजीत नगर, श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पृत्ति हैं)

(4) फ्रौरकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**त्**ची

एक मकान अजीत नगर आबादी में जैसा कि क्षेल डीड न० 3617 दिनांक 7-3-80 रिजस्ट्री अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

म्नानन्द सिंह सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 1-11-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

माय्कर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रारः /80-81/195—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर मिजकी सं०एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्व ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- (1) मैं० कृष्ण डाईसैस्फा कार्पोरेशन अमृतसरराही मदन लाल विजय कुमार पुत्नान जगन नाथ श्रीर शीक्षा बन्ती पत्नी मोती लाल वासी टुडा तलाब श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- (2) मैं ० टिप टाप डराईकलीनर्ज कटरा मेर सिंह, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्री हरमिन्दर पाल जोगिन्द्र सिंहं हर जिन्द्र पाल सिंह राजिन्द्र सिंह धौर रिजन्दर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिओग में सम्पत्ति हैं)
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अथोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20 -क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्त्ची

एक बिल्डिंग विलेख नं० 982/566 बटाला रोड, कशमीरी गेट जैसा कि सेल डीड 7250 दिनांक 14-3-80 रजिस्टरी ग्रिधिकारी कार्यालय अमृतसर, में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 11-11-80

प्ररूप प्रार्थ० दी० एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/186---यतः, मुझे, म्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा० से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 80

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथतु नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुन्तिभा का सिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) मै॰ क्रुष्ता डाई सैट्स कारपोरेशन वासी राही मदन लाल विजयकुमार पुत्न जगन नाथ और शीला वती परनी श्री मोती लाल निवासी तलब टुनङा अमृतसर (अन्तरक)
- (2) मैं ॰ टिप टाप ड्राई क्लीनर्ज कटरा शेर सिंह अमृतसर (श्रन्तरिती)
- (3) श्री हरजिन्दर पाल जोगिन्दर सिंह, हरजिन्दर पाल सिंह ग्रीर राजेन्दर सिंह

(भ्रन्तरिती)

(4) और कोई

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

वनुस्चीं

एक बिल्डिंग नं० 982/561 बटालारोड पर जैसा कि सेल डोड नं० 7250 दिनांक 14-3-80 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालयमें दर्ज है।

> न्नानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर ।

तारीख: 11-11-80

त्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश नं० ए० एस० ग्रार०/80-81/197—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह,"

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०से ग्रधिक है ग्रीर

ग्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त डिप्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्खित व्यक्तियों, प्रथित :--7-386G1/80

(1) श्री मनोहर लाल पुत्र मदन गोपाल महाजन मेन बाजार, पठानकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शीला बन्ती पत्नी श्रोम प्रकाश महाजन भेन बाजार पठानकोट।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 ग्रीर किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति हैं)

(4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परिस में हितबद्दध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज। सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

एक प्रापर्टी मेन बाजार पठानकोट में जैसा कि थेल डीड नं० 2949 दिनांक 6-3-80 रिजस्ट्री श्रिधकारी पठानकोट में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह, सक्षम म्रधिकारी महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

सारी**ख**: 6-11-80

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/198——यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रा० से अधिक हैं

एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश क्यिक्तियां अर्थातः——

(1) श्रो मनोहर लाल पुत्र मदन गोपाल महाजन मेन बाजार पठानकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री स्रोभ प्रकाण पुत विशम्बर लाल महाजन} भेन बाजार पठानकोट ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार ।
- (4) और कोई
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताअरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस् से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ह⁵।

अनुसूची

एक प्रापर्टी मेन बाजार पठानकोट जैसा कि सेल डीड नं० 3008 दिनांक 12-3-80 रजिस्ट्री अधिकारी पठानकोट में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

सारीख: 6 नवम्बर, 1980

मौहर:

प्ररूप आईं० टो० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/199---यतः मुझे, ग्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्वेष रेय से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था विवा जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुस मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधिदः— (1) श्रो गिरधारी लाल पुत्र बनारसी दास वासी जोणी कालोनी श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) पूरन चन्द पुत्र बनारमी दास 70-जोशी कालोनी अमृतसर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनु सूची

एक बिल्डिंग नं० 70 जो जोशी कालोनी जैसा कि सेल डीड नं० 3707 दिनांक 14-3-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में वर्ज की गई है।

> ग्रानन्द सिह मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख:11 नवम्बर, 1980

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस. .—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० एस० स्रार०/80-81/200—यतः मुझे, स्रानन्द सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोंक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निविश बहेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सूनिधा का लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री गुरदेव सिंह पुत्र बलवन्त सिंह स्राबादी, गुरु नानक बारा, स्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्द्र बैन्स पत्नी सुखबिन्दर सिंह, मकान नं० 1703/24, गुरु नानक बारा, खालसा कालेज, श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 ग्रीर कोई किरायेदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं) (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन क अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक मकान नं० 1703/24 गुरु नानक बारा में जैसा कि सेल डीड नं० 3631/I दिनांक 10-3-80 रजिस्ट्री श्रिधिकारी श्रम्तसरमें दर्ज है।

म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31-10-80

्रमोहर ;

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1980

िनिदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/201—यतः मुझे, ग्न्द सिंह,

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे , इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 9-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जिसे स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-ेसे अधिक है

- जिसकी सं ० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता । कारी के कार्यालय एस० श्रार० ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण . तियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख : 80
- .वॉकत सम्पति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिके लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने
 कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य
 के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्
 शत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती
 तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया
 कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तस्प से कवित नहीं किया गया है:——
 - (क) भ्रान्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भीध-नियम के भागीन कर वेने के भन्तरक के वासित्व में क्षी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किमी प्राय या किसी छन या अन्य पाहिनयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त धिवनियम की बारा 269-ग के अनुसरण उक्त प्रक्षितियम की खारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्निखिख व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती हरकीत कौर पत्नी रजिन्दर सिंह वालिया निवासी 341 ईस्ट मोहन नगर, श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रजिन्बर कौर पत्नी सुरिन्दर सिंह वासी 341, कोर्ट बालादीप सिंह, ग्रमृतसर (ग्रन्तरिती)

(3) सी० एल० शर्मा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में, सम्पत्ति हैं)

(4) भ्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के घर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामीन से 30 दिन की अविधि जो भी धविबि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में द्वितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्षरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों कीर पदों का, को पक्त ग्रीविनयम के ग्राज्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रायं होगा जो उस ग्राज्यान में विया गया है।

प्रनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 341 इस्ट मोहन नगर में जैसा कि सेल डीड 3598 दिनांक 5-3-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 31-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 31 श्रक्तूबर 80

ं निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/202---यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में झौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी के कार्यालय एस० म्रार० म्रमुतसर में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में धास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिष्ठितयम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्प श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

अतः धवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

(1) श्रीमती हरजीत कौर पत्नी रिजन्दर सिंह कालिया 341 ईस्ट मोहन नगर श्रमृतसर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री सुरिन्दर सिंह पुन्न बूटा सिंह वासी और बाबा दीप सिंह हाल 341 ईस्ट मोहन नगर ग्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- (3) श्रीसी० एल० शर्मा

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हित्बब्ध है)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त स्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिमानित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 341 ईस्ट मोहन नगर में जैसा कि सेल डीड नं० 3698 दिनांक 13-3-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 31 नवम्बर, 1980

प्रक्रप आई • टी ॰ एन • एस • • • • स्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेण सं० ए० एम० श्रार०/80-81/203--यतः मुझे, ग्रानन्य सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- व्यवे से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय एम० आर० श्रमृतसर

में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दूरयभान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, चसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे कृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है और धन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भविषयम; के भ्रष्टीम कर देने के भ्रष्टकरक के बायरण में कभी करने या उससे बचने में सुव्धिश के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन मा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भवः उनत अधिनयम की बारा 269-ग के अनुसरण में में, उनत भिन्नियम की बारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री बृज मोहन पुत्न जै किशन राम सैली ग्रौर ग्रचंनी केवल कृष्ण, हरी कृष्ण ग्रौर दया वती, कटरा दूली, ग्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गुरमुख सिंह पुस्न गुरचरनसिंह निवासी वलीया राम मकान नं० 3389, श्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) करतार सिंह राम लुआइया (वह व्यक्तिः जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त अवित्यों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य ध्यक्ति हारा, मधोहस्ता- क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त आशिक नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, त्रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची

1/4 हिस्सा बिल्डिंग नं० 1199/1201 सुलतान बिल्डिंग श्राबादी जै किशनपुरा श्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 3595/I दिनांक 8-3-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्जे है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 6 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० द्यार०/80-81/204—यतः मुझे, भ्रानन्द सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, जिम्निलिश्वित क्यक्तियों स्थातः---

- (1) श्री बृज मोहन पुत्र जै किणन दास सैल्फ और ग्रदार ग्राफ केवल किणन हरी किणन ग्रौर दया वन्ती वा कटरा दूली, ग्रमृतसर (अन्तरः
- (2) श्री जीत सिंह पुत्र ठाकुर सिंह निवासी मकान 8072 गली नं० 1 कोटबाबा दीप सिंह अमृतसर

(भ्रन्तरितं

(3) करतार सिंह राम लुभाया

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्ष जानता है कि वह मस्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सू की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हि बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षर पास लिसित में किए जा सकरो।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा। ह⁴, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में ि गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० 1199-1200-1201 म्राबाः जै किशन दास में जैसा कि विलेख सेल डीड नं० 3596/8 दिनां 5-3-80 रजिस्ट्री म्रधिकारी भ्रमृतसर में हुई है।

> म्रानन्द ि सक्षम प्राधिका सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतस

तारीख : 6-11-80

प्रकप चाई • टी • एन • एस •----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के सभीत सुबता

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निवेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/205--यतः मुझे, श्रानन्द सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घार। 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार म्रूप 25,000/- द∙से अधिक है

धीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (घीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतस्रर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 80 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किवा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के प्रश्लीन कर देने के अन्तरक के दायिए में कमी करने या **उससे अचने** में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अनत अधिमियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, ग्रयौत् :----

8-386 GI/80

- (1) श्री बृजमोहन पुत्र जै किशन दास मालिक श्रौर मुख्तारेखाज फार केवल कृशन हरी कृशन ग्रीर श्रीमति दया बन्ती वासी कटरा दूलो, श्रमृतसर (श्रन्तरक)्ष
- (2) श्री गुरमुख सिंह पूत्र गुरचरन सिंह निवासी कोट रिलया राम ग्रम्तसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) करतार सिंह राम लुभाया (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उपत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न भें प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति आरा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों खौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान नं० 199 से 120 श्राबादी किशनदास पूरा में जैसा कि सेल डीड नं० 3826/1 दिनांक 7-3-80 रजिस्ट्ररी भ्रधिकारी ध्रमृतसर में वर्ज है।

> स्रामन्द सिंह प्राधिकारी सक्षम सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 6-11-80

प्रकृष भाई। टी० एव० एस०---

भायत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्र⁹रा 269-घ(1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/206—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000'- क् से अधिक है और जिसकी

सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर मन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत कर्मण लिखित में बास्तविक रूप से क्षण नहीं किया गया है --

- (ह) अन्तरण पे हुई हिसो आज को बाबन, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनसे बचने में मुक्थि के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ास्तिमों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात :— (1) श्री शृज मोहन पुत्र जै बिणन दास सैला घोर मुखतार खाम केवल कृष्ण हरी कृष्ण घौर दया वती वामी कटरी दूली, प्रमृतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती अकरन कौर पत्नी राजिन्दर कौर पुत्री मेला सिंह बासी बहादर नगर अमृतसर

(भ्रन्तरिती)

(3) करतार सिंह, राम लुभाया

(बहुव्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त पंपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी धाक्षेप !--

- (त) ६स पूजता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तस्त्रंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की उपनील से 30 दिन की प्रविधि, जी भी प्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी **स** से 45 िन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण - इनमें प्रवृक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा मकान खसरा नं० 1199 से 1201 श्रादि जै किशन धन पुरा में जैसा कि सेल डीड नं० 3627/I दिनांक 7-3-80 रजिस्टरी श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, 3–चन्द्रप्रीटेलर रोड, श्रमुतसर

तारीख: 6-11-80

मारत सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 31 ग्रम्तूबर 1980

निवेश सं० ए० एम० ग्रार०/80-81/208---यतः मुझे ग्रानन्द सिंह आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

आयकर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चाम् 'उक्त घोंद्रिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा के धवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० भ्रार० ग्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति कल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐने दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) घौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त म्रिध-नियम के म्रिधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती कुलबन्त कौर पति चानन सिंह द्वारा गजन सिंह पुत्न सौदागर सिंह वासी पक्की टिबी, तह० ग्रमृतसर, जिला फरीदकोट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री तेजा सिंह पुत्र नूर सिंह श्रीर कुलदीप कौर पत्नी तेजा सिंह वासी 26-ए० हुकम सिंह रोड, श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परिक्ष है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी असे से 45 दिने की घविद्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविद्य, जो भी घविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी धा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पर्ध्वाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर नदी का, जो उपत आंधनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक प्रापर्टी 26-ए (1/2 हिस्सा) हुकम सिंह रोड जैसा कि सेल डीड नं \circ 3599/1 दिनांक 6-3-80 रजिस्टरी श्रिधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

ग्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 31-10-1980

मोहरः

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

म्राभकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/280/209—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलोर

सहायक श्रायकर श्रायकत (निर्देक्षण), श्रजेन रेज, बंगलोर आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एक्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्र शाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है श्रीर

जिसकी सं प्लाट है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रुप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख मान 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिकत से घिक है और पन्तरित (अन्तर्कों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तिखीं कर देश से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक कर मे कथित मही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से दुई ित सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्वे अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अवः स्वतः विधित्यमं की धारा 289-ए के प्रमुक्तरणं में, मैं उपन अधिनियमं की धारा 269-चंकी स्पंधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री श्रमरीक सिंह रश्वभीरसिंह, सुदर्शन सिंह पुत्रान कूसा सिंह लख्नी पत्नी सुन्दर सिंह कमला देवी पत्नी कुला सिंह पुष्पा देवी उरमला देवी पत्नी फूला सिंह वासी दया नन्द नगर गली नं० 2 श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) इन्द्रजीत शर्मा वासी दया नन्द नगर भ्रमृतसर (भ्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के मिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों नत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीक्षरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदीं का, को सकत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वड़ी घर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 108 दया नन्द नगर अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड नं० 3749/1 दिनांक 19-3-80 रजिस्टरी श्रिधकारी अमृतसर में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्र**मृत**सर

तारी**ख**: 12 नवम्बर 1980।

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

बायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निवेश सं० ए० एस० म्रार०/80-81/210—म्रानन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि बाथ में है तथा जो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० तरनतारन में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी श्राय या किसी श्रन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अधितः-- (1) श्री ष्टा सिंह पुत्र गूजर सिंह वासी बाठ तहसील तरन तारन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तारा सिंह मस्सा सिंह पुत्रान उजागर सिंह वासी गांव बाठ तरन तारन।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 ब्रौर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसो अधिभाग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति जिसके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

धनुसूची

कृषि भूमि 25के-16म बाट में जैसा कि सेल डीड नं० 7164 दिनांक 25-3-80 रजिस्टरी ग्रिधिकारी तरनतारन में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 12-11-19 80

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

म्रायकर श्राधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/211—स्यतः मुझे श्रानन्द सिंह

आयकर बिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्द्र बिधिनयम' कहा गया है), की खारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी की, यह विस्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- उपए से प्रधिक है,

भीर जिसकी मं० कृषि भूमि बाठ है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० अ।र० में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को । वींक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपःल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा रूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्र प्रतिशत प्रधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, सकत श्रीक्षितियन, के प्रधीन कर देने के प्रश्वरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विषः, घीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः भव, उक्त ग्राधिनियम की घारा 269-ग के विवृधदेव में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन, निम्तुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !— (1) श्री बूटा सिंह पुत्र गूजर सिंह निवासी गांव बाठ तहसील तरन तारन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तारा सिंह भस्म सिंह पुत्रान गुजर सिंह वासी गांव बाठ तहसील तरन तारन

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वृह सम्पत्ति में हितबक्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज़ त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूबता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद यें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जां छक्त ग्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो छस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 47के-12एम बाठ में तहसील तरन तारन जैसा कि सेल डीड नं० 7075 दिनांक 20-3-80 रजिस्टरी ग्रिधकारी तरन तारन में की गई है।

> ग्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

दिनांक: 12-10-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

अमृतसर दिनांक 28 श्रक्तूबर 1980

निदेश मं० ए० एस० ग्रार०/80-81/212—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- १० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है: —

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रम्नीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमों अर्थातु:--

- (1) गुन्धर सिंह कीजा सिंह गांत्र मैल दोए घास सहसीत तरन तारन
- (2) श्री मेरू सिंह पुत्र सरेन सिंह गांव मैल दोए वाला तहसील तरन तारन

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायदार (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्तिहै)
- (4) श्रौर कोई
 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रज़ंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 75के-6एम मैला दोए बाला में जैसा कि सेल डीड नं० 6956 दिनांक मार्च 80 रजिस्टरी श्रधिकारी तरन तारन में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

विनांक: 28-10-1980

प्ररूप आईं. टी. एन. एत. ---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/213—यतः मुझे श्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- और जिसकी सं प्रापर्टी रानी बाग है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री- कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधि- नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 80 का पूर्वाकत संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नौलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीट/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी मुखसार सिंह गिल गैंगग जज, बरनामा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कश्मीर कौर पत्नी गुजमेर सिंह वासी अवां तहसील ग्रतनाला ग्रब 485-श्री० रानी बाग ग्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं 0 2 और कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकागे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सवा हैं।

नगुसूची

1/3 हिस्सा कोठी नं० 485 रानी बाग ग्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 3779/ए दिनांक 22-3-80 रजिस्टरी ग्रधि-कारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> (ग्रानन्द सिंह) सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजैन रेज, ग्रमसस्यर ।

दिनांक: 12-11-1980

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर दिनांक 31 श्रक्तूबर 1980

निदेण सं० एस० श्रार०/80-81/214--यत, मुझे श्रानन्दसिंह

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यमें से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० एक प्रापर्टी बरला में है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० बरला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पारा गरा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कथ से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भन्निः नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या विवसी धन या वन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के सनु-सरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, सर्थीत्:—— 9—386 GI/80 (1) श्रो मोहिन्दर पाल पुत्र दूडा मल महाजन वासी सनेमारोड, बराला

(भ्रयनरक)

(2) श्रोमती प्रकाण वती पत्नी कृष्ण लाल निवासी सनेमारोड वरला राही श्रमृतसर

(ग्रन्तरिती)

(3) नियू बैंक ग्राफ उड़ीसा ग्रीर मनेजर न्यू बैंक श्राफ इंडिया

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) औरकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्गन के एम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:---एसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं] वहीं श्रर्थ होगा, जो उन श्रष्ट्याय में दिया गया है ।

प्रनुसूची

1/4 हिस्सा बिल्डिंग जी टी० रोड बाजार में जैसा कि सेल डीड नं० 8033 दिनांक 20-3-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी बराला में दर्ज है।

> (ग्रानन्द सिंह) सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ता**रीख**: 31-10-80

एक्य शाहिक टीक एवव एसक --

भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जी धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक भागकर अध्युक्त (निरीधण) ऋर्वन रेज, श्रमृतसर

स्रमतसर, दिनांक 31 श्रन्तुबर 1980

निदेश मं० ए० एम० थार०/८०-८१/२१5~ —यतः मुस. भानन्द सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से अधिक है

भीर जिसकी सं ० एक प्रापर्टी मकान है तथा जो में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन सूची में ग्राँप पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजर्झाकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजर्झीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वीभत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिकृत में, ऐसे दृश्यमान अतिकृत के पन्द्रहे प्रतिशत से ग्रांधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितंत्रयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक विश्वित में बास्तविक कर्षों करियन नहीं निष्य गए है :—

- (०) अन्तरण ग हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि[†]नयम के श्रयोन धर देने के धन्तरक के दासिस्य में कर्मा दरन पाउसमें बजने में सुविधा के जिए; और सा
- (4) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर शिविसम, 1922 (1922 की 11) ा उपत अधिनियम, म धन-कर मधिनियम, 1955 (1857 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वारा १९५५ नहीं किया गया शास्त्र किया जाना आहए था, धिपांत में लांबछा के 1800

अतः अदः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, में, उक्त प्राधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) श्री इन्द्रजीत पुत्र ढूड मल वासी सनेमा रोड. बटाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरला देवी पत्नी हरबन्स लाल निवासी सिनेमारोड, बटाला रोड हरबन्स लाल

(ग्रन्यरिती)

(3) न्यू बैंक श्राफ उड़ीमा स्रोर मनेजर न्यू बैंक श्राफ इण्डिया।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ग्रीरकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उना सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकत स्थानितयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित- वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घडोहस्ताकारी के पास लिखित सें किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

1/4 हिस्सा डबल सटोरी बिल्डिंग जी०टी० रोड बटाला पर जैसा कि सेल डीड न० 8003 दिनांक 19-3-80 रजिस्ट्री ऋधिकारी बटाला में दर्ज है।

न्नानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

नारीखा: 31-10-80

प्रकप माई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश स० ए० एम० ग्रार०/80-81/216—यत मुझे श्रानन्द मिह

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-ध्पए से श्रिष्ठक है

ग्रौर जिसकी सं् कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाक्ष ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एम० ग्रार० भजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय को बाबत, खबत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथितः— (1) श्री दलीप सिंह पुत्र लाल सिंह निवासी गाँव बग्ग नहसील श्रजनाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पृथीपाल सिंह दिलवाग सिंह पृद्धान चरन सिंह सुख जिन्दर सिंह हरिविन्दर सिंह श्रीगरेज सिंह पृद्धान बृटा सिंह निरमल सिंह भूपिन्दर सिंह पृद्धान श्रातमा सिंह मलकीत सिंह पृद्ध श्राजीत सिंह वासी बग्गा तहसील श्राजनाला।

(भ्रन्गरिनी)

(3) जैसा कि मं० 2 ब्रांग कोई किरायदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) अभैरकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त समात्ति के प्रजेश के सम्बन्द में होई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की शबिध या तत्पम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अत्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय-20क में परिभाषित है, वही भ्रष्यं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसृची

े कृषि भूमि 89K-11M गांव बगा तहसील श्रज-नाला में जैसा कि सेन डीड नं० 013 दिनांक 11-3-80 र्राजस्ट्री ग्रधिकारी ग्रजनाला में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह, सक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रमृतसर

न्रीखः १२०१ ४०

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 नवम्बर 1980

निदेश मं० ए० एस० म्रार०/80-81/217—यतः मुझे, आनन्द सिंह.

धायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त घिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खं के घिष्ठीन सक्षम माधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से घिष्ठक है

ग्रीर जिसकी सं० एक बिल्डिंग है तथा जो में स्थित है (श्रीर समे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रथांतः— (1) श्री गोबर्द्धन दास पुत्र हरबन्स लाल मुखतार आम हरबन्सलाल पुत्र बाल मुकन्द और नन्द किशोर प्रशतमलाल पुत्र हरबन्सलाल ग्रोर राजन ग्रहूजा पुत्र मदन लाल और ग्रतर कौर विश्ववा दुनीचन्द ग्रोर राजवधवा पुत्र मदन लाल ग्रोर रेशमी पुत्री मदन लाल कैलाणवती विश्ववा मदन लाल R/o 12 कटरा प्लेस देहरादुन

(भ्रन्तरक)

- (2) श्रीमती सन्तोव धवन पत्नी भजनलाल वासी मकान नं 129018-बी निमक मन्डी गली मदारियां श्रम्तरर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 और कोई किरायेदार (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में, सम्पत्ति है)।
- (4) ग्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिसके नारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्परित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

धनत सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, बो उक्त ग्रीधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिकाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 1518/8-13 और नं० 1290/8-13 MCA नमक मन्डी जैसाकिसेल डीड नं० 3667 दिनांक 12-3-80 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी श्रमृतसर में है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 1-11-80

प्रस्प आई॰ टी॰ एन॰ एस॰ निहंगा

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 4 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/218—यतः मुझे, श्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण ्ै कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्लाट पुतलीघर में है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत जनत श्रिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त धिविषयम, की धारा 269-घ के अनुसरण जे, में, छक्त धिविषयम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री गुरुद्वारा छाविनी निहंग, बगुधा गुरनाम सिंह अन्डर मैनेजमट रोड एस० जी० पी० सी० श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह गुरबचन सिंह मोहन सिंह पुत्रान दरबारा सिंह वासी प्लाट नं० 285 खूह निहंगा पुतलीघर अमृतसर, (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मिता में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी अक्त श्रिधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिमाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट नं० 285 खुह निहंगां पुतलीघर अमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 3683 दिनांक 12-3-80 को रजिस्ट्री श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 4-11-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1980

निदेण सं० ए० एम० भ्रार०/80-81/219—यतः मुझे; श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/ रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रापर्टी कटरा दल सिंह में है तथा जो में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० आर० श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिध-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के टायिस्य में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता, भन, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन विम्निकिखन व्यक्तियों, भर्यात् :—

- (1) श्री कन्हैया लाल पुत्र फकीरचन्द मकान नं ० $1757/{
 m VI}$ -9 एमसीए श्रौर $2048/{
 m VI}$ -9 कटरा दल सिंह । (श्रन्तरक)
 - (2) श्री चरनजीत सिंह पुत्र सोहन सिंह जसवन्त सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी मकान मं० 2048/- VI-9 कटरा दलसिंह, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रिष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पव्छीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का जो उन्त अधि-नियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्यें होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मंजला बिल्डिंग नं० 1672/1645 कटरा दल सिंह श्रमृतसर में जैसा कि सेल डीड नं० 3656 दिनांक 10/3/80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 31-10-80

प्रकप धाई • टी • एन • एस •---

धायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्तक)

ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

ग्रमृतसर, दिनांक 31 अन्तूबर 1980

निदेश सं० ए० एम० श्रार०/80-81/220—यतः मुझे, भानन्द सिंह,

भायकर मिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक है और जिसकी सं० प्लाट रानी का बाग है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अमृतसर में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन धीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अस्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मून्य, उसके बृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिषठल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रम्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण कि लिए तम पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उनत अधिनियम के सभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनयम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थे धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया चाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः धनः उत्तर समिनियम की भारा 269-म के श्रनुकरण में, मैं, उत्तर समिनियम की भारा 269-म की उत्तर्भारा (1) के अधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुधा रानी पत्नी मुनी लाल 16 लारेग रोउ स्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री गुरविन्दर सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी गांव बामीदा डाकखाना छलां जिला गुरदासपुर (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि मं० 2 स्रौर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्में प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उनत धिवियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उस ध्रध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

एक प्लाट खसरा नं० 3053/683-81/रानी का बाग में जैसा कि सेल डीड नं० 3590/1 दिनांक 5-3-80 रिजस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

श्रानन्द सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 31-10-80

प्रारूप **वार्ष • टी • एम • एस •----**

आयकर ग्रह्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/80-81/221—यतः मुझे भ्रानन्द सिंह

धायकर श्रिविसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' सत् गया है), की घारा 269-ख के अश्रीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इपए से श्रीवक है

श्रीर जिसकी कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय एस० श्रार० तरनतारन में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पम्झइ प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अम्तरकों) और अम्बरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित सम्वरण लिखित में शस्तरिक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायिश्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भाक्तरों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रीविनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, कियाने में मुविधा के सिए;

अतः, अब, उक्त धिविषम की धारा 269-म के सनुसरण में, भैं, धक्त धिबिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः!—— (1) मन्गो पुत्री बलवन्त सिंह वासी सराए भ्रामनत रखां, तहसील तरन तारन

(श्रन्तरक)

- (2) श्री दलविन्दर मिह गुरदेव सिंह हरपाल सिंह पुद्रान नरंजन सिंह गांव मानक पुर तहसील तरनतारन । (ग्रन्तरती
- (3) जैसा कि सं० 2 स्रौर कोई किराएदार (वह स्थिक्ति, जिसके स्थिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) स्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के ग्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रास्त्रेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधौहस्ताकरी के पाम निधात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी चरण: — इसमें प्रयुक्त सन्धें भीर पदों का, जो उनत भ्रिष्ठिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कृषि भूमि 73के-1 1/2 मरले मानकपड़ में जैसा कि सेल डीड नं० 1432 दिनांक 10-3-80 रजिस्ट्री ग्रिधिकारी तरनतारन में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, त्रमृतसर

तारीख: 11-11-80

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

प्रायक्तर **प्रधिनियम, 1961 (1961** का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/222—यतः मुझे श्रानन्द सिंह श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट रेस कोर्स रोड़ पर है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा की 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अपीत्:—
10 -386 G1/80

(1) श्री मदन मोहन ग्रग्नवाल पुत्र हेतराम ग्रग्नवाल वासी देहरादून ग्रम्तसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भजनलाल खुराना पुत्र णाम दास निवासी बाजार नरसिंह दास श्रमुतसर

(ग्रन्तरिसी)

- (3) जैसा कि सं० 2 और किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ब्रह्माय में दिया गया है।

ग्रमुसूची

एक प्लाट रेस कोर्स रोड पर जैसा कि सेल डीड नं० 3857 दिनांक 31-3-80 रजिस्ट्री श्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

> श्चानन्य सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, 3 चन्त्रपुरी टेलर रोड, भ्रमृतसर ।

तारी**ख** : 31-3-80

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

कार्योलय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, विनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/223—यत: मुझे ग्रानन्द सिंह आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सभान प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इपए से बाधिक है

म्रोर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो गुरदासपुर में स्थित है (म्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुरदास पुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिष्कल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिष्कल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्कल का पन्नाह प्रतिशत से घाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धिक्षित्यम के धिक्षीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रान्य पास्तयों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्थरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः उत्रत अधिनियम की भारा 269—म के भनुसरक में, में, उत्रत अधिनियम की भारा 269—म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सरनी नन्द चेला रामानन्द गांव लेला गुजर पो० अ(१० सरना तहसील पठानकोट गुरदासपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नानक चन्द पुत्र सोहन लाल वासी सैक्टरी मोहल्ला गुरदासपुर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि संब 2 ब्रौर कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- (4) भ्रौरकोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधाहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे ।

स्पाचीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त ग्राधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक घर सँक्टरी मोहल्ला गुरदास पुर में जैसा कि सेल डीड नं० 7648 दिनांक 11-3-80 रिजस्टरी श्रिधिकारी गुरदासपुर में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, म्रमृतसर

तारीख: 6 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई. टॉ. एन : एस :----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष (1) के प्रश्नीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रंज, भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर, 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/224---यतः मुझे आनन्द सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि गांव चहल है स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की वई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और धन्तरक (प्रश्वरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उहेश्य से उक्त सम्बर्ग बिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिक्ष म कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्धरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का या किया जाना चाहिए का, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अब, जना अधिनियम की धारा 269 क्य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 क्य की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अधीत :—

- (1) श्री देवासिंह पुत्र भगत सिंह वासी (चहल) तहसील तरन तारन
 - (भ्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री बाज सिंह, बलकार सिंह, मुखतार सिंह, रेशम सिंह पुत्रान नारायण सिंह, गांव गहरी (श्रन्तरिती)
- (3) जैसाकि सं० 2 ग्रौरकोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- जानता है) (4) भ्रौर कोई

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अपिकत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

Agl. land measuring 50 K 13 M situated in village Chahal as mentioned in the sale deed No. 1421 dated 6-3-80 of the registering authority Tarn Taran.

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ३, चन्द्रपुरी, टाईलर रोड, श्रमृतसर ।

विनांक: 6-11-1980

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

आयक्र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भ्रम्त सर

भ्रमुतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/225——यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

आयकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इपये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक मकान जो मजीठा रोड, श्रमृतसर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबन श्रनृसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूक्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तरित की गई है भौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूक्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकात सिक्षक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुईं किसी भाय की वाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे वजने में बुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या निसी धन या अन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्तमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिधा के निए।

अत: भव, उक्त प्रधिनियम, की भारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात्:--- (1) श्रीमती मोहन कौरपत्नी श्री कर्म सिंह वासी मजीठा रोड, श्रमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवा सिंह पुत्र ज्वाला सिंह वासी तिपाला, तहसील श्रजनाला

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 स्रौर किराएदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्परित हैं)

(4) श्रीरकोई

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अभोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 बिन की भन्नधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की भन्नधि, जो भी
 भन्नधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत प्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया स्या है,

अनुसूची

मकान नं० 28 स्थित मजीठा रोड, ग्रमृतसर जैसा कि सेल डीड नं० 7644 दिनांक 28-3-80 रजिस्ट्री ग्रधिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 6-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन०एस०---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ग्रमृतसर, दिनांक 20 श्रक्तूबर 1980

निदेश मं० ए० एस० घार०/80-81/226--यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक प्लाट नं० 46 है तथा जो गोकल का बाग, मुलतान विंड रोड, अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुमूची में ग्रीरपूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्मालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) शौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नितिखन उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिश कर में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) स्रन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत, उक्त स्रिध-नियम के स्रधीन कर देने के स्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के धन्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात —

- (1) श्रीमती जगतार कौर पत्नी स० जगतसिंह वासी गेट हकीमां गली मलकां, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुक्ष देव राजभंडारी पुत्रश्री बलदेवराजभण्डारी वासी ग्रंटारी, तहसील और जिला ग्रमृतसर। (ग्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि संव नंव 2 ग्रीर किराएदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) मीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अझोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के स्रर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्राध-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

्लाट नं० 46, भ्रबादी गोकुल का बाग सुलतान विन्ड रोड अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेल डीड नं० 3 41 दिनांक 19-3-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

दिनांक: 29-10-1980

प्रकृष माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयक्तर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 27 मार्च, 1980

निदेश सं० ए० एम० ग्रार०/80-81/227--पतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा क्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० कटरा शेर सिंह में एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ड्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय श्रमृतसर में रजिल्ड्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके यूश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (यन्तरितियों) के बोब ऐसे अन्तरण के लिए त्य पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरम निजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी माय की बावत, उक्त बाबि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में मुजिझा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिसिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुनिता के लिए;

अतः भव, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भैं, उस्त ग्रीधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीत्:—

(1) श्री जसवन्त राष् पुत्र श्री प्यारा सिंह वासी 220 ग्रेटर जैनाग, देहली-ई, नई दिल्ली अब ग्रमृतसर ग्रीर सर्वश्री सुरिन्दर मोहन चन्द्र मोहन पृत्रान श्रो प्यारा सिंह, विमल राथ पत्नी श्री बलवन्त राष, बीना शर्मा पुत्री श्री बलवंत राय, ग्रनिल राय पुत्र बलवन्त राय ई-220 ग्रेटर कैलाश नं० 2, नई दिल्ली

(भ्रन्सरक)

(2) श्रो कलाम चन्द्र पूत्र श्री हसनाक राय श्रीर पत्नी पिण्डोदत्त पुत्र श्री खुणी राम वासी कटरा शेर सिंह चोक रिजेण्ट टाकाज, अमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रौर किराएदार सैंकण्ड सैंट श्रान रेन्ट 35 ६० दर से किराया (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ग्रीरकोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित रुट हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों करता हूं।

उत्तत सम्पति के अर्जन के अंबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राज्यक ने प्रकाशन की तारीख से 45 कि का गरीया तत्मं की व्यक्तियों पर सूचना की तामो र वे 30 कि की प्रकार, जो भी प्रविध बाद में समाध्य कारों ना, के जार प्रविध स्थानितयों में से किसी व्यक्ति बारा;
 - (ख) इस पूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त भाषितियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अब होना जो इस प्रध्याय में दिया गया है!

अनुसूची

श्राबादी कटरा शेरिसहमें एक मकान नं० 2382/12 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड न० 3816 दिनांक 27-3-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम श्रीधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 27-3-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

प्रायक्तर अधिनियम, 1991 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, श्रमृतसर श्रमृतसर,दिनांक 29 अक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० एस० प्रार०/80-81/228—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मंपत्ति जिनका उचित बानार मूख्य 25,000/- र० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो प्रवादी ग्राहमाराम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिशत से श्रीवक है श्रीर प्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐ ने श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बा**बत उक्त अधि**-नियम के प्रधीत कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; **गौर/या**
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 मा 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, उनन ग्रजिनिनन, की भारा 269-म के अनुसरण में, म. उनत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:~~ (1) श्री साहिब जीत सिंह पुत्र स० खेल सिंह वासी 502, ईस्ट मोहन, नगर, श्रमृतसर।

(श्रन्तरक)

(2) श्री तारासिंह पुत्र टेक सिंह ग्रीर **पानन कौ**र पत्नी स० तारासिंह वासी गांव ठठा तहमील तरनतारन, जिला ग्रमृतसर।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० न० 2 स्रौर किराएदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त प्रधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में विया गया है।

अनु सुची

एक प्लाट नं० 8485 श्रवादी श्रात्माराम सुलतान विङ रोड श्रमृतसर जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के सेल डीड नं० 3663 दिनांक 12-3-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 29-10-80

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस• -----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रमुतसर

श्रम् तसर, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/229---यतः मुझे ग्रानम्द सिंह आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' फहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जिसका उचित का कारण है कि स्थावर सम्पन्त रुपए से पशिक 25,000/-मूल्य श्रौर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो श्रजीत नगर श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीनः मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (ह) अन्तरण से दुई किसी आय की वावत उक्त भांध-नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

श्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भन्-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्षात:— (1) सर्वश्री भरत सिंह, कुलवन्त सिंह करतार सिंह बल-विन्दर सिंह प्राण जगदेव सिंह वासी रामूल तहसील तरन, तारन जिला ग्रमुतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजनी पत्नी श्री सन्तोख सिंह वासी 20-म्रजीत नगर, श्रमृतसर

(श्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर किराएदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) श्रौरकोई
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के पश्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही भयें होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

श्रजीत नगर में प्लाट नं० 50 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर के सेल 'डीड नं० 3540 दिनांक 28-3-80 में दर्ज है ।

> भ्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 29-10-1980

मायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेण सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/230---यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

स्रौर जिसकी म० चौक लक्षमण सरमें एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :-- (1) भो वजीका राम अग्रचाल पुत्र श्री अनस्त राम, वासी वाजार, लक्षमण सर, अमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री करतार सिंह, वासी तरन तारन रोड, ग्रमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रौर किराएदार, रामा मेडीकल स्टोर 1967

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्परित है)

(4) श्रीर कोई। (वह ध्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवड है)

को <mark>यह सूचना</mark> जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सादी खं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी नं० 794/V-7 ग्रौर 170/V---7 एमसीए कटड़ा रामगोरीडी बाजार लक्षमणपुरश्रमृतसर जैसाकि रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं० 3691 वा 7-3-80 में दर्ज है।

> स्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, स्रमृतसर

तारीख: 6-11-80

मोहरः

11-386GI/80

प्ररूप माई • टी • एन • एस •----

म्रायकर मिर्मियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज. भ्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 12 नवस्वर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/231—यतः मुझे श्रानन्दं सिंह

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से श्रिधिक है

ध्रौर जिसकी बजार मजी मंडी में एक दुकान है जो में स्थित है, (श्रौर इस से उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. तारीख मार्च 1980

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरक से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या;
 - (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किथा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भय, उन्त भिधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, उन्त भिधिनियम की घारा 269-य की दाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयान :---

- (1) किंग्न चन्द पृत्र श्री शाम दास विकास बिल्डिंग, विलय पारले बम्बई राही श्री फकीर चन्द पुत्र श्री शाम लाल वासी बाजार गण्डवाला, स्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) सर्वश्री रमेणकुमार चन्द्र प्रकाण पृत्रगण लाल चन्द वासी एक्सचेंज रोड, श्रीनगर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रौर किराएदार (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)
- (4) श्रौर कोई वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

'स्यव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रन्मुची

एक दुकान नं० 547/6-3, मजीद मण्डी में स्थित जैसा कि विलेख रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं० 3815 दिनांक 26-3-80 में दर्ज है।

> श्रानन्द सिह् सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

नारीखा: 12-11-80

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत [सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० आर०/80-81/232—यतः मुझे आनन्द सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

और सिकी सं डल्होजी रोड पठान कोट में एक दुकान है तथा जो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ; विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पठ.नक ट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्टिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारी 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:— (1) मैंसर्ज जुबली हाई वे ट्रांसपोर्ट कम्पनी, डब्होजी रोड, पठानकोट राही केवल किणन, मैंनेजिंग डायरेक्टर, पठानकोट

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स युनाइटेड फाइनेसियरज (पी) लिमिटेड, हिलों बिल्डिंग जी० टी० रोड, नजबीक बस स्टेंड जालन्धर सिटी।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रीर किराएदार यणपाल (मोटर पार्टस) सरदूल सिंह (इलैक्ट्रिक मोटर रिपेयर) श्री मनोहर लाल महाजन, भूपेन्दर सिंह। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) श्रौर कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके ग्रंजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अश्वीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जी सकोंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो छक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है वहीं ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डल्होजी रोड पठानकोट परस्थित एक दुकान जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के सेल डीड नं० 2946 दिनांक 6-3-80 में दर्ज है।

> म्रानन्द सिह् सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 6-11-80

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, श्रम्तसर

धमुससर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/239—स्यत: मुझे श्रानव्य सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 80

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रति-फल निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के सिए:

अत: बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अधीन;--

(1) श्री प्रीतम कौर पुत्री बेला सिंह निवासी माछीवाला तहसील ग्रजनाला

(अन्तरक)

- (2) श्री मखन सिंह चलदेव सिंह कुलवन्त सिंह पुत्र बलवन्त सिंह मनोहर सिंह सविन्दर सिंह पुत्र श्री चानन सिंह गांव माछीवाला, तहसील ग्रजनाला (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि सं० 2 म्रीरकोई किराएदार
- (4) भौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्बस्ति के अर्जन के फिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकीये।

स्थल्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहा अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्यी

कृषि भूमि 58K-1 माला भग्नास तहसील मजनाल सेल डीड नं० 7156 दिनांक 20-3-80 रजिस्ट्री मधिकारी मजनाला में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चन्द्रपुरी, टेलर रोड़,श्रमृतसर ।

तारीख: 12-12-80

प्ररूप आईं० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेज, अमृतसर

भ्रमृतसर,दिनांक उनवम्बर 980

निदेश सं० ए० एस० म्रार० 180-81/235—यतः मुझे म्रानन्द सिंह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

भ्रोर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव किमयारी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अजनाता मे रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1980

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः।--

- (1) श्री श्राप्रधया कुमार पुत्त श्री मुलख राज वासी गांवल चिमयारी तहसील श्रजनालाजिला श्रम्तसर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुदेश कुमारी पुत्नीश्री चन्टा राम (रिटायर्ड हैड मास्टर) वासी गांव कमलपुरा वाया चिमयारी, तहमील श्रजनाला ।
- (3) जैसा कि मं० नं० 2 ग्रीर किराण्दार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित हैं)
- (4) ग्रौरकोई (वह व्यक्ति, जिसके बारेमे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीसर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त धव्यों और पथों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम संची

60 किला 16 मरले कृषि भूमि गांव चिमयारी में जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय अजनाला के सेल डीड नं० 4978 दिनांक 7~3-80 में दर्ज है।

> भ्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 13-11-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० ए स० श्रार०/80-81/234——यतः मुझे, श्रानन्द सिंह,

शानन्द । सह, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दं के प्रधिक है प्रीर इससे जिसकी सं के कृषि भूमि है तथा जो में——स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय अजनाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा जिफन निन्निजित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया। है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त घष्टि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या घन- कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1)] के अधोन, निम्निजिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:— (1) श्रीमती वन्तकौर पत्नी श्रजीत सिंह वासी सेंदपुरा तहसील श्रजनाला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह पुत श्रजमेर सिंह वासी सैंदू पुरा तहसील श्रजनाला।

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार
- (4) श्रीरकोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित्बद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो छक्त मिन नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्व होगा जो उस प्रस्थाय में दिया गया है।

अनुसची

कृषि भूमि 39 के०—16 एम० गांव सँदूपुरा तहसील श्रजनाला जैसा कि सेल डीड नं० 5029 दिनांक 12-3-80 रजिस्ट्री स्रधिकारी स्रजनाला में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 12-11-80

भारत सरकार

कार्यांवय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ममृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० द्वार०/80-81/236—यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपमें से प्रधिक है

भीर जिसकी सं कि कृषि भूमि है तथा जो " में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद अनुभूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्रजनाला में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, रोरीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रांतफात के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त छि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, का धनकर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अधीत, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्।--- (1) श्री प्रशौतम लिंह पुत सुरत सिंह वासी कोटला दून तहसील श्रजनाला ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलवांग सिंह हरदेव सिंह पुत गुरनाम सिंह वासी कोटला इूम तहसील अजनाला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 स्रौर कोई किराएदार (बह् व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) ग्रौरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्दों का, को सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य होगा, जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

श्रनु**स्चो**

कृषि भूमि 62 कनाल-14 मरले कोटला डूम में जैसा कि मेल डीट नं० 5030 दिनांक 12-3-80 रिजस्ट्री ग्राधिकारी अजनाला में दर्ज है।

> श्रानन्द सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज, श्रमृतसर

नारीख: 12-11-80

प्ररूप आई• टी० एन• एस•-----

ग्रायकर ब्राविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर,दिनांक 1 नवम्बर 1980

निदेश मं० ए० एस० प्रार०/80-81/207—यतः, मुझे, श्रानन्द सिंह

शायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रष्ठीम सक्षम श्रिष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप में विभित्त है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एम० श्रार० श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच एसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत प्रधिनियम, नियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धवः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती जनबीर कौर पत्नी प्रोतम सिंह जनगरीत सिंह पुत्र प्रोतम सिंह राही मुखत्यार आम सुखिनिद्र सिंह पुत्र हीरासिंह निवासी सर सिंह श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री रनजीत सिंह पुत्र भगवान दास रघबीर सिंह पुत्र रनजीत सिंह वासी 169-186 श्रजीत नगर ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि सं० 2 श्रौर कोई किराएदार। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) ग्रीरकोई। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ूअधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन वे लिए कार्पवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रान्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रय होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुतूची

एक मकान नं० 168-169-86 अजीत नगर में जैसा कि सेल डीड नं० 3733/1 दिनांक 17-3-80 रिजस्ट्ररी ध्रिधकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

> श्चानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) . श्रजीम रेंज, अमृतसर

नारीखा: 1-11-80

प्ररूप भ्राई०टी० एन० एस०

बायकर **प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा** 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/237—यतः मुझे श्रानन्द सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाब ब श्रनुसूची में श्रीर पूण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एस० श्रार० पट्टी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० पट्टी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० पट्टी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकाम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भौर मुझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नकिश्वित न्यक्तियों धर्यात् :——
12—386GI/80

(1) श्री अंगरेज सिंह पुत्र हरी सिंह वासी साबरा तहसील पट्टी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जागीर सिंह पुत्र केहर सिंह वासी सावरा तहसील पट्टी । ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 स्रीरकोई किराएदार (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त भ्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथें होगा जो उस भ्रध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 47K-1M बरानी साबरा में तहसील पट्टी जैसा कि सेल डीड नं॰ 4160/1/1000 दिनांक 18-3-80 रिजस्ट्री श्रिधकारी पट्टी में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ता**रीख**: 15-11-80

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज, ग्रम्तसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० स्नार०/80-81/238—स्वतः, मुझे, स्नानन्द सिंह,

भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० रानी का बाग अमृतसर में स्थित एक प्लाट है तथा जो ' ' में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखिन में तास्पति हुन्य में क्या गया है :—

- (क) चन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाबिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मृथिधा के लिए; ेश्रीर/या
- (ख) ऐसी िस्मी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आप्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ब्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्तलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) सुधा रानी पत्नी श्री मुनी लाल, वासी 16 लारेंस रोड, श्रमृतसर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नवतेज सिंह पुत्र हरचरन सिंह वासी गांव डेहरला, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रीर किराएदार यदि कोई हो।

> (वह व्यक्ति, जिसके [']श्रिधिंभोग में सम्पत्ति हैं)।

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूतना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रीर पर्दों का, जो उन्त ग्रिविनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रानी का बाग श्रमृतसर में स्थित $122\ 1/2$ वर्ग मीटर एक प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के सेल डीड नं 3641/1 दिनांक 10-3-80 में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

नारीख: 15-11-80

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

आयक्तर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

ं निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/239—-यतः, मुझे, ग्रामन्द सिंह

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-खं के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिधक है

श्रौर जिसकी सं० गांव साबरा में कृषि भूमि है तथा जो ं ं में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पट्टी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

धतः श्रम, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :— (1) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री कहर सिंह।वासी गांव साबरा, तहसील पट्टी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री परगट सिंह पुत्र श्री उधम सिंह, वासी साबरा तहसील पट्टी ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० 2 श्रौर किराएदार यदि कोई हो।

> (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसुची

गांव साबरा तहसील पट्टी में स्थित 42 कनाल 15 मरले कृषि भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के सेल डीड नं० 4159/1 दिनांक 18-3-80 में दर्ज है।

> स्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुतसर

तारीख: 15-11-80

प्रकप धाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्त्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ा1ा, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/240—यतः मुझे, ग्रानन्दसिंह आई० ग्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त पिंचनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अभीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० चौक मोनी श्रमृतसर में एक प्रापर्टी है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिलत यधिक है थीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहें स्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तिक रूप से कथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घ्रस्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिर्धानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्धानियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुवरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वातः---

- (1) श्री कर्म सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, चावल मण्डी श्रमृतसर
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रासा राम पुत्र श्री ग्रजागर सिंह वासी चौक मौनी ग्रमृतसर

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं ० नं ० 2 स्त्रौर किराएदार यदि कोई हो (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पुर्वोक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीमर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजग्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सब्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीशरण-इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों ना, जो उनत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

चौक मोनी स्थित एक प्रापर्टी नं० 587/5-4 प्रौर दुकान नं० 648-649/5-4, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी अमृतसर के सेल छीड नं० 3827/I दिनांक 27-3-80 में दर्ज है।

ग्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रजन रेंज-III, चन्द्रपुरी टेलर रोड, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-11-80

पक्ष आई० टी० एन० एस०--

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269-- **प** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/80-81/241---यतः मुझे श्रानन्द सिंह आई श्रार एस आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्मीर जिसकी सं० सुलताम विण्ड रोड श्रमृतसर में स्थित है (श्मीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखिन में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-निषम के प्रश्नीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या क्ससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रम, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात:-- (1) श्रीमती श्रमरजीत कौर पस्नी पृथीपाल सिंह, वासी गांव खबो रापूतां तहसील भौर जिला अमृतसर

(भ्रन्तरक)

(2) म० सरदूल सिंह पुत्र श्री प्रीतम सिंह वासी सुलतान विण्ड रोड, श्रमृतसर श्रव गांव लाहू के तहसील तरन तारन

(भ्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं ० नं ० २ और किराएदार यदि कोई हो
- (4) ग्रौरकोई

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रजंन** के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दि की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडटीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा जो छस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसू**ची**

मुक्तानविण्ड रोड श्रमृतसर में स्थित एक प्लाट जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर के सेल डीड नं० 3805/I दिनांक 27-3-80 में दर्ज है।

श्रानन्द सिह सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, चन्द्रपुरी टेलर रोड भ्रमृतसर ।

तारीख: 15-11-80

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर भ्रषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्भालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० म्रार/80-81/242--यतः मुझे भ्रानन्द सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से प्रधिक है और जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों का, शिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जता, अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) धीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री जसवन्त राय पाराशर हुज ला ऊधो राम प्रसाद वासी 18/19 भनाट सर्कंस जलन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रीत किगोर सपुत्न धनी राम सेठ वासी बेरी गेट श्रमृतसर

(ग्रन्सरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 स्नौर कोई किराएदार (बह व्यक्ति' जिसके स्रधिभोग में सप्पत्ति है।)
- (4) श्रौर कोई (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना त्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध का तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पढडी करण :--इसमें प्रयुक्त शाब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रथं होगा, जो उस प्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्रापर्टी नं॰ $315/{\$}/8$ खसरा नं॰ 2298/1993/6781/1 दयाल रोड जैसा कि मेल डीड नं॰ 7593 दिनांक 27-3-80 रजिस्ट्री अधिकारी श्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-II^I, चन्द्रपुरी टेक्षर रोड, श्रमृतसर ।

तारीख: 15-11-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कॉर्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/243—यतः मुझे ग्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक प्रापर्टी गुरदासपुर है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 80 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेदरय से उक्त अन्तरण निस्तत में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या छन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे लिए:

अतः असः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वृथित्ः-- (1) श्री सरना नन्दलाल वासी श्रमरजुगरन सरना, पठानकोट गुरदासपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रविन्दर कुमार पुत्र नानक चन्द रसैकेट्री मोहल्ला गुरदासपुर

(अन्तरिती)

- (3) जैमा कि सेल खीड नं० 2 श्रीर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है)
- (4) ग्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति म हितवदधृ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपरित में हिस-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्रची

एक प्रापर्टी बेरिमां मुहल्ला गुरदासपुर में जैसािक सेल डीड नं० 7662 दिनांक 12-3-80 रिजस्टरी श्रधिकारी गुण्दासपुर में दर्ज है।

> श्रानन्द सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख : 20-11-80

प्रकर आई० टी० एन० एम०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 1 नवम्बर 1980

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/80-81/207—यतः मुझे श्रानन्द सिंह

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एक प्रापर्टी है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरंग के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उचत प्रन्तरंग निवित म वास्तविक रूप से कथित न किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के स्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. स्रर्णातः—

- (1) श्रीमती जसबीर कौर पत्नी प्रीतम सिंह श्रौर जनपरीत सिंह पुत्र प्रीतम सिंह राही मुखतार ग्राम सिंवन्दर सिंह पुत्र खुरा सिंह वासी खुर सिंह श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- (2) श्री रनजीत सिंह पुत्र भगवान दास, रघबीर सिंह पुत्र रनजीत सिंह वासी 169-156 श्रजीत नगर श्रमृतसर
- (3) जैसा कि श्रौर कोई किराएदार (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) और कोई (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मक्ति के स्रर्जन लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख थे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

_अनुसूची

एक मकान नं० 169-186 अजीत नगर में जैसा कि सेल डीड नं० 3733 दिनांक 17-3-80 रजिस्टरी अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमुससर

तारीख: 1-11-80

प्ररूप प्राप्तिः ही । एस । एस । -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मंत्रीत मुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निवेश सं० सी० एस० 5/एस० श्रार० करवीर जुलाई 80/ 494/80-81---यतः मुझे ए० सी० चन्द्रा

आयकर अधितियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त प्रितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्दित, जिसका उविश्व बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी संख्या सि.स.नं. 416 A,

वार्ड बी है तथा जो करवरि जिला कोल्हापुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्सा श्रधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक करवरि में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार पूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरितो (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विखित में बाह्तविक रूप से कथि। नशी किया गया है ।----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अरथ आहितयों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के िए;

जतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-य के धनुसरण में, में, उक्त यक्षि[ि]यम को धार 269-य की उपधारा (1) अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :—~ 13--386GI/80

- 1. (1) श्री विशामभार हरीहर पंडित या पंडित महाराज
 - (2) श्री रामचन्द्र हरिहर पंडित या राम महाराज 93/3, एरेडवना, पुने ।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री माणिकचन्द बभूतमल ग्रोसवाल 526-सी, कोल्हापुर
 - (2) श्री प्रकाण बभूतमल ओसवाल 52-6-सी, कोल्हापुर

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री विशम्भर हरीहर पंडित 3/4 हिस्सा
 - (2) श्री रामचन्त्र हरीहर पंडित 1/4 हिस्सा

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन भी तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन भी भवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितम्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

संख्डोतरगः---इनवें प्रयुक्त गक्दों और पदों का, जो उमत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो मी० म० नं० 416-ए वार्ड बी ता० करवरि जो कोल्हापुर में स्थित है जिसका क्षेत्र 258.6 स्के० मीटर है। (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 2261 जो जुलाई 80 को दुय्यम निबन्धक करविर जिला कोल्हापुर के दफ्तर में लिखा है।

> ए० सी० चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-11-80

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 27 नवम्बर 1980

निदेण सं० सो० ए० एस०/एस० ग्रार० करवरि/जुलाई 80/-493/80-81-----यतः मुझे ए० सी० चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सि० स० नै० 416ए बी० बार्ड है तथा जो करवरि जि० कोल्हापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबन्धक करवरिमें, रिजस्ट्री करण श्रिधित्यम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980 का पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितं में वास्तिक रूप में कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में में, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्री विश्वम्भर हरिहर पंडित या पंडित महाराज और
 - श्री रामचन्द्र हरिहर पंडित या राम महाराज 93/3, इरंडवना, पुने-4।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. मौ० पोपटवाई चनेमन श्रोसवाल
 - श्री प्रतापचन्द सखलचन्द ग्रोसवाल 206-सी, भेड़े गल्ली, कोल्हापुर

(ग्रन्तरिती)

- 3.~(1) श्री विम्बम्भर हरहिर पंडित 3/4 हिस्सा
 - (2) श्री रामचन्द्र हरहिर पंडित 1/4 हिस्सा

को यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा 'तक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बिल्डिंग जो सी० स० नं० 416ए वार्ड बी० सारी खाकरवरि जो कोल्हापुर में स्थित है। जिसका क्षेत्र 277.8 स्के० मीटर है।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2260 जो जुलाई 1980 को दुय्यम निबन्धक करवीर जि०कोल्हापुर के दक्तर में लिखा है।)

> ए० सी० चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 27-11-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मिश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निदेश सं० सी० ए० एस०/एस० ग्रार० कल्यान जुलाई/80/487—यतः मुझे ए०सी० चन्द्रा
ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से ग्राधिक है

भीर जिसकी सं० 70/1, हिस्सा नं० 4 पाथलीं डोंबिबली है, तथा जो गजबन्धन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुध्यम निष्बंधक, कल्यान में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-7-80 को श्रवीकत सम्यन्ति के जिल्ला बाजार मुल्य में कम के दश्यमान

1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख 17-7-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीध-नियम के ग्रीधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निक्षित स्यमितयों भर्यात् :---

- (1) श्री (1) श्यामजी हंसराज पटेल
- (2) लड्डाभाई गूच पटेल
- (3) कांतिलाल देवराज पटेल
- (4) जगारिसंग भगवानिसंग बालजी शिवाजी वाडी 13 हिरामनी कुंज आगरा रोड, घाटकोपर, बाम्बे

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री गणेश स्मृति सहकारी हाऊसिंह सोसायटी लि० श्री गणेश मन्दिररोड, डोंबिवली (इस्ट) जी० ठाने
 - (3) श्री गणेश स्मृति सहकारी हाऊसिंग सोसायटी लि० गणेश मन्दिर रोड डोंबिवली (इस्ट) जि० ठाने के मेंबर्स (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न केलिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :→-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण:—कतमें प्रयुक्त गान्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रायं होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन धौर इसके ऊपर की बिल्डिंग जो सं० न० 70/1, हिस्सा नं० 4, गजबन्धन पापर्ली गांव से (जी० ठाने) स्थित है। जिपका क्षेत्र 1124 स्के० मीटर (939.36 स्के० मीटर) है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख कि॰ 309 जो 17-7-1980 को दुय्यम निबन्धक कस्यान के दफ्तरमें लिखा है।)

> ए० सी० चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, पूना ।

सारोख: 28-11-80

प्ररूप माई• टी• एन• एस•----

आधकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 21 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 285/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 श्रीर 13 है, तथा जो सोमाजोगुडा हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रील 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिजत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम, या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः मन, उक्त मिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.— (1) श्रीमती लिगाला सुशीलादेवी पति लिगाला श्रन्ना रेड्डी नारायणपुरम गांव, जनगाना तालुक वरंगल जिला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० वेंकटेश्वर रेड्डी पिता जे० जगन्नाथ रेड्डी 6-3-550/2 खेरताबाद, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजॉन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए। जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणा---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विस्तीर्ण 464 चतुर गज नं० 12 श्रीर 13 सोमाजीगुडा हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3884/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद ।

तारीख: 21-10-80

प्ररूप आहू . टी , एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 31 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० 286/80-81—यतः मुझे एस० गोबिन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 4-1-938/श्रार 16 श्रौर ग्रार 17 है, जो तिलक रोड है इराबाद स्थित में है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1980

क्ये पूर्वाकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) मैसर्सश्री फ्रुट्णा कनस्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612 श्राबिद श्रली रोड, हैदराबाद
 - मैनेजिंग पार्टनरश्री कैलाण चरन पिता श्री महाबीर प्रसाद, निवासी 8-2-626/6 रोड नं० 1 बंजाराहित्स, हैदराबाद
 - 2. श्री राजकुमार पिता श्री केदारनाथ 3-2-350:, चापल बाजार हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती णान्ता बैलूर पति शानताराम नारायण बेंगलूर निवासी 4-1-938/ग्रार 16 ग्रीर आर 17 (6ठी मंजिल) तिलक रोड, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्घवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्वकारकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

लाक जैसे कि विस्तीनं 775.51 चतुर 4-1-938/ग्रार-16 ग्रीर ग्रार 17 6ठी मंजिल पर तिलक रोड हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेखनं 1945/80 रजिस्ट्रीकृत ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीखा: 31-10-80

प्ररूप माई॰ टी • एन • एस •---

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाट

हैदराबाद,दिनांक 31 श्रमतूबर 1980

निदेण सं० 287/80-81---यतः मुझे एस० गोविन्द राजन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, श्रीर जिसकी सं० 4-1-938/22/29 है, जो तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य रो वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत उक्त प्रक्षितियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- गै०श्रीकृष्ण कंस्ट्रक्शन कम्पनी
 5-8-612 माबिद रोड, हैदराबाद
 - 2. मनेजिंग पार्टनर श्री कैलाण चरन पिता महाबीर प्रसाद 8-2-626/6 रोड नं० 1 बंजारा हिल्स हैदराबाद
 - 3. श्री राजकुमार पिता केदारनाथ 3-2-350 घापल बाजार हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रह्मद इप्तकामुद्दीन श्ररमद 848 'बी' क्लास मल्लेपहिल, हैदराबाद

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५र सूजना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताझरी के पास
 निखित में किये जा सर्वेगे।

स्पब्डीकरणः → इसमें प्रयुक्त एक्दों और पदो का, जी छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में खिया गया है।

अनुसूची

हाल जैसे विस्तीर्ण 1569.67 चतुरफिट नं० 4-1-938/22/29 7वी फ्लोर परतिलकरोड हैदराबाद में जैसे कि रिजस्ट्री-कृत विलेखनं० 3737/80 रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

नारीख: 31-10-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

थ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद,दिनांक 3 नवम्बर 1980

निदेश सं० आ २० ए० सी० 288/80-81--यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रीधक है भ्रौर जिसकी सं० 4-1-314 भ्रौर सब नं० है, जो टीपूबाजार हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच

ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उक्त भ्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नही किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी फिली भाय या किसी घन या ग्रना भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में मुविधा के लिए;

अतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित गाकितयों, अर्थान:--- (1) श्रीमती करीम् श्रीमा बेगम पति मिर ईमदाद श्राली खान 5-9-313 गनफौन्डरी हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बाजिवाश्रीमा बेगम (श्रिलियामहसीन पाषा) पिता मिर ईमदाद श्रालिखान 8-2-674/2/2 13वी बंजारा हिल्स हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

डबल स्टोरीड बिल्डिंग नं० 4-1-314, 4-1-314/1, 4-1-314/2, 4-1-314/3 फ्रीर 4-1-314-ए, टीपू बाजार हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2255/80 रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 3-11-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भाय तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1980

निदेश मं० 289/80-81---यतः मुझे एस० गोबिन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मूल्य 25,000/- के० से प्रधिक है

ग्रोर जिसको सं ० 4-1-11/बी/5 ग्रोर 6 है, तथा जो तिलक रोड हैदराबाद में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रोर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ती सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण के दुई िकसी आप की बाबत उक्त अधिनियम, 1961 के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, 1961 या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती पी० बालम्मा ग्रदरम पति स्वर्गीय राजालिंगम 15-5-795 श्रकबर बाजार, हैदराबाद।

(भ्रंतरक)

(2) श्रीमती जीव सक्कूबाई पति जीव अंजैय्या 4-8-568 गौलीगुड़ा हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोत्श्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त गध्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ध्रमुसूची

घर नं० 4-1-11/बी/ 5 श्रीर 6 तिलक रोड, हैदराबाद में जैसे कि विस्तीर्ण 289 वर्गगज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2076/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक र स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

नारीख: 5-11-80 । मोहर: प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-णु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० 290/80-81—यतः मुक्षे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० खुली जमीन सर्वे नं० 129 है, जो युसफगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सम्मीन मार्च, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म³, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--14--386GI/80 (1) श्रीमती पी० कमलादेवी जी० पी० ए०, श्रीपी० रामचन्द्राराव 12-2-725/23 पी० एण्ड टी० कलौनी, हैदराबाद।

(श्रंतरक)

(2) मैं० दी० सरवेल कोग्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाईटी, रजिस्ट्री नं० टी०ए० बी०-59 पी० श्रौर टी० कालौनी, रेथिबौली, हैदराबाद।

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

खुली जमीन जैसे कि विस्तीन 1422 वर्गगज सर्वे नं ० 129 यूसफगुडा हैदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2732/ 80 पजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीखा: 7-11-80

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 नवस्बर 1980

निदेश सं० 291/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन, बायकर शिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अवत अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5-9-22/42 है, जो ग्राकरशनगर हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च 1980

को प्रांवत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गईं है जीर मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों अर्थात् :--

- (1) श्रीमती जी० निरवारय पति जी० एम० राव 8-2-617/ए/4 रोड नं०-11 बंजाराहिल्स हैदराबाद जी० पी० श्रो० श्री बी० राजेश्वरराव पिता लेट विराटागवराव 617/ए०/4 रोड नं०-11 बंजारा हिल्स हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजगोपाल तापाडिया पिता बीजलाल तापाडिया 1-7-1072/ए, माशिराबाद हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांवत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्त्ची

प्लाट नं ० 12 गाराज के मात प्लाट 5-9-22/42 जैसे कि विस्तीन 990 चतुर फिट श्रादर्शनगर हैदराबाद जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 3700/80 रिजस्ट्रीकृत श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-11-80

प्ररूप भाई० टी• एत• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मंद्रीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० 302/80-81—यतः मुझे एम० गोविन्द राजन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 369-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु• से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 103 है. तथा जो सैदाबाद हैदराबाद स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्णक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राजमपुरा हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के नृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नदीं किया गया है।——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रीर्धानयम से भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में ममी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियो खो, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त श्राधिनियम, या जन-कर श्रिशिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के जिए;

श्रतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्रोमती बी० एल० जगदिस्वरी पिता बी० बी० सास्त्री नं० 543, ग्रन्नानगर, मद्रास

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. कोक्काडम श्रीनिवास
 - 2. कोक्हाडम पांडूरंगम
 - 3. कोक्काडम वेंकटगिरी

पिता राजय्या निवासी दाडूपल्ली गांव इन्नाहिमपटनम तालुक, रंगारेड्डी जिला।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रथ्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उस्त ग्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं। कहा अर्थ होना, जो उन शब्दाब में विवासका है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 103 विनयनगर कोग्रापरेटिय हार्झालम मोवाईटी कालीनो सैदाबाद, हैंदराबाद में विस्तीर्ण 671 चतुरगज जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 534/80 रिजस्ट्रीकृत सुधिनारी ब्राजम पुरा, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, हैदराबाद ।

तारीखा: 7-11-80

मोहरः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० 303/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 56 है, तथा जो मनसूराबाद ह्यतनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, या धनकर श्रिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपामे में स्विधा के लिए;

ग्रतः; श्रव, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांत्:--- (1) श्री शेक ईमाम और ग्रदर पिता मोइनाइीन 16-8-244 मलकपेट हैदराबाद 500036.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० सत्यानारायन रेड्डी ग्रीर 5 श्रदरस पिता बी० सूटमारेड्डी मिरयालगुडा नलगोंडा जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सुवना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखितं में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **है, वही** अर्थ होगा,जो उस श्रध्याय में दिया गया **है**।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 56/1 ऐकर 0'27 मनसूराबाद गांव हयतनगर तालुक रंगारेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2733/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख: 17-11-80

मोहर 🏒

प्रकप आई० टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० 304/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रशिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट न० बी० दूसरी मंजिल है, जो दिल्ली श्रपार्टमेंट बेगमपेट सिकन्दराबाद में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद ∰ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1980

भो पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिका तिमानिक्ति उद्देश्य से उका अन्तरण निक्ति में बास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की गावत उन्त श्रिष्ठ-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसते बतने में सुतिधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, श्रक्तनु:— (1) मैंसर्स दिल्ली ग्रपार्टमेंट
 4-1-877 तिलक रोड हैंदराबाद
 मैंनेजिंग पार्टनर श्रीमती दिलवार बामर
 8-2-542/4 रोड नं० 7 वंजारा हिल्म
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महमद वालियाल्ला पिता महमल श्रमानालुला 12-2-837/3ए० श्रसिफनगर हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्तं सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पंडिटीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट बी० दूसरी मंजिल दिल्ती श्रपादेशट बगमपंट सिकन्दराबाद विस्तीर्न 1000 चतुर फिट जैसे कि रजिस्ट्रोकुल विलेख नं० 3437/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हेदराबाद से है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 7-1180

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 305/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुट से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० सर्वे नं० 21/1, 2 ग्राँग 22 है, जो बेगमपेट सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्राँग इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मार्च 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 मैसर्स जैराम सुन्दर श्रीर कम्पनी 124, एम० जी० रोड, सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरिक)

(2) मैसर्स गुलाब किशन एन्टरप्राईज बम्बई करता श्री गुलाब पिता श्री किशनचन्द जेसवानी 65-67 पुराना हुनुमान लेन, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्सुची

खुली जमीन जैसे कि निश्तित 516.00 वर्ग गण बेगम पेट सिकन्दराबाद सर्वेनं० 24/1, 24/2 और 23 जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 709/80 रिजस्ट्रीकर्त प्रश्रिकारी सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-80

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० 306/80-81—यतः मुझे एस० गोन्विद राजन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 238 ।/1 है, जो जिडिमेटला श्रार० श्रार० जिला में स्थित है (श्रौर इससे उपावस अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 80

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः धन, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री के० वेंकटेस्वरराविपता बलय्या कानूमूरून गांव पामक तालुक कृष्ताजिला

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स भाग्य लक्ष्मी कोश्रापरेटिव हाउसिंग सोसाईटी 1-1-92/2 चिकाडपल्ली हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति आरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उन्त भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूकी जमीन सर्वे नं० 238/1 जिल्लिमेटला गांव मेटचल तालुक रंगारेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2221/ 80 रजिस्ट्रीकृत ग्राधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोबिन्द राजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 10-11-80

मोहरः

प्ररूप प्रार्ड० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेण मं० 307/80-81—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं० 1-10-196/7 है, तथा जो बेगमपेट सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण प्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्ज, 1980

को पूर्वोक्त समात्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान घरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण विखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किमी प्राय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रयात् र~

- (1) श्रोमती लोलाबाई कोटाटकर पति दितल राव 5-4-446 नामपत्ली स्टेशन रोड, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बी॰ ज्योती पति रामधुरै मरियन 1-10-196/6 बेंगमपेट, हैवराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहंस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रगुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

यर 1-10-196/7 बेगमपेट सिकन्दराचाद विस्तीण 800 वर्ग फीट जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2722/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 10-11-80

प्रकृष चाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद,दिनांक 10 नवम्बर 1980

निवेण सं० 308/80-81—यतः मुझे एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छन्ति बाजार मूख्य 25,000/-ए० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्र्वुली जमीन है, तथा जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच ऐसे अक्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरंग निकार में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बावन उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में बृथिधा के किए; कीर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला अस्ति आहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए

बतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-मरण में, में, एकन अधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अविति :—-15—386GI/80

- (1) 1 सर्वेश्री एम० ए० रामचन्द्रा रेड्डी
 - 2 वि*ण*नूकुमार रेड्डी
 - 3 विजयकुमार रेड्डी लक्षमी निवास बेगमपेट, हैदराब।द

(ग्रन्तरक)

(2) मैसमें धन लक्षमी कोग्रापरेटिव हाउसिंग मोसाईटी शापनं 16 ईनडोर स्टेडियम फतहमैंदान, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस नुवना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण।--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के ग्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्न 9847 वर्ग मीटर बेगमपेट हैदराबाद में जैसे कि रश्जिस्ट्रीहत विलेख नं० 2704/80 रजिल्ड्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 10-11-80

प्रसप आई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज , हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

ग्रार० ए०सी० नं०309/80-81⊶-श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- छ के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-10-74 है, जो बेगमपेट हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (बन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप सं किथत नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, खक्त श्रिष्ठिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण म, में, छक्त श्रिष्ठिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखिन व्यक्तियों. अर्थाल :---

- (1) श्रोमती वेलामाटी राधा रूकमिनी सौभाग्यवर्ता पतिन वेलामातो रमेण बन्द्रा चौधरी बालूसूपाडू गांव जगग्यापेट तालूक कुष्णा जिला अब रहने का पता 8-3-898/16/2 नागारजुना नगर कलोनी हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) 1. प्रभा डि० शाह पहिन दामोदरदास शाह।
 - 2. राजेण डि० शाह पिता दामोदरदास शाह।
 - मंजय डि० शाह् पिता दामोदरदास शाह ।
 3-5-1093/20 श्री वेंकटेस्वरा कलोनी नारायणगुडा, हैदराबाद-500029 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकामे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

नग्त्री

खुलो जमोन जैसे कि विस्तीन 609 वर्गगज नं०4 1-10-74 बेगमपेट सिकंदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2723/80 रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकार महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 10 नवम्बर, 1980।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 310/80-81---म्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 3-80 है, तथा जोनेहरू नगर श्री कालाहस्ती में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण-रूप से वणित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्री कालाहस्ती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण के लिए

- (क) अभ्तरण से हुई किसी ह्याय की बाबत, उक्त प्राव्यित्यम, के प्राचीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिबत व्यक्तियों, प्रयति:—

- (1) 1. श्री जे० गरीगासट्टी पिता गूळ्वें य्या सेट्टी ।
 2. श्री प्रभाकर सेट्टी एण्ड श्रदरस, श्री कालाहस्ती।
- (श्रन्तरक) (2) श्रो रंगय्या सेंट्टी ऐलियास लक्ष्मीनारायण सेट्ठी माता

(2) श्री रंगय्या सेंट्ठी एलियास लक्ष्मीनारायण संट्ठी माता रामालक्ष्मी, श्री कालाहस्ती ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रयं होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

भनुस्ची

घर 3-80 नेहरूनगर श्रीकालाहस्ती जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 454/80 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी श्री कालाहस्ती में है।

> एस० गोविन्द राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराखाद ।

दिनांक: 12 नवम्बर, 1980 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ग्रार० ये०सी०नं० ३१ 1/80-81—श्रतः मुझे एस० गोबिन्द राजन

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके रागान् 'उक्त वितियक कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रशीन तथा पाधि वारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तमास्ति जित्तवा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिषक है

स्रौर जिसकी सं० 3-80 है, जो नेहरू स्ट्रीट, श्री कालहस्ती में स्थित है श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीकालहस्ती में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 मार्च, 1980 को

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भोज देन प्रतरण ह निए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य । उक्त प्रत्ररण विखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्राध-नियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बनने में सुविधा के लिए; शार/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) में उता अधिनियम या धनकर श्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्तिरित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्न लिखित क्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जे० विन्ना रंगय्या सेट्टी पिता गरीगा सेट्टी, श्रीकालहस्ती ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे॰ रामलक्ष्मी माता जे॰ रंगस्या सट्टी एलियास लक्ष्मीनारायण सेट्टी, श्रीकालहस्ती। (श्रन्तरिती)

को यह सूचताः जारीः करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के खजैन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उन्त, सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 48 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितकक किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः --इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-िराम के अध्याय 20- के परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

अनुसुची

घर 3-80 नेहरू स्ट्रीट, श्रीकालहस्ती जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 455/80 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी श्रीकालहस्ती में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-11-1980

प्ररूप आई० टी क एन० एस ब----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर, 1980

मं० प्रार० ये० मी० नं० 312/80-81--- प्रतः मुझे एस० गोबिन्द राजन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

स्रीर जिसकों सं० श्रार० सी०सी० घर है, जो एफ० ए० सो० श्राफिस के पास स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय तिरूपती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 19 मार्च, 1980

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्रीमती एम० रमानम्मा पति राधाकृष्णा रेड्डी, 365 बेंकटरमाना ले श्राऊट, तिरूपती। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पोन्ना कमलम्मा पित नारायन स्वामी 14/ 138, चन्द्राबावू तोता, तिक्तमला।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य काकित स्थाया अधाहिस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ग्रार० सी० सी० मकान एफ० ए० सी० ग्राफिस के पास तिरूपती में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 772/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी तिरूपती में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12 नवम्बर, 1980 मोहर : प्रकृप साईं•दी•एन•एस•---

आयकर **मधिनियन,** 1961 (1961 का 43) की घारा 268-क (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निद्रेश सं० श्रार० ये०सी० नं० 313/80-81—श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर प्रविनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त पश्चिनियम' कहा गया है). की

आयकर माधानयम, 1981 (1981 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- क से पश्चिक है

ग्रीर जिसकी सं० 14/85 है, जो चन्द्रामाधू तोता तिरूमला में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय तिरूपती में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वोका सम्पत्ति के खिनत बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत धिष्ठक है भौर धन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर धन्तारती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त धम्तरण निश्चित में बास्त्रविक कप से कवित नहीं किया गया है मन्तर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, जनत अधिनियम के अधीन भर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत बिधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के प्रमुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीत, निम्तनिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रोमती पी० चन्द्रम्मा पति के० सुद्रमानयम सुपरिटेंडेंट टी०डी० तिरूपती।

(ग्रन्तरक)

(2) 1 वी० एस० महालिंगम

2 वी० चिन्नाराजू

3 वी० पेक्साल

14/85 चन्द्राबाबू तोता, तिरूमला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भा भाक्षीप ।---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मर्वाध या तस्त्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उचत स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा 'छक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, बढ़ी अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर 14/85 चन्द्राबाबू तोता तिरूमला जैसे कि रिजस्ट्री- कृत विलेख नं० 792/80 रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी तिरूपती में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक_ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैं दराबाद

तारीखा 12-11-1980 मोह्र: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) ही धारा 269-घ (1) हे प्रोत सूत्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार०ये०सी० नं० 314/80-81--श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 22-7-269/12 है, जो दिवान देविडी हैंदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राजमपूरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के ब्राधीन 19 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिये अस्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके
पृथ्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्त्रहें प्रतिशत
पिष्ठ है और अन्तर्क (अन्तर्कों) ग्रीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों)
के बीच ऐसे अन्तर्ण के निये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य ने उक्त अन्तर्ण विश्वित में बास्तविक स्थाने कथित नहीं
किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उनने प्रची में प्रविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी कि ती आज जा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता पाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: बन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, जनत अधिनियम को बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) मैं० गाँ विलडरम, 22-7-269/3 दिवान-देविडी हैंदराबाद, पार्टनर सैयद श्रबदुल हमीद पिता क्व० सैयद श्रबदुल्ला, 6-2-977 गुलिस्तान खैरताबाद, हैंदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीशकुमार पिता श्री तोलाराम, 1130 पत्तारमट्टी, हैंबराबाद-500002।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य क्यकित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में विया गमा है।

भन्स्ची

मलगी 22-7-269/12 सालारजंग मारकेट, दिवान-देविडी हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 510/ मार्च 1980 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रजामपूरा, हैदराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख** 13-11-1980 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1980

निर्देण मं०श्रार०ये०सी० नं० 315/80-81—⊷श्रतः मुझे एम० गोनिन्द राजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25.000/-रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 22-7-269/12 है, जो दिवानदेविडी हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजामपूरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मई, 1980

कां प्यांक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से किथत नहीं किया गया है:~-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एंनी जिसी आय या किसी थन या वन्त्र अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम. 1922 1792 का 11) या उत्त आंधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरीण कुमार पिता नोलाराम, 1130 पत्तर-गट्टी, हैंदराबाद-500002।

(भ्रन्त'स्क)

(2) श्रीमती सैयद फकरूनीसा झटाना पति महमद ग्रब-दुल जबवार, 20-5-493 झैंकिरगंज, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भें हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्णकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी 22-7-269/12 सालारजंग मारकेट, दिवानदेविडी, हैदराबाद जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1080/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राजमपूरा, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 13-11-1980

प्रहर भाई० टी० एन० एस०--

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं श्रार ० ए० सी० न ० 292/80-81--- ऋतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है,

भ्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 63 है, जो पीरजादिगुड़ा रंगारेषी जिला में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1980

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भ्रिविनयम, या धन-कर भ्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः भव, सक्त भविविषम की भारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविविषम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. भर्यात:—
16—386 GI/80

(1) श्री टी॰ राजस्था कीख री पति लेट टी॰ लक्ष्मी पेरूमाला तारनाका सिकन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० इन्दिरा रेड्डी पति एम० शशिधर रेषी 28 लालागुडा सिकन्द्राधाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उत्तन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी प्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचका की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्त में प्रकाशन की सारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्षाः --- इसमें प्रभुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो एक्त श्रीधनियम, के श्रष्ठयाय 20-कं में परिभाषित हैं, वही श्रषं होगा, जो उस श्रध्याय में विया यस है।

अनुसूखो

मूखी जमीन सर्वे नं० 63 विस्तीनं 43.2 एकड़ पीरजादिगुड़ा गांव रंगरेषी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विखेख नं० 3693/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैंदराबाद में है

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

विशास : 7 नवस्तर 1980

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैक्दराबाद

> . हैवराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 293/80-81 -- यतः मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० सर्वे नं० 64 है, जो पिटजावीगुडा ग्रार० ग्रार जिला स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक मार्च 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी क्रिने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:-- श्री टी॰ रामट्या चौधरी पिता लेट टी॰ लक्ष्मी पेशूमल्लालू तारनाका सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री एम० म्नादितया रेड्डी पिता एम० शशीधर रेड्डी,
 28 लालागुङा सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्सी

खुली जमीन सर्वे नं० 64 विस्तीनं 3.45 एकड पिरजा-दिगुडा गांव पर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3694/80 रजिस्ट्रीकृतौ ग्रधिकारी हैदराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द कृाजन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-80

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्राय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निवेश सं० ए० आर० सी० नं० 294/80-81—यतः, मुझे एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सर्वे नं० 65 और 66 है, जो पिरजादीगुड़ा भार० भ्रार० में जिला स्थित है (भ्रौर जिसइससे उपावद्ध श्रन्सू ी में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः सबः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-णं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अथित् :--- श्रीमती पी० एन० विजयालक्ष्मी वेवी पत्नी पी० शेशू बाबू जि० पी० ए० टी० रामय्या चौधरी तार-नाका सिकिन्दराबाद

(ग्रन्तरक)

 श्री एम० शशिधर रेड्डी पिता एम० चेन्नारेड्डी तारनाका सिकन्दराबाद।

(म्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

खुली जमीन सर्वे नं० 65 ग्रीर 66 विस्तीर्ण 2.13 एकड (पिरजादीगुडा गांव पर जैसे रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2474/80 रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैवराबाद में हैं।

> एस० गोविन्द राजन {सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-80

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० म्रार० ऐ० सी० नं० 295/80-81—स्पतः, मुझे, एस० गोबिन्द राजन

स्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्नास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1-2-288/18 है, जो दोमलगुड़ा हैदराबाद में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वंणित है), रिजस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि उधारवाँकत संपल्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, एसे श्रममान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिश्वास सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्ति रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया इं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियंस, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियंस, द्या धन-कर अधिनियंस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अर्ध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्री ६० वी० नागैश्वर राज वजीर्फयास उप जिला ग्रिधिकारी 1-2-288/18 दोमलगुडा हैदराबाद-29। (श्रान्तरक)
- श्री ग्रार० बास्कर राव उप इंजीनियर पंचायत राज विभाग, देवरकोंडा नलगोंडा जिला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूजांक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विंन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिस- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अंधोहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर 1-2-288/18 दोमलगुडा, हनुमान मंदिर के पास हैंदराबाद में जैसे कि रजिस्ट्रींकृत निलेख नं० 3318/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैंबराबाद में है ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रांधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-80

प्ररूप ब्राई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-स (1) के अधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० ग्रार०ए०सी० नं० 296/80-81--भ्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्रत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 2 ७ ७ - खं कं अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 14-3-109 है, जो बाग लक्ष्मीनारायण, गोशमहल में स्थित है (अौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विशत है), रिजस्ट्रकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1980 को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित को गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, **उ**सके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है और अन्तरक (मग्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये वय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छहेश्य से छश्उ अन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत अक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के अिए; और/या

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(च) एसा किसा आर या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अन, उष्त बाधानमम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त आधानयन, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. कच्चीं भूरम राजंग्या पिता पोचप्या,
 - 2. कञ्चीपूरम सत्तम्मा पति राजय्या 14-3-109 गोशमहल लक्ष्मीनारायन बाग, हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जसोबा बाई पत्नी लक्ष्मीनारायन 14-4-301 जोशीवाडी बेगम बाजार, हैदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविद, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिनबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहरता असे के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उंक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

मकान नं० 14-3-109 बाग लक्ष्मीनारायन, गोशनह हैदराबाद में विस्तीर्न या, 211 एकड़ गज जैसे कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 223/80 राजिस्ट्रीकर्जा अधिकारी, हैदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायंकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज, **हैद**राबाद

तारीख: 7-11-80

प्रका धाई• टी• एन• एस०----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6-3-347/17/1 है, जो पंजागन्ट्टा हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अवितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मार्च, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :→

- (क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत उस्त अधिनियम के प्रश्लोन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने वसने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निरुत्तिखित व्यक्तियों. अधीत :---

(1) श्री मेजर एस० परानद्यामन राव पिता एस० पेद्धा वेंकय्या 6-3-347/17/1 दवारकापुरी कालोनी पंजागन्ट्रा हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सूरपनेनी प्रेमालता मूर्ति पिता एस०ग्रार० के० मूर्ति 10-3-162/1/ए सरोजनीदेवी रोष्ट्र ईस्ट मारेडपली सिकिन्द्राबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की संविध्व या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संविध्व, जो भी अविध्व बाव में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबड़ किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

घर 6-3-347/17/1विस्तीर्न 1600 चतुर फिट फांड 742 चतुर गंज दवारकापुरी कालोनी पंजागृट्टा हैदराबाद में जैसेकि रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 506/80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-कारी कैरताबाद में हैं ।

> एस० गोविन्द राजन सक्षय श्रविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीखः ७ नवम्बर 1980

पाकप भाई । टी । एत । एस । -

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष(1) के प्रधीन सूचना षारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार०ये०सी०नं० 298/80-81— श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छितत बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

शौर जिसकी सं० सर्वे नं० 315/3 है, जो गड्डीश्रन्नारम हैवराबाद स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितकल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के एये प्रमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का प्रवाह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखत में बास्तविक कप से काबत नहीं किया गया है:~~

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त पश्चित्यम के भ्रष्टीत कर देने के भ्रग्तरक के स्विपत्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविद्धा के लिए। और/या
- (छ) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्वनियम, या धन-कर भिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त समिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त समिनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निरमसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) 1. श्रीमती कन्ना किशन पति बी॰ रामलाल किशन
 2. श्री सुनील किशन पिता बी॰ रामलाल किशन
 3. पूणिमा किशन पिता बी॰रामलाल किशन
 - 4. म्रनिल किंशन 4-1-1240 किंगकोती रोड़, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती वे॰ पदमावती पति वे॰ मोहन रेड्डी 4-46 सरूरनगर हैदराबाद-500035 । (भ्रन्तिरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजात में प्रकाशत की तारी के से 45 दिन की ध्वित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्विध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ट्रिक्ट फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिशिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिकाणित है, वही धर्थ होगा जी छस अध्याय में विया गया है।

अनुसृची

प्लाट जैसा कि विस्तीर्न 600 श्रतुर गज सर्वे नं०315/3 (नं० 16-11-740/4|v/1) गड्डीश्रन्नारम गांव हैदराबाद श्ररबन जैसे कि रजिस्ट्रकृत विलेख नं० 3467/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम घधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-80

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) प्रार्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 299/80-81—-श्रतः मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ राज से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट 68/ए एंड बी है, जो श्रकबर बाग मलक्रपेट हैदराबाद में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णक्ष्प से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी थन या अब्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री जी० मल्लारेड्डी पिता जी० नरसिंहा रेड्डी ग्रौर श्रदरस ताकूर विलेज, ग्रानदुर तालूक, मेदक जिला (ग्रन्सरक)
- (2) श्री सैयद आ श्रसकर हूसैनी पिता लेट सैयद हमीद हूसैनी 3-1-30 काचिगूडा, हैदराबाद । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितसरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 68/ए भ्रोर 68बी एन० सी० $\sqrt{0}$ च० नं० 16-2-59/डी० श्रकबर बाग मलकपेट हैंदराबाद विस्तीने 437 चतुर गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3304/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-11-1980

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1980

निदेश सं० भ्रार०ए०सी०सी० नं० 300/80-81—ग्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से भ्रधिक है

और जिसकी सं सर्वे नं 172/2 है, जो कोसापेट गांघ रंगारेड्डी जिला में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध मनुसूची में और पूर्णेक्प से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता मिंधकारी के कार्यालय , हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण मिंधिकारी के कार्यालय , हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण मिंधिकारी के कार्यालय , हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण मिंधिकार , 1980 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 19 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से अधिक है और मन्तरित (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फिनलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल कि मन्तिखित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत : अब, उन्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, एक्त श्रिविनयम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 17—386 GI/80

- (1) 1 श्रीमती बादर बानू पति इकबाल सनाय फ्लैंट नं० 702 मोगल ग्रपार्टमेंट्स दक्कन टावर्स हैंदराबाद।
 - 2 श्रफजल जलालू द्दीन सनाय पिता शेक श्रहमद सनाय बिगमपेट सिकन्द्राबाद जी० पी० ए० बशीरू द्दीन बाबू खान 6-3-111 सोमाजीगूडा है दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 2 बी० जनार्धन पिता बी० नरसिन्हा
 - 2 बी० गंगाधर 15-5-806 श्रशोक बजार श्रफजल गंज हैदराबाद ।
 - 3 एम० बसवलिंगम पिता चन्ना मालप्पा
 - 4 सूजाता पिता एम० बसर्वालगप्पा 16-2-1-147/3/2 मलकपेट हैंदराबाद
 - 5 सी० महेन्द्रा रेड्डी पिता नरसिंम्हा रेड्डी।
 - 6 सी० नागम्मा पति णिवारेड्डी कोयिङा गांव स्नार०स्नार० जिला

(भ्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **पर्जन** के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्लाक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्कों भीर पदों का, जो सक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन जैसा कि विस्तीर्न 30 गुंटास सर्वे नं० 172/2 को**थापे**ट गांव पर जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1895 /80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैंदराबाद में है ।

> ृिएस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैं दराबाद

तारीख: 7-11-80

प्रारूप बाई • टी • एप • एस • ─ ─ ─ आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैं दराबाद हैदराबाद, दिनांक 7 नवम्बर, 1980

निदेश सं० श्रार०ए०सी०नं० 301/80-81—श्रतः मुझे एस०गोविन्द राजन

पाय कर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके राजात् 'उका अधितियम' कहा गया है), की धारा 269 का के आग्रेत नक्षन प्राधिकारों को, यह विश्वास करते का कारण है कि न्यात्रर तम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्या मे प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 56/1 है, जो मनसूराबाद ह्यातनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णकृप से विणित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मार्च, 1980 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और पुझे यह विण्वाम करने का कारण है कि यथापूर्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान श्रतिकल के गन्द्र प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) औं पन्नारनी (अंतरितियों) के बीच ऐसे पन्नारण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रिवित्यम के प्रशीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवित्यम, या वन-कर प्रवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तेरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया बाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत⁻, अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुमरण में, भैं, ध्वत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात:——

- (1) श्रो शेक ईमाम पिता मोयनूदीन श्रौर श्रदरस 16-8-244 मालकपेट हैंदराबाद-500036 (श्रन्तरक)
- (2) श्री वो० सत्यानारायन रेड्डी ग्रीर 5 श्रदरस पिता वी० दुर्गा रेड्डी मिरयालगुडा नलगोंडा जिला।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता ं हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सर्वेंगे।

स्ववटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन सर्वे नं० विस्तीर्न 0.27 एकर मनसूराबाद गांव पर हयातनगर तालूक रगारेड्डी जिला जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2734/80 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैंदराबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 7-11-1980

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

क्षायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1980

निवेश सं० श्रार०ए०सी० नं० 316/80-81—श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 157/8 है, जो तोकट्टा गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिवकारी के कार्यालय, सिकन्द्रा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रिधिनयम , 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृष्थमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छवित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है श्रीर धन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धट्टेश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क्ष) एंसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत:, भव, उक्त ग्राधिनयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:——

- (1) श्री एन० रघुनाथ रेड्डी पिता एन० रामचन्द्रा-रेड्डी 1/12 बालानगर हैदराबाद। (ग्रन्तरक)
- (2) दी गनराक एनक्लेय को-फ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी (टी० ए०बी० 203) तिरमलगोरी सिकन्द्राबाद-500015 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसची

जमीन सर्वे नं० 157/8 विस्तीर्न 3 एकर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 636/80 रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी सिकन्द्राबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज , हैंदराबाद

तारी**खः** 13-11-

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद हैंदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1980

निदेश सं० श्रार० ए०सी०नं० 317/80-81—श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 157/8 है, जो तोकट्ठा गांव स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध म्रानुस्वी में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्रा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन दिनांक 19 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, उनत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्ह भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में श्रुविधा के लिए।

भवः भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:— (1) श्रीमती बी० सरोजनी पुला रेड्डी 1-9-1 बीन-पत्नी सिकन्द्राबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दी॰ गनटरॉक ऐन्क्लेंब कोआपरेटिब हौसिंग सोसाइटी (टी॰ए०बी॰ 203) तिरमलगीरी सिकन्द्राबाद-500015।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्राधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रिष्ठ-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रथ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

सूखी जमीन सर्वे नं० 157/8 विस्सीर्व 5 एकड़ तीकट्टा) गांव सिकन्द्राबाद में जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 635/80 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी सिकन्द्राबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 13-11-1980

प्ररूप बाईं • टी • एन • एस • —

आयकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 नवम्बर, 1980

निदेश सं० श्रार० ए०सी०नं० 318/80-81--श्रतः मुझे एस० गोविन्द राजन

अरयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 157/8 है, जो तोकट्टा गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्रा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 मार्च 1980

की 16) के प्रधीन दिनांक 19 मार्च, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यवापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार यूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के वन्द्रद्व
प्रतिशत से विधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्देश्य से उच्छ भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से मुख्यत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उबसे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्ब आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1657 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में पुतिश्वा के किए;

अतः अब, उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ।—— (1) की एन॰ मनमोहन रेड्डी 3-6-760/20/1 हिमामस-नगर हैंदराबाद-29।

(ग्रन्तरक)

(2) दी गंनरॉक एनक्लेव को ग्रापरेटिव हार्डासंग) सोसाइटी (टी॰ए॰की॰ 203) तिरमलगीरी सिकन्द्राबाद-500015 ।

(ग्रन्सरिती)

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेप ।---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील दे 30 दिन की धवधि, जो यी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, ी इक्त ृष्धितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाधित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

सूखी जमीन सर्वे नं० विस्तीनं 5 एकड़ तोकट्टा गांव में जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 634/80 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सिकन्द्राबाद में है।

> एस० गोविन्द राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 13-11-1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रज, II, ग्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1980

सं० पी० श्रार नं० 1012/एक्पी-23-II/80-81:--श्रतः मुझे मांगी लाल, म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिपे इसर्में इसके पश्चात् **'उक्**त प्रधिनियम' कहा गया है); की बारा 269-ब के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जमीन का एस० नं० 193 है। तथा जो नया सचिन रेलवे स्टोर, सचिन, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1980 (1980 का 16) के ग्रधीन 18 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई है और नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुंर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल चे, देते दृश्यमान प्रतिकतका पन्द्रह प्रतिशत से ब्राधिक है पार पन्तरह (ग्रन्तरहों) और यन्तरिती (ब्रन्तरिनियों) के बीच ऐसे फ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छरेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाभ की बाबत, उक्त भवि-नियम के भवीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिघिनियम, या धनकर ग्रिघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में; मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री रजनिकान्त नटवरलाल, श्रलकापुरी सोसायटी 1 काटारणम सूरत।

(ग्रन्त रक)

(2) श्री नरोतम भाई ईश्वरदास पटेल मैं० म्रजन्ता इंजिनियरिंग इण्डस्ट्रीज, का 34, भागीदार श्रीनिकेतन सोसायटी काटारगम सुरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के श्रष्ट्याय 20- क में परिभाषित हैं, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमींन जो सर्वे नं० 193 सचिन में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 18-3-1980 में रिजस्ट्री की गई है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद।

तारीख: 11 श्रक्तूबर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई। टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1980

सं० पी० म्रार० नं० 1205/ए सी क्यू० 23-I/80-81 श्रतः मुझे मांगी लाल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मधिक है मुख्य 25,000/-रुपए से श्रौर जिसकी सं० जगनाथ एपार्टमेंट, जीमखाना रोड, है तथा जो जूना जगन्नाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज ट्री कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 8 मार्च, 80 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुम्थमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रत्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उकत ग्राधि-नियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः ग्रम, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती विजयाबेन वल्लभदास मेहना 26, मीलपरा मानुछाया, राजकोट।

(अन्तर्क)

(2) श्री जगन्नाथ देवशंकर भट्ट जीमखाना रोड नं० 6 नं० 6, जगन्नाथ एपार्टमेंट राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त प्रव्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20 के में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जगन्नाथ एपार्टमेंट का ऐपार्टमेंट न० 6 जीमखाना बाछ-काम किया हुम्रा विस्तार 480 वर्ग फीट है तथा जो जीमखाना रोड, जूना जगनाथ प्लाँट, राजकोट में स्थित है? मिशकत का पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज नं० 1313 दिनांक 6-3-1980 जो रिजस्ट्रीकर्त्ता म्रिधिकारी द्वारा बिकी रिजस्टर है, इस में दिया गया है।

> मांगी लास, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ^J, श्रहमदाबाद ।

दिनांक: 11-10-80

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1980

पीं० ग्रार० न० 1013/एक्पी/23-II/80-81:---ग्रतः मुझे मांगी लाल,

धायकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से धिक है

श्रीर जिसकी स० सिटी टिकानं० 15 है। तथा जो गिडवानी रोड, गोदरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के कार्यालय गोदरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन 20 मार्च 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रीहक है और अन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ध्रम्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ध्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिविनयम, या धन-कर ध्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त ध्रिवियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ध्रिवियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रिवीन, निम्निखित व्यक्तियों, ध्रयोत्:—

- (1) श्री गलीमल दोसामल चेलानी स्टेशन रोड गोदरा त (श्रन्तरक)
- (2) माईनर मुकेश कुमार उत्तम चन्द लुहाना, संरक्षक उत्तम चन्द लुहाना, गोदरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन श्रोर मकान जो गिडवानी रोड गोदरा हैन में स्थित है। जो गोदरा रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 20-3-1980 में रजिस्ट्री की गई है। मिलकत विकी खतन० 980 में संपूर्ण वर्णित है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 11, अहमदाबाद

दिनांक : 30 ग्रक्तूबर, 1980

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

पायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1980

निदेश सं० पि० ग्रार० नं० 1014/एक्यू 23-II/80-81:—— श्रतः मुझे, मांगी लाल,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिनत बाजार मूल्य 25,000/- इपये से श्रधिक हैं और जिसकी सं० मिढी ढिक नं० 15 है तथा जो गिडवानी रोड 1, गोद्रा में स्थित (है और इसमे उपाबद अनुसूची; भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्याक्षय गोद्रा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नम्मति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जितकत, जिम्नलिखित स्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप मे कचित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपत अग्नित्यम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय मा किसी धन या मन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती वीराबेन डोसामल चेलणी, सढेपन रोड, गोद्रा।

(ग्रन्तरक)

(2) मैनर मुकेण कुमार उत्तम चन्द लुहाना, रक्षपालक उत्तम चन्द लुहाना गोद्रा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के द्वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्हर्स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो जबत धिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्ष होगा जो उन धन्याय में विया गया है।

त्रमुसूची

जमीन श्रौर भकान जो गिडवाणी रोड, गोद्रा देव में स्थित है। जो गोद्रा सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय से बिकी खत नं० 981 में रजिस्ट्री की गई है। मिलकत श्रधीन संपूर्ण वर्णित है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद।

दिनांक: 30 श्रक्तूबर 1980

प्रकृष बाह् टी. धन् प्रम् .--

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज II, श्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 धक्तूबर, 1980

निदेश सं० पी० घार० नं० 1015/एक्स् 23- /80-81:---श्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गगा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 441, सेक्टर नं० 16, है। तथा जो गांधीनगर ढेणिषप में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुपूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 20 मार्च 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण दिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और√या
- (कां) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के. अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातः—

- (1) श्री महेशचन्द्रा, नारमदाणंकर 28, भासकर लेन, पणया 1, पडिया भवन (पांचवां मंजिला) भुलेणवर, बम्बे-400002। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पूर्णिमाबेन विषणुभाई पण्डया 28, भासकर लेन, 1 पण्डिया भवन (पांचवां मंजिला) भुलेरा वर बम्बे। (ग्रन्तरिती)

رمسند. <u>حمد حمد</u> د

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन घोर मकान जो प्लाट नं० 441 सेक्टर नं० 16, में गांधीनगर देणिषप पर स्थित है। जो गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में ब्रिकी खत नं० 509 पर रिजस्ट्री की गई है। अर्थात मिलकत संपूर्ण विणित है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1980 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज, II, श्रह्मदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 ग्रवतूबर 1980

निदेश मं० पि० ग्रार० नं० 1016 /एन्थू-23-11/80-81:---श्रतः मुद्दो, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० प्लाट नं. 442, सेक्टर नं० 16, है, तथा जो गांधीनगर ढैनिणिप में स्थित है (म्रांर इससे उपाबद्ध मनुसूची में म्रांर पूर्ण रूप से विजित है),रिजिस्ट्रीकित्ती भ्रधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रिजस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 20 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी विक्षी आय या किसी धन था जान जानिका वर्ग, जिन्हों भारतीय आय-तर आधितिस्स, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया जाजा चाहिए था छिपाने भें स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 200-ग क, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारी (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थीर्:-- (1) श्री जितेन्द्रा नारमादाशंकर पणडया 28, भासकर लेन, पणडया भवन (पांचवां मंजिला), भूलेशवर, बम्बे-400002।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्राणिया रजनिकान्त पणिडया। 28, भासकर लेन, पणडीया भवन (पांचवां मंजिला) भुलेणवर, जम्बे-400002

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वां कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकारणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनसभी

अमीन ग्रांर मनान जो प्लाट नं० 442, सेव्टर गं० 16, गांधीनगर, ढेणपिए में स्थित है। जो गांधीनगर रूद रिजम्ट्रार के कार्यालय में ब्रिग्नी खत नं० 510 पर रिजस्ट्री की गई है। ग्रंथीत मिलकत संपूर्ण विणित है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेज II, श्रहमदाबाद।

विनांक: 30 प्रान्त्वर, 1980

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1980

सं० पी० म्रार० नं० 1017/एक्यू-23-II/80-81:---भ्रतः मुझ मांगी लाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्रशिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जमीन उमा में फैनल प्लाट नं० 79-टी० पी० एस० नं० 5 धार० एस० नं० 237 है तथा जो उम्रा गांव में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20 मार्च, 1980

को पूर्वांवत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थात्ः— (1) श्री विगीन चन्द्रा रितलाल सादारीवाला हरिपारा, सुखडिया शेरी, सुरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कर्नाया लाल भगवानदास पटेल पारम्र एपार्ट मेंट, श्रतवा लैनस सूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विश्व निर्ध अर्थाय सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सारील से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अन्स्की

जमीन जो उम्ना में सर्वे नं० 237 में स्थित है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 20 मार्च 1980 में रिजस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज II,ग्रहमदाबाद।

दिनांक : 30 ग्रक्तूबर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रवतूबर, 1980 सं० पी० ग्रार० नं० 1018/एवय्/23-II/80-81:---

अतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० जमीन 2500, 2601 नया टिका नं० 60, सि० एस० नं० 3098, प्लाट नं० 28 है। तथा जो ग्रशनगर, नवसारी में स्थित हैं। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्त्री में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्योलय, नवसारी, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 31 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षानूबॉक्त संपर्तित का उचित बाजार म्ल्य, उसके उद्यम्मन प्रिक्तिक से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ए और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती । अन्तरितिकः। के शिव एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किर्मा काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 या 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री नानभाई के शवभाई पटेल कुलमुख्तयार (नं० 2~4)।
- 2. ताकोरभाई प्रमा भाई पटेल।
- 3. कान्तीलाल प्रेमाभाई पटेल।
- दिन्कर भाई प्रेमा भाई पटेल चन्द्रा लोंग नाग वीड नवसारी 1, डिस्ट्रीकट बालसाह।

(ग्रन्तरक)

- (1) अयुलक इनसराज शाह
- (2) रमेशचन्द्रा हनसराज शाह । ग्रशानगर नवसारी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में धरिशाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो ग्राशानगर, नवसारी में ग्रार० एस० नं० 2601, टिका के पास नं० 60, सि एस नं० 3098, प्लाट नं० 28 पर स्थित है। जो नवसारी रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 31-3-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज II, ग्रहमदाबाद।

दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1980 मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी॰ एन०एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालयं, संहार्यकं आयकरं आयुव्तं (निर्रोक्षण) π र्जन रेंज Π , कार्यालय ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 31 श्रक्तूबर, 1980

सं० पि० ग्रार० नं० 1020/ एक्सी/23-II/80-81:— ग्रतः मुझ मांगी लाल,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोद नं० 942, वार्ड नं० 1, बिम काननी, महोला, है। तथा जो नानपुरा सूरत में स्थित हैं। ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजिन्ट्रेयकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 26 मार्च 1980.

कों पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवीजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) कुलएकतयार झि होमी केकसार, कालाबवाला खुद ग्रौर मिनीकादी सोबावाला 1, गान केकसारू कालाववाला, 1, पूणे केकसारु कालाबवाला 542, बिलाणी बलाकस 11, रोड, चेमबुर। बाम्बे-7। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. प्रपुह बिपिनचन्द्रा चोढ़।लाल पटेल। बराचा रोड। सूरत।
- जसवन्त लाल नानच द शाह। दीप मानगल एस्टेट
 कानपुरा पूरत। के द्वारा हिदेश एपार्टमेंट
 कोग्रापरेटिव हैसिंग सोसायटी 1, दीप मज्जल एस्टेट 1, नानपुरा सूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोष्ठ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकत जो नोद जं० 942, वार्ड नं० 1, विम काची महोला, नानपुरा सूरत में स्मिथ है। जो सूरत रिजस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 26-3-80 में रिजस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद।

दिनांक: 31 ग्रक्तूबर 1980

प्रकृष धाई • टी ० एन • एस • -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण)

श्वर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 31 ग्रक्तूवर 1980

निर्देश सं० पि० श्रार० नं० 1021/एक्यू-23/II/80-81:---श्रतः मुझे, मांगी लाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाय 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति गिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन जो श्रतव-स्थमिबका निकेनन के सामने है। तथा जो सुरत, नोद नं. 2836, बार्ड नं० 13, सुरत में स्थित हैं। श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णिन हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल के पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या कियो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यवितयों अर्थात् :--

- (1) श्री महेर आई ईक्वाहीमभाई किनकावाला।
- (2) शिरिन भाई, ईब्राहीमभाई ईसयली किनकाबवाला के विद्या।
- (3) सारा ईन्नाहीमभाई किमकाबवाल रेषीदा ईन्नाहीमभाई किनकाबवाल पोसढ आंफिस के सामने। सायबा बासार, सुरतः।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्रीमती नारमादायेन ललुभाई लालभाई, बनगावाला के विदवा । रूघेरपुरा वाहोरवरद सुरत ।
 - (2) गोसिभाई रतनजी करर (श्राभीकावाला किलवाणि रोड, पोसद सिलवासा वलसाद।
 - (3) णयन्दी भाई बागुभाई पटेल श्रयावा तालुका चोरयासी, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

▼क्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिक्षितयम के भड़्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस श्रद्भाय में दिया गया है।

प्र**नु**सूची

मिलकत जो ग्रतवा—-ग्रमिबका निकेतन बस स्टाप के सामने, वार्ड नं० 13, सें स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख मार्च, 1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज अड्नशबाद

दिनांक: 31 ग्रक्तूबर, 1980

प्रकप थाई • टी • एन • एस • ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदबाद, दिनांक 31 अक्तूबर, 1980

सं० पि० ग्रार० नं० 1022/एक्यू 23/II/80-81:---श्रतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धरा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नोद नं० 2836, 2842, वार्ड नं० 13 है। तथा जो श्रमबिका निकेतन के सामने हैं, तथा जो अतवा, सूरत में स्थित हैं। (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात्ः--

- 1. (1) श्री माहे भाई ईब्राहिंम भाई किनकाववाला
 - (2) झिरिनभाई, ईक्राहीम भाई ईसुप्रिंग किनकाबवाला के विदवाँ।
 - (3) पामिभाई ईब्राहीम भाई किनकाबवाला।
 - (4) सारा ईब्राहीमभाई किनकाबवाला।
 - (5) रषीदा ईक्राहीम भाई किनक।बवाला, पोस्ट श्राफिस के सामने बाजार सामपा सुरत।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती नर्मदाबेन, ललुभाई लालभाई, बोनगावाला के विदवा, रूदारधुरा, बहोरवद, सूरत।
 - (2) गोसाईभाई रतनजी कार (अधिकावाला किलवाणी रोड, पोस्ट सिलावाला वलशाद ।
- (3) जयनितभाई नाथुभाई पटेल । म्रथवा तालुका चोरयासी सूरत ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मिलकत जो श्रतवा, श्रमिबका निकेतन बस स्टाप के सामने स्थित है। जो भुरत रिजस्ट्रार के दार्थालय में तारीख मार्च, 1980 में यथा रिजस्ट्री की गई है।

> मौंगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - ग्रहमदाबाद ।

दिनांक: 31 अक्तूबर, 1980

प्रक्षप दाई० टी० एन० एस०— आयकर दाविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के दावीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक । नवम्बर 1980

निदेश सं०पि० ग्रार०नं 23/एक्यू/23-IJ/80-81:— ग्रतः मुझे मौगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्द प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 108, श्राली, बरूच है। तथा जो बरूच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बरूच में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 11 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्टिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

मत: भव, उनत श्राधिनयम की बारा 268-ग के धनुसरक में, में, उनत श्रीधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत निम्मिकित व्यक्तियों, भवति:——
19—386GI/80

(1) श्रीमती माणिबेन श्रपरसांग, चन्नसौंग का पुत्री, ग्राली पाती, बरूच।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मनगुभाई वितलभाई पटेल के द्वारा भ्रणविन ड्रेयिर्डस, पंच बानी, दि मातकार को० ग्रो० इराऊसिंग सोसायटी बरूच।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिणाणित है, बही धर्ष होगा जो उन सम्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जभीन जो सर्वे नं० 108, ग्राली पाती, बरूच में स्थित है। जो बरूच रजिस्ट्रार के कार्यालय में दिनांक 11-3-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद।

दिनांक : 1 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं० पि० श्रार० नं० 1024/ एकपी/23-II/80-81:— अतः मुझे मांगीलास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा नया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी नोद नं 1484 उम्प्रवादा है तथा जो सुरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सुरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10 मार्च, 1980

को पर्वाप्त संपत्ति ते तिया राजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:-- (1) श्रीमती लीलावती बेन, जगजीवन नागदीस की विदवा 1, जवहर सोसायटी, 1, वारपण सिनिमा के पीछे, 1, उम्प्रवदा, 1, सूरता।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री (1) श्रमोक्सार एलियास भतीजा
- (2) सूरेण कृमार एलियास भानीजा, 1,
- (3) निर्मेला नादलाल 1,
- (4) षीलाबेन राधेश्याम 1,
- (5) द्वेमलेता रमेश चन्द्रा, पोणा लीसा एपार्टमेंट 1, ग्रतवा गेट, 1 नानपुरा सूरत।

(ग्रन्सरिसी)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निकास में किए जा सकरो।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन जो उम्प्रवादा नोद नं 1484, में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 10-3-80 यथा रजिस्ट्री की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-II श्रहमदाबाद:

दिनांक : 5 नवम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1980

सं० पि० ग्रार० नं० 1025 एक्वो 23-II/80-81:----श्रतः मुझे मांगी लाल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसको सं० वार्ड श्रतक एस० नं० 2798 पैकी के 2799 सुमगन एपढमत नं० 1 है। तथा जो दूसरा मंजला, प्लाट नं० 56 श्रनक, सुरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26 मई, 1980

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, सक्त ग्रिश्वनियम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के सिए; भौर/वा
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिखिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिखिनियम, या धनकर ग्रिखिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात:---

- (1) श्रो मारकार घ्रसोसियेटम भागीबार श्रि महेन्द्रा जगतनाल झेबेरा घ्रतवा लैन्स 1, सुरत। (श्रन्तरक)
- 2. श्रो कालपेण नवोनचन्द्रा जारीवाला 1, हनेडा रोड 1, 705 क्षिपोल नगर 1, बाम्बे। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रज</mark>न के लिए का**र्यवाहियी** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जी भी श्रविध बोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के भट्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

ण्लाट नं० 4-6, जो सुमगांव एपार्टमेंट, ग्रदवा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 28 मार्च 1980 में रजिस्ट्रो की गई है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II ग्रहमदाबाद।

तारी**ख** 12 नवम्बर, 1980 मोह्र:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद,

श्रहमदाबाद, विनांक 30 श्रक्तुबर 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1207/ए० सी० क्यू० 23-1/80-81: -- ग्रतः मुझे मांगो लाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

त्री जिसकी सं० खुलों जमीन तालुका राजुला है तथा जो बाबरकोट गांव जाफराबाद जिला प्रमरेली में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, राजुला में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन मार्च 1980 को गुवांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः— (1) चोबगुडे एण्ड कं० प्रा० लि० जाफराबाद, तालुका राजुला जिला ग्रमरेली।

(भ्रन्तरक)

(2) नर्मदा सिमेंट कं लि जाफराबाद तालुका राजुला, जिला-अमरेली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख़ से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुलो जमीन का माप 5,68,080 वर्ग मोटर तथा जो गांव जाबर कौट, तथा जो गांव जाफराबाद के पास, तालुका राजुला, जिला ग्रमरेली, जो रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी राजुला-24 द्वारा विधि रजिस्टर्ड हैं। जिसका बिको दस्तावेज नं० 476 से 499 मार्च 1980 जिसमें मिलकत का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद।

दिनांक : 30 श्रक्तुबर 1980

प्ररूप आई० टी• एन• एस•----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काथृत्विय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 ग्रहमदाबाद,

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 श्रक्तुबर 1980

जसं पी शार नं 1208 ए० सी व्यू 23-1/80-81:---श्रत: मुझे मांगीलाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान वर्ग मीटर 280.85 है। तथा जो जोतपुर में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्त्ती श्रिधकारी के कार्यालय, जेतपुर में रिजस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 18 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिक्ष्म के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसक दश्यमान प्रतिकल सं, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखत व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्रो हिंमतलाल **छग**न लाल कल्याणी **खोखप**रा, जेतपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जयागौरी छगन लाल C/० गोधावाव पटेल गिरनाड़ रोड जूनागढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्वश्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

मकान जिसका माप 280.85 वर्ग मीटर तथा जो जितपुर में स्थित है? तथा जो बिकी दस्तावेज नं० 1408 दिनांक 18-3-80 में रजस्ट्रें कर्ता अधिकारी जेतपुर द्वारा विधि रजिस्ट्रेड् है, इसमें मिलकन का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I श्रहमदाबाद

दिनांक 30 **ग्रन्तूब**र, 1980 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

खायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक मायकर मायुक्त (निरोक्तण)** श्रर्जन रेंज I कार्थालय महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 31 अंक्तूबर, 1980

सं० पो० भार० नं० 1222 ए० सो० क्यू० 23-1/ 80-81:—- ग्रतः मुझे मांगीलाल,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

मौर जिसको सं० एफ० पी० नं० 963 पैकी सब प्लाट नं० 2/3/3 का टी० ए० एस. 3 है। तथा जो सी० जी० रोड, ग्रहमदाबाद पैकी 1/12 हिस्सा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारों के कार्यालय, ग्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27 मार्च 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा विश्व समाति का उचित बाजार मूस्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा विश्व समाति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वतं से ग्राधिक है थीर श्रन्तरिक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रम्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिकल किन्निति उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त धाँध-नियम के भंधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में भुविश्वा के लिए; घोर/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त ग्रीभनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

यत: सब, उक्त प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की वारा 269-च की स्थवारा (1) के प्रधीन विकासिक व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैंसर्स तरल कारपोरेणन 4, एम० जी० एपार्टमेंट, पालबो, श्रहनदाबाद-7।

(भ्रन्तरक)

(2) मानप्रेम को० ग्रो० हा० सोमायटी द्वारा चेयरमैन शिरीष एमं. ग्रार० सा०/श्रो० श्रो प्रकीण एस० शाह 24, प्रभु पाश्वनाथ सोसायटी (कल्पनड) मिरांम्बोका हाईस्कुल रोड, नारणपुरा, ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियों करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भ्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रेष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण :---इसमें प्रमुक्त शक्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रीधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिमाणित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक खुलो जमीन का प्लाट, माप 5319 वर्ग गज, जिसका एफ जी नं 963 पैकी सब प्लांट नं 2/3/3 का टो जी एस 3, तथा जी सी जी रोड अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन बार्ये किकी दस्तावेज नं 5045 से 5056 तथा जो सब रजिस्ट्रार कार्यलय अहमदाबाद दिनांक 27 मार्च 80 द्वारा रजिस्ट्राई है।

मांगो लाल , सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

दिनांक: 31 भ्राक्त्रबर, 1980

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज , अडुमझाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं० पीं० म्रार० नं० 1223, ग्०सी० क्यू० 23-1/8 0-81:—-प्रतः मुझे मांगी लाल,

भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— इपये से श्रिधिक हैं भीर जिसका सं० एस० नं० 123/2, 12442 का एफ० पी० नं० 25 का टा० पा० एस० नं० 23 है। तथा जो श्रवियर श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूचे में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यानय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 1908 का 16) के श्रिधीन 10 मार्च, 1980

में पूर्वोग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्ति में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा का लिए; भौर∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्रो हराणचन्द्र कर्नेया लाल गर्मा कबीर चौक, साबरमती, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) न्यू श्रमरजीत को० भ्रो० ए० सो० लि० 46, हाई के पार्क, साबरमती, श्रहमदाबाद। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियाँ में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किस आ सकेंगे.

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 511 वर्ग गज जिसका एस० नं० 123/2, 124/2, एफ० पी० नं० 25 का टी० पी० एस० नं० 23 ग्रहमदाबाद, तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्टर बिक्री दस्तावेज रजि० नं० 3964 दिनांक 10 मार्च, 1980 में दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज I श्रहमदक्षाद।

दिनांक: 3 नवम्बर, :980

मोहरः

प्रकृष धाईं ही । एन । एत । ---

आयकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा **269-प** (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, I ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं० पी० म्रार० नं० 1224 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81:--म्रत: मुझे मांगी लाल,

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व० से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 123/2, 124/2, एफ० सी० नं० 25 का टी० पी० एस० 23, है। तथा जो ग्रिषयर ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे अबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमनाबाद, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 10 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्त्रिक छप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-जियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री श्रोम प्रकाश कन्हैया लाल शर्मा कबिर चौक, साबरमती, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) न्यु भ्रमरजीत को० भ्रो० रा० सो० 46, हाई वे पार्क, सावरमती, श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्यध्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

घनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 511 वर्ग गज जिसका सर्वे० नं० 123/2, 124/2, एफ० पी० नं० 25 का० टी० जी० एस० 23 तथा जो अचियर, अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज द्वारा रजि० नं० 3968 दिनांक 5 मार्च, 1980 में दिया गया है।

मांगी लाल, सक्षमश्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 श्रह्मदाबाद

दिनांक: 3 नवम्बर, 1980

प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

वार्थालय, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रोज I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1225 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81:—ग्रत: मुझे मांगी लाल,

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० नं० 123/2, 124/2, एफ० पी० नं० 25 का टी० पी० एस० नं० 23 है तथा जो ग्रबियेर, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 10 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है, भौर अन्तरिक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या छससे बचने म बुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उनत प्रक्षिणियम की बारा 269 ना के बनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की घारा 269 न्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः → 20—386GI/80

(1) श्री विलीप कुमार कर्नया लाल शर्मा कबिर चौक, साबरमती महमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) न्यू श्रमरजीत को० श्रो० ए० सो० लि० 46, हाई वे पार्क, साबरमती, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 511 वर्ग ग । जिसका एस० नं० 123/3, 124/2, एफ० पी० नं० 25 का टी० पी० एफ० 23 तथा जो ग्रहमदाबाद में स्थित है इसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज द्वारा रिज० नं० 3967 दिनांक 10-4-80 से है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद।

दिनांक: 3 नवम्बर, 1980

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I कार्यालय प्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर, 1980

सं० पी० म्रार० नं० 1226 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81:—म्रतः मुझे मांगीलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस० नं० 123/2, 124/2 एफ० पी० 25 का टी० पी० एस० 23 है। तथा जो श्रिष्यिर ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे छपाबद्ध श्रनुसूत्री में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्याक्षय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) केज ग्रिधीन 10 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवः रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूक्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों अर्थात्:-- (1) जसुमती कन्हेया लाल कर्मा कविर भौक, साबर-मती, प्रहमदानाद।

(भ्रन्तरक)

(2) न्यू श्रमरजीत को० ग्रा० हा० सोसायटी, 46, हाई वे, साबरमती, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाजन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बन्स्ची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 511 वर्ग गज जिसका सर्वे नं० 123/2, 124/2, एफ० पी० नं० 25 का टी० पी० एस० नं० 23 तथा जो प्रविचिये, साबर-मती, प्रहमदाबाद में स्थित है? तथा इसका पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज नं० 3966 दिनांक 10-3-1980 से रजिस्ट्रीकृत है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक : 3 नवम्बर, 1980

प्रारूप आईंश टी । एनं । ऐस :-

आयकर अधिनियम, 1981 (1961का 43) की घारा 269-व (1) के घष्टीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालये, सहायक आयक्तर ग्रापुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाध

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1980

सं पी० म्रार० नं 1227 /ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81:--- मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-रु• से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 123/2, 124/2, एफ० पी० नं० 25 काटी० पी० एस० नं० 23 है। तथा जो श्रिबेयर श्रहमदाबाद, में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 10 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के छचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब जार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रग्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्रिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या मन्य भास्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उनत अधिनियम की घारा 269 ग के अनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सतील कुमार कन्हैया लाल शर्मा कबिर चौक, सावरमती श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) न्यू श्रमरजीत को० श्रो० रा० सो० 46, हाई वे पार्क, साबरमती, श्रहमदाबाद।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध्या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति हारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

एक खुली जमीन का माप 511 वर्ग गज जिसका सर्वे नं० 123/2, 125/2, एफ० पी० नं० 25 का टी० पी० एस० 23 तथा जो श्रवियेर, श्रहमदाबाद में स्थित है। इस का पूर्ण वर्णन बिक्री दस्तावेज जो रिज सं० 3965 दिनांक 10-3-1980 से रिजस्टर है इस में दिया गया है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजेन रेंज-I, ब्रह्मदाबाद

तारीख: 3 नवम्बर, 1980

प्रकप धाई० टी० एन० एस•---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1228, एक्वी० 23-1/80-81:—श्रतः मुझे मांगी लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से श्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० एस० नं० 1280, कालुपुर का सं० नं० 1281 है तथा जो कालुपुर-I राजामहेतानी पोल, श्रहमदाबाद में स्थित हैं ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 1 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम वा धनकर श्रधिनियम वा धनकर श्रधिनियम वा धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, मन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निश्चित व्यक्तियों, प्रवातः :--

- 1, कुंज बिहारी पोपटलाल शाह, शान्तीकमल सोसायटी, आर्य समाल की पीछे, शान्ताकूज (वेस्ट), मुम्बई 54। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री कान्तीलाल रतनलाल वकता
 - (2) श्री दिने शचन्द्र रतनलाल वकता
 - (3) श्री चन्द्रकान्त रतनलाल वकता दोषीवाडानी पोल सीमानधर मनीनो कांची अहमदाबाद
 - (4) श्री गैंलेष वाडीलाल भाह जिगर अपार्टमेन्ट पालडी, अहमदाबाद
 - (5) श्री बालचन्द विरचन्द शाह शाहपुर अहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी त से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्दी हरगः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान के ग्रविभाजित 1/4 हिस्सा जो जमीन माप 134-61-69 वर्ग मीटर पर खड़ा है। जिसका सर्वे० नं० 1280, 1281 का कालुपुर तथा जो राजामहेतानी पोल, लक्ष्मीनारायण की पोल, लाविशानी खड़की श्रहमदाबाद में स्थित है। इस का पूर्ण वर्णन बिक्री दस्तावेज द्वारा रिज० नं० 3038 दिनांक 1-3-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मवाबाद

विनांक : 5 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबांद

म्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं० पी० श्रार० नं० 1229 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81:—श्रतः मुझे मांगी लाल, भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रश्रीत सक्षत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से अधिक है

और जिसकी संव 1280, 1281 का कालुपुर है। तथा जो राजामण्डल पाल, लक्ष्मीनारायण पोल, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 1 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐो अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन, निम्नतिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उसत भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तर के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयहर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः ग्रव, उक्त मधिनियम, की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अथित् :-- (1) श्री गोपालभाई पोपटलाल शाह कांगरा भवन, पहली मंजिल, ब्लाक नं० 8, पोदार होस्पिटल के सामने, बरली, मुम्बई-18।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री शैलेष कुमार वाडीलाल
- (2) कान्स लाल रतनसाल बकना
- (3) चन्द्र कान्त रतन लाल बकना
- (4) दिनेण चन्द्र रतन लाल बकना सीमनयर स्वामीनी, खड़की, दोषी वाड़ानी पोल, ग्रहमदाबाद
- (5) बालचन्द विस्वद शाह, शाहपुर, ग्रहमदावाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम के श्रक्ष्याय 20-क में परिकाधित है, वही घर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रविभाजीन मकान में 1/4 हिस्सा तथा जो जभीन माप 134-61-69 वर्ग मीटर पर खड़ा है। जिसका सर्वे नं० 1280-1281 का कालुपुर-I तथा जो राजामहोतानी-पोल लक्ष्मीनारायण पोल, लापसी खड़की, श्रहमधाबाद में स्थित है मिलकन का पूर्ण वर्णन बिक्री दस्तावेज जो रजि० नं० 3039 दिनांक 1 मार्च, 1980 द्वारा रजिस्टर है इस में दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

विनांक : 5 नवम्बर, 1980

प्ररूप अरह् . टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-र्रे श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1980

सं० पी० भ्रार० नं० 1230 ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81:—-श्रतः मुझे मांगी लाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1280, 1281 का कालुपुर है। तथा जो राजामडेलानी पोल लक्ष्मीतारायण पोल ग्रहमदाबाद में स्थित है। ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1 मार्च, 1980

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रूयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रूयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सबसे में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की बारा 269-ण की संपंधारा (1) के बंधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भानुप्रताप पोपट शाल शाह बी०-1 ग्राकाश-वीप प्लैटस, टेलिफीन एक्सचेंज के सामने ग्रहमदा-बाद-7।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री मैलेष वाड़ी लाल शाह, जीगर पलैंटस, पालडी, ग्रहमदाबाद।
- (2) श्री कान्तीलाल रतन लाल वकना।
- (3) श्री चन्द्रकान्त रतन लाल वकना
- (4) श्री दिनेश चन्द्र रतनलाल बकना। होशीवाडनी पोल, सिमनधर स्वामीनी खांचो ग्रहमधाबाद।
- (5) श्री कलचन्द विरवद, शाहपुर, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्ची

श्रविभाजन मकान में 1/4 हिस्सा जो जमीन माप 1347 61-69 वर्ग मीटर पर खड़ा है। जिसका सर्वे० नं० 1280, 1281 का कालुपुर-। तथा जो राजामडेना पोल, लक्ष्मी-नारायण पोल, श्रहमधाबाद में स्थित है। जिसका पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज जो रजिस्ट्रेशन नं० 3038 दिनांक 18-2-80 में रजिस्टर किया गया है इस में दिया गया है।

मांगी लाल; सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद।

विमांक : 5 नवम्बर, 1980

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-। श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवस्वर 1980

सं० पी० धार० नं० 1231 ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81:— धतः मुझे मांगी लाल,

अनुबक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

मौर जिसकी सं० 1280, 1281 का कालुपुर है। तथा जो राजामण्डेलानी पाल, लक्ष्मीनारायण पाल, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 1 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्नेय से उन्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आयया किसी धन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रव, उनत अधिनियम की बारा 26 केन के अनुसरण में, मैं, उनत ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत:— श्री पोपटलास मनीलास शाह की विधवा लीलावती बी०-1 ग्राकाशदीप फ्लैटस ग्रहमदाबाद-7।

(मन्तरक)

- (1) श्री मैलैय कुमार वाडीलाल गाह पालड़ी, श्रहमदाबाद-7।
 - (2) श्री कान्ती लाल रतन लाल बकना
 - (3) श्री चन्द्रकान्त रतन लल बकना
 - (4) श्री दिनेश चन्द्र रत्तन लाल बकना
 - (5) श्री बाल चन्द विबस्द शाह शाहपुर, ग्रहमदाबाद। दोषीवाडानी पाल सीमनधर स्वामानी खोंची, ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्यक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इमर्ने प्रयुक्त शब्दों श्रीरपदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

प्रविभागीन मकान का 1/4 हिस्सा जो जमीन माप 134-61-69 वर्ग मीटर पर खड़ा है। जिसका सर्वे० नं० 1280, 1281 का कालुपुर, तथा जो राजामण्डेलानी पाल, लक्ष्मीनारायण पाल, लावसी खड़की में स्थित है। मिलकन का पूर्ण वर्णन बिकी दस्तावेज जो रिजिस्ट्रेशन नं० 3037 दिनांक 1-3-1980 में रिजस्टर है इस में दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक : 5 नयम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1980

सं० पी० म्नार० नं० 1232 ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81:—-भ्रतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 1/6 व्यक्ति हिस्सा एस० नं० 696 एपार्ट तथा 696 ए-1 है। तथा जो टेलीग्राफिक भ्राफिस, राजकोट में स्थित हैं। (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14 श्रप्रैल, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- (1) श्री प्रविण चन्द्र जे० कामवार
- (2) श्री रमणीक शाल जे० कामदार
- (3) श्री जयन्ती लाल जे॰ कामदार
- (4) श्री कान्सीलाल जे० कामदार
- (5) श्री गुणवन्त लाल जे० कामदार सी/स्रो० कामदार अवर्म, गारेडिया कुर्वा रोड, राजकोट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनहर लाल जगनाथ कामदार गारेडिया कुर्वा रोड, राजकोट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वशिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन तथा मकान जो जमीन माप 1975-4-0 बर्ग गज पर खड़ा है इस में 1/6 व्यक्ति हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 696 एपार्ट श्रौर 696-ए-1-भाग जग प्रभा नाम से जानकारी तथा जो ज्युबीली के पास, टेलीग्राफिक कार्यालय के पीछे, राजकोट में स्थित हैं। जो रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्ता वेज जिसका रजिस्ट्रेशन नं० 2450 दिनांक 14-4-80 में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

मांगी: लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रज-I स्नहमदाबाट ।

दिनांक ःे10 नवम्बर, 1980 मोहर:

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I महमदाबाद

घ्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1980

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० नं० 166-1 एफ० पी० नं० 454 का टी० सी० एस० 21 है। तथा जो पालडी, महमदाबाद में स्थित है (सीर इससे छपाबद्ध मनुसूचि में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी के कार्यालय, पालडी महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 13 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाआर मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आग की बाबत उक्त जिथि-नियम को अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :----

(1) श्री भूपतराय बल्सगराम दवे 2, कमलनयन सोसायटी, हाई कोर्ट के सामने नवजीवन प्रेस के पास, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्रजयकुमार जसकरत छाबड़ा 961, पोस्टं ग्राफिस के सामने, कांटा ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्वदिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं ।

श्रनु सूची

स्रविभागीन 1/2 हिस्सा खुली जमीम के प्लाट में जिसका माप 580 वर्ग गज है तथा जिसकी सर्वे नं० 166-1 एफ० पी० नं० 454 का टी० जी० एस० 21 जो पालड़ी, स्रहमदाबाद में स्थित है। इस का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जो रिजस्ट्रीशन नं० 4287 दिनांक 15-3-80 दारा हमा है इस में दिया गया है।

मांगी' लाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-! ग्रहमदाबाद

दिनांक : 5 नवम्बर, 1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, 1 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर 1980

निद्रेश सं० पी० श्रार०नं० 1234 ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81:—-ग्रतः मूझे मांगी लाख,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ह० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं नं 67 चांदलोडिया का सब प्लाट नं 2 है: तथा जो चांदलोडिया श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये उसे तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिये; अौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ के श्रनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथांत्:— (1) श्री धनामाई शंकरभाई चांदलोडिया, ग्रहमदा-बाद।

(श्रन्तरक)

(2) वनराज ओ० को० प्रो० रा सो० लि० चेयरमैन, प्रशोक माधवजी सोलंकी ग्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के मीतर उन्त क्यांकर संपत्ति में द्वित-वड किसी भग्य व्यक्ति द्वारा मध्येष्ट्रसाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पर्वो का, जो उनत प्रश्निष्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दियह गया है।

भनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 1335 वर्ग गज, जिसका सर्घें नं 67, सब प्लाट नं 2 तथा जो चांदलोडिया भ्रहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जो रजिस्ट्रेशन नं 4057 दिनांक 6-3-80 है इस में विया गया है।

> मांगी साल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1 श्रहमदाबाद।

विनांक 5 नवम्बर, 1980 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एक० एस० -

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1980

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 1235 ए ० सी० क्यू० 23-1/80-81:--- प्रतः मुझे मांगी लाल ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/स्पए से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० नं० 67, चांदलोडिया का सब प्लाट नं० 3 है। तथा जो चांदलोडिया, ग्रहमदाबाद, में स्थित हैं। (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्, भूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6 मार्च, 1980

पूर्वोदत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिम्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिम्नियम, या धन-कर मिम्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ब्ब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधित:-- (1) श्रीमती शान्ताबेन वाईफ माफ धना भाई शंकर भाई चांदलाडिया गांव श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) बनराज को० श्री० हा० सो० द्वारा: चेयरमैन श्री झलोक माधव जी सोलंकी कांचांदलाडिया, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तानील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सर्केंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गठवों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही गर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट जिस का माप 1333 वर्ग गज तथा सर्वे० नं० 67 चांदलाडिया सब प्लाट न. 3 का तथा इस का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जिसका रिज नं० 4050 दिनांक 6-3-80 द्वारा किया गया है इस में है।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमसाबाद

दिनांक : 5 नवम्बर, 1980

प्रकर बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबगाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवम्बर, 1980

निवेश सं० पी० धारः नं० 1236 ए० सी० क्यू० 23-1/ 80-81:—— मतः मुझं मांगी लालः,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- देपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० नं० 67 नं० चांदलीडिया का सब प्लाट नं० 6 है। तथा जो जांद लोडिया ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 6 मार्च, 190

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) व्यक्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त श्रीवित्यम के घंधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे याने में सुविधा के निए; और या
- (च) धेसी किसी आय या किसी वन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित स्थिनियों, अथीत् :--- (1) श्री भलामाई छोनामार पटेल चांदलोडिया गांव, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) बनराज का० श्रो० हा० सो० चांदलोहिया, श्रह्मदा-बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी नारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के घर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के ते 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में अकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, भवोहस्ताक्षरी के पास लिखित सें किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचाधिक हैं, वहीं सर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुश्र्यी

एक खुली जमीन का प्लाट माप 1333 वर्ग गज तथा जिसका सर्वे० नं० 67 चांदलोहिया का सब लाट नं० 6-इस का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृष बिक्की वस्तावेज जो रिजिस्ट्रेशन नं० 4055 दिनांक 6-3-80 द्वारा है इस में विया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 ब्रहमदाबाद

विनांक: 5 नवम्बर- 1980

मोहरः

प्रकप आई०डी •एन०एस•-----

जायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 5 नवम्बर 1980

नियेश सं० पी० म्रार०नं० 1237 ए० सी० न्यू० 23-1/ 80-81:---मत: मुझ मांगी स्नाल

भायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त खींध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री रणछोड़ भाई धना भाई पटेल बांचलोडिया, गांव, शहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) पनराज को० भ्रो० हा० सो० चांदलोडिया गांव श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वृर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुज्ञी

एक खुली जमीन का प्लाट जिसका माप 1333 वर्ग गजा तथा सर्वे नं० 67, चांदलोडिया का सब प्लाट णं० 7, ग्रहमदाबाद जो रिजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज, रिजिस्ट्रेशन नं० 4060 दिनांक 6-3-80 में पूर्ण वर्णन दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज 1 भ्रहमदाबाद

दिनांक: 5 नवम्बर, 1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अ**धीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, विनिक्त 5 नवम्बर, 1980

निदेश सं०पी० ग्रार०नं० 1238 ए० सी० क्यू० 23-1/80-81:—- प्रतः मुझे मांगी लाल,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं 67 वांदलोडिया का सब प्लाट नं ० 5 है। तथा जो वांदलोडिया, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कैंप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकाण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6 मार्च,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नौलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारी 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों अर्थात्:--

(1) श्री दवारभाई धनाभाई पटेल जांदलोडिया, ग्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

बनराज को० **को० हा० सो० चांदलो**डिया, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किक्णः--इसमें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट, जिसका माप 1333 वर्ग गंज सर्वे नं० 67 चांदलोडिया का सब प्लाट नं० 5, श्रहमदाबाद जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज रंजि॰ रंजि नं० 4061 दिनांक 6-3-80 है इस में दिया गया है।

> मांगी लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज 1, श्रहमदाबाद।

विशांक : 5 नवम्बर, 1980

मोहरः

प्ररूप भाई० टी॰ एन० 'एस०⊱

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 5 नवस्थर 1980

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 1239 ए० सी० क्यू 23-] 80-81:---ग्रतः, मुझे, मांगी लाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-इ० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 67 पैकी सब प्लाट नं० 4 है। तथा जो कांदलाडिया, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद सन्मुन्नी में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6 मार्च, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पण्डह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रिष्ठित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/गा
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी खन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिकिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रबं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रमुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपनारा (4) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:— (1) श्री चुनी लाल ध्रनाभाई पटेल चांदलोडिया, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(1) वनराज कोम्राप० हाऊसिंग सो० लि० चेयरमैन द्वारा, श्रमोक माधवजी सोलंको, चोदलोडिया,फ्रह्मदा ६ ६। (मन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सभ्यत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में की है की आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीक्ष से 4.5 दिल की अनिध मा सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूवना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीख के
 4.5 दिन के बीतर उक्त क्वावर सम्पर्कत में

 [1] [जिल्हा किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताकरी के क्का
 लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पानीकरच: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त प्रश्चितिसमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

एक खुली जमीन का प्लाट माप 1333 वर्ग गज तथा जिसकी सर्वे मं० 6.7 श्रांडचोडिया का सब प्लाट नं० 4, ग्रहमदाबाद, जिसका पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज जो रिजस्ट्रेशन नं० 4060 दिनांक 16 मार्च, 1980 द्वारा है इस में दिया गया है।

मांगी लास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 5 नवम्बर 1980

मीहरः

प्ररूप बाही, टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 ज्लाई, 1980

निर्देश सं० ए० सि० /रेंज-II/कल/19:---यतः, मृझे, के० सिन्हा,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 62 है तथा जो चेतला रोड में स्थित है सौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22 मार्च, 1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नितियों तद्वेषिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुवै किसी माय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्यआस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः सव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अगुस्थल में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अधीत :-- 1. श्री नवी गोपाल सरकार।

(अन्सरक)

2. श्री सोलैन्द्र नाथ भट्टाचार्जी।

(अन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

भगत्तवी

जमीन परिमापा-4 काठा 14 छटोक 16 स्कीयार फुट 62 चेतला रोड कलकत्ता।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

विनांक: 5 जुलाई 1980

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्वना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

फलकत्ता-16, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 791/एक्यू० आर०-III/80-81 :---यतः मुझे श्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 34 ए है तथा जो श्ररोबिन्द सरनी, कलकत्ता में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 31 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--- 1. इंडियन पेपर एण्ड बोई मिल्स लि०।

(अन्सरक)

2. दि इण्डियन एसफाल्टस प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

34 ए, घ्रारोबिन्द सरनी, कलकत्ता, 3 कण 12 छटांक 6 को० झि० जमिन पर पाका कुणे।

> श्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

दिनांक: 7 नवम्बर 1980

मोहर :

22-386GI;80 -- .

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) $rac{2}{3}$ श्रर्जन रेंज- $I^{1}I$, कलकक्ता

कलकत्ता-16, दिनीक 7 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 788/एक्यू०/आर-1II/80-81:—स्वतः, मुझे, श्राई० वि० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 12 है तथा जो भ्रतिल मैत रोड, कलकत्ता में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर, पूर्णस्प से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्री-करण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती डा० सुमिन्ना एमत्रस ।

(अन्तरक)

2. श्री सिद्धार्थ कुमार मुखर्जी ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

12. श्रानिल मैस्र रोड, कलकत्ता 7 कर्ण 1 छिटांक 18 स्को० फिट जिमन पर पाका कुठी।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

विनाक: 7 नवम्बर 1980

मोहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निर्देण सं० 789/एक्यू० आर०-III/80-81:——यतः, मुझे, माई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 11 है तथा जो बेचु चाटार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है तथा जो भौर इसमे उपाबड अनुसूची में भौर पूर्णरूप से विणत है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ∷-- 1. श्रीमती इन्दिरा राणी अश्व ।

(अन्तरक)

2. श्री बिजय कुमार सिंह ग्रीर दूसरे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

11, बेचु चाटार्टी स्ट्रीट, कलकत्ता 2 कणि 9 छटांक 33 स्क० फि० जमीन पर पाक्षा कोठी।

> न्नाई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-III, कलकला-16

विनांक: 7 नवम्बर 1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री कापटेन रिवन्द्र कुमार बासु।

(बन्तरक)

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 7 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 790/एक्य० आर०-III/80-81 :---यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 11 है तथा चो बेचु चाटार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्णरूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हर्क्ट किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

2 श्री सुरेन्द्र कुमार सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्माक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

11, बेचु चाटार्जी स्ट्रीट, कलकत्ता, 2 कणि 10 छटांक 21 स्को क्षि॰ जमीन पर पाका कुठी।

> ग्राई० वी० एस जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

दिनांक: 7 नवम्बर 1980

प्ररूप आर्ध .टी .एन .एस . -----

1. श्री काला चंद कर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जनजरेंज कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 18 सितम्बर 1980

सं० 736/एक्वी ० $/1\Pi$ /रेंज/80-81/कल ०:——यतः मुझे श्राई० वी ० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8 ए है तथा जो चमक खानसामा लेन, कलकत्ता में स्थित है और (इसमे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्णकप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 5 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∷--- 2. श्री मनजूर होसेम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 ए, चमरू खानमामा लेन, कलकसा। 2 कट्टे, 4 छटांक जमीन पर बिल्डिंग।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आय्क्ट (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक : 18 सिसम्बर, 1980

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 3 प्रक्तूबर, 1980

सं० एल० सी० 423/80-81:---यतः मुझे वी० मोहन लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, 4 जो एरणाकुलम गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 15 मार्च, 1980 में

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती लक्ष्मी एस० मेनोन भ्रौर अन्य। (अन्तरकों)
- (2) खी वरगीज पी० इट्टज झौर घ्रन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9.065 cents of land with building in Sy. No. 535 of Karithala Deson, Fmakulam village.

वी० मोहन लाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकूलम

दिनांक : 3 अन्तूबर, 1980

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कलकशा का कार्यालय,

कलकना, दिनांक

सं० 557/टी० श्रार3/239/मी-169/कलक-1/79-80:----यतः मुझे के० सिन्हा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 26 सी है तथा जो निर्णय चन्द्र स्टट्री, कल स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ती श्रीधकारी के कार्यालय कलवत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांक 26 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—~ 1. श्री कानाई लाल मुखर्जी।

(अन्तरक)

2. गणिपति भि० कृधान

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26 सी निर्मल चन्द्र दी स्क्रीट कल में ग्रविकमत कल में ग्रविस्थित 3 कच्च, 12 छटांक जमीन पर मकान भी 26.3.80 तारीख में रिजिस्टर

प्रापर्टी I.1938 डीड नं० श्रनुसार रजिस्ट्र हुन्ना।

के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोज कलकत्ता-16

दिनांक मोहर: प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. ------

(1) श्रीमती सी० धार०गीता,

(2) श्री एन० ग्राई० साबु

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, कोच्चिन-15

एरणाकुलम दिनांक 31 श्रवतूबर 1980

निदेश सं० एल० 428/80-81—यतः मुझे, बी० मोहनलाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसुची के श्रनुसार है तथा जो कलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, 26 मार्च, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उिषत बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^न, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

6.212 cents of land with buildings as per schedule attached to Doc. No. 1063/80 dated 26-3-80.

थी० ॄिमोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर खाय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जनजरोंज, एरणाकृलम ।

दिनांक : 31 स्रक्तूबर, 1980

प्ररूप आर्ह्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज एरणाकुलम, कोच्चिन-15

एरणकुलम, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निदेश सं० एल० सी० 429/80-81---यतः मुझे वी० मोहन लाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नेहरू नगर है, तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता, अधिकारी के कार्यालय श्रीमूकरा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, 19

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग को जनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलि्कित व्यक्तियों सुर्थात् ३-- 23--386GI/80

 श्री इ० वी० मेनोन, मेनेजर सपतकोसब्रिट एडिड कोचीन।

(अन्तरक)

2. श्री कें ए० श्रीधरन नमबूदिरिपाद ग्रसिस्टेंट इंजीनियर दूरदर्शन, मधरास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं।

अनुसूची

23 सेन्टस जमीन श्रौर एक मकान ऐसे डोकुमेंट नम्बर 1334/80।

> बी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एरणाकूलम

विमांक :

मोहर 🗈

that the sto the theremen

श्रायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के घणीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक <mark>ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्गन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकलः-1६, दिनांक 11 नवम्बर 1980

निर्देण मं० ए० गी० 5७/शिज- |क्लकना/1980-81— यन:, सुझे, के० शिन्हा,

आयकर प्रधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स्व के सक्षीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नकाले, जियका छित्र वाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं 18/1 है तथा जो लाला बाब सागर लेन में स्थित है (भीर इससे उपाबड़ ध्रनुस्ची में स्रीर पूर्णकप के बणित है), रजिङ्कीकर्री स्रक्षिकारी के कार्यालय, जलपाईगुरि में. रजिङ्कीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 19-3-1980

को पूर्वावत सम्पत्ति के छितित बाजार मूह्य से कम के दूष्यमान प्रश्निकल के निष् परास्थित को गई है और मुझे पर विषशम करने का कारण १ कि स्थाप् किंत सम्पत्ति का छित्ति बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिकार से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधि हैं और अन्तरक (अन्तरको) और मन्तरिती (अन्तरिक्षां) ६ कार ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिति । उद्देश्य से उन्त मन्तरण रिक्षित में वास्तविक कप से क्षित तथीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमा आय को कामत, उक्त योधानका क कामन कर दने के अन्तरक के बावस्य में कमी करने या उसने बचने में सृबिधा के लिए : धीर/ण
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात ।--- (1) श्री द्वारका प्रसाद माहातो, बाब् साला माहातो. श्रीमती हरि दौणी माहातो

(श्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल चन्द्र माहातो ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

एकन सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाओं प !--

- (क) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की भवधि या ट्रमंबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें?!

क्यवहोच्चूरचा--इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदो का, जो उक्त सिध-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीय 8 का० 7 कच्चा० 26 स्को० मी० जमीन का साथ मकान का सब कुछ जो 18/1 लाला बाबा सागर रोड, थाना बालि, जिला हाबड़ा में स्थित है (भ्रौर जैसा कि 1980 का दिलल सं० 863 में और पूर्ण ऋष से विणित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज IV, कलकत्ता-16

तारीख: 11 11-1980

प्ररूप आइं:टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-111, कनकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देण सं० ४०४/एकपू० आर०-III/४०-४१——यतः मुझे ग्राई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 34 बी है तथा जो रत् सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में, और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 12-3-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री राजेन्द्र कुमार सोमानी ।

(श्रन्तरक)

(2) महेग्बरी सेवा दृस्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास तिस्ति मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

34 वी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता र

श्रार्टे० वीट एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंग रेंज-III, कलकत्ता-16

नारीख: 10-11-1980

प्ररूप बार्ड, टी. एन्, एस.------

---- (1) श्री हीरालाल सोमानी

(ब्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा द्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के बुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1986

निदश सं० 802/म्रर्जन रेंज-I I/80-81---यतः मुझे म्राई० वी० एस० जुनेजा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 3-1980 को को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नितिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल का से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्रथने में सूबिभा के लिए; बौर्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

चक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगृत्वी

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता।

ग्नाई० वी० एस**० जुनेजा** सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> धर्जन रेंज-<u>II</u>I, कलकत्ता

नारी**ख:** 10-11-1980

मोइर:

प्रकप भाई । टी । एन । एस ।----

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के भीषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 801/म्रर्जन रेंज- /80-81—यतः मुझे, म्राई० बी० एस० जुनेजा बायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

वायकर प्राधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 12-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) घौर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश स उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत प्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, बौर/या
- (बा) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य खास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भियोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उक्त धिवियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, एक्त घिवियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती कमला देशी सोमानी

(ग्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा द्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धो व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रीध-नियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हीगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

प्रनुसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता।

श्राई० बी० एस० जुनेजा मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 10-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश मं० 800/प्रजंन रेंज-III/80-81—यतः, मुझे, प्राई० बी० एस० जुनेजा प्रायकर भिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उजित बाजार भूल्य 25,000/- रुपए से भिष्ठक है और जिसकी मं० 34 वी है, तथा जो रनु सरकार लेन.

स्रार जिसका स० 34 वा ह, तथा जा रतु सरकार लग, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष्म प्रतिकल का पन्द्रक्ष्म प्रतिकल का पन्द्रक्ष्म प्रतिकल का पन्द्रक्ष्म प्रतिकत है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिर्मियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उनन अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रांची :--- (1) श्रीमती नलिनी सोमानी

(ग्रन्तरक)

(2) महेम्बरी सेवा ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख, से
 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

34 बी, रतु सरकार खेन, कलकत्ता।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

नारीख: 10-11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 799/ग्रर्जन 9 ज- /80-81—यनः, मुझे श्राई० बी० एस० जुनेजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 34 बी है. दथा जो रतु सरकार केन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-3-1980

को पूर्व कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पति का उचित बाजार मूल्य, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, अरि/या
- (स्र) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री सन्जय मोमानी

(भ्रन्तरक)

(2) महेएवरी सेवा ट्रस्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंस-श्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता।

श्रार्ड० बी० एस८ जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-JIJ, कलकत्तः

नारीख: 10-11-1980

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-ज (1) के ग्रंबीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार बायुक्त (निरीक्तण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 798/म्रर्जन रेंज-III/80-81---यतः मुझे म्राई० बी०एस० जुनेजा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 34 बी है तथा जो रतु सरकार लन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 12-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मूहय से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरित (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, जिख्य प्रयागया है:—

- (क) धन्तरच से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में दुविधा के बिए भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घारितकों को जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर श्रिष्टित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्दरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त पश्चितियम की खारा 268-ग के धनुतरक में, में, धक्त प्रश्चितियम की घारा 29-व की छपवारा (1) के अधीन निम्मसिक्षित स्पक्षियों, घर्यात्:--- (1) राधा मोजानी

(भ्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा दूस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता बारोकरके पूर्वीक्त सम्पति के धर्वत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वनत सम्पत्ति ने अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारी स से 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की घंविध, जो भी परिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति के हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ बिसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा अन्नोहस्ताकारी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धी करण :---इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पहों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया क्या है।

प्रनुसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकता।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ृश्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

नारीख: 10-11-1980

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

भलभत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 797/म्रर्जन रेंज- /80-81---यतः, मुझे, माई० वी० एस० जुनेजा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्क्विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अस, उक्त भिष्टिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, में, धक्त भिष्टिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के भिर्मान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः --- 24—386GI/80

(1) सन्दीप सोमानी

(भन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों थीर पदों का, जो छक्त श्रिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में वियागया है।

ग्रनुसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता।

म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 10-11-1980

प्रकप बाई । दी । एन ॥ ध्रुव । नन्स

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के सक्षीत सूचना

भारत तरकार

कार्याक्यः सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III; कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्वेश सं० 796/ग्रजन रेंज-III/80-81 — यतः, मुझे, आई० वी० एस० जूनेजा आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पश्चा है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है और जिसकी

श्रीर जिसकी सं० 34 बी हैं तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे ज्याबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 12-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के प्रचित बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह पतिशत अधिक है भीर प्रन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से एक्त क्षण्डरण लिखित में वास्तिक रूप से किशा नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अण्य शस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रशः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन. निम्नलिक्ति व्यक्तियों, प्रकृति :---

(1) मुकुल सोमानी

(भ्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप 1--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अव्यक्षिया तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना शी तानील से 30 दिन शी मर्वाध, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी **स से 45** दिन के भीतर **उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी** अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे

स्पट्टीकरण: -- इनमें प्रपृत्त शब्दों श्रीर पदों का, श्री उक्त प्रधिनियम के अक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जो उस अठयाय में दिया गया है।

अनुसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता ।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-JII, कलकत्ता

तारीख: 10-11-1980

प्ररूप धाई ० टी० एन० एस०---

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 795/Acq. III R/80-81—यतः, मुझ, श्राई० बी० एस० जुनेजा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- म० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 34 बी है, तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-3-1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के जिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त ग्रन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप में कथित तहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय को बाबन, उक्त श्रीधितियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उपने यवन वे पृत्रिज्ञा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किनी आप या किनी धन का प्रत्य आनियाँ की, किन्हें भारतीय प्राप-कर प्रक्रितिए 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का छिपारे वें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुमर्ण मों मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री चन्द्र कुमार सोमानी

(श्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा द्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविधि यां तरेसंम्यन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जोंभी
 ग्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारां अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्राँर पदों का, जो 'उनन ग्रिधिनियम', के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया हैं।

अनुसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ताः।

श्चाई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहीयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज- , कलकत्ता

नारीख: 10-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 794/म्रर्जन रेंज-III/80-81--यतः, म्राई० बी० एस० जुनेजा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र• से मधिक है ग्नीर जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घीर यह कि मन्तरक (प्रन्तरकों) भौर पम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी हिसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्निसिस स्यक्तियों, अर्थीत्।— (1) श्री अनिन्द कुमार सोमानी

(ग्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा ट्रस्ट

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त सधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिकालित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

34 बी, रतु सरकार लेन, कलकत्ता।

ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 10-11-1980

परूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर पिछिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-∐], कलकत्ता

कलकत्त , दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 793/Acq.-R-J1]/80-81--यतः, भ्राई० वी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ध्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 34 बी है, तथा जो रतु सरकार लेन, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-3-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

> (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त श्रन्तरण लिखिक में वास्तविक

इष्प में कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रबं, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री श्रीकान्त सोमानी

(भ्रन्तरक)

(2) महेश्वरी सेवा द्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **मर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 वि की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोह्स्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनयम के श्रद्धयाय 20-क में परिमाधित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

34 बी, रहु सरकार लेन, कलकत्ता।

श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-III, कलकरा।

तारीख: 10-11-1980

प्रकष धार्ड• टी • एन ० ऍस • ----

आय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन स्**षमा**

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० 792/Acq-R-III/80-81—यतः, मुझे, श्राई० वो० एस० जुनेजा बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त पिधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पम्पति, जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व∙ से अधिक है

भौर जिसकी सं० 34 बी है तथा जो रतु सरकार लेन, कतकता में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में भौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-3-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का छचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यपान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत पश्चिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिमयम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसो िन्सी आय या किसी अन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या अनत भिष्ठित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, प्रचित्:---

(1) श्री सुमेन्द्र कुमार सोमानी

(भ्रन्तरक

(2) महेशवरी सेवा ट्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पुर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजाब में ग्रहाशन की तारीख से 45 दिन का अवाध या तत्मन्त्रका अविकिश्तों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी यविच वार में समाप्त होती हो, के भीमर पूर्वीकत उपक्तियों पें से किसी अविक दारा;
- (ख) इस सूचना के राज ता विभागन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए या सकेंगे।

स्पब्टो अरग -- इस में प्रयुक्त शब्दों और पड़ा का, जी उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

34 वो, रतु सरमार लेन, कलकत्ता

ग्राई० बी० एस० जुनेजा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता।

तारोख: 10-!!-1980

मीहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 558/टी० ब्रार०-226/79-80/कलकत्ता—
यतः मुझे ब्राई० वी० एस० जुनेजा
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की ब्रारा 269-ख
के ब्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/उपए से ब्रधिक है
ब्रौर जिसकी सं० 55 ए है नथा जो की स्कूल स्ट्रीट में

ग्नौर जिसकी मं० 55 ए है तथा जो फी स्कूल स्ट्रीट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंद्ध ग्रमुसूचो में ग्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 5-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रिष्ठिन नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधनियम, या धन-कर भ्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिष्ठितियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रीधितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :—

(1) श्री मनीन्द्र नाथ नियोगी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुद पारेक श्रौर जयश्री पारेक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रप्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उन्त प्रधि-निसस, के द्वाध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रमें होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

*55 ए, की स्कूल स्ट्रीट, कनकत्ता में स्थित 6 कट्ठा, 13 छटांक 5 स्कोयार फुट जमीन साथ एक मंचिला मकान जो कि रिजस्ट्रार आफ एश्योरेंस, कनकत्ता द्वारा रिजस्ट्रीकृत (वलील सं० 1264, दिनांक 5-3-1980) है।

> म्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीखा: 14व11-1980

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-4/कलकत्ता—यतः मुझे, के० सिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्रेमिसेज नं० 32-ए/1 है, तथा जो सुरेन सरकार रोड, पो० ग्रा० बेलियाघाटा, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय एस० ग्रार० सीलदह में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 14-3-1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निल्खित <u>व्यक्तियों</u>, अर्थात् ध

(1) श्रीमती लाबन्य प्रभा बसु

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रमिता मित्र

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मोकाम 32 ए०/1, सुरेन सरकार रोड, पी० एस० बेलियाघाटा, कलकत्ता।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुघत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1980

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देण सं० ए० सी०/रेंज- |क्लकत्ता| 79-80---यतः मुझे के० सिंहा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 92 ई है, तथा जो ग्रलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इगसे उपाग्रद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरता ग्रधिनियम)1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3-3-1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक कृप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- 25—386GI/80

(1) ढेकणिको इलेक्ट्रिक एण्ड इन्जीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड।

(अन्तर्क)

(2) फुटफुल (इण्डिया) प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

92 ई, ग्रलीपुर रोड, पो०एस० ग्रलीपुर रोड, कलकत्ता।

के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकना ।

तारीख: 12-11-1980

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सुमीन घोषाल।

(2) श्री रथनाथ घोष।

कार्यवाहियां करता हूं।

(अन्तरक)

(अन्तरिसी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलक**र**ना

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/80-81——यतः मुझे के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मुकाम नं० 1 है तथा जो धन देवी खन्ना रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-3-80

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कृप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अधा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात् :-- को ग्रहसूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्ष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

मोकाम 1, धान देवी खान्ना रोड, कल०-11 क्षेत्रफल 3 क० 12 छ० 30 वर्गफुट है।

> के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकला

नारीख : 12-11-1980

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/80-81---- यतः युझे के० सिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. में अधिक है

भ्रार जिसको सं० 38, पो० एन० मिन्ना लेन है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० भ्रार० भ्रलीपुर, 24-परगना में, रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारोख 8-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिल्लि में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या हैं=-

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिस्त अयिकत्रमां नुर्धात् के--

(1) श्रो शयोन्द्र नाथ हाजरा ।

(अन्तरक)

(1) श्री प्रभात कुमार घोष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38, पी० एन० मिल्ला लेन, कलकत्ता मोकाम पर दोतला कोठी, पी० एस० बेहाला, क्षेत्र 3 क० 1 छ० 30 वर्ग फीट।

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 12-11-1980

मोहर् 🕹

प्ररूप साईं व्टी० एन • एस •--

ग्रायकर श्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर घायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 12 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कलकत्ता/80-81—यतः मुझे, के० सिंहा

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्राधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० एच० 81, खसरा नं० 322 है तथा जो डाग नं० 688, 689 ग्रीर 680 पहाड़पुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रिलीपुर ;, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 29-3-1980

को । विकित संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दूश्यमान प्रितिफल के लिए सन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और सन्सरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत धिखनियम, के स्थीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में वामी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धरिस्त्यों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस धिष्टियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त बहित्सिम की धारा 269-ग के अवसरव में; में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--- (1) श्री रामचन्त्र चौधरी

(भ्रन्तरक)

(1) श्री ग्रब्दूर रहीम

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविक्ष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविक्षि, जो भी घविष्ण बाद में समाप्त होती हो, के भीतरपूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे!

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, को उन्त श्रिधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को इस पध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एच 81, खसरा नं० 322, भाग सं० 688, 689 ग्रौर 680 पहाडपुर रोड, कलकत्ता-24, क्षेत्र 1 के० केवल। ए०एच०-81, पहाडपुर रोड, पी० एस० मेटिया क्रिज, कलकत्ता 24।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता

तारीख: 12-11-1980

प्र**क**प साई० टी**० एन०** एस०-------

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के मधीन सूचना

(1) श्री अजीत कुमार चक्रवर्ती

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा रानी दे

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (मिरीकण)

श्रज्न रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० सी०-61/रेंज-4/कलकत्ता/1980-81---यत: मुझे, के० सिंहा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो नासरा रानाघाट में स्थित है (ग्रांत इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 14-3-1980 की

क मधान, ताराख 14-3-1980 का पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राप की बाबत, उक्त श्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व मे कमी करने या उत्ता बचने में बुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिये था, खिणाने में सुविद्या के लिए;

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति</mark> के अर्जन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के प्रचीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की शविधिया सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविधि, जो भी शविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्ण कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्वद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर नदीं का, को उक्त आंधनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 164½ श्रनक जमीन का सब कुछ जो नासरा थाना, रानाघाट, जि॰ निवया में स्थित है श्रीर जैसे कि 1980 का वलील सं॰ 1626 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के मधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, स्थातः—

तारीख: 17-11-1980

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

प्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०-60/^{9ेंज-} /कसकसा/80-81— यतः, मुझे के० सिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित लाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक हैं।

स्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 194 है, तथा जो देवग्राम जलपाईगुड़ी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जलपाईगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 14-3-1980

को पूर्जोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए चन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से मिक्क है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिश्त उद्देश्य से चन्त्र अन्तरण लिखित में बम्स्तिव इ अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भता अवः उनत बाबिनियम की धारा 289-ग के धनुतरण में; में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्रीमती हेमांगिनी नन्दी

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीरा राय

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, को भी धविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे :

स्थण्डीकरणः --- ्ममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनेशम के अध्याय 20-क में पारभाषित है, वड़ो प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

करीब 16 1/2 ईंका जमीन 'का मकान का सब कुछ जो देवग्राम, जि॰ जलपाईगुड़ी में स्थित है और जसे कि 1980 का दलील सं॰ 1949 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकक्ता

ता**रीख: 17-11-198**0

यत:,मुझ के० सिहा

प्ररूप मार्च. टी. एन एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जुन रेंज-IV, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1980 निर्देश सं० 62/एक्बी० रेंज-IV/कलकत्ता-1980-81---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी तं० 33-बी है तथा जो महाराज ठाकुर लेन में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रिलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कर निम्नलेखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ख्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (ह) प्रस्तरण से हुई हिसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दापिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अस्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में पुविधा के लिए;

(1) श्रीमती मीरा चटर्जी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुशील चन्द्र राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध तिसी अन्य ज्यादित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

श्रन्सूची

करीब 1 कट्ठा 13 छटोक जमीन का साथ मकान का सब कुछ जो 33-बी, महाराज ठाकुर रोड कसबा जि० 24-परगना में स्थित है और जैसा कि 1980 का दलील सं० 2328 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, कलकत्ता 1

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः--

नारीख: 20-11-1980

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्राधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी० 63/रेंज-IV/कलकत्ता/1980-81---यतः मुझे के० सिंहा

पापकर ग्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके त्रवता 'तकत पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रशीत पश्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है

ष्रीर जिसकी सं है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चुचुरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-3-1980 की

16) के अधान ताराध 11-3-1980 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उत्तसे बजने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पश्चितियम या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिमाके में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रविनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सत्येन्द्र नाथ गुप्त

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अजय सेन, श्रीमती इन्दिरा सेन (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त प्रमात्ति के श्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबधि, जो भी अबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी जन्म वाक्ति द्वारा अघोह्स्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसम प्रयुक्त कथा प्रार पदी हा, जो उक्त अधि-तिरन क अध्याय २०-४ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा, जो उत्त प्रथ्याय में दिया गया है।

अनु सूची

करीब 11 Ko $10 \, \text{ch}$ $23 \cdot 1/2$ वर्ग फीट जमीन का माथ मकान का सब कुछ जो बालागर, पो० चुचुरा, जि० हुगली में स्थित है श्रीर जसा कि 1980 का दलील मं० 443 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

के० सिहा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-गुV, कलकत्ता

तारीख: 20-11-1980

प्रकप माई० टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

259-घ (1) के अधीन गूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर, 1980

निर्देश म'० ए० मी०/रेंज-II/कलकत्ता/1980-81---यतः मुझे के० सिंहा

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ल्ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संयन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 21. ब्लाक सी० ए० है तथा जो सेक्टर I उत्तरी नमक झील 24 परगना में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय ही० श्रार० 24 परगना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन तारीख 10-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवानुवोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिष्ठक है-भीर अन्तरिक (धन्तरकों)और अन्तरिती (भन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तविक क्ष से कथित नहीं किया गय है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत खकत अधिन नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; धीर/पा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन याश्रन्य श्रास्तियों जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922-का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किय भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 26—386 GI/80 (1) श्री प्रफुल्ल कुमार दास

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रजीत कुमार घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के धार्वन के पश्च में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी भविव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो उमत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 21 ब्लाक नं० सी० ए० सेक्टर नं० उत्तरी साल्ट लेक पी० एस० दमदम. 24 परगना। क्षेत्रफल 3.2184 Ks

के० सिहा मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीख: 14-11-80

प्रकप बाईं•टी•हन•एस•--

आयकर **निवित्तमन, 1961 (1961 का 43)** की धार 26कम (1) के प्रचीत सूचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकमा, दिनांक 18 नवम्बर 1980

निर्देण सं० ए० सी०/रेंज-/कलकत्ता/1980-81—यसः.

मुझं के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पून्य 25,000/- का से ग्राधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रंमिसेस नं० एस-28 है, तथा जो लिच्छ-बागान, मौजा गार्डन रीच, पा० श्रा० मेटियात्रुज, 24 परगना में स्थित है (श्रौर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत, श्रिधकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत समिक है सोर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित वहार से उक्त भन्तरक निम्नलिखित वहार से उक्त भन्तरक निम्नलिखित वहार से उक्त भन्तरक निम्नलिखित

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या धससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त धिधनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिक्षित व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) श्री माया शंकर सिह

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम चन्द्र चौधरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूचींका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**वाहियां करता** हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत में जकाशन की तारीख है 45 दिन की घविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी घविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास निखित में किये जा सकोंगें।

हपण्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त प्रधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्ब होना को उस घड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० एस०-28, लिचु वागानः गार्डन रीच. पी० एस० मेटियाबुज, 24 परगना।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

नारीख: 28-11ब1980

प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन मूर्चना

मारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता. दिनांक 24 नवम्बर, 1980 निर्देश मं० ए० सी० 73/रेज-/कत्रहनः(/ 1980-81-~ यन: मुझे के० सिन्हा

कायकर अधिनियम, (1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धडीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- दे से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 28 है, तथा जो नेताजी सुभाष रोड, हाबरा में स्थित है (स्रौर इसमें उपाग्रह श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 25-3-1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य में कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृस्य उसके बृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्त उद्दश्य से उन्त धन्तर निज्ञित में बास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई ंकसी घाय को बादन खबत अधिन नियम, के प्रधीन कर दने के धन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उन्से बचने में बुनिधा के सिए; धीर या
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अग्य आस्तियों की, जिन्हें भाजतीय धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसाजनीय प्रश्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या विकास काला बालिए था. छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब. उक्त गीर्धानयम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की विष्णारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात :-- (1) णान्तिनगर काप्रावरेटिक हाउसिंग सोसाइटी प्र० निमिटेड

(ग्रन्तरकः)

(2) मनसुखनान दामे

(अन्तरिती)

का यत् सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी धाक्षेप :---

(क) इप सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी क्यंक्ति दारा,

(स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्व से 15 विन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताकारी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उबत अधिनियम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अमुसूची

345.17 वर्ग फीट मकान का सब कुछ जो 28 नेताजी सुभाग रोड, हाबरा से स्थित है ख्रीर जैसे कि 1980 का दलील सं० 1902 में ख्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1V, कलकत्ता

नारीख: 24-11-1980

प्ररूप बाई• टी• एन• एस•-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269°ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ताः दिनांक 24 नदम्बर् 1980

निर्देण सं० ए० मी०-72/रेज-IV/कलकना/1980-81---यतः मुझे के० सिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात 'खकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से मधिक है म्स्य ग्रीर जिसकी सं० 2-मी है तथा जो नेताजी सुभाष रोड हाबरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ना ऋधिकारी के कार्यालय, कतरहता में. रजिस्ट्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख 25-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गोन कन के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरका) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यय से उन्न पन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कियत नही किया गया है:—

- (क) अन्तरण य हुई किसी आय की बाबत खकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने था उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसो किसा आप या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिण्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अग्निनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उक्त श्रीश्रीनयम की धारा 269-ग के श्रन्-सरण में, में, उक्त श्रीश्रीनयम की श्रीरा 269-घ की उपधारा (1) क श्रवानिस्मिति । अक्रियां, प्रयो :---

- (।) शान्तीनगर कोग्रापरेटिय हाङ्मिग सोसाइटी प्रा० लिमिटेड
 - (भ्रन्तरक)

(2) गोपाल श्रग्रवाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध स कार भी घाछेप :---

- (क) इस प्ता के राजात मंत्रकाणन को तारीच स 45 दिन को भविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच से 30 दिन की भविष्ठ, जो भा भविष्ठ चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूनमा के राजवंत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अस्य भ्यक्ति द्वारा, अधादम्नाक्षण के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पटिशिकरण '--इनमें प्रवृक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

469.7 वर्ग फीट मकान का सब कुछ जो 2-सी० नेताजी सुभाष रोड हाबरा में स्थित है श्रीर जैसे कि 1980 का दलील सं० 1901 में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक^र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV कलकत्ता

नारीख: 28-11-1980

मीहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

बायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के ग्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण</mark>)

ग्रर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निर्देण सं० ए० सी० 71/रेंज-IV/कलकत्ता/1980-81---यत: मुझे के० सिन्हा

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2-सी है, तथा जो नेताजी सुभाव रोड, हाबरा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक खप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्नरम ने हुई किसी प्रायंकी बा**बत उक्त प्रधि-**निप्रत हे प्रयोग कर देन के अन्तरक के दायि**रव में** कमी करने या उनसंज्ञवन में सुविधा के लिए**; गोर/**या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घ्रम्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अत्र, उक्त प्राचितिका, को चारा 269-व के अनुसरण में,म, उक्त प्रचितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) शान्ती नगर कोम्रापरेटिव हार्ऊासग मोसाइटी प्रा० लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

(2) सानवरमाल किट्टा

(श्रन्तरिता)

को यह स्वनाजारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

साब्दीकरम:--इपमें प्रयुक्त गब्दों स्त्रीर पदों का, जो उक्त प्रवित्यिम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

488 वर्ग फुट मकान का सब कुछ जो कि 2-सी, नेताजी सुभाप रोड, जिला हाबरा में स्थित है ग्रीर जैसे कि 1980 का दलील सं० 1900 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-IV, कलकत्ता

तारीख: 24-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-IV. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निर्देण सं० 70/ एक्बोर्०(चेज-4)कलकत्ता/ 1980/81---यतः, मुझे, के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. स अधिक है

धौर जिसका सं० 2-संत है तथा जो नेताजा सुभाष रोड हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसुचा में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारा के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रोकरण ग्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के अदान नाराख 25-3-1980

को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बिख बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल कित निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एसे की स्थान नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, छक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में मुविधा क लिए; भीर/पा
- (अ) प्रेमा किसी आप या किसी धन या ध्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिखा वाक्तियों अर्थात:—— (1) णान्तःनगर कोस्रापरेदिव हाऊभिग सोसाइटः प्रा० लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) कीर्नि कुमार दवे

(ग्रन्तरित्।)

का यह स्थान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए जा सार्वे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन् मुखी

630.85 वर्ग फुट का सब कुछ जो 2-सं: नेताजो सुभाष रोड हाबड़ा में स्थित है जैसे कि 1980 का दलाल सं० 1899 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

नारोख: 24-11-1980

प्ररूप आई०टी० एन० एस० : : :

कायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-IV, कलकना कलकना दिनांक 24 नथम्बर 1980

निर्देश मं० एक्बा०-69/रें न-4/फल फ्ता/1980-81---यतः, मुझे, के० मिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसका सं० 2-मा है तथा जो नेताजा मुभाप रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूचा में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकार, के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्राकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के अधोन तारोख 25-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राप को बावत उक्त ग्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मदः, उक्त ग्रिष्ठिनियमं, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिष्ठिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) अभीन निम्नलिकित स्पक्तियों ग्रिष्ठीत्:— (i) णान्तः नगर कोम्रापरेटिय हार्झस्या सोसाइटः प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

(2) विष्वमभग लाल मोदः

(ग्रन्तिरतः)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिन बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्वब्होकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त श्रिष्टिनियम के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

469.75 वर्ग फुट मकान का सब कुछ जो 2-सा नेताजा सुभाष रोड, हावड़ा में स्थित है ग्रीर जैसे कि 1980 का दलाल सं० 1898 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिन्हा जमक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज-4 कलकत्ता

नारोख: 24-11-1980

प्ररूप आहु . टी. एन. एस.----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-कलकत्ता

54, रफी ब्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर, 1980

निर्देश मं० ए० मं:०-68/रेंज-4/कलकना/1980-81---यतः, मुझे के० सिहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 -**अ** के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का का**रण** $oldsymbol{arepsilon}^{oldsymbol{1}}$ िक स्थावर संपतित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं० 2 मो है तथा जो नेताजो सुभाष रोड, हावडा में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्धः ग्रनमुचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता भ्रधिकारी के कायलिय. कलकत्ता में, रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908) का 16) के प्रधोन, तारीख 25-3-1980

को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुल्य से कम के इक्समान प्रिराफिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वी क्ल सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकन, निन्ननिनित उद्देश्य से उदन अन्तरण निन्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हु**इ** किसी आय की बाबत, उयत अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कालिए; जरि/गा
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में गविधा के लिए;

(1) मान्तः नगर कोग्रापरेटिय हार्जीमग सोमाइटा সা০ লিত

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल रांबां

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुस् ची

करीब 469,75 वर्ग फीट मकान का सब कुछ जो 2 सो, नेताजो सुभाष रोड, हावडा में स्थित है श्रीर जैसे कि 1980 का दलील सं० 1897 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायकत (निर्क्षिण) ग्रर्जन रेज-4, कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

नारीख: 24-11-1980

प्रकृप भाई टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-₹ (1) के अधीन धूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० मी०-67/रेज-4/कलकत्ता/1980-81---यतः, मुझे के० सिंहा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित दाजार मूक्य 25,000 क्पय से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 सी है तथा जो नेताजी सुभाप रोड हाबड़ा में स्थित है (श्रीर इयसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्राकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 11-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य में कण के दृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुने यह तिरवान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तब प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत प्रस्त ण लिखिन में यान्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रश्वरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त पांध-नियम के प्रश्नीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में क्षी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौरंगा
- (■) ऐसी किपी प्रायं मा तिषी धन मा शर्म प्रान्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारः प्रकट तहीं किया गानाया वाकिया जाना वाहिए या, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त श्रीमिनयम की बारा 269-म के अनुसरण में, में, पक्त श्रीमिनयम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--27—386GI/80

(1) शान्ती नगर कोश्रापरेटिव हाऊर्सिग सोसाइटी प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नाडे रंग लाल साबु

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के प्रर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के संबंध में कोई भी धाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी धर्वां बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्धीकथण: -- इसमें प्रयुक्त जन्दों और पर्वोका, को उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

2 सी नेताजी सुभाष रोड, हाबड़ा में 469.75 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसा कि 1980 का दलील स० 1394 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 24-11-1980

्प्रकृषा कार्षः दीका एन् हा एसः (+)-----

े बायुकेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-पू (1) क्रुअभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
प्रार्जन रेज-4, कलकत्ता

ाक्ष्म 4 सुद्धि झाहमद्द कृदक्ष होडू-कहाक्स्रा 16
कलकत्ता, दिनांक 24 नवस्थर 1980

्र ्वित्रींग सं० ए०: सी०-66/वेज-4/कलक्ता/1,980-81---प्रकृष्ट्र मुझे क्लेक्ससिंहक्विक्त ए अध्य कि एटा है:

शामकर क्षिपिनग्रस्ते कि (1961 का 43) (जिस इसमें इसके कुछात् ∫उक्त अधिनियम कहा गमाही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गृह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु. सं अधिक ही

स्रोर जिसकी सं० 2-सी० है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावब स्नुसूची में श्रीर पूर्ण इस्पे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1980 का 16) के स्रधीन तारीख 11-3-1980 को

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितृक्षल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मूम्से पृष्ठ विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मेल्य, उमें दश्यमान प्रतिकल का पर्नेह प्रतिश्राति के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद्भु किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कृष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भी किया जिला जाना चाहिए था, छिपान भें सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) शान्ती नगर कोम्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार मेहेरा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके भूबोंक्त-सांध्यित के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ, करका, हुं।

जनत सम्मद्भित के अर्थन के सस्यन्ध में कोई भी काक्षेप नि

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सिं 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ धर स्थिना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि । बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की ाताहीक हुने 45 दिन के भीरार उक्त समावर संपरितः में (हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो क्रिक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाष्ट्रित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्विया गया है।

ममृत्ची

ं 2 सी नेताओं सुभाष रोड, हाबड़ा में 469. 75 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1980 की दर्शल संव 1396 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, कलकत्ता

तारीख: 24-11-1980

मोहरू ः

प्ररूप आई• टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्यालय , सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० मो०65/रेज-4/कलकत्ता/80-81--यतः मुझे, के० सिंहा

आयंक्रर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. मं अधिक है

श्रीर जिसका सं० 2 मो० है तथा जो नेताजी मुभाष रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्स्ट्राकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कनहता में, रिक्स्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, ताराख 11-3-1980

को पूर्वावत सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पति का उचित वाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तरिक हुए में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

ार्गिक्षी: अब, उपत अधिनियाः, का धारा 269-ग के अनसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधाराः (1) के मधीन, निम्निः लगित व्यक्तियो प्रधातिः—— (1) श्रो मान्ति नगर कोब्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी प्रा० लिमिटेड

(प्रन्त्रुक्)

(2) किशोरी जान महराहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूर्यना के राजपेन में प्रकाशन की तारील से 45 कि वित की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इसं सूचिना के राजपण में प्रकाशन की लोरीकि सी (45) दिन को भीत्र उस्ता स्थान संपत्ति में हित -बद्ध किसी, अन्य स्थानित दनारा नेक्षोत्र स्थान से पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

अनुसूची

2 सी, नेताजी सुभाष रोड, हाबड़ा में 469.75 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसा कि 1980 का दलील सं० 1397 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेज-4, कलकत्ता

तारी**ष**ः ,24 1,1-1,880 मोहर: प्रस्प आर्धः टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०-64/रेंज-IV/कलकत्ता/1980-81---यत:, मुझे, के० सिंहा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 209- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 2 सी है तथा जो नेताजी सुभाष रोड, हाबड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिष्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 1908) का 16 के अधीन, तारीख 11-3-1980 को

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; औ्र√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियाँ अधीन, विम्निल्खित व्यक्तियाँ अधीन, विम्निल्खित व्यक्तियाँ अधीन, विम्निल्खित व्यक्तियाँ अधीन,

(1) शान्ती नगर कोम्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी द्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रामावतार मोदी

(ग्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्धी

2 सी, नेताजी सुभाष रोड, हाबड़ा में ∰469.75 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1980 का दलील सं० 1395 में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-IV, कलकत्ता

ता**रीख**: 24-11-1980

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-LI/कलकत्ता/1980-81—यतः, मुझे, के० सिहा,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 772 श्रीर 773 है तथा जो मौजा श्रालमपुर, पी० एस० मेटियाबुज, 24 परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रलीपौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रेतिशत में ग्रिजिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम, के ग्राधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धार ना किसी धन या ग्रन्त ध्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या धन-कर भ्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यन्तियों, ग्रथांत :-- (1) श्री ग्रमर कृष्ण घोप

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स मैक्स इण्डस्ट्रीज

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई यां पाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, ज। भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वार! अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हरव्हीकरणः —- इसमें प्रपुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम, के ग्रह्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसुची

मौजा ग्रालमपुर, पी० एस० मेटिया ब्रुज, 24 परगना। क्षेत्रफल 13 क०, 11छ०, 18 वर्ग फुट, ग्रार० एस० दाग० नं० 772 ग्रीर 773, खसरा नं० 142। के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रेंज-II, कलकत्ता।

तारी**ख**: 25-11-1980

प्ररूप आहु ं एपि । एपि एसा । ---

क्षांचफार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1): को अधीन असूचनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी*०/रेज-II/केलकेता/ 1980-81--यतः, मुक्ते, के० सिंहा,*

आयकर अधिनियम का 1961 (1961 का 43) हिजसे इसमें इसके पश्चात 'ज्ञात अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु० से अधिक है

भौर जिसकी संव दांग नंव 772 भीर 773 हैं, तथा जो मौजा भालमपुर, पीव एसव मेटियाबुज, 24 पर्गना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एसव भारव अलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से क्रम के दश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुभ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का अधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा का लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के, प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया यया था या किया, जाना चाहिए था छिपान में मुत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की पारा 269 ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारी (।) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिया अर्थातः --- (+) श्री समर कृष्ण घोष

(भ्रन्तरक)

(2) कुन्दान रसिक लाल और श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता हो.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जा जिल्ला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

ंस्सर्वः

त्रमीन का सब कुछ 13 कनाल, 11 छटांक, 18 वर्ग फीट, दाग सं० 772 स्ट्रेंट 773, खसरा नं० 142, मौजा म्रालमपुर, पी० एस० सेटियाबुज, 24 परगना।

के० सिहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-]], कलकसा-16

नारीख: 25-11-1980

प्ररूप आहु ० टी. एन.०: एस क्राक्त

्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलक्षा,

्कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर 1980

ः निर्देश सं० 804/ग्रर्जन रेज-III/1980-81—-यतः मुझे ग्राई० वी० एस० जुनेजा

भागमार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित करकार क्लय 25,000/- रुद्ध से अधिक है

को पूथा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रितिम्सल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हम से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अंस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विष;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (है) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अधितः— -(1) तथी ज्युहा: ह्रस्ट एस्टेटः

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अनिमा सेनगुप्त ,

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकी करिती हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

भी हिंदी के भीतर जुनत स्थावर संपर्दित में दित-बंदें किसी बन्य व्यक्ति कुर्तारा अभाहस्ताक्षरी के पंतर स्थावर संपर्दित में दित-बंदें किसी बन्य व्यक्ति बुनीरा अभाहस्ताक्षरी के पंतर सिंखित में किए जो सकता।

स्पद्धोकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पत्नों का जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

भ्रनुमुची

पलैंट सं० 3 सी, 302/1, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस स्क्रि $\frac{1}{100}$ लकस्ता $\frac{1}{100}$

ीं⊭्रीमध्र्ष० व्यक्ति प्रस० जुनेजा ॅंक्टिकेसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर समयुक्तः (निरीक्षण) ्यक्तींचं रेंकिक्सी, कलकत्ता

तारीख: 25-11-1980_:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 805/म्रर्जन रेंज-III/80-81/कलकत्ता--यतः, मुझे, भ्राई० वी० एस० जुनेजा, आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-से ग्रधिक है मुख्य हपए भ्रौर जिसकी सं० 110, प्लाट सं० 122 है तथा जो डा० मेघ नाथ साहा सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिब नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरित (मन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्व से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त आध-नियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अता, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) धीन निम्निजिखित व्यक्तियों अर्थात:--- (1) श्रीमती विजय देवी बारमेचा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निमता चौधरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सप्पत्त के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपान में प्राणणान की तारीख से 45 विन की अविधि का तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा.
- (ख) इस सूत्रना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हित-यद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताझरी के राम निवित में किए जा सकेंगे।

स्यब्द्धेकरण: -- - दानें प्रयुक्त गढ़ीं ग्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है ता प्रथं होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुम्ची

प्लाट सं० 1 श्रीर 2, 110, डा॰ मेघनाथ माहा सारनी, कलकत्ता।

> ग्राई० बी० एम० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 25-11-1980

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 806/श्रर्जन रेंज-III/80-81/----यतः मुझे, श्राई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 114/2 है तथा जो हाजरा रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, श्रालपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-3-1980

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा अं लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 28 386G1/80

(1) श्री राधानाथ पाल ग्रौर एक ग्रन्थ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भारत चन्द्र बाग

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्तु सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो देक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

114/2, हाजरा रोड, कलकत्ता। 2 कट्ठा, 8 छटांक जमीन पर बिल्डिंग।

आई० वी०एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

नारीख: 25-11-1980

मोहरः

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 807/ग्रजन रेंज-lII/80-81---यत: मुझे भ्राई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पक्ष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10 बी है, तथा जो बाली गंज सरकुलर · रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18-3-1980

को धुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विष्वास करने का कारण है कि प्रथापवांक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांत-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अ**धि**-नियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं विध्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . पिम्नलिखित व्यक्तियों अथितः-

(1) श्री सोमेश राय सेगाल

(न्तरक)

(2) डा० मिसेज पिक् घोष

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिक्षा सं विज्ञा स्त सर्वारे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है ।

अनुसूची

10 बी, बालीगंज सरकूलर रोड, फ्लंट ʻπ', कत्ता।

> श्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कललत्ता

तारीख: 25-11-1980

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर 1980

निर्देश सं० 808 एक्वी० रेंज-JII/80-81---यत: मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा

मायकर मिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से मिषक है

स्रौर जिसकी सं० 2 है तथा जो मान्डीविले गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रंधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-3-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण तें, मैं उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात :--

- (1) सालोनी ओनरिशाप पर्लंट्स स्कीम प्रा० लि० (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिमान बिहारि घोष

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तक्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है

अनुसूची

पलैंट सं (ई', 2, मान्डीविले गार्डन्स, कलकत्ता।

आई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख: 25-11-1980

प्राक्षप माई । टी । एन । एस --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज- /कलकत्ता/1980-81—यतः, मुझे के० सिन्हा

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- थ्यए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मौजा गोपालपुर है, तथा जो पी० एस० बेहाला, 24-परगना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिष्ठल के लिए भन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिष्ठल का पन्तर सितात से भ्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया श्रीष्ठल निम्तलिखन अद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखन में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के प्रभीन कर देने के अन्तरक के अधित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविद्या के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या अग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: सब, उक्त प्रतिनिवम को बारा 269-न के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रतिनिवम की बारा 269-न की उक्तारा (1) के अधीन निम्मिलित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स बिरला जूट मैन्युफैनचरिंग कम्पनी लिमिटेड (ग्रन्तरक)
- (2) नरेन्द्र नगर को श्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड

(भ्रन्तरिती)

(3) बिरला

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोक में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अह्याय 20-क में परिकाणित है, बही प्रयं हीगा जो छस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

क्षेत्रफल 4.23 डेसीमल्स, आई० एल० नं० प्राई० धार० एस० 83, टौजी 346, मौजा गोपालपुर, पी० एस० बेहाला, 24 परगना।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख: 24-11-80

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 25 नवम्बर, 1980

निर्देश सं० ए० सीः/रेंज-II/कलकत्ता/1980-81—यतः, मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दाग सं० 772 ग्रौर 773 है तथा जो मौजा भ्रालमपुर, पी० एस० मेटियबुज, 24 परगना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० भ्रार० भ्रलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-3-1980

को पूर्णकत संपत्ति के उसित बाजार भूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएवांक्त मंपित्त का उसित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तिसर्यों अर्थात् ∴--- (1) श्री रबीन्द्र नाथ घोष

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उमा दिलीप कुमार

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 13 क० 11 छ० 18 वर्ग फीट, दाग सं० 772 ग्रीर 773, खसरा नं० 142, मौजा ग्रालमपुर, पी० एस० मेटियाकुज, 24 परगना।

> कें० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, कलकत्ता।

तारीख: 25-11-1980

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निर्देश स० ए० सी०-74 रेंज-IV/कल/80-81--यत: मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो भादुरदह तिलजला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीफ़त ग्रिधकारी के कार्यालय श्रलीपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 15-3-1980

को पूर्वा क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिवृक्षित व्यक्तियाँ अधितः:--

(1) श्री किशोरी मोहन पाल।

(अन्तरक)

(2) श्री कार्तिक चन्द्र पईक ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय, में विया गया है।

अमुस्ची

करीब 2 बी० 17 छ० 11 छ० 14 वर्ग फीट जमीन का सब कुछ जो मादुरदह थाना तिलजला जिला 24 परगना में स्थित है श्रौर जैसा कि 1980 का दलील सं० 1862 में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> के० सिंहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-4, कलकत्ता।

तारीख: 28-11-1980

प्ररूप होती. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काय्रालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/1980-81—यतः, मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्पावर संपत्ति जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 10 डी है, तथा जो उटाडान्गा रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधन श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 14-3-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापनांक्त संपर्णित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुदिधा के लिए;

अतः अब, उक्त आधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालखित व्यक्तियों जुर्थात्:-- (1) श्री हिमांशु शेखर बसु।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्राणील कुमार हाल्दार तथा श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्टिन में किए जा रकांगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल 2 क० 15 छ० 35 वर्ग फुट, 10 डी, उटा डांगा रोड, कलकत्ता।

> के० सिहा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

नारीखा: 28-11-1980

प्रस्य आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के बाबीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, कलकशा

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर 1980

निर्देश मं० ए० सी०/रेंज- |कलकत्ता/1980-81---यतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपन्ति जिनका उचित जाजार मूस्य 25,000/-र • से श्रिधक है

श्रौर जिसकी सं० डाग सं० 772 श्रौर 773 है, तथा जो मौजा श्रालमपुर, पी० एस० मेटिया ब्रुज, जिला 24 परगना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-3-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के चिचत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रविशत से घधिक है धीर घन्तरक (घन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अस्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों अर्थास्ः-- (1) श्री विश्व नाथ घोष ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सोनल यसवन्त कुमार श्रौर श्रन्य / (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शि के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्वति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकासन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वध्दोक्तरण .--इसमें प्रयक्त शन्दों बीर परों का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गया है

अनुसूची

क्षेत्रफल 13 क० 11 छ० 18 वर्ग फुट, डाग सं० 772 झौर 773, मौजा म्रालम पुर, पी० एस० मेटियाबुज, जिला 24 परगना।

> के० सिंहा, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∎ कलकसा

तारीख: 28-11-1980

मोहरः

प्ररूप आई • टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मामकर सम्मन्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रविक्रस के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और मन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कियत नहीं किया गया है !---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधिन नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती आपर अकट नहीं किया क्रिया वा या किया वामा वाहिए का क्रियाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त प्रधितियम की बारा 209-ग के बनुसरण में, में उक्त अधितियम की घारा 269व की उपधारा (1) के अधीत; निम्नलिक्यक्तियों, अर्थात्:—— 29—386 GI/80 (1) श्री परेश चन्द्र घोष

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल हेमचन्द्र श्रौर अन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजध्र में प्रकाश्यन की तारी अ से 45 दिन की अविधि, मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपित, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताक्षरी के पास
 लिखित में क्रिय जा सकोंगे।

स्थानी नाहनः ज्यासमें प्रश्नुकत शक्तों और प्रश्नों का, की इक्त अधिनियम के आरूपाय 20का में प्रश्निमित्र है, वही अर्थ होता, जो उस अध्यास में दिसा गया है।

ग्रनुसूची

क्षेत्रफल 13 क० 11 छ० 18 वर्ग फुट, हाग[्]सं◆ 772 और 773, मौजा म्रालमपुर, पी० एस० मेटिया**नुज,** जिला 24 परगना।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जीन रेज-में, 54, दफी अहमद विदवर्षरोड्, कलकत्ता ।

ताःदीखः . 28-11-1980

प्रास्प आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 नवम्बर, 1980

, निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता/1980--यतः मुझे के० सिन्हा भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त पधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है ि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अर्धिक हैं ग्रीर जिसकी सं० डाग सं० 772 ग्रीर 773 है, तथा जो मौजा भ्रालमपुर, पी० एस० मेटियाबुज, जिला 24 परगना में स्थित है (ग्रीर उससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० भ्रार० श्रलीपुर, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के प्रधीन, तारीख 5-3-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति । उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्थमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मुला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तारेती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निस्तलिखित उद्देश्य ने उक्त परणरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मधि-नित्रा के अधीन कर दें। के अन्तरक के दासिस्व में कमी करने या उत्तने वाते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जीना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः, ग्रब, उक्त प्रधिनियम को बारा 269-म के भनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम को बारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीत, जिन्निजिज अक्तियों. स्वीतृ:—— (1) श्री लाल बिहारी घोष

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरला सुरेण चन्द्र श्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथं होगा, जो उत श्रष्ट्याय में दिया गया है।

ध्रनुसूची

क्षेत्रफल 13 क०, 11 छ० 18 वर्ग फीट, डाग सं० 772 श्रौर 773, मौजा यालमपुर, पी० एस० मेटियाबुज, जिला 24 परगना।

> के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-UV, कलकत्ता

तारीख: 28-11-1980

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर 1980

निर्देण सं० ए० सी०-76/रेंज-4/कलकत्ता/1980-81---यतः मुझे, के० सिंहा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करते का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिल्लका उचित जाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 23 है तथा जो बिल्डिंग सं० 2, 2 सी०, नेताजी सुभाष रोड, हाबड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-3-1980

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-फल के लिये अग्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित वाजार भ्ल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धोधक है और प्रस्तर के (ब्रम्तरकों) धौर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विखित में वास्त्रविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनमें वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया आका काहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की चारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—> (1) शान्ती नगर हाऊसिंग कोग्रापरेटिव सोसाइटी प्रा० लि०

(अन्तरक)

(2) मिडुट० पी० मेहता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकात की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रक गत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधीत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

2 सी, नेताजी मुभाप रोड, हावड़ा में प्लाट सं० 23, बिल्डिंग सं० 2 में 488 वर्ग फुट मकान का सब कुछ जैसे कि मं० 1980का दलील सं० 1723 में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है।

> के० सिंहा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता।

तारीख: 3-12-1980

SUPREME COURT OF INDIA

New Deihi the 12th December 1980

No. F. 22/80-SCA(G)—In pursuance o. Sub-rule (3) of rule 4 o Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Honble the Chief Justice of India has been pleased, to direct that the following days be observed as Court Holidays during the year 1981.

Name of Holidays	Date & Month	Day of the week	No. of days
1	2	3	4
Milad-un-Nabi or Id-c-Milad	19th January	Monday	1
Republic Day	26th January	Monday	1
Basant Panchami	9th February	Monday	1
Maha Shivratri	4th March	Wednesday	1
Holi	20th & 21st] March	Friday & Saturday	2
Baisakhi	13th A ril	Monday	1
Mahavir Jayanti/ Good Friday	17th April	Friday	1
Independence Day	15th August	Satarday	1
Onam	11th September	Friday	1
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Friday	, 1
Dusschra	5th to 9th October	Monday to Friday	5
Balmiki Birthday	13th October	Tuesday	1
Diwali	26th to 28th October	Monday to Wednesday	3
Guru Nanak's Birth- Dày	11th November	Wednesday	1
Christmas & New Year Holidays	21st December to 1st January, 82	Monday to Friday	12

By Order:

R. SUBBA RAO
Registrar (Admn.)
SUPREME COURT OF INDIA.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th December 1980

No. 20 RCT 6.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Smt. Kusum Prasad, IAS (Raj.-1960) as Secretary Central Vigilance Commission w.e.f. the forenoon of 2nd December, 1980 until further orders.

N. L. LAKHANPAL Dy. Secy. for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 25th November 1980

No. A-19036/18/80/Ad.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police

Establishment is pleased to promote Shri S. N. Majumdar, Inspector to officiate as Deputy Superintendents of Police in CBI on ad-hoc basis from 30-10-80 (FN) until further orders.

Q. L. GROVER Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110022, the 1st December 1980

No. D.I-8/80-Estt.—The services of Shri D. Ram, Dy. S.P. of EDP Cell, Directorate General, C.R.P.F. are placed at the disposal of Directorate of Coordination Police Computers, Ministry of Home Affairs, on deputation basis with effect from the forenoon of 1-12-1980.

The 6th December 1980

No. O.II-889/72-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri C. T. Pesswani, JAD: (Accts) of Directorate General, C.R.P.F., relinquished charge of the post of JAD (Accts) on the afternoon of 30-11-1980.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 3rd December 1980

No. 11/10/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Md. Adbus Sattar, an officer belonging to the Manipur Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Manipur, Imphal, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 13th November, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Sattar will be at Imphal.

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Nageshwar Prasad, an officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period of one year with effect from the forenoon of the 31st October or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Prasad will be at Hazaribagh.

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Jitendra Kumar Singh, an officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna. by transfer on deputation, with effect from the forenoon of the 1st November, 1980 until further orders.

2. The headquarters of Shri Singh will be Bhagalpur.

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. K. Shrivastava, an officer belonging to the Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, on ad-hoc basis, for a period off one year with effect from the forenoon of the 6th October, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Shrivastava will be at Chapra.

P. PADMANABHA Registrar General

MINISTRY OF FINANCE DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS,

Dewas, the 4th December 1980

No. F. No. B.N.P./C/5/80.—In continuation to this Department's Notification of even number dated 7-9-80 the ad-hoc appointments of the following officers as Technical Officer (Printing & Plate making) are hereby extended for 3 months from the dates shown against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

S. No. Name	Date from which ad-hoc appoint- ment continued
S/Shri	
 A. D. Deshpande, Technical Officer 	28-11-80
2. S. K. Shukla Technical Officer	1-12-80
12.	M. V. CHAR

Deputy General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 4th December 1980

Au/Admn./Misc./Con/8502.—Shri N. N. Kapadia, an officiating Audit Officer of this Officer's grade with effect substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-4-1979.

No. Au/Admn./Misc./Con./8502.—Shri K. N. Gurbaxani an officiating Audit Officer of this Office, is appointed in a substantive capacity to the Audit Officer's grade with effect from 1-4-1979.

> S. Y. GOVINDARAJAN Director of Audit

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

(OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER)

(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 1st December 1980

No. A.19018/476/80-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. Surya Prakasa Rao, Small Industries Promotion Officer (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Hyderabad as Assistant Director (Gr. I) (Industrial Management & Training) at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 29th October, 1980 until further orders.

> M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 3rd December 1980

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 6 Division 3, add "CRIMPDETS" after the entry "COAL DELAY DETO-NATORS".

No. E.11(7) In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 2, add "BLAMIX-III A" before the entry "BLAMIX-B". 2, add

> CHARANJIT LAL Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 1st December 1980

No. A-1/(782).—Shri H. D. Roy, permenent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Grade II) in this Directorate General has retired on 30-11-80 (AN) on attaining the age of superannuation.

> P. D. SETH Deputy Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 2nd December 1980

No. A-1/1(398).—The President is pleased to decide that the deemed date of Promotion of Shri P. S. Gladd, who was actually promoted to the post of Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from 7-7-79 (AN) would be wef 25-11-78 (FN).

P. D. SETH Deputy Director (Admn.)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

Calcutta-700016, the 26th November 1980

9147BA-32013(4-Driller) /78-19B.—Y. Sr. Drilling Asstt, in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 25th September' 1980, until further orders.

The 29th November 1980

No. 9280B/A-19012(3-NCP)/80-19B.—The President pleased to appoint Shri Navin Chandra Pant, as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating 740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- in an office capacity with effect from the forenoon of 26-9-1980, further orders.

No. 9292B/A-19012(3-KKN)/80-19B.—The President is pleased to appoint Shri Kamal Kishore Narang as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29-9-1980, until further orders.

The 2nd December 1980

9364B/A-19012(3-RCK)/80-19B.—The President pleased to appoint Shri Ramesh Ch. Khulbe as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India in the minimum of the pay of Rs. 650/- per month in the 'scale of Rs. 650-30/-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27-9-1980 until further orders. further orders.

The 3rd December 1980

No. 9381B/A-19012(3-KLM)/80-19B.—The President is pleased to apopint Shri K. L. Meena to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay accord-

ing to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 16-9-1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY Director General.

India Radio, Gwalior to officiate as Administrative Officer, All India Radio Rauchi with effect from 21-11-80 (FN).

S.V. SESHADRI.
Deputy Director of Administration
for Director General.

CORRIGENDUM

Calcutta-16, the 6th December 1980

No. 9447B/A-32013(4-Driller)/79-19B.—The designation of the officials promoted to the posts or Driller as notified under Notification No. A-32013 (4-Driller)/78-19B dated 10-4-80, 21-4-80, 2-5-80, 13-5-80, 27-5-80, 6-6-80, 6-10-80, and 9-10-80 respectively may please be read as Senior Drilling Assistant instead of Senior Technical Assistant (Drilling).

N. MONDAL Sr. Adm. Officer for Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 24th October 1980

No. A.31014/1/80/Fstt.A.—The following officers are confirmed in the post of Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from the date mentioned against each:

- 1. Shri H. R. S. Rno 1-4-77.
- 2. Shri H. K. Taneja 2-9-79.

No. A.31014/2/80-Estt.A.—The following officers are confirmed in the post of Assistant Administrative Officer in the Indian Bureau of Mines with effect from 7-3-79.

- 1. Shrì P. P. Wadhi
- 2. Shri H. Bancrjec

D. N. BHARGAVA Controller

Nagpur, the 6th December 1980

No. A.19012(121)/79-Estt.A.—On his resignation from the post of Assistant Chemist being accepted, Dr. K. S. N. Murthy, Assistant Chemist, is relieved of his duties in Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st October, 1980, and accordingly his name is struck off the strength of this department.

S. V. ALI Head of Office Indian Bureau of Mines.

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 3rd December 1980

No. 14/9/80-M(T)—In exercise of the powers conferred under Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, Jagat Pati Joshi, Director (Exploration) hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Buddhist Monument at Sanchi, District Raisen (M.P.) from 6-12-1980 to 8-12-80 on account of the 28th Anniversary Celebration of Chetiya Giri Vihare.

JAGAT PATI JOSHI Director (Exploration)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 4th December 1980

No. 10/67/61-SII(Vol. II.)—Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K.L. Sachdeva, Accountant All

New Delhi-1, the 4th December 1980

No. 4(21)80SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Laxmi Shanker Bajpai as Programme Executive, All India Radio, Gwalior in temporary capacity with effect from 21-10-1980 and until further orders.

No. 4(87)80-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Lalthansanga as Programme Executive, All India Radio, Aizawl in a temporary capacity with effect from 27-9-1980 and until further orders.

H.C. JAVAL, Deputy Director of Administration for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th November 1980

No. A. 12025/4/78(HQ)Admn.I.—The president is pleased to appoint Dr. Gopal Kumar Biswas to the post Assistant Director General (Stores), Directorate General of Health Services, New Delhi in temporary with effect from the forenoon of 12th Nov. 1980 untill further orders.

The 4th December 1980

CORRIGENDUM

No. A. 31014/4/77(HQ)/Admn. I.—In this Directorate's notification No. A. 31014/4/77(HQ)/Admn. I., dated 21-3-80, against Shri B.B. Panchal for the date "11-10-1972". read "11-10-1971".

S. L. KUTHIALA, Deputy Director Administration (O&M)

KRISHI MANTRALAYA

KRISHI AUR SAHAKARITA VIBHAG

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, The 29th November 1980

No. F. 2-4/78-Estt.(1).—Consequent on the termination of their ad-hoc appointment S/Shri K. B. Nayar, N. Sivorama-Krishnan as Assistant Exhibition Officer (Grade I) and Shri P.B. Dutta as Assistant Exhibition Officer (Visual), they relinquished charge of their posts and reverted to their non-Gazetted posts of Assistant Exhibition Officer (Grade II) and Artst (Senior) respectively, in the Directorate of Extensions with effect from 1st March 1980 (F.N.).

No. F. 12-7/78-Isstt.(1).—On the recommendation of D.P.C. (Group 'B') of the Department of Agriculture & Cooperation, Kumari Shukla Hazra, presently officiating as Editor, on ad-hoc basis, is appointed substantively against the permanent post of Assistant Editor, G.C.S. Group(Gazetted), in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB 880—40—1000—EB—40—1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture, Department of Agriculture & Cooperation with effect from 9-2-75.

B. N. CHADHA, Director Administration

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 6th December 1980

No. A. 19025/58/80-A-III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri A.K. Singla has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at Rombay with effect from 14-11-80 (forenoon) until further orders.

B.L. MANIHAR
Directorate of Administation
for Agricultural Marketing Adviser

BHABIIA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, 2nd December 1980

No. PA/79(11)/79-R-IV.— Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Gobindram Majnomal Tolani, Superintendent, DAE to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's trade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of November 11, 1980 until further orders.

A.S. DIKSHIT Dy. Fstablishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

(POWER PROJECTS ENGINEFRING DIVISION)

Bombay-5 the 8th December 1980

No. PPED/3(283)/76-Admn.—Director. Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri S.R.R. Rao, a permanent Accountant in this Division and officiating Assistant Accounts Officer as Accounts Officer—II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 16, 1980 until further orders vice Shri S. V. Pawgi, Accounts Officer—II promoted as Accounts Officer—III.

B.V. THATTE Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE (VIKRAM SARABAI SPACE CENTRE)

· Trivandrum-695022, the 27th November, 1980 ·

No. V.S.S.C./Fst./F./1 (17). -The Director, V.S.S.C. hereby appoints, the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai Space Contro (V.S.S.C.) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B. 35-880-40-1000-E. B. 40-1200/- with effect from the forenoon of 1st October, 1980 and until further orders:—

S. No.	Name		Designation	Division/ Project
1	2	-	з	4
1. Shri	K. Ramaswamy		Sci/Engr. SB	MCF
2. Shri I	M. Balan Nambiar		Sci./Engr. SB	PSS
3. Shri 1	R. Balasubramoniam		Sci/Engr. SB	SLV
4. Shri /	1. Kuttan		Sel/Engr. SB	LCSD
'5. Shri (C. P. Govindan	٠.	' Sci/Engr. SB'	' ISI' ' '
6. Shri I	∃. Jacob		Scil/Engr. SB	MAC
7. Shri l	R. Sadasivan Pillai		Sci/Engr. SB	SLV
	C. Subramaniam		Sci/Fngr. SB	RPP
9. Shri	Y. Venkataraman		Sci/Fngr. SB	FLS
10 Smt	V _{i,} Vanaja	d	Sci/Figt. SB;	ELS:

1 2		3	4
1. Shri A. Sidharthan		Sci/Engr. SB	COM
12, Shri C. Sanjeev		Sci/Engr. SB	RSR
13. Shri T. Rajiah .		Sci/Engr. SB	SLV
14. Shri S. Krishnamoo	orthy .	Sci/Engr. SB	SLV
15, Shri V. K. Venkata	chalam	Sci./Engr. SB	FRP
16. Shri G. Sasidharan	Nair .	Sci/Engr. SB	RSR
17. Shri G. Ram Mo	han		
Unnithan		Sci./Engr. SB	CWS
18. Shri K. Ramachand	lran .	Sci/Engr. SB	CMG
19. Shri C. V. Mohand	as .	Sci/Engr. SB	RPP
Shri M. Abdul Vah	ab .	Sci/Engr. SB	SMA
21. Shri K. S. Chandral	bhanu .	Sci/Engr. SB	PRT
22. Shri P. P. Abdul Az	zeez .	Sci/Engr. SB	PSS
23. Shri T. Austin .		Sci/Engr. SB	GSS
24. Smt. Elsy Fernende	z .	Sci/Engr. SB	EFF
25. Shri J. Venugopalar	Nair .	Sci/Engr. SB	RPP
26. Shri T. V. Varađara	ijan .	Sci/Engr. SB	APSU

P. A. KURIAN Admin. Officer-II (Estt.) for Director, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th November, 1980

No. A-31013/3/79-E.A.—The President has been pleased to appoint the following officers in a substantive capacity in the grade of Acrodrome Officer in the Civil Aviation Department with offect from 24th June, 1980.

S.	No.	Name
	4. Shri K. 5. Shri N. 6. Shri Ra 7. Shri C. 8. Shri R. 9. Shri Ku 10. Shri K. 11. Shri K. 12. Shri G. 13. Shri D. 14. Shri K. 15. Shri S. 16. Shri S. 17. Shri D. 18. Shri A	P. Dhingra P. Khosla S. Prasad D. Ghosh vi Tankha R. Rao S. Bhagat ndan Lal K. Sardana C. Misra B: K. Nair D. Sardana N. Vonkatachaliah C. Sekhri
	21, Sh4i S. 22, Shri R. 23, Shri K. 24, Shri A. 25, Shri S. 26, Shri M	K. Benerjee Kothandaraman K. Saxena M. Thomas
, -	28. Shri K. 29. Shri D. 30. Shwi A. 31. Shri A. 32. Shri H. 33. Shri D.	B. K. Khanna N. Dhawan G. Tigga M. Nandkar
	35, Shri A. 36, Shri R. 37, Shri P. 38, Shri C. 39, Shri H.	K. Basu L. Chopra C. Goel N. Prasad

S. No.	Name	
41. Shr	i D. K. Sen	
42. Shr	ri B. M. Arora	
43. Shr	i B. K. Duggal i B. K. Sarkar	
44, SRF	i B S Gambbir	
45, Shr	i B. S. Gambhir i N. K. Murthi	
47 Shr	d P. A. Raghunathan	
48. Shr	i M. B. L. Aggarwal	
49. Shr	H. L. Gupta	
50. Shr	i C. K. Kutty Krishnan	
51, Sur	i R. C. Khurana i P. R. Sabbarwal	
53. Shr	M. P. Chawla	
54 Shr	i M. M. George	
55, Shr	i K. L. Taneja	
56. Shr	ri D. P. Arora	
57. Shr	G. B. Subramaniam M. M. Malik	
56. Sur 50. Shr	M. L. Uppal	
	V. K. Pandey	
	i A. D. Malik	
	R. A. Awasthy	
63. Shr	i S. P. Arora	
64. Shr	i O. P. Wadhwa	
	i J. N. Jatley	
	i M. K. Dutta	
67, Shr.	i R. C. Kanda	
68. Shri	i K. Mukundan	
69. Shri	i K. L. Batura	
	i O. P. Satija	
	R. R. Chug	
72, Shr	i D. N. Singh	
73. Shr	M. L. Kapoor	
	i J. S. Wazir	
75, Shri	i T. S. Sandhu	
	i A. N. Khera	

This office Notification No. A. 31013/3/79-EA, dated 29th July. 1980 is horeby Cancelled.

No. A. 32013/10/80-E. I.—The President is pleased to appoint the following Dy. Directors/Controller of Aerodromes, as Director, Air Routs & Aerodromes Organisation on ad-hoc basis for a period of 6 months from the date mentioned against their names or till the regular appointment is made, whichever is

S. No. Name	Date of taking over the charge	Station of posting as Director
1. Shri S. W. J. Norton	. 23-10-1980	Madras Airport
2. Shri R. L. Pereira	. 24-10-1980	Bombay Airport
3. Shri S. Bhattacharjee	. 21-10-1980	Delhi Airport.

The 27th November 1980

No. A.32013/2/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri R.S. Goela, Dy. Director of Communication, Civil Aviation Department to the post of Director of Communication (PE) in the same Department on ad-hoc basis w.e.f. 24-5-80 and upto 2-9-80.

- 2. This cancels the following notifications;
 - (1) A.32013/2/80-(ii), E.I., dated 1-7-80.
 - (2) A.32013/2/80-E.I., dated 30-9-80r
 - (3) —do— dated 30-9-80.
 - (4)A.32013/2/80-(ii)E.I., dated 5-10-80.
- __(5) A.32013/2/80-(ii)E.I., dated 20-11-80.

The 28th November, 1980

No. A-32013/11/80-E.A.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at the Civil Aviation Training Centre, Bamrauli (Allahabad).

S. No.	Name					Date
1. Shri (jurumukh Singh					6-01-80
2. Shri I	3. K. Bhodarkar					6-10-80
3. Shri l	R. K. Son Gupta				_	6-10-80
4. Shri I	M. K. Lokhande					6-10-80
5. Shri A	A. K. Mazumdar					6-10-80
6. Shri (C. R. Chakraborty				-	6-10-80
	R. N. Dutta	·		•		6-10-80
8. Shri I	R. K. Sharma	_	_		Ċ	6-10-80
	3. K. Majumdar					6-10-80
	K. K. Majumdar				-	6-10-80
11. Shri I	Rattan Kumar					6-10-80
12. Shri F	Rangarajan		-			8-10-80

S. GUPTA

Deputy Director of Administration

New Delhi, the 4th December, 1980

No. A. 32014/4/79 E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Communication Assistants at present working as Assit. Communication Officer on ad hoc basis to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from 24-11-79 and to post them to the stations indicated against each :—

S. No.	Name				Station of posting
1	2				3
1. Si	ıri S. K. Sen	•			Aero, Comm. Station Calcutta.
2. Sh	ıri K. P. Swamy	•	•	٠	Aero. Comm. Station, Bombay.

No. A. 32014/1/80 E.C.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following six Communication Assistants at present working as Assit. Comm. Officer on ad hoc basis to the grade of Assit. Comm. Officer on regular basis with effect 4-11-80 and to post them to the station indecented against each:—

S. No.	Name			****		Present station of posting
1	2					3
1. Shri T	. M. G. Menon					Aero Comm Station, Hyderabad
2. Shri M	I. D. Katira ,				•	Aero, Comm. Station, Ahmedabad
3. Shri R	., N. Moghe .		•		•	Aero Comm. Station, Bombay,
4. Shri V	. A. Menon .		-		•	Acro. Comm. Station, Hyderaba
5. Shri N	T. Vazirani	_		;	• • •	Asro, Comm. Station, Bombay,
6. Shri C	. John .					C.A.T.C., Allahabad.

The 5th December, 1980

No. A. 32014/4/79 E.C.—The Director General of Civn Aviation is pleased to appoint the following six Communication Assistants at present working as Asstt. Communication Office on ad doc basis to the grade of Asstt. Communication Officer o regular basis with effect from 22-5-1980 and to post them to the station indicated against each :--

S. No.	Name			Present station of posting.
1	2.		·	3
1. Shri Vi	ctor Chandran			Aero Comm, Station, Bombay
2. Shri V.	S. Gupta .	٠		Aero Comm. Station Bombay.
3. Shri M	. Natarajan .			Aero Comm. Station, Nagpur.
4. Shri R.	S. Iyer ,	•		Aero Comm. Station, Calcutta.
5. Shri R	. Venkateswara]u		-	Acı (. Comm. Station. Gauhati.
6. Shri K	P. P. Menon .	•		Acro. Comm. Station, Madras.

R. N. DAS

Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the

No. 1/257/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G.C. D'Lima, permanent Supervisor, Bombay as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 5-5-80 to 17-7-80, against short-term vacancy, purely on ad-hoc basis.

H. L. MALHOTRA, Dy. Director (Admn.) for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Baroda, the 18th November 1980

No. 11/80.—Shri D.T. Makwana, Superintendent of Central Excise Group 'B' Nadiad Division has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-9-1980.

No. 12/80.—Shri A. R. K. Rao, Chief Accounts Officer (Revenue), of Central Excise, Group 'A' Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-9-1980.

The 26th November 1980

No. 13/80.—Shri B.M. Dave, Assistant Collector of Central Excise, Group 'A' (Prev.) Hdqrs., Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-10-80.

The 29th November 1980

No. 14/80.—Shri S. H. Vaidya, Suprintendent of Central Excise, Group 'B' in D. C. (Audit), Baroda has retired on attaining the age of superannuation pention in the afternoon of 31-10-1980.

B V. Kumar, Collector of Central Excise

Baroda, the 3rd December 1980

No. 15/80.—Shri R.J.Gothi, Assistant Collector of Central Excise (Val) Hdqrs. Baroda has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-1980.

No. 16/80.—Shri C. P. Vasandia, Superintendent, Group 'B' Baroda Division-III' has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 30-11-1980.

J. M. VERMA, Collector of Central Excise, Baroda.

Madras-600034, the 1st December 1980

No. IV/16/384/780X. Adj.II.—In exercise of the powers conferred on me by sub rule (1) of Rule 232A of the Central Excise (7th Amendment Rules), 1976 which come into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows for quarter ending 30-9-1980.

S. No	Name of the persons	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
_1	2	3	4	5
1,	Shri A. Mohamed Ghouse S/o S. P. Abdul Khader	Tobacco Merchant L5No.11/66 D. No. 100, Gunfire Street Fort, Salem-1.	Sec. 9(1)(b) of C.E. & Salt Act 1944 read with rules 151 c) & 223A of CER_1944	Convicted and Sentenced to pay a fine Rs. 100/cach on two counts (Rs. 200/Total) in default to undergo Rigorous Imprisonment for Imonth under each count.
2,	Smt. Chinnammal W/o K. Andiappan	Tobaceo Merchant L5No.2/72 No. 68 Park Street Salem-1.	Sec. 9(1)(b) 9(1)(bb) of C.E. & Salt Act 1944 read with Rules 151 (c) & 223A of CER- 1944	Convicted and Sen- tenced to pay a fine of Rs. 200/- in default to undergo Rigorous Imprison- ment for 2 months.

H. DEPARTMENTAL ADJUDICATION NIL

B. R. REDDY Collector Central Excise, Madras.

Bombay-1, the 5th December, 1980

No. II/3E(1) 2/77/Pt. I.—The following Selection Grade Inspectors have on promotion assumed charge as efficiating Superintendents of Central Excise, Group 'B' in Be mbs y Central Excise Collectorate-I with effect from the dates shown against their names.

Sr. No. Name			Date of assuming of Charge		
1 2				3	
1. Shri B. A. Gainchandani	•			14-10-1980 (F,N.)	
2. Shri N. B. Kalusthe .	•	•		4-11-1980 (F.N.)	
3. Shri G. Dharamdoyan		•	٠	25-11-1980 (F.N.)	
4. Shri K. O. George .	•	•	•	25-11-1980 (F.N.)	

2					3
5. Shri K. G. Mahuli	•	•	;		21-11-1980 (F.N.)
6. Shri R. Sundaram	•	•		٠	21-11-1980 (A.N.)
7. Shri K. B. Paj .	•				27-11-1980 (F.N.)
8. Shri A. K. Chatterjee		•	•	•	25-11-1980 (F.N.)
9. Shri R, K, Mehra		٠	٠	•	26-11-1980 (F.N.)
10. Shri S. K. Motiwala		•			21-11-1980 (A.N.)
11. Shri G. J. Joshi .		-	•	•	25-11-1980 (F.N.)
12. Shri D. V. Dandekar		-	٠, .		25-11-1980 (F.N.)
13. Shri S. R. Parab .					25-11-1980 (F.N.)
14. Shri P. D. Pandit			•		28-11-1980 (F.N.)
15. Shri B. A. Chandole		•		•	25-11-1980 (F.N.)
16. Shri A. N. Sayed .		•		•	25-11-1980 (F.N.)

F. No. II/3E(n)2/77Pt.I.—Shri M. J. Davar, Office Superintendent, has on promotion assumed charge as Examiner Of Central Excise Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate—I with effect from 21-11-1980 F.N.

F. No. II/3E(a)2/77Pt. I.—Shri K. M. Harwadkar, Superintendent, Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I has retired on superannuation in the afternoon of 31-10-1980.

No. II/3E (1) 2/77/Pt. I.—Consequent upon the recommendation of U.P.S.C. vide their letter F. No. 1/12/79-RG dated 15-9-1979 and letter F. No. 1/2/79-RD dated 28-9-1979 the following canididates have been appointed temporarily as Sirct. C. Ex. Gr. 'B' (Specialist) in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from the dates shown against their names.

Sr. No.	No. Name				Date of con- sumption of charge		
1. Shril	Kulbhushan Khet	rapa	.1		-	11-4-1980 (A.N.)	
2. Shri 2	A, D. Kambli	•	•	•	•	30-6-1980 (A.N.)	
3. Shri s	V. K. Bhatnagar			•	,	28-8-1980 (F.N.)	
4. Shri (C. K. Goyal				•	7-10-1980 (F.N.)	

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise, Bembay-I

MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of E. Veeraiah and Company (Overseas) Private Limited (In Liquidation)

Hyderabad, the 3rd December 1980

No. 534/Liq/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of E. Veeraiah and Company (Overseas) Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of United Construction Company Limited (In Liquidation)

Hyderabad, the 3rd December 1980

No. 672/Liq/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of United Construction Company Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andbra Pradesh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chandra Electric & Engineering Company Private Limited

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 1097/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chandra Electric & Engineering Company Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chetana Udyama Sangh Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 1416/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chetana Udyama Sangh Private Ltd. has this day been struk off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Cauvert Films Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 1421/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Cauveri Films Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the niatter of the Companies Act, 1956 and of Mysore Oil Proteins Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2570/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Oil Proteins Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Rao Chemicals Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2652/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Rao Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Pandavapura Chit Fund Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2815/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Pandavapura Chit Fund Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolve. In the matter of the Companies Act, 1956 and of V.R.C. Weavers Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 3059/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of V.R.C. Weavers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Karnataka Production and Manufacturers Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 3103/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Karnataka Production and Manufacturers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the sald company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sandhyamsar Experts Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 3191/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sandhyamsar Exports Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sriram Restaurant Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 3390/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sriram Restaurant Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Polymers and Chemicals Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2268/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Polymers and Chemicals Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kar Industrial Products & General Agencies Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2518/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kar Industrial Products & General Agencies Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Alscrew Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2635/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Alscrew Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Sputnik Laboratories Private Ltd.

Bangalore-56009, the 5th December 1980

No. 2903/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sputnik Laboratories Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

> P. T. GAJWANI, Registrar of Companies, Karnataka, Bangalow

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 29th November 1980

No. JUR-DLI/III/80-81/30617.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Circle shall be created with effect from 1-12-1980.

1. District X(6) Addl., New Delhi.

No. CIT-III/JUR/80-81./30737.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) & (8) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and partial modification of the notification issued earlier on the subject, Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the I.T.O. Distt. X(6) Addl. New Delhi shall have concurrent jurisdiction with I.T.O. Distt. X(6), New Delhi in respect of the persons/cases assessed/ assessable by them excepting the cases assigned u/s 127 or which hereafter be assigned.

For the purpose of facilitating the performance of the functions, C.I.T. Delhi-III, also authorises the IAC Range-IV-C, New Delhi to pass such orders as contemplated in sub-section 2 of section 124 of the Income-tax Act.

This notification shall take effect from 1-12-1980.

P. K. MITRA Commissioner of Income-tax Delhi-III, New Delhi

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th December 1980

CORRIGENDA

No. 2338.—In the notices under Section 269D(1) published vide No. ASR/80-81/174, dated the 13th October, 1980 and No. ASR/80-81/177, dated the 16th October, 1980, in the Gazette of India, Part III—Section 1, week-ending November 22, 1980, on pages 12489 and 12492 respectively the mistakes occurring therein are rectified as under:—

At page 12489 in the Schedule for 'deed No. 3525' read 'deed No. 3505'.

At page 12492 in the Schedule for 'deed No. 3352' read 'deed No. 3380'.

ANAND SINGH, IRS Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th November 1980

Ref. No. Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Plot No. G-31 situated at Pali

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pali on 22-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sari Ram Nath, Natwarlal, Banwarilal, Rameshchandra S/o Jagannath Ji, Sait. Narbadadevi W/o Jagannathji Lahoti Nadi Mohalla, Pali, Dr. Indrasen S/o Chimanlalji Sen, Smt. Asharani W/o Indrasen Nehrunagar, Pali.

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar S/o Shankarlal 2. Smt. Jimmi Devi W/o Bherumal, 3. Smt. Sharda W/o Ram Niranjan, 4. Govindprashad S/o Bherumalji Sarraf Niwasi Ratangarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-31, Industrial Area No. 2 Pali and morefully described in the sale deed registered by S. R. Pali, vide his registration No. 42 dated 22-3-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-11-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

Jaipur, the 17th November 1980

No. One Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandra Prakash Agarwal S/o Shri Shyam Sunder Lal, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dayal Singh, S/o Shri Ram Singh, C/o Dayal floor mill, near crossing Gangapole, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Plot situated at Chitwadi Ka Bagh, Chokadi Gangapole and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 669 dated 31-3-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date 17-11-1980 Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR

Jaipur, the 17th November 1980

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

- (1) Smt. Shakuntla Dhingra, Opp. Agrawal College, Agra Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) Smt. Chandra Kala Sharma, C-18, Bhagwandas Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One open plot of land with boundary wall bearing No. 68, at unit No. 2 Rampura Roopa Grah Nirman Samiti, measuring 729 sq. yds. and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide his registering No. 642 dated 28-3-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-11-1980

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. KNN/115/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 88, situated at New Grain Market, Khanna, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khanna in March 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamla Devi Wd/o Shri Ramji Dass, R/o Khanna.

(Transferor)

(2) (1) Shri Jang Singh S/o Shri Dalip Singh and

(2) Shri Ranjit Singh,
 (3) Shri Charan Singh,
 R/o V. Rattan Heri, Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 88, New Grain Market, Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2136 of March, 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-11-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/647/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to a3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in House No. B. VI. 166 (New) situated at Madhopuri, Kucha No. 2, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980

for $\mathbf{a}_{\mathbf{n}}$ apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Parkash Khosla S/o Shri Mukand Lal, R/o Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana.

 (Transferor)
- (2) Shri Sushil Kumar Jain S/o Shri Piara Lal, R/o 1076A, Sec. 20B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

t share in House No. B. VI. 166 (New), Madhopuri Kucha No. 2, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5927 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhlana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 18-11-1980

Soal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/623/79-80.—Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Measuring 424.1/3 sq. yds, situated at Tarf Kara Bara, Ludhiana (Gurdev Nagar)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now "crefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I berely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely — 31—386 GI|80

- (1) Shri Ravinder Singh S/o Shri Lal Singh, R/o Narur, Teh. Phagwara now at House No. B-XX-427/2. Krishana Nagar, near Gurdawara Mai Nand Kaur, Ghumar Mandi, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Tarsom Lal S/o Shri Ram Ditta, House No. B-XX-427/2, Ghumar Mandi, Ludhiana, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plet measuring 424.1/3 sq. yds. at Tarf Kara Bara, Ludhiana (Gurdev Nagar).

(The property as mentioned in the sale deed No. 5612 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-11-1980

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CFNTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/R/242/79-80.—Whereas, J. SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House Property at Rajesh Nagar, situated at Haibowal Kalan, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 -of 1908) in the office of the Registering Officer.

at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gurupkar Singh S/o Shri Kartar Singh. 81. Rajesh Nagar, Haibowal Kalan, Teh. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Phool Kanta Chopra W/o Shri Prem Parkash Chopra,
 r/o Rajpura Road, Civil Lines, Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Rajesh Nagar, Haibowal Kalan, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 7325 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-11-1980

FORM ITNS-

 Shri Darshan Singh S/o Sh. Gian Singh, R/o V. Miani, Teh. Dasuya, Distt. Hoshiarpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ranjit Singh Sohal S/o Shri Kartar Singh, R/o V. Dai, Teh, and Distt. Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/646/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of Kothi No. 81B, situated at Sarabha Nugar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Kothi No. 81B, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5911 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-11-1980

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pawan Kumar S/o Sh. Jagdish I.al, R/o 1292/2, Gali No. 1, Madhopuri, Ludhiana. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 18th November 1980

Ref. No. LDH/643/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in House No. B. VI. 896 (Old)/B. IX-911 (New) situated at Gulchaman Gali, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

 Shri Shingara Singh S/o Sh. Kishan Singh, R/o 53D, Sarabha Nagar, Ludbian.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in House No. B. VI. 896 (Old)/B.IX.911 (New), Gulchaman Gali, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5840 of March, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhjana

Date: 18-11-1980

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Shri Tilu Ram Alias Sh. Prem Sagar, S/o Shri Lal Chand, Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Dulari W/o Shri Laxmi Chand, 85, Sukhdev Nagar, Panipat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th December 1980

Ref. No. PNP/40/79-80,--Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 333-334, Ward No. 5, Main Bazar, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in March 1980

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 333-334, Ward No. 5, Main Bazar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6129 dated 3-3-1980 with the Sub-Registrar, Panipat.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 5-12-1980

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. SPT/23/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 69-L, Model Town, Sonepat situated at Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Inder Sain Kalra S/o Shri Sham Dass, 69-L, Model Town, Sonepat.

(Transferor)

(2) Smt. Kamla Rana W/o Shri Capt. Ran Singh, R/o Village Moi, Teh. and Distt. Sonepat, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 69-L, Model Town, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5364 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. BGR/44/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-und bearing

Land measuring 42 kanal 11 marla situated at Sikri (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the eald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bimal Prasad Jain S/o Shri Uggar Sain Jain, 32/1, Hanuman Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. V. B. Gulati S/o Shri L. R. Gulati, N.J.T., Faridabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 42 kanal 11 marla at Village Sikri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9243 dated 28-3-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. BGR/45/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 17 kanal 16 marlas at Village Sikri situated at Sikri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

- (1) Shri Bimal Prasad Jain S/o Shri Uggar Sain Jain, 32/1, Hanuman Road, New Delhi.

 (Transferce)
- (2) Capt. L. R. Gulati S/o Shri P. C. Gulati, IC/110, N.I.T., Faridabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanal 16 marlas situated at Vill. Sikri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9244 dated 28-3-1980 with the Sub Registrar Ballabgarh,

G. S. GOPAl A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. BGR/46/79-80.-Whereas, I, G. S. GOPALA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land measuring 23 kanal 10 marla situated at Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Ballabgarh in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : 32—386GI/80

(1) Smt. Saila Jain W/o Shri Bimla Prasad Jain, r/o 32/1, Hanuman Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Rani W 'o Shri R. S. Aggarwal, R/o 5/8 A, Ahir Ward, Old Paridabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 23 kanal 10 marlas situated at Village Sikri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9245 dated 28-3-80 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

Scal:

FORM ITNS-

(1) Smt. Sarla Jain W/o Shri Bimla Parsad Jain, R/o 32/1, Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Pushpa Gulati W/o Shri V. B. Gulati, R/o 1C/110, N.I.T., Faridabad.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. BGR/47/79-80.—Whereus, J. G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Land measuring 28 kanal 5 marla situated at Sikrl (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in March 1980

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 28 kanal 5 marla situated at Village Sikri and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9247 dated 28-3-1980 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. BGR/100/80-81.—Whereas, J. G. S. GOPALA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act).

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 kanal 18½ marla situated at Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oflice of the Registering Officer

at Ballabgarh in April 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrl Brljraj Singh S/o Shri Dalip Singh, Ballabgarh Distt. Faridabad.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Lachhman Dass, Suraj Bhan,

Puran Singh S/o Shri Umra, 2. Smt. Maya Devi W/o Shri Sugan Chand,

3. Umrani W/o Shri Anand Parkash, R/o Ballabgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 kanal 181 marla situated at Ballabhgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 635 dated 16-4-1980 with the Sub-Registrar. Ballabhgarh.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 4th December 1980

Ref. No. SRS/4/80-81,—Whereas, I, G. S. GOPALA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable preperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 56 kanal 12 marla situated at Village Khanda Khera

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sirsa in April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kashmir Kaur Alias Lakhbir Kaur S/o Shri Charan Singh S/o Shri Bagga Singh, R/o Villago Khanda Khera Teh. Sirsa.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Davinder Singh S/o Sh. Mohan Singh,
 - (2) Sh. Gurbakhash Singh S/o Mohinder Singh,
 - (3) Smt. Gurmel Kaur,
 - (4) Sh. Sawran Singh S/o Balbir Singh,
 - (5) Shri Gurvinder Singh S/o Shri Balwant Singh, R/o Grewal Colony, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 56 kanal 12 marla with tubewell situated at village Khanda Khera and as more mentioned in the sale deed registered at No. 495 dated 23-4-80 with the Sub Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 4-12-1980

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. III-427/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, M.S. Plot No. 84, 85, Holding No. 134, 146, 175B etc. situated at Bankipur Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Shyamawati Devi W/o Late Bharat Narain Singh, Village Dumri, P.O. Sonepur, Dt. Chapra.

(Transferor)

(2) Shri Mithilesh Kumar Singh S/o Late Ram Ratan Singh in the capacity of Managing Director, Hotel Chanakiya P. Ltd. Registered office Budh Building, Budh Marg, Patna.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10 Dhurs land situated at Bankipur Fraser Road, Patna more fully described in deed No. 1372 dated 12-3-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 8-8-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 8th August 1980

Ref. No. 111-428/Acq/80-81.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Touzi No. 143, Ward No. 2, Circle No. 6, M.S. Plot 84, 85, Holding No. 134, 146, 175B etc. situated at Bankipur Fraser Road, Patna,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dinanath Singh S/o Sri Dev Nandan Singh, At Kavara, P.S. Jagdishpur, Dt. Bhoppur.

(Transferor)

(2) Shri Mithilesh Kumar Singh S/o Late Ram Ratan Singh in the capacity of Managing Director, Hotel Chanakiya P. Ltd. Registered Office Budh Building, Budh Marg, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15 Dhurs (1020 Sq. ft.) land situated at Bankipur Fraser Road, Patna more fully described in deed No. 1893 dated 27-3-1980 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 8-8-1980

FORM ITNS --- ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BIHAR

PATNA-800 001

Patna-800001, the 18th November 1980

Ref. No. III-456/Acg '80-81.---Whereas I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 145, Municipal Holding No. 54 W, ard No. 1 within Anchal Sadar Monghyr, Touzi No. 1333, Khata No. 11 Jamabandi No. 10/70 situated at (Inside) Fort, PS and District Monghyr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Paramhans Satya Nand Saraswati Disciple of Swami Sivanandaji and President of the Bihar School of Yoga of Sivanandaji Ashram, PO, PS & Dist. Monghyr, Bihar.

(Transferors)

(2) S/Shri 1. Nirmal Kumar Jalan 2. Benod Kumar Jalan

3. Sarwan Kumar Jalan
4. Bharat Kumar Jalan,
All sons of Shri Prahlad Rai Jalan (deceased) R/o Mohalla-Chowk Bazar, P.O., PS and Dist, Monghyr.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 1 Katha 17 Dhurs and 9 Dhurkies with building situated inside the Fort, PO, PS & District Monghyr morefully described in Deed No. I-1740 dated 19-3-80 registered with the Registrar of Assurance, Calcutta.

> H NARAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 18-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACOUISITION RANGE.

Patna-800 001, the 20th November 1980

Ref. No. III-457/Acq/80-81.—Whereas I, H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Thana No. 347; Ward No. 26, Touzi No. 5990 etc. situated at Mohalla: Naya Tola, Muzaffarpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 28-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramdeo Rai S/o. Sri Nirsu Rai, Village.--Jabui, P.S. Mahnor, Distt. Vaishali,
- (2) Smt. Madan Manjari Devi, W/o. Sri Ramdas Shukla, presently residing at Moh. Naya Tola, Muzaffarpur Town, Muzaffarpur.

(Transferor)

- (3) Shrimati Madan Manjari Devi, W/o. Sri Ram Das Shukla, Moh. Naya Tola, Muzaffarpur.
 - 2. Sri Ram Das Shukla, Advocate, Naya Tola Muzaffarpur.
 - Sri Jagdish Prasad Singh, Head Clerk, S.R.C. Law College, Muzaffarpur, Presently residing at Moh. Naya Tola, Muzaffarpur.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 katha 2½ dhurs bearing part of miljumla C.S.P. numbers 184, 185, 198, 199, 200 & 201 in Touzi No. 5990, Ward No. 26, Thana No. 347 situated at Naya Tola, Muzaffarpur town, Distt. Muzaffarpur morefully described in deed No. 392 dated 28-3-80 registered with D. S. R., Muzaffarpur.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 20-11-80.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE.

Patna-800 001, the 20th November 1980

Ref. No. III-455/Acq-80-81.—Whereas, I. H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of Holding No. 156 Circle No. 52, Ward No. 15 She tono. 121, Part of M. S. Plot no. 390 situated at Mohalla — Sultanganj, Patna town, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna city on 22-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—
33—386GI/80

 (1) Sint. Savitri Devi W o Sri Bineshwari Prasad Singh Moiwar and (2) Shri Krishna Kumai Moiwar S o Shri Bindeshwari Pd. Singh Moiwar through their attorney Shri Bindeshwari Prasad Singh Moiwar resident of Jodhan Niwas, Sultanganj town Patna, Patna-6

(Transferor)

 (1) Shahida Parwin (2) Kausar Parwin and (3) Nishat Parwin Daughters of Nesar Ahmed Khan, Mohalla Gulab Bagh. Patna-4, Presently residing at Sultangani, Patna town, Patna-6.

(Transferee)

 Navratan General Stores Proprietor Shakir Hussain, Sultangani, Patna town, Patna.

2 B. Sc. Shoe Shop Proprieter Noorjahan Begum, Moballa-Sultangani Patna town Patna

Mohalla-Sultanganj, Patna town, Patna.

3. Cloth Shop, owner Shri M. Habibullah, Mohalla-Sultanganj, Patna town, Patna.

4. Talawala

 Shri Wasim Ansari, Steno, Patna University, resident of Sultanganj, Patna town, Patna.

6 Shahida Parwin, Kausar Parwin and Nisat Parwin Daughters of Nesar Ahmed, Sultangani, Patna town, Patna. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern part of the double storied building constructed on a piece of land measuring 1202 sq. ft. consisting of shems, rooms, staircase etc. on the ground floor and a residential flat on the 1st floor in occupation of different tenants being part of holding No. 156 Circle No. 52 Ward No. 15. Sheet No. 121 bearing M. S. Plot No. 390 area 14M. Decimals and M. Plot No. 391 (Part) area 11 municipal decimals (1202 Sq. ft.) Moh. & P. S. Sultangani, Patna town, Patna-6, morefully described in deed No. 1054 dt. 22-3-80 registered with S. R. Patna. City.

H. NARAIN, Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 20-11-80.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE,

Patna-800 001, the 18th November 1980

Ref., No. 111-454 'Acq/80-81.--Whereas, I,

H. NARAIN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of holding no. 156, Circle No. 52, Ward No. 15, Sheet No. 121, Part of Municipal Plot No. 391, situated at Sultanganj, Patna town, Patna-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna City on 22-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1.Shrimati Savitri Devi w/o Sri Bindeshwari Pd. Singh Moiwar and

Shri Krishna Kumar Moiwar, s. o Shri Bindeshwari Pd. Singh, through their attorney Shri Bindeshwar Pd. Singh Moiwar, r/o Sultangannj, Patna Town, Patna-6.

(Transferee)

(3) 1. Shri Murtaza Hussain, Sultanganj, Patna.
2. Shri A. Rub, Sultanganj, Patna.
3. Smt. Sabra Khanain, W/o Nesar Ahmed, Sultanganj, Patna town, Patna-6.

(Person in occupation of the property) (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern part of double storeyed building constructed on a piece of land measuring 1746 sq. ft. consisting of several residential flats on the ground floor and 2 flats in the first floor under occupation of different tenants except 2 units of 2 rooms each in the ground floor and one flat consisting of 3 rooms on the 1st floor on the southern side one vacant being part of Holding No. 156 Circle No. 52 Ward No. 15 sheet No. 121 part of municipal plot No. 391 measuring about 38 municipal decimals corresponding to an area of 1746 sq. ft. situated in Mohall Sultanganj, Patna town, Patna-6, more fully described in deed No. 1058 dated 22-3-80 registered with S.R. Patna

> H. NARAIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 20-11-80.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. LUDHIANA

Ludhiana, the 25th August 1980

Notice No. 285/80-81.—Whereas, I. R. THOTHATHRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CTS. No. 1439

situated at Kalmath Road, Basavanagalli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under document number 2928 on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramachandra Narayana Kittur, Belgaum.

(Transferor)

(2) Smt Shailaja Ratnakar Shanabhag, R o. Club Road, Plot No. 13 (Vengurla Road) Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2928 Dated 12-3-1980.] Land and building in CST, No. 1439 situated Kalmath Rd. Basayanaga[li, Belgaum.

R. THOTHATIIRI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore.

Date : 25-8-1980.

PORM ITNS - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE. BANGALORE

Bangalore-560001, the 17th November 1980

C. R. No. 62/26521/79-80 Acq. B.---Whereas I, R. THOUHATHRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Old No. 11, and New No. 144,

situated at Bashyam road, cottonnet, Bangalore-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Document No. 4477/79-80 on 24-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri R. Sadananda Rao, S/o Ramachandra Rao, K/o No. 15, S. A. Buildings, Rathnavilas Road, Barayanagudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) 1. M/s. Deccan Glass emporium, No. 241, Chickpet, Bangalore-53.

2. M/s Deccan boards emporium, No. 37, Bamboo bazar, Bangalore-2.

tenresented by their partners as follows,
1. Abdul Husein Dawood bhar,

Esoofally Dawood Bhai,
 Saleh Bahai Dawood Bhai

4. Mohmed Husein Abdul Husein and

Taher Abdul Husein.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4477/79-80 Dated 24-3-80. Southern Portion of the property bearing old No. 11, and New No. 144, Situated at Bashyam road, Cottonpet, Bangalore-2.

Bounded by On North:—Portion of the property allotted to the share of Smt. Anusuya Bai.
On South:—Timber yard and Saw mill
On Fast:—Bashyam garden,

On West: -Bashyam road.

R. THOTHATFIRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisiion Range, Bangalore

Date: 17-11-80.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 13th November 1980

C. R. 62/26582/79-80 Acq. B.—Whereas, 1, R. THOTHATHRI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. 23/24, situated at Laxmi Road Shanthinagar, Bangalore-27.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore,

Doc No. 5261, 79-80 on 24-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following Persons. namely :-

(1) Shr mati K. Malathii, 8/A, Chandrabhag Avenue, Mylapore, Madras-4.

(2) Shri Harish R. Manwani, No. 50/1, Nanjappa Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferce)

· (3) Shrima(i (1) Indu Rajgopal, P.R. O. Bank of India, St. Marks Road, Bangalore (2) Mrs Naik, No. 24, Layni Road, Bangalore-27.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 5261/79-80 Dated 24-3-80) House property bearing No. 23/24, situated at Laxmi Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

Corpn. Division No. 62, Measuring I-toW-50' Ntos 55-82' in total 381 Sq. Meters.
Bounded on: North—by Laxmi Road.

South—by private property

East—by private property West—by private property

R. THOTHATHRI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 13-11-1980.

FORM NO. LT.N S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st October 1980

Ref. No. ASR/80-81 188.--Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

One shop at Katra Ahluwalia, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR A prifate on March 1980

for an apparent consideration which is less than

the far market value of the aforesaid property and I have reasor to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) S/Shri Surinder Mehra, Sudershan Mehra Ss o Puran Chand & Puran Chand Mehra S/o Shri Parma Nand, R/o Rattan Chand Road, Amritsar, (Person in occupation of the property)
- (Transferor) (2) Shrimati Ansula Patel w. o Shri Vipan Bhai Patel. R/o Shaheed Bhagat Singh Road, Amritsar,

(Transferee,

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants M/s. Yash Bhai Patel since 1954, Rs. 150 p.m. since 1974.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 785/2-18 situated at Katra Ahluwalia, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3829 1/dated 27-3-80 of the registering authority, Amritsar,

> ANAND SINGH IT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. 3, Chanderpuri Tylor Road, Annitsar

Date: 21-10-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 22nd October 1980

Rof. No. ASR/80-81-189.—Whereas, I, ANAND SINGIE IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot in Raghunathpura, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on March, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Radhika Bhawan Chawla
 O o Shri Hira Lal Narang,
 R o 81-B Moharaparments Allotment Road through
 Smt. Prabha Devi Hira Lal Narang,
 R/o Bombay c/o Amritsar Ice Factory,
 G.T. Road, Amritsar.

(2) Shri Santokh Singh s o Shri Teja Singh

R/o 85 Golden Ävenue, Amritsar. (Tran ferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 18 Khasra No. 2672/1962/26 (measuring 1400 sq. mtrs.) situated on Mall Road, Amritsar (Raghunathpura) Sant Ram Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3804/I dated 27-3-80 of the registering authority. Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3. Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date : 22-10-1980

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITEAR

Amritsar, the 23rd October 1980

Ref. No. ASR/80-81 190.--Whereas I. ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One budg, in gali Suniaryan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amilisar on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Asha Rani w/o Baldev Raj R/o Katra Charat Singh Gali Jargaran.

(Transferor)

(2) Shri Tarlok Chand s/o Diwan Chand, R/o Chowk Lohgarh, Kucha Athwanmal, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1862/X-7 & 1592/X-7 situated in katra Charat Singh Gali Jargaran. Anuitsar as mentioned in the sale deed No. 37766/II dated 20-3-80 of the registering authority. Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 23-10-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1980

Ref. No ASR/80-81/191.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One property Katra Garbha Singh Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
34—386GI/80

- (1) S'Shri Raj Kumar, Kulwant Kumar, Vijay Kumar, Subash Chander, Kewal Kishan, Ramesh Kumar Ss/o Harichand and Smt. Samittera Devi and Surinder Kumari, etc. etc. R/o Shakti Nagar, Amritsar.
- (2) Shri Arjan Singh s/o Piara Singh R/o Bazar Katra Garbha Singh inside Bazar Jatanwala (House No. 1550-51), Amritar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1550-51 Kucha Samita Kamboj Bazar Jattanwala, Katra Garbha Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3856 dated 31-3-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 1-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/192,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property in Katra Ahluwalia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Lila Wanti wd/o Shri Manohar Lal R/o Maqbul Road, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Baldev Raj Khanna s/o Shri Lachidhar Khanna K/o Bazar Sirkibanda, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, M/s. Rumar Trading Co.

M/s. Sohan Lal Khanna & Sons, M/s. Behari Lal Khanna & Sons.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One ½ property No. 1036/11-13 situated in Katra Ahluwalia, Bazar Ghanta Ghar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3614/1 dated 7-3-80 of the registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 4-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/193.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Property Katra Ahluwalia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely

(1) Smt. Lila Wanti wd/o Manohar Lal R/o Maqbul Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dev Raj Khanna s/o Lachhidhar Khanna, R/o Bazar Sirki Banda, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. 2 above and tenants.
 M/s. Kumar Trading Co.,
 M/s. Sohan Lal Khanna & Sons,
 M/s. Behari Lal Khanna & Sons.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1036/II-13 situated in Katra Ahluwalia Bazar Ghanta Ghar as mentioned in the sale deed No. 3693/I dated 13-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 4-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1980

Ref. No. ASR/80-81/194.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House in Ajit Nagar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in March 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jasbir Kaur w/o Pritam Singh and Jagpreet Singh s/o Pritm Singh Through Sukhwinder Singh s/o Hira Singh R/o Sur Singh Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) S. Makhan Singh s/o Nirmal Singh R/o 168-69-186 Ajit Nagar, Amritşar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in tee property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated in Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3617 dated 7-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 1-11-80

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/195.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Annitsar in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Krishna Dyesetf Corporation, Amritsar (Kashmir Road) Batala Road, Amritsar Through Madan Lal, Vijay Kumar ss/o Jagan Nath & Sheelawati w/o Shri Moti Lal R/o Talab Tunda, Amritsar.

(Transferor)

(1) M/s. Tip Top Drycleaners & Dyers, Katra Sher Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One building khasra No. 982/566 (area 668-8 sq. mtrs.) situated on Batala Road, (Kashmir Road, Amritsar) as mentioned in the sale deed No. 7250 dated 14-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 11-11-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/196.—Whereas, , ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Batala Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amiitsar in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Krishna Dyesetf Corporation, Amritsar (Kashmir Road) Batala Road, Amritsar Through Madan Lal, Vijay kumar ss/o Jagan Nath & Sheelawati w/o Shri Moti Lal R/o Talab Tunda, Amritsar.

(Transferor)

 M/s. Tip Top Drycleaners & Dyers, Katra Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act-shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building khasra No. 982/566 (area 668-8 sq. mtrs.) situated on Batala Road, (Kashmir Road, Amritsar) as mentioned in the sale deed No. 7250 dated 14-3-80 of the registering authority, Amritsar,

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 11-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/197.—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Property at Pathankot, situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Lal s/o Madan Gopal Mahajan r/o Pathankot, Main Bazar.

(Transferor)

(2) Shmt. Sheela Wanti w/o Sh. Om Parkash Mahajan r/o Main Bazar, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated in main buzar, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2849 dated 6-1-80 of the registering authority, Pathankot.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road,
Amritsar

Date: 6-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/198.—Whereas I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property, situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

(1) Shi Manohar Lal s/o Madan Gopal Mahajan r/o Main Bazar, Pathankot, (Transferor)

- (2) Shri Om Parkash s/o Bishamber Dass Mahajan near Dr. C. R. Dass, Main Bazar, Pathankot. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in main bazar Pathankot, as mentioned in the sale deed No. 3008 dated 12-3-1980 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road,
Amritsar

Date: 6-11-80.

akt all—Bec. tj

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 11th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/199,—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,000/- and bearing

No. Property, situated at Joshi Colony,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—35—386GI/80

 Shri Girdhari Lal s/o Shri Banarsi Dass r/o Mall Road Joshi Colony Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Puran Chand s/o Banarsi Dass r/o 70. Joshi Colony, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building No. 70 situated in Joshi coolny Amritsar as mentioned in the deed No. 3707 dated 14-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road,
Amritan

Date: 11-11-1980

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1980

Ref. No. ASR/80-81/200.—Whereas I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property in Guru Nanakwara

(and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurdev Singh s/o Shri Balwant Singh r/o Abadi Guru Nanakwara, Amritsar.

(Transferor)

PART III-SEC. 17

(2) Shmt. Surinder Bains w/o Shri Sukhvinder Singh r/o House No. 1703/24 Guru Nanakwara near Khalsa College, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. 1703/24 situated in Guru Nanakwara near Khalsa College as mentioned in the sale deed No. 3631/I dated 10-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road,
Amritsar

Date: 31-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1980

Ref. No. ASR/80-81/201.--Whereas, I. ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property, situated at East Mohan Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in March 1980,

for an apparent cosideration which is less than the fari market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely ;--

(1) Shrimati Harjit Kaur w/o Rajinder Singh Walia r/o 341, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Rajinder Kaur w/o Surinder Singh r/o Kot Baba Deep Singh Amritsar House No. 341.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. Shri C. L. Sharma.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No 341 situated in East Mohan Nagar Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3598/I dated 5-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road,

Amritear

Date: 31-10-1980

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1980

Ref. No. ASR/80-81/212.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property, situated at East Mohan Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Harjit Kaur w/o Rajinder Singh Walia 1/0 341, East Mohan Nagar, Amritsat.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Singh s/o Buta Singh r/o Kot Baba Deep Singh now r/o 341, East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any. Shri C. L. Sharma.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 341 situated in East Mohan Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3698/I dated 13-3-80 of the registering authority.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 31-10-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/203.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Sultanwind Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) Shri Brii Mohan s/o Jai Kishan Dass self and attorney of Kewal Krishan Hari Kishan & Smt. Dayawanti r/o Katra Dulo, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Gurmukh Singh s/o Gurcharan Singh r/o Kot Ralia Ram Amritsar, House No. 3389. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants if any.

 Kartar Singh, Ram Lubhaya.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of building No. 1199/1201 situated on Sultanwind Road, Abadi Jai Kishanpura, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3595/I dated 5-3-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 6-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/204.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Sultanwind Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Brij Mohan s/o Jai Kishan Dass self and attorney of Kewal Krishan, Hari Kishan and Dayawanti r/o Katra Dulo Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Jeet Singh s/o Thakur Singh r/o House No. 80/ 2 Gali No. 1 Kot Baba Dip Singh, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any Kartar Singh, Ram Lubhaya.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interestd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of house No. 1199 1200, 1201 situated on Sultanwind Road, Abadi Jai Kishan Dass Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3596/I, dated 5-3-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road, Amritsar
Date: 6-11-80
Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/205.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,000/- and bearing

No. Property situated at Sultanwind Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar in March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Brij Mohan s/o Jai Kishandass self and mukhtar khass for Kewal Krishan Hari Krishan and Shmt, Daya Wanti r/o Katra Dulo, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurmukh Singh s/o Gurcharan Singh r/o Kot Ralia Ram, Amritsar.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any Kartar Singh, Ram Lubhaya.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interestd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in house kh. No. 1199 to 1201 min situated in Abadi Kishan Dass Pura Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3626/I, dated 7-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 6-11-80

FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/206.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/- and bearing

No. Property situated at Sultanwind Road

(and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar in March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Brij Mohan S/o Shri Jai Kishan Dass self and mukhtar khass for Kewal Krishan Hari Krishan & Smt. Dayawanti r/o Kir. Dulo Amritsar.

(Transferor)

(2) Shmt. Sawaran Kaur alias Rajinder Kaur d/o Mela Singh r/o Bahadur Nagar, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any Kartar Singh, Ram Lubhaya.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in house No. khasra No. 1199 to 1201 min situated on Sultanwind Road abadi Jai Kishan Dasspura Amritsar as mentioend in the sale deed No. 3627/I, dated 7-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3, Chanderpuri tylor road, Amritsar

Daic: 6-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
Amritsar, the 31st October 1980

Reference No. ASR/80-81/208.—Whereas, I, ANAND INGH IRS

eing the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nd bearing No.

ne property at Hukam Singhrd, Amritsar situated at and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 308), in the office of the Registering Officer i SR Amritsar on March, 1980

n apparent consideration which is less than the fair acket value of the afoersaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as afore-id exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said it, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under o-section (1) of Section 269D of the said Act, to the llowing persons, namely:——386GI/80

 Smt. Kulwant Kaur w/o Chanan Singh through S. Gajan Singh s/o Sh. Sudagar Singh r/o Vill. Pakki Tibi Teh. Muktsar Distt. Faridkot.

(Transferor)

- (2) Sh. Teja Singh s o Bur Singh & Shmt, Kuldip Kaur w/o Sh. Teja Singh 1/o Vill. Suffian Teh. Ajnala Distt. Amritsar. Now 26-A Hukam Singh Rond, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants(s) if any.
 - (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigntd knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 26-A. (1/2 share) situated in Hukam Singh Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3599/I dated 6-3-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 31-10-80

FORM 1TNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1980

Ref. No. AR/80-81/209.—Whereas, I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and btaring

Plot No. 108 Daya Nand Nagar Amritsar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Amrik Singh, Raghbir Singh, Sudershan Singh ss/o Bhula Singh, Lachmi wd/o Sunder Singh, Kamla Devi wd/o Phula Singh, Pushpa Devi Urmala Devi, Nirmala Devi ds/o Phula Singh r/o Daya Nand Nagar Amritsar Gali No. 2.

(Transferor)

- (2) Sh. Inderjit Sharma r/o Daya Nand Nagar, Amritsar.
- (3) As at Sr No. 2 above and tenants(s) if any.
- (Person in occupation of the property)

(Person whom tht undtrsikned knows to be interested is the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land khasra No. 108 situated in Daya Nand Nagar, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 3749/1 deted 19-3-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 12-11-80

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/210.—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land in Bath situated at......

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarm Taran on March, 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hie acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act, to the following persons, namely:—

 Shi Buta Singh s/o Gujar Singh r/o Bath Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

(2) Sh. Tara Singh, Massa Singh ss/o Ujagar Singh r/o Village Bath, Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION?—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 20 kanals 16 marlas situated in village Bath Teh. Taran Taran as mentioned in the sale deed No. 7164 dated 25-3-80 of the registering authority Taran.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road Amritsar

Date: 12-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/211.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land in Vill, Bath

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at SR. Taran Taran on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Buta Singh so Gujjar Singh r/o Villege Bath Teh, Tarn Taran.

(Transforer)

(2) Sh. Tara Singh, Massa Singh ss/o Ujagar Singh r/c Village Bath, Teh Tarn Taran.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 47K 12 Marla situated in village Bati Teh. Tarn Taran, as mentioned in the sale deed No. 707. dated 20-3-80 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH IRS
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsan

Date: 12-11-80

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/212,—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agr. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Tarn Taran on March, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and ${\bf I}$

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Gujjar Singh, Fauja Singh, R/o Bhail Dhaiwala Teh. Tarn Tarun. (Transferor)
- (2) Major Singh s/o Surain Singh R/o Village Bhail Dhaiwala, Teh. Tarn Taran. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenank(s) if any.
 (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 75 K 6 M situated in village Bhai Dhaiwala Teh. Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 6956 of March, 1980 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 28-10-80

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1980

Rcf. No. ASR/80-81/213.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property Rani Ka Bagh situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsat on March, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gurmit Kaur w/o Mukhtar Singh Gill, Additional Session Judge, Barnala.

(Transferor)

(2) Smt. Kashmir Kaur w/o Gurmej Singh R/o Awan Teh. Ajnala. Distt, Amritsar. Now 485-B, Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any, (Person in occupation of the Property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3 share in Kothi No. 485 situated in Rani Ka Bagh. Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3779/I dated 22-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH 1RS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 12-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1980

Ref. No. ASR/80-81/214.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at G. T. Road, Batala)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Batala on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Mohinder Pal s/o Dhunda Mal Mahajan R/o Cinema Road, Batala.

(Transferor)

- (2) Smt. Parkashwati w/o Krishan Lal R/o Cinema Road, Batala. Through Krishan Lal husband (1/4th share of double storey).
 (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One-fourth share of double storcy building at G.T. Road, Batala as mentioned in the sale deed No. 8033, dated 20-3-80 of the registering authority, Batala.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 31-10-80

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st October 1980

Ref. No. ASR/80-81/215.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One property situated at G. T. Road, Batala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Batala on March, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as faoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Inderjit s/o Dhunda Mal, R/o Cinema Road, Batala.

(Transferor)

(2) Smt. Sarla Devi w/o Harbans Lal R/o Cinema Road, Batala. Through Harbans Lal (1/4th share of Double storeyed bldg. at Batala).

(Transferee

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. New Bank of India Ground Flour and Manager, New Bank of India Upper Floor.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any other.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the that Chapter.

THE SCHEDULE

One-fourth share of double storey bldg, situated at G.T. Road. Batala as mentioned in the sale deed No. 8003, dated 19-3 80 of the registering authority Batala.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 31-10-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/216.—Whereas, I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Ajuala on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37-386GI/80

(1) S. Dalip Singh s/o Lal Singh R/o Village Bagga Teh. Ajnala.

(Transferor)

(2) S/Shri Prithvi Pal Singh, Dilbag Singh Ss/o Charan Singh 1/3, Sukhjinder Singh, Harwinder Singh, Angrej Singh Ss/o Buta Singh, 1/3, Nirmal Singh, Bhupinder Singh Ss/o Atma Singh 1/6, Malqit Singh, 1/6 R/o Village Bagha Tech. Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other.

(Person(s) whom the undersigned knows to be to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 89K 4M situated in village Bagga Teh. Ajnala as mentioned in the sale deed No. 5013 dated 11-3-80 of the Registering authority Ajnala.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 12-11-1980

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1980

Ref. No. ASR/80-81/217.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One bldg, situated in Nimak Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Goverdhan Dass s/o Shri Harbans Lal self & Mukhtar aam Harbans Singh s/o Shri Balmukand & Nand Kishore, Parshotam Lal s/o Shri Harbans Lal & Rajan Ahujn s/o Shri Madan Lal & Attar Kaur wd/o Shri Dun Chand & Raj Wadhwa s/o Shri Madan Lal & Rasmi d/o Madan Lal & Kalishwati wd/o Madan Lal, R/o 12 Cannaught Place, Dehradun.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Dhawan w/o Bhajan Lal R/o House No. 1290/8-13 Nimak Mandi, Gali Madarian, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person(s) in occupation of the Property)
- (4) Any other.

 (Person(s) whom the undersigned knows to be to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1518/8-13 & No. 1290/8-13 MCA Amritsar situated in Nimak Mandi, Gali Madarian, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3667/dated 12-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 1-11-1980

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 4th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/218.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One plot Putlighar, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, on March, 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Gurdwara Chauni Nihangan Bagutha Gurnama Singh under management S.G.P.C., Amritsar.
- (2) S/Shri Surjit Singh, Gurbachan Singh, Mohan Singh ss/o Shri Darbara Singh, r/o Plot No. 285, Khoo Nihangan, Putlighar, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One plot of land No. 285, situated in Khu Nihangan Pullighar, Amritsar as mentioned in the sade deed No. 3863 dated 12.3.80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 4th November, 1980

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 30th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/219.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property in Ktr. Dal Singh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar, on March 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shei Kanaya Lal s/o Sh. Faquir Chand, Katra Dal Singh, H. No. 1757/VI-9MCA & 2048/VI-9, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh s/o Sohan Singh, Jaswant Singh s/o Kartar Singh r/o H. No. 2048/VI-9, Kt. Dal Singh, Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 21 storey building No. 1672/1645 situated in Katra Dal Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3656 dated 10-3-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 30-10-80.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR,

Amritsar, the 31st October 1980

Rcf. No. ASR/80-81/220.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land, situated at Rani Kn Bagh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

- (1) Smt. Sudha Rani w/o Muni Lal r/o 16 Lawrence Road, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gurinder Pal Singh s/o Partap Singh r/o Village Bhadamia, P.O. Shallan, Distt. Gurdaspur.

(Transferce)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land khasia No. 3053/683-84 situated at Rani Ka Bagh as mentioned in the sale deed No. 3590/I dated 5.3.80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 31.10.80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/221.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land in villake Manakpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Tarn Taran on March, 1980,

at SR Tarn Taran on March, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mango d/o Balwant Singh Vill. Sarai Amant Khan, Teh. Tarn Taran.
 - (Transferor)
- (2) Shri Dalwinder Singh, Gurdev Singh Harpal Singh ss/o Naranjan Singh Vill. Manakpur, Teh. Taran Taran. (Transferce)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

1/2 share agil. Jand measuring 73k 1½ marla situated in village Manakpur, Teh. Tarn Taran as mentioned in the sale deed No. 1432 dated 10.3.80 of the registering authority, Tarn Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 6-11-80.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 6th November 1980

¹ Ref. No. ASR/80-81/222.—Whereas, 1, ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One plot of land at Race course Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ASR, on March 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Madan Mohan Aggarwal, S/o Shri Het Ram Aggarwal, r/o Chhehrata, Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Bhajan Lal Khurana s/o Shri Ram Dass 1/0 Bazar Narsingh Dass, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land situated at Race Course Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3857 dated 31.3.80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 6-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/223.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property at Gurdaspur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Gurdaspur, on March 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sarno Nand Chela Rama Nand. Vill. Lelan Gujr P.O. Sarna Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur. (Transferor)
- (2) Shri Nanak Chand s/o Sohan Lal, r/o Sccretary Mohalla, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house situated in secretary mohalla, Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 7648 dated 11.3.80 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 6-11-80.

Sen1

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAY, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Annitsar, the 6th November 1980

Ref. No. Δ SR 80-81/224.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- nd bearing No. Agel, land in Vill, Chahal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Tarn Taran on March, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

38—386 GI/80

 Shi Dewa Singh s/o Bhagat Singh r/o Chaahal, Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

- (2) Shri Baj Singh Balkar Mukhtar Singh Resham Singh ss/o Narain Singh r/o Gehri. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agl. land measuring 50K 13M situated in village Chahal as mentioned in the sale deed No. 1421 dated 6.3.80 of the registered authority Tarn Taran.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 6-11-80.

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR,

Amritsar, the 6th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/225.—Whereas, I, ANAND SINGII IRS.

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 196 (nereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One house in Bhiwani Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar, on March, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

 Smt. Mahan Kaur w/o Karam Singh r/o Majitha Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Deva Singh s/o Jawala Singh r/o Tipala Tch. Ajnala.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 28, situated in Bhiwani Nagar, Majitha Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 7644 dated 28-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 6-11-80.

FORM NO. J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

AMRITSAR

Amritsar, the 29th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/226.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2,5000/-, and bearing

One plot in Abadi Gokal Ka Bagh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

SR Amritsar on March, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jagtar Kaur w/o S. Jagat Singh r/o Gate Hakiman Gati Malka Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Sukhdev Raj Bhandari s/o Shri Baldev Raj Bhandari r/o Attari, Teh. & Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 46 situated in Abadi Coka Ka Bagh, Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3741 dated 19.3.80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGII, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 29.10.80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st November 1980

Ref. No. ASR/80-81/227.—Whereas, I, ANAND SINGII IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property in Ktr. Sher Singh,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on March, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shi Jaswant Rai s/o Sh. Piara Singh r/o 220-Greter Kailash Delhi-E, New Delhi now Amritsar & Shi Surinder Mohan, Chauder Mohan ss/o Sh. Piara Singh Vimal Rai w/o Balwant Rai, Veena Sharma d/o Sh. Balwant Rai & Anil Rai s/o Balwant Rai r/o B-220 Greater Kailash No. 2, New Delhi,
 - (Transferor)
- (2) Shri Kalash Chand s/o Sh. Husnak Rai & Pindi Datt s/o Shri Khushi Ram r o Ktr. Sher Singh chowk Regent talkies, Amritsar.

(Transferce)

- (3) 245 at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 2382, 12 situated in Ktr. Sher Singh near Regent cinema Chowk, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3816 dated 27.3.80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 1.11.80,

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 4th November 1980

Ret. No. ASK 80-81/228.—Wherens, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot in Abadi Atma Ram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

SR, Amritson on March, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sari Sahibjit Slagh s/o S. Rawal Singh r/o 502, Fast Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Tara Singh s/o Tek Singh & Chanan Kaur w/o S. Tara Singh r/o Village Tnatha Teh.il Tara Taran Dist. Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(s) if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 84-85 situated in Abadi Atma Ram, Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3663 dated 12.3 80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGII, IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 4-10 80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th October 1980

Ref. No. ASR/80-81/229.—Whereas, I. ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

One plot in Ajit Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on March, 80,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Surat Singh Kulwant Singh Kartar Singh Bal-winder Singh s/o Jagdev Singh r/o Rataul Teh. Taran Taran, Distt, Amri/sar.

(Transferor)

- (2) Smt. Sarojini w/o Sh. Santokh Singh r/o 20 Ajit Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenants(5) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot No. 50 khasra No. 2379/11843 situated in Ajit Nagar urban (area 208 sq. mtrs) as mentioned in the sale deed No. 3840/I dated 28.3.80 of the registering authority, Amritsor.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar.

Date: 29.10.80.

FORM I.T.N.S.--

NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th November 1980

Ref No. ASR/80-81/230.—Whereas, I, ANAND SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

One property in Chowk, situated at Lachhmansar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Wadhia Ram Aggarwal s/o Sh. Anant Ram r/o Bazar 1 achhmansar, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Balbir Singh s/o Kartar Singh r/oTaran Taran Road, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant (s) if any Rama Medical Store since 1967.

 (Person in occupation of the (property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property No. 794/V-7&710/V-7, MCA situated in Kt. Ram Goridie, Bazar Lachhmansar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3619 dated 7-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, chanderpuri tylor road, Amritsar.

Date: 6-11-1980

7k......

TORM TINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai the 12th November 1980

Ref. No. ASR/80 81 231.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop in Bajar Majith Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at SR Amritsar,

in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabting of the transferor to pay tax under the said Acc., respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kishan Chand s/o Sh. Shain Dass now Vikas Building Vilay Parley Bombay through Sn. Faqur Chand s/o Shain Dass r/o Bazar Gandawala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Romesh Kumar, Chander Parkash Ss/o Lal Chand r/o Exchange Road, Srinogar,

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenent (s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop No. 547/6-3 situated in Majith Mandi, as mentioned in the sale deed No. 3815/I dated 26-3-80 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income Text
Acquisition Range, Amritsar
3, chanderpuri tylor road, Amritsar.

Date: 12-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 6th November 1980

Ref No. ASR/80-81/232 .-- Whereas, I, ANAND SINGH JRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing No.

Shops on Dalhousi Rd. Pathankot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SR Pathankot.

on 19th March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons. namely :---

(1) M/s. Jibilce High ways Transport Company, Dalhousie Road, Pathankot through Kewal Krishan Managing Director.

(Transferor)

(2) M/s. United Financiers (P) Ltd. Dhillon Building G. T. Road, near Bus Stand, Jullundur city.

(Transferec)

(3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant (s) if any Yash Pal (Motor parts), Sh. Sardul Singh (Elec. Motor repair).

(Person in occupation of the (property)

(4) 3. Sh. Manohar Lal Mahajan, Bhupinder Singh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated (shops) on Dalhousie Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2946 dated 6-3-80 of the register authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Amritsar 3, chanderpuri tylor road. Amritsar.

Date . 6-11-1980

Seal:

39-386 GI/80

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 12th November 1980

Ref. No. ASR 80-81/233.—Whereas, I, ANAND SINGH JRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AGRL, Land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Anjala

on 19th March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Pritam Kaur d/o Beli Singh 1/0 Machhiwala Tehsil. Anjala, Distt, Amritsa.

(Transferor's)

(2) S/Shri Mukhan Singh Baldevi Singh Kulwant Singh ss/o Balwant Singh 1/2 Manohar Singh Swinder Singh s/o Chanan Singh 1/2 r/o village Machhiwala Teh. Anjala Distt, Amritsar.

(Transfereo's)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant (s) if any (Person in occupation of the (property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 58K 1M situated in village Mangunaru Teh. Ajnala as mentioned in the sale deed No. 5156 dates 20-3-80 of the registering authority.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar
3, chanderpuri tylor road, Amritsar

Date: 12-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 13th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/235.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agrl. land in Vill. Chamiari situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

at SR Ajnala,

in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ayudhia Kumar s/o Mulakh Raj r/o Chamyari Teh. Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Kumari d/o Sh. Chanda Ram (Retd. Headmaster) r/o Village Kamalpura Via Chamyari Teh. Ajnala Distt. Amritsar.

(Transferee

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 60 K 16 M situated in village Champari Teh. Anjala, as mentioned in the sale deed No. 4978 dated 7-3-80 of the registering authority, Ajnala.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar
3, chanderpuri tylor 10ad, Amritsar.

Date: 13-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 12th November 1980

Ref. No. ASR&80-81/234.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at SR Ajnala,

on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)Smt. Hans Kaur w/o Ajit Singh r/o Saldupura Tehsil Ajnala Distt, Amritsar.

(Transferor)

 Shri Jasbir Singh s/o Ajmer Singh r/o Saidupura, Teh. Ajnala, Distt. Amritsar.

(Transferce)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the (property)
- (4) Any other (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land measuring 39K 16M situated in village Saidupura, Teh. Ajnala, as mentioned in the sale deed No. 5029 dated 12-3-80 of the registering authority, Ajnala.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar
3, chanderpuri tylor read, Amritsar.

Date: 12-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 12th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/236.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number

Agricultural Land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offiffice of the Registering Officer at

SR. Ajnala on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Parshotam Singh s/o Surat Singh, r/o Village Kotla Dum, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Dilbagh Singh, Hardev Singh, ss/o Gurnam Singh, r/o Village Kotla Dum, Tehsil Ajnala, Distt. Amritsar.

(Tranferee)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62K 14M, situated in Kotla Dum as mentioned in the sale deed No. 5030 dated 12-3-1980 of the Registering Authority, Ajnala.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 12-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1980

Ref. No. ASR/80-81/207.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House in Ajit Nagar,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Amritsar on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Jasbir Kaur w/o Pritam Singh, & Jasprit Singh s/o Pritam Singh, through mukhtar aam Sukhwinder Singh, s/o Hira Singh, r/o Sur Singh, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Ranjit Singh s/o Bhagwan Dass, Rughbir Singh s/o Ranjit Singh, r/o 169-186 Ajit Nagar, Amritsar.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
- [Person in occupation of the property] (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 168-169-186, situated in Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3733/I dated 17-3-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Roud. Amritsar

Date: 1-11-1980

FORM 1/1 M.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/237.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Patti on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Angrej Singh s/o Hari Singh, r/o Vill. Sabra, Teh. Patti.

(Transferor)

(2) Sh. Jagir Singh, s'o Kehar Singh, r/o Vill. Sabra, Teh. Patti.

(Tranferce)

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any,

 |Person in occupation of the propertyl
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 47 K 1 Mbarani, situated in village Sabra. Tch. Patti as mentioned in the sale deed No. 4160/I/1000 dated 18-3-1980 of the Registering Authority, Patti.

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3. Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 15-11-1980

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/238.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land, situated at

(and more fully described in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any izcome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sudha Rani w/o Sh. Muni Lul, r/o 16 Lawrance Road, Amritsar.

(Transferor)

PART III—SEC. 1

 Sh. Navtej Singh s/o Harcharan Singh, r/o Village Dherle, Ludhiana.

(Tranferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]
 -) Any other

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 35 measuring 172½ sq. mtrs, situated in Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3461/I dated 10-3-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 15-11-1980

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/239.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offliffice of the Registering Offictr at

SR Patti on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
40—386GI/80

(1) Shri Balbir Singh s/o Kehar Singh r/o Village Sabhra, Teh. Patti.

(Transferor)

- (2) Sh. Pargat Singh s/o Udham Singh, r/o Village Sabhra, Teh, Patti.
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42 K 15 M, barani, situated in village Sabhra, Teh. Patti, as mentioned in the sale deed No. 4159/I/1000 dated 18-3-80 of the Registering Authority, Patti.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Seal:

Date: 15-11-1980

(1) Sh. Karam Singh s/o S. Sunder Singh, Chawal Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Assa Ram Uiagar Singh, r/o Chowk Moni,

(Tranferce)

Amritsar.

[Person in occupation of the property] (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 587/V-4 & Shops No. 648-649/V-4, situated in Chowk Moni, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3827/I dated 27-3-80 of the Registering Authority, Amritsar.

> ANAND SINGH, IRS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 3. Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 15-11-1980

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/241.-Whereas, J. ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One property Chowk Moni ASR,

SR Amritsar on March 1980

situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any іпооте or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

_

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/241,---Whereas I, ANAND SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land,

situated at

Sultanwind Road, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

SR Amritsar on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have raeson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shrimati Amarjit Kaur w/o
 Prithipal Singh,
 r/o Khabe Raiputan,
 Teh. & Dist. Amritsar.

(Transferor)

S. Sardul Singh, s/o
 S. Pritam Singh,
 r/o Sultanwind Road, Amritsar
 now Village Lahuke, Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 412 sq. mtrs. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3805/I, dated 27-3-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3. Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 15-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/242.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS. being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing One property at Batala Road,

situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Amritsar on March 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Yaswant Rai Parmar s/o Lala Udho Ram Parmar, r/o 18/19 Cannaught Circut, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Jit Kishore Seth s/o Dhani Ram Seth, r/o Beri Gate, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. IE 8/R/Amritsar Khasara No. 2298/1993/678/I khata Khatauni No. 8/10, situated on Batalaa Road (Tung Pai area) as mentioned in the sale deed No. 7593 dated 27-3-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 15-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th November 1980

Ref. No. ASR/80-81/243.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property, situated at Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Gurdaspur in March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sarna Nand Chela Ram Nand, r/o Vill. Amajugran, P.O. Sarna, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Kumar s/o Nanak Chand, r/o Mohalla Secretary, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property, situated in Mohalla Berian Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 7662/dated 12-3-80 of the Registering Auhority, Gurdaspur

ANAND SINGH IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 20-11-1980

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 26D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 1st November 1980

Ref. No. ASR/80-81/207.—Whereas I, ANAND SINGH, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House, situated at Ajit Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Amritsar on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Processid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jasbir Kaur w/o Pritam Singh & Jasprit Singh s/o Pritam Singh, through mukhtar aam Sukhwinder Singh, s/o Hira Singh, r/o Sur Singh, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Ranjit Singh s/o Bhagwan Dass, Raghbir Singh s/o Ranjit Singh, r/o 169-186 Ajit Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above leaf and tenant(s) if any.

 [Person in occupation of the property]
- (4) Any other.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 168-169-186, situated in Ajit Nagar, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 3733/I dated 17-3-80 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
3, Chanderpuri Tylor Road, Amritsar

Date: 1-11-1980

Seal

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
PUNE

Pune, the 27th November 1980

Ref. No. CA5/SR Karvir/July 80/494/80-81.—Whereas, I. A. C. CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

C.S. No. 416 A. Ward-B.

situated at Karvir, Distt. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Karvir on July. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vishvambhar Harihar Pandit Alias Pandit Maharaj, and
 - Shri Ramchandra Harihar Pandit, Alias Ram Maharaj, 93/3 Erandavana, Pune-4.

(Transferor)

- Shri Manikehand Babhutmal Oswal.
 Kolhapur.
 - 2. Shri Prakash Babhutmal Oswal, 526 C, Kolhapur.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Vishvambhar Harihar Pandit, 3/4 Hissa,
 - Shri Ramchandra Harihar Pandit. 1/4 Hissa.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in the jurisdiction of S.R. Karvir, C.S. No. 416-A, Ward-B, admn. 258.6 sq. mts., Dist. Kolhapur.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 2261, dt. July, 1980 in the office of the Sub-Registerar, Karvir).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 27-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th November 1980

Ref. No. CA5/SR Karvir/July '80/493/80-81.—Whereas, I, A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 416 A. Ward-B.

situated at Karvir, Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Karvir on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Vishvambhar Harihar Pandit Alias Pandit Maharaj, and
 - Shri Ramchandra Harihar Pandit, Alias Ram Maharaj,
 93/3 Erandavana, Pune-4,

(Transferor

(2) 1. Sou. Popatbai Chenmal Oswal,
2. Shri Pratapchand Sakhalchand Oswal,
206 C, Bhende Galli, Kolhapur.

(Transferee

- (3) 1. Shri Vishvambhar Harihar Pandit, 3/4 Hissa.
 - 2. Shri Ramchandra Harihar Pandit,

1/4 Hissa.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in the jurisdiction of S.R. Karvir, C.S. No. 416 A. Ward B. Admn. 277.8 sq. mts. Dist. Kolhapur,

(Property as described in the sale-deed registered unde documents No. 2260 dt. July, 1980 in the office of the Sub Registrar, Karvir).

A. C. CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poon

Date: 27-11-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th November 1980

Ref. No. CA5/SR Kalvan/July '80/487/80-81.—Whereas. I, Shri A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 70/1, H.No. 4 situated at part of Village Gajabandhan Patherli

No. House situated at Sagar,

(and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Kalyan on 17-7-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---41-386GI/80

(1) 1. Shamji Hansraj Patel,

2. Laddhabhai H. Patel,

Kantilal Devraj Patel,
 Vjagarsingh Bhagwansing,
 All at Valji Chivaji Wadi, 14, Hiramani Kunj,
 Agra Road, Ghatkopar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Ganesh Smriti Co-op. Housing Society Ltd., Shri Ganesh Mandir Road, Dombivli (East), Dist. Thane.

(Transferee)

(3) Members of Shri Ganesh Smriti Co-op. Housing Society Ltd., Ganesh Mandir Road, Dombivali (East), Dist. Thane. (Name & addresses of Members as per Annexure attached). (person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land admeasuring 1124 sq. yds. i.e. 939.66 sq. meters of Survey No. 70/1, Hissa No. 4 part of Village Gajabandhan Patherli together with the building standing thereon in Dist. There thereon in Dist. Thane.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 309 dt. 17-7-1980 in the office of the Sub-Registrar Kalyan, Dist. Thane.)

A. C. CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 28-11-1980.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Lingala Sushila Devi, W/o Lingala Anna Reddy Narayanpuram, village Janagon Taluk, Warangal dt. (Transferor)

(2) Sri J. Venkateshwar Reddy, S/o J. Jagannath Reddy 6-3-550/2, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 21st October 1980

Ref. No. RAC 285/80-81.—Whereas J, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12 & 13 situated at Somajiguda, Hyderabad

(and mroe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on April 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 464 sq. yards comprising of plots No. 12 & 13 at Somajiguda, Hyderabad registered vide Document No: 3884/80 with Sub-Registrar, Hyderabad.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 21-10-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1980

Ref. No. RAC 286/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/R16&R17 situated at Tilak road Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1980.

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration (and more fully described in the Schedule annexed hereto), truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Srl Krishna Construction Company 5-8-612
 Abid Road, Hyderabad,
 Managing partner Srl Kailash Charan S/o Srl
 Mahavir Prasad R/o 8-2-626/6 Road No 1
 Banjara Hills, Hyderabad 2. Srl Raj Kumar S/o
 Kedarnath 3-2-350 chappal Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shanta Bailur W/o Sri Shantaram Narayan Bailur R/o 4-1-938/R16 & R17 (6th Floor) Tilak Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall having builtup area of 775.51 sq. ft permises No. 4-1-938/R16 & R 17 on the 6th floor situated at Tilak Road, Hyderabad Registered vide Document No: 1945/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 31-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 31st October 1980

Ref. No. RAC No. 287/80-81,—Whereas I, S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-938/22/29 situated at Tilak Road Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly started in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- (1) M/s Sri Krishna Construction Company 5-8-612
 Abid Road, Hyderabad. (1) Managing partner Sri
 Kailash Charan S/o Sri Mahavir Prasad 8-2-626/6
 Road No. 1 Banjara Hills, Hyderabad (2) Sri RajKumar S/o Kedarnath R/o 3-2-350 chappal
 Bazar, Hyderabad.

 (Transferor)
- (2) Sri Ahmed Iftaquaruddin Arshad 848 'B' class Mallepally Hyderabad.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hall having plinth area 1569.67 sq. ft premises No. 4-1-938/22/29 on 7th floor Tilak Road, Hyderabad registered vide Document No. 3737 with sub-Registrar Hyderabad (March 1980).

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 3-10-1980.

(1) Smt. Karcemunnisa Begum W/o Mir Imdad Ali Khan 5-8-313 Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Dr. Wajidunnisa Begum (Alias Haseen Pasha) D/o Late Mir Imdad Alikhan 8-2-674/2/2, 13th Banjara Hills Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 3rd November 1980

Ref. No. 288/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-314/and sub numbers situated at Troopbazar Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied Building No. 4-1-314, 4-1-314/1, 4-1-314/2, 4-1-314/3 and 4-1-314/A Troop bazar, Hyderabad registered vide Document No. 2255/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 3-11-1980.

(1) Smt. P. Balamma & others W/o Late Rajalingam 15-5-795 Akbar Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. G. Sakkubai W/o G. Anjaiah 4-8-568 Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th November 1980

Ref. No. RAC No. 289/80-81.—Whereas I. S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-1-11/8/5&6 situated at Tilak Road, Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-1-11/B/5 & 6 Tilak Road, Hyderabad total extent 289 sq. yards or 241.61 sq. mts registered with Sub-Registrar Hyderabad vide document No. 2076/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC 290/80-81.—Whereas, I. S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Open land Sy. No. 129 Yousufguda situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. P. Kamala Devi G.P.A. Sri P. Ramachandra Rao 12-2-725/23 P&T Colony Hyderabad. (Transferor)
- (2) M/s The Serwell Co-operative Housing Society Ltd. Reg. No. TAB 59, P&T Colony Rethi Bowli, Hyderabad-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land equivalent to 1422 sq. yards bearing Survey No. 129 at Yousufguda, Hyderabad registered vide document No. 2732/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 5th November 1980

Ref No. RAC No. 291/80-81 Whereas, f S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

5-9-22/42 situated at Adarshnagar, Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. G. Nirada Rao W/o Lt. Col. G.M. Rao 8-2-617/A/4 Road No. 11, Banjara Hills, Hyderabad (G. P. A. Shri V. Rajeswara Rao S/o Late Veera Raghavarao R/o 617/A/4 Road No. 11 Banjara Hills, Hyderabad)

(Transferor)

(2) Shri Rajgopal Tapadia S/o Shri Brijlal Tapadia H. No. 1-7-1072/A Musheerabad, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that part & parcel of the property under flat No. 12 inleuding garage which is a portion of Municipal No., 5-9-22/42 built up area 990 sq. ft. ar 91-95 sq. mts. (Ground floor) situated at Adarshanagar Hyderabad, registered vide document No. 3700/80 with Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date:5-11-80

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD

Hyderabad the 7th November 1980

Ref. No. RAC No. 302/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 103 situated at Saidabad Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per deed registered

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Azampura, Hyd. March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—386GI/80

(1) Smt. V. L. Jagadiswari S/o Sri V. B. Sastry No. 543 Annanagar, Madras.

(Transferees)

(2) 1. Sri Kukkadam Sreenivas 2. Sri Kukkadam Pandurangam 3. Sri Kukkadam Venkatagiri all S/o Sri Rajaiah R/o Dadupalli Ibrahimpatnam taluk Rangareddy district.

(Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 103 in vinayangar co-operative Housing Society Colony Saidabad, Hyderabad area 671 sq. yards registered vide Document No. 534/80 with Sub-Registrar Azampura, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Dated: 7-11-1980

I-ORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC No. 303/80-81. -Whereas. I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing land Sy. No. 56/1 situated at Mansurabad Hayathaagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Shaik Imam & other S/o Moinuddin 16-8-244 Malakpet, Hyderabad-500036.

(Transferor)

(2) Sri V. Satyanarayana Reddy & 5 others S/o V. Durgareddy Miryalguda, Nalgonda District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 27 acres in Survey No. 56/1 Mansurabad village, Hayathnagar taluk Rangareddy district registered vide document No. 2733/80 with Sub-registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-11-80

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Rei. No. RAC No. 304/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat B3 Hnd floor situated at Dillu Apts. Begumpet, Sec' bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Dillu Apartments 4-1-877 Tilak Road, Hyderabad By Managing partner Mrs Dilwar Banu 8-2-542/4 Road No. 7 Banjarahills Hyderabad.
- (2) Shri Mohammed Waliallah S/o Mohd Amanullah 12-2-837/3 Asifnagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat B3 on the Second floor in Dillu apartments Begumpet Secunderabad area 1000 Sq. ft. registered vide document No. 3437 with sub-registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC No. 305/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Sy. No. 21/1, 2 & 22 situated at Begumpet Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Jairam Sunder & Co. 124 M. G. Road, Secunderabad Represented by Sri Jairam S/o Moolchand salwari & other partners.

(Transferor)

(2) M/s Gulab Kishin Enterprises Bombay Represented by its karta Sri Gulab S/o Sri Kishanchand Jeswani 65-67 Old Hanuman Lane Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 546.34 sq. yards at Begumpet Secunderabad Survey No. 21/1, 21/2 and 22 registered vide document No. 709/80 with Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-11-80.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC No. 306/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. 238/1 situated at Jeedimetla village R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said .Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri K. Venkateswara Rao S/o Ballaiah Kanumuru village Pamarru Taluk Krishna District. (Transferor)

(2) M/s Bhagya Lakshmi Co-operative Housing Society H-No. 1-1-192/2 chikadpally Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interessed in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 238/1 at Jeedimetla village Medchal taluk Rangareddy District registered with Sub-Registrar Hyderabad vide document No. 2221/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-11-80.

FORM ITNS----

(1) Smt. Leelabai Koratkar W/o Late Sri Vithal Rao 5-4-446 Nampally Station Road, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. B. Jyothi W/o Sri Ramdurai Marian 1-10-196/7 Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, **HYDERABAD**

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC No. 307/80-81,-Whereas, I. S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovhaving a fair market value exceeding able property Rs. 25,000/- and bearing No.

1-10-196/7 situated at Begumpet Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on March 80

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

whichever period expires later;

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1-10-196/7 Begumpet Secunderabad built up area 800 sq. ft. total area of land 550 sq. yards registered with sub-registrar Hyderabad vide document No. 2722/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-11-80.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC No. 308/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

open land situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. A. Ramachandra Reddy 2. Sri Vishnukumar Reddy 3. Sri Vijayakumar Reddy Laxminivas Begumpet Hyderabad.

(Transferon)

(2) M/s Dhana Lakshmi Co-operative Housing Society Shop No. 16 Indoor Stadium Fathemaidan Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land with building and out houses at Begumpet Hyderabad area 9847 sq. mets. registered with sub-registrar Hyderabad vide document No. 2704/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 10th November 1980

Ref. No. RAC No. 309/80-81.—Whereus, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1-10-74 situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any money sor other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Smt. Velamati Radha Rukmini Sowbhagyavathi W/o Sri Velamati Ramesh Chendra Chowdary Balusupadu, village Jaggayyapet Taluk Krishna District A.P. Now residing at 8-3-898/16/2 Nagarjuna nagar colony Hyderabad.

(Transferor)

[PART III-SEC. 1

(2) 1. Smt. Prabha D. Shah W/o Damodardas Shah 2. Rajesh D. Shah S/o Damodar Das Shah 3. Sanjay D. Shah S/o Damodar Das Shah (Guardiaa and natural father Sri Damodardas D. Shah) 3-5-1093/ 20 Sri Venkateswara Colony Narayan Guda, Hyderabad-500029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land with portion of building ground first and Second floor admensuring 609 sq. yards No. 1-10-74 Begumpet Secunderabad registered with sub-registrar Hyderabad vide Document No. 2723/80.

S. GOVINDARAJAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 10-11-80.

(1) 1. Sri J. Garigasetty S/o Guruvaiah Setty 2. Sri Prabhakar Setty and another, Sri Kalahasti. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rangaiah Chetty alias Lakshminarayana Setty S/o Mrs. Ramalakshmi Srikalahasti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 12th November 1980

Ref. No. RAC 310/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-80 situated at Nehru Street Srikalahasti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Srikalahasti on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Building No. 3-80 Nehru Street Srikalahasti registered vide document No. 454/80 with sub-registrar Srikalahasti.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—386GI/80

Date: 12-11-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hydorabad, the 12th November 1980

Ref. No. RAC No. 311/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

3-80 situated at Nehru Street Srikalahasti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikalahasti on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri J. Chinna Rangiah Chetty S/o Gariga Setty Srikalahasti. (Transferor)
- (2) Smt. J. Ramalakshmi Mother of J. Rangaiah Chetty alias Laxminarayana Setty Sri Kalahasti.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building 3-80 Nehru Street Srikalahasti registered vide Document No. 455/80 registered with the sub-registrar Srikala hasti.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Runge, Hyderabad

Date: 12-11-1980

(1) Smt. M. M. Ramanamma W/o Radhakrishna Reddy 365, Venkataramana lay out Tirupathy.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ponna Kamalamma W/o Narayanaswamy 14/ 138 Chandra Babu Thota, Tirumala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th November 1980

Ref. No. RAC No. 312/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.C.C. Building situated at Side of L.I.C. Building at Tirupathy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathy on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.C.C. House by the side of new L.I.C. Building at Tirupathi registered with S.R.O. Tirupathy vide document No. 772/80

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-11-80

FORM NO. I.T.N.S .--

(1) Smt. P. Chandramma W/o K. Subramanyam Superintendent T.T.D. Tirupathi.

(2) 1. Sri V. S. Mahalingam 2. Sri V. Chinnaraju 3. Sri V. Perumal 14/85 Chandrababu Thota Tirumala.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th November 1980

Ref. No. RAC No. 313/80-81.--Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/85 situated at Chandrababu Thota, Tirumala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tirupathy on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mote than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any

House at 14/85 Chandrababu Thota, Tirumala registered with Sub-Registrar Tirupathy vide Document No. 792/80.

> S. GOVINDARAJAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 12-11-80

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderbbad, the 13th November 1980

Ref. No. RAC No. 314/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 22-7-269/12 situated at Devandevdi Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Azampura on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Shaw Builders 22-7-269/3 Dewandevdi Hyderabad, Partner Syed Abdul Hameed S/o Late Syed Abdullah 6-2-977 Gulistan Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Harishkumar S/o Tolaram 1130 Pathergatty, Hyderabad-500002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 22-7-269/12 Salarjung market Devandevdi Hyderabad registered with Sub-Registrar Azampura vide Document No. 510/March 80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-11-80.

FORM NO. I.T.N.S .-

(1) Sri Harish Kumar S/o Tolaram 1130 Pathergatty, Hyderabad-500002.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Syeda Fakharunnisa Shahana W/o Sri Mohd Abdul Jabbar 20-5-493 Shakergunj, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1980

Ref. No. RAC No. 315/80-81,—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 22-7-269/12 situated at Dewandevdi Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Azampura on May 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 22-7-269/12 Salarjung Market Dewandewdi Hyderabad registered vide Document No. 1080/80 with sub-registrar Azampura.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-11-80.

(1) Sri T. Ramaiah Chowdary S/o I.ate T. Laxmi Perumallugaru R/o Tarnaka, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Rcf. No. RAC No. 292/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Sy. No. 63 situated at Peerzadiguda R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Smt. M. Indira Reddy W/o Sri M. Sashidar Reddy 28/Lalaguda, Secunderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 63 extent 4.42 Acres at Peerzadiguda, village, East taluk, Ranga Reddy Dt registered vide Document No. 3693/80 with Sub-Registered Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-80.

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri T. Ramaiah Chowdary S/o Late T. Laxmi Perumallugaru R/o Tarnaka, Secunderabad. (Transferor

(2) Sri M. Adithya Reddy S/o M. Sashidar Reddy (Minor by Guardian Sri M. Sashidar Reddy S/o Dr. M. Chennareddy) 28, Lalaguda, Secunderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC No. 293/08-81.—Whereas, I S. GOVINDA-RAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. 64 situated at Peerzaduguda R.R. Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No 64 extent 3.45 Acres at Peerzadiguda village, East taluk, Rangareddy dt. registered with Sub Registrar Hyderabad vide Document No. 3694/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 7-11-80.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC No. 294/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Sy. No. 65 & 66 situated at Peerzadiguda R.R. Dt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—386GI/80

(1) Smt. P. N. Vijayalakshmi Devi W/o Sri P. Seshu Babu G.P.A. Sri T. Ramaiah Chowdary R/o Tarnaka Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Sashidar Reddy S/o Dr. M. Chenna Reddy Tarnaka Secunderabad. C/o M/s Vijaya Industries Lalguda Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 65 & 66 extent 2.13 acres at Peerzadiguda village, East taluk Rangareddy dt, registered with sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 2474/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-80.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMFTAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC No. 295/80-81.--Whereas, I. S. GOVINDA-RAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-288/18 situated at Domalguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afosesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri E. V. Nageswark Rao Retired Deputy Collector II. No. 1-2-288/18, Domalguda, Hyderabad-29. (Transferor)

(2) Sri R. Bhaskar Rao Asstt. Engineer Panchayat Raj Department Devarkonda, Nalgonda District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at M. No. 1-2-288/18 Domalguda, Adjacent to Hanuman Temple Hyderabad 29 registered vide Document No. 3318/80 with sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC. No. 296/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14-3-109 situated at Bagh Laxminarayan, Goshmahal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the offiffice of the Registering Officer

at Doodbowli on March 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Sri Kachipuram Rajaiah S/o Kachipuram Pochajah.
- (2) Smt. Jasoda Bai W/o Laxminarayan, 14-4-301 Joshiwadi, Begum bazar Hyderabad. (Transferor)
 - Smt. Kachipuram Satahamma W/o K. Rajahiah 14-3-109 Goshamahal, Laxminarayan Bagh Hyderabad.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 14-3-109 situated at Bagh Laxminarayan Goshamahal Hyderabad Area 211 sq. yards registered vide Document No. 223/80 with Sub-Registrar Doodbowli, Heyderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1980.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE **HYDERABAD**

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC No. 297/80-81.--Whereas I. S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-347/17/1 situated at Punjagutta Hyderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Khairatabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Major S. Parandhaman Rao (Retired) S/o S. Pedda Venkayya 6-3-347/17/1 Dwarkapuri Colony Purjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Surapaneni Premalatha Murthy S/o Sri S. K. Murthy 10-3-162/1/A Sarojani Devi Road, East Maredpally, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-347/17/1 area 1600 sq. ft and land 742 sq. yards at Dwarakapuri colony Punjagutta Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Document No 506/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspeting Assistant Commissioner of Income-tux, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1980. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. 298/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Sy. No. 315/3 situated at Gaddiannaram Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kanna Kishen W/o Late B. Ramlal Kishen.
 2. Sri Sunil Kishen S/o Late B. Ramlal Kishen.
 3. Kum. Purnima Kishen D/o Late B. Ramlal
 - Kishen.
 4. Sri Anil Kishen S/o Late B. Ramlal Kishen 4-1-1240 King Kothi Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Y. Padmavathi W/o Sri Y. Mohan Reddy 4-46 Saroornagar, Hyderabad 500035.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 600 sq. yards equivalent to 501 sq. mts in Survey No. 315/3 (M. No. 16-11-740/4/A/1) situated at Gaddiannaram village Hyderabad urban registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No: 3467/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1980.

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Rcf. No. RAC. No. 299/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

25,000/- and bearing
No. Plot 68/A & B situated at Akbarbagh Malakpet, Hyd.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

off) Sri G. Malla Reddy S/o G. Narsimhareddy & others Takhur village, Andur Taluq, Medak District.
(Transferor)

(2) Sri Syed Shah Askar Hussaini S/o Late Syed Hamid Hussaini 3-1-30 Kachiguda, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 68/A and 68/B MC.H. No. 16-2-59/D Akberbagh, Malakpet Hyderabad extent 437 Sq. yards registered with subregistrar Hyderabad vide Document No. 3304/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1980.

n, len no troules **s**

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC, No. 300/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Sec-

tion 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 172/2 situated at Kothapet village, R. R. Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Bader Banu W/o Dr. Iqbal Sanai Flat No. 702, Mogal Apartments Decan Towers bagh, Hyderabad.

Sri Afzal Jalaluddin Sanoi S/o Late Shaik Ahmed Sanai Begumpet Secunderabad by G.P.A. Bashe-eruddin Babu Khan S/o Late A. K. Banu Khan 6-3-111 Somajiguda, Hyderaabd.

(Transferor)

(2) 1. Sri B. Janerdhan S/o B. Narsimha,
2. Sri B. Gangadhar S/o B. Narsimha,
15-5-806 Ashokbazar, Afzalguni, Hyderabad.
3. Sri M. Basavalingam S/o Channa Mallappa,
3. Sri M. Basavalingam S/o Channa Mallappa,
3. Sri M. Basavalingam S/o Channa Mallappa,

 Mrs. Sujatha D/o M, Basavalingam 16-2-1-147/ 3/2 Malakpet, Hyderabad.
 Sri C, Mahendra Reddy S/o Narasimha Reddy.
 Smt. C. Nagamma W/o Late Shiva Reddy. Koyeda, Taluk Hyderabad East, Ranga Reddy District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 guntas in Survey No. 172/2 Kothapet virlage Taluk East, Rangareddy District, registered vide Document No. 1895/80 with Sub-registrar Hyderabad.

S. GOVINDARJAN, Competent Authority Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1980.

and the second s FORM LT.N.S .-- - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 7th November 1980

Ref. No. RAC. No. 301/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the IncomeTax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R.R.D.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Hyderabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Shaik Imam S/o Moinuddin and another Shri Shaik Imam 570 Stomman 16-8-244 Malakpet Hyderabad 500036 (Transferor)
- (2) Sri V. Satyanarayana Reddy & 5 others S/o Durga reddy & Miryalguda, Nalgonda Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 0.27 acres in Survey No. 56/1 Mansurabad village, Hayathnagar taluk Rangareddy district, registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Document No. 2734/80.

> S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 7-11-1980.

Form I.T.N.S.-

(1) Sri N. Raghunath Reddy S/o N. Ramachendia Reddy 1/12 Balanagar, Hyderabad.

(2) The Gunrock Enclave Co-operative Housing Society,

Tirumalgiry (TAB 203) Secunderabad-500015.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1980

Ref. No. RAC No. 316/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 157/8 situated at Thokatta village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on March 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45---386GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land (Agricultural- 3 Acres in Survey No. 157/8 situated at Thokatta village, Secunderabad registered vide Document No: 636/March 80 with Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-11-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1980

Ref. No. RAC No. 317/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sy. No. 157/8 situated at Thokatta Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. B. Sarojini Pulla Reddy 1-9-1 Bowenpalli Sccunderabad. (Transferor)
- (2) The Gunrock Enclave Co-operative Housing Society (TAB 203),
 Tirumalgiri,
 Secunderabad, 500015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 5 Acres in Survey No. 157/8 at Thokatta Village Secunderabad registered vide Document No.: 635/80 with Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge, Hyderabad.

Date: 13-J1-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 13th November 1980

Ref. No. RAC No. 318/80-81,—Whereas I, S. GOVINDARAJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. 157/8 situated at Thokatta Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on March 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. Manmohan Reddy 3-6-760/20/1 Himayathnagar, Hyderabad-29.

(Transferor)

(2) The Gunrock Enclave Co-operative Housing Society (TAB 203) Tirumalgiri, Secunderabad 500015.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 157/8 extent 5 acres at Thokatta village registered vide Document No. 634/80 with the Sub-registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 13-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
Ahmedabad-380 009.

Ahmedabad, the 11th October 1980 Ref. No. P.R. No. 1012 Acq. 23-11/80-81.—Whereas I, MANGI I.AL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land at S.No. 193 situated at New Sachin Railway Store, Sachin, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Surat on 18-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Rajnikant Natvarlal; Alkapuri Society Katargam, Suret.

(Transferor)

(2) Shri Narottambhai Ishvardas Patel; Partner of M/s. Ajanta Engineering Industries; 34, Shriniketan Society, Katargam, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.No. 193 at Sachin, duly registered at Surot on 18-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 11 10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISTION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 11th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1205 Acq. 23-1/80-81.—Whereas I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Jagnath Apartment, situated at Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 8-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vijyaben Vallabhdas Mehta; 26, Millpara, 'Matruchhaya', Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Jagannath Devshanker Bhatt; Gymkhana Road, No. 6, Jagnath Apartments, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ersons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 6 of Jugnath Apartment having built up area of 480 sq. ft. situated at Gymkhana Road, Old Jagnath Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale-deed No. 1313/6-3-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 11-10-1980

FORM I.T.N.S.-

(1) Gaimal Dosamal Chelani; Station Road, Godbra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Minor Mukeshkumar Uttamchand Luhana; Guardian: Uttamchand Luhana; Godhra.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMI-DABAD-380 009.

Ahmedabad, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1013 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Tika No. 15 situated at Gidwani Road, Godhra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Godhra on 20-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Ollicial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated on the Gidwani Road of Godhra Town and as fully described as per sale deed No. 980 registered in the office of Sub-Registrar, Godhra on 20-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30-10-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Smt. Veeraben Dosamal Chelani; Station Road, Godhra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1014 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Tike No. 15 situated at Gidwani Road, Godhra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Godhra on 20-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (1) racilitating the concealment of any income or any Monsys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for hie acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Minor Mukeshkumar Uttam chand Luhana; Guardian of Uttamchand Luhana; Godhra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated on the Gidwani Road of Godhra Town and as fully described as per sale deed No. 981, registered in the office of Sub-Registrar, Godhra on 20-3-1980.

MANGI I.AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30-10-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1015 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 441, Sector No. 16, Gandhinagar Township

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar on 20-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Maheshchandra Narmadashankar Pandya;
 Bhaskar Lanc, Pandya Bhavan (5th Floor),
 Bhuleshwar, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) Smt. Purnimaben Vishnubhai Pandya;28, Bhaskar Lane, Pandya Bhuvan (5th Floor),Bhuleshwar, Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 441 of Sector No. 16, situated in the Gandhinagar Township and as fully described as per sale deed No. 509 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 20-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, **AHMEDAB**ΔD-380 009.

Ahmedabad, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1016 Acg. 23-II/80-81,-Whereas I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Plot No. 442 Sector No. 16, situated at Gandhinagar Township

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhinagar on 20-3-1980,

for an apparent consideration winch is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-45-386GI/80

(1) Shri Jitendra Narmadashankar Pandya; 28, Bhaskar Lane, Pandya Bhuvan (5th Floor), Bhuleshwar, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) Smt. Pragnya Rajnikant Paudya; Smt. Pragnya Rajnikant Paudya, 28 Bhaskar Line, Pandya Bhavan 5th Floor), (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 442 of Sector No. 16 situated in the Gandhinugar Township and as fully described as per sale deed No. 510 registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar, on 20-3-1980.

MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.

Ahmedabad, the 30th October 1980

AHMEDABAD-380 009.

Ref. No. P.R. No. 1017 Acq, 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI I.AL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Umra, Final Plot No. 79-TPS. No. 5 R.S. No. 237 situated at Village-Umra.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 20-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bipinchandra Ratilal Sadarivala; Haripara, Sukhadia Sheri,

Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kanaiyalal Bhagvandas Patel; Parag Apartment, Athwa Lines, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Umra, Survey No. 237 duly registered at Surat on 20-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 30-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1018 Acq. 23-11/80-81.—Whereas I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land 2500 2601 New Tika No. 60, C.S. No. 3098, Plot No. 28 Ashanagar, Naysari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 31-3-1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Nanabhai Keshavbhai Patel P.A. Holder of (No. 2 to 4).
 - (No. 2 to 4).
 2. Shri Thakorbhai Premabhai Patel;
 - Shri Kantilal Premabai Patel;
 Shri Dinkerbhai Premabhai Patel;
 Chandra Lok, Nagarvad,
 Navsari, Distt. Valsad.

(Transferors)

(2). 1. Shri Amulakh Hansraj Shah;2. Shri Rameshchandar Hansraj Shah;Asha Nagar, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ashanagar, Nevsari R.S. No. 2601, Near Tika No. 60, C.S. No. 3098, Plot No. 28, duly registered at Navsari on 31-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 30-10-1980.

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 31st October 1980

Ref. No. P.R. 1020 Acq. 23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 942, Wd. No. 1, Bhim Kachhi Mahallo, situated at Nanpura, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 26-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. A. Holder Shri Homi Kekhsaru Kalabwala self and Mini Kadi Sobawala;
 Ghan Keksaru Kalabvala;
 Fenny Kekhsaru Kalabvala;
 542, Bilani Blocks.
 11th Road, Chambur, Bombay-71.

(Transferor)

- (2) 1. President—Shri Bipinchandra Chhotalal Patel Varachha Road, Surat
 - Jasvantial Nanchand Shah;
 Dip Mangal Estate, Nanpura, Surat
 C/o. Hitesh Apartment Coop. Housing Society.
 Dip Mangal Estate, Nanpura, Surat.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Nondh No. 942, Ward No. 1, Bhim Kachhi Mahollo, Nanpura, Surat duly registered on 26-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31-10-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 31st October 1980

Ref. No. P.R. No. 1021 Acq 23-II/80-81fl—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land at Athwa-Opp. Ambica Niketan, Surat, Nondh No. 2836 Wd. No. 13, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Taherbhai Ibrahimbhai Kinkhabwala;
 - Shirinbai Wd/of Ibrahimbhai Isufali Kinkhabwala;
 - 3. Zarara Ibrahimbhai Kinkhabwala;
 - Rashida Ibrahimbhai Kinkhebwala;
 Opp. Post Office, Zampa Bazar,
 Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Narmadaben Wd/of Lallubhai Lalbhai Bangawala; Ruderpura, Vahorvad, Surat.
 - Gosaibhai Ratanji Kahar (Africawala), Kilvani Road, Post Silvassa, Valsad.
 - 3. Jayantibhai Nathubhai Patel; Abhava Taluka Choryesi, Surat.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Athwa-Opp. Ambica Niketan Bus Stop, Wd. No. 13, Surat duly registered at Surat in the month of March, 1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31-10-1980.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 31st October 1980

Ref. No. P.R. No. 1022 Acg 23/II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 2836, 2842, Wd. No. 13 Opp. Ambica Niketan situated at Athwa, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on March, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Taherbhai Ibrahimbhai Kinkhabwala; 2. Shrinbai Wd/of Ibrahimbhai Isufall Kinkhanwela:
 - Shamimbai Ibrahimbhai Kinkhabwala;
 - Zarata Ibrahimbhai Kinkhabwala; Rashida Ibrahimbhai Kinkhabwala; Opp. Post Office Zampa Bazar, Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Narmadaben Wd/of Lellubhai Lalbhai Bangawala; Rudarpura, Vahorvad, Surat.
 2. Gosaibhai Ratanji Kabar (Africawala), Kilvam Road, Post Silvassa, Valsad.
 3. Jayantibhai Nathubhai Patel;

 - Abhava-Taluka Choryasi, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Athwa Opp. Ambica Niketan Bus Stop, duly registered at Surat in the month of March, 1980.

> MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 31-10-1980.

FORM ITNS----

(1) Maniben Amarsang daughter of Chhatrasang, Alı Patti, Bharuch. (Transferor)

(2) Shri Mangubhai Vithalbhai Patel, C/o Ashvin Traders, Panch Batti, The Satkar Coop. Housing Society, Bharuch.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 1st November 1980

Ref. No. P.R. No. 1023 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 108, Ali, Bharuch,

situated at Bharuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 11-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 108, Ali Patti, Bharuch, duly registered at Bharuch on 11-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1024 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1484, Umarvada,

situated at Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 I Ilavatiben Wd/of Jagjivan Nagardas; Javahar Society, Behind Darpan Cinema; Umarvada, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Ashokkumar Aildas Bhathija

2. Sureshkumar Aildas Bhathija

 Nirmala Nandlal
 Shilaben Radheshyam
 Hemlata Rameshchandra Mona Leesa Apartment, Athwa Gate, Nanpura, Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Umarvada—Nondh No. 1484, duly registered at Surat on 10-3-1980.

MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th Noember 1980

Ref. No. P.R. No. 1025 Acq. 23-II/80-81.—Whereas I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Wd. Athwa S. No. 2798 Paiki & 2799 Sumangal Apartment No. 1 situated at 2nd Floor, Flat No. 5-6, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 28-5-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—47—386GI/80

(1) Sarkar Associates Partner Shri Mahendra Chhaganlal Zaveri, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Kalpesh Navinchandra Jariwala Harnesh Road, 705, Shripal Nagar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5-6, Sumangal Apartment, Athwa, Surat duly registered at Surat on 28-3-1980.

MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-11-1980

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1207 Acq. 23-I/80-81.—Whereas I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land

situated at Babarkot village, Jafrabad, Tal. Rajula Dist. Amreli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajula on March, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said 1ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chowgude & Co., Private Ltd., Jafrabad, Tal. Rajula, Dist. Amreli.

(Transferor)

(2) Narmada Cement Co, Ltd., Jafrabad, Taluka Rajula, Dist. Amreli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 5,68,080 sq. metres, situated at village Babarkot, near village Jafrabad Tal. Rajula Dist. Amreli, duly registered by Registering Officer, Rajula vide 24 sale deeds Nos. 476 to 499/March, 1980 i.e. property as fully described the rein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-10-1980

(1) Shri Himmatlal Chhaganlal Kalyani, Khodpara, Jetpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. Jayagauri Chhaganlal C/o Godhavav Patel, Girnar Road, Junagadh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380 009, the 30th October 1980

Ref. No. P.R. No. 1208 Acq. 23-I/80-81.--Whereas I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Building sq. metres 280.85, situated at Jetpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 18-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building adm. sq. mts. 280.85, situated at Jetpur, duly registered by Registering Officer, Jetpur vide sale-deed No. 1408/18-3-1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ng persons, namely:-

Date: 30-10-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st October 1980

Ref. No. P.R. No. 1222 Acq. 23-I/80-81.—Whereas 1, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F.P. 963, Paiki Sub-Plot No. 2/3/3 of TPS. 3 (Paiki 1/12th Individual share), situated at C.G. Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely:—

(1) M/s. Taral Corporation 4, M.P. Apartments, Paladi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Manprem Co-operative Housing Society Ltd.
Through: Chairman: Shirish M. Shah,
C/o Shri Pravin S. Shah (Secretary),
24-Prabhu Parshwnath Society,
(Kalpataru) Mirambica High School Road,
Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 5319 sq. yds. bearing F.P. No. 963 Paiki Sub-Plot No. 2/3/3, of TPS, 3, situat ed at C.G. Road, Ahmedabad and as fully described as petwelve sale deeds No. 5045 to 5056 registered in the offic of Sub-Registrar, Ahmedabad on 27-3-80.

MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabac

Date: 31-10-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1980

Ref. No. P.R. plo. 1223 Acq. 23-1/80-81,--Whereas 1, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 123/2, 124/2 of F.P. No 24 of TPS, 23, situated at Achiver, Ahmedahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair um ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fai: market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Harishchandra Kanaiyalal Sharma, Kabir Chawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Amarjeet Coop. Housing Society Ltd. 46, High Way Park, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 511 sq. yds. bearing S No. 123/2, 124/2 F.P. No. 25 of TPS. No. 23, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3964 dated 10-3-1980.

MANGLIAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-11-1980

FORM I.T.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Om Prakash Kanaiyalal Sharma; Kabirchawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

New Amariyot Coop. Housing Society Ltd.
 Highway Park, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FI OOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1980

Ref. No. P.R. No. 1224, Acq.-23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 123/2, 124/2 F.P. No. 25 of TPS. 23, situated at Achiyer, Ahmedabad,

(and mroc fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason of believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 511 sq. yds. bearing S. No. 123/2, 124/2, F.P. No. 25 of TPS. 23, situated at Achiyer, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3968 dated 5-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1980

Ref. No. P.R. No. 1225/Acq.-23/1/80-81.—Whereas, I, MANGLLAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. S. No. 123/2, 124 2, F.P. No. 25 of TPS 23, situated at Achiyer Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dilipkumar Kanaiyalal Sharma;
 Kabirchawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New Amarjyot Coop, Housing Society 1 td. 46, Highway Park, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 511 sq. yds. bearing S. No. 123/2, 124/2, F.P. No. 25 of TPS. 23, situated at Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3967 dated 10-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-11-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1980

Ref. No. P.R. No. 1226/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI I.AL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 123/2, 124/2 F.P. No. 25 of TPS, 23, situated at Achiyer, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Jasumatiben Kanaiyalal Sharma;
 Kabirehawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

New Amarjyot Coop, Housing Society Ltd.
 Hiighway Park, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 511 sq. yds. bearing S. No. 123/2, 124/2, F.P. No. 25 of TPS. 23, situated at Achiyer, Sabarmati and as fully described in the sale deed Registered vide Regn. No. 3966 dated 10-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Satishkumar Kanaiyalal Sharma: Kabirchawk, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferor)

 New Amarjyot Coop. Housing Society Ltd. 46, Hiighway Park, Sabarmati, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1980

Ref. No. P.R. No. 1227/Acq.-23-I/80-81,—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,000/- and bearing

No. S. No. 123/2, 124/2 F.P. No. 25 of TPS. 23, situated at Achiyer, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ahmedabad on 10-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—
48—386GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 511 sq. yds. bearing S. No. 123/2, 124/2, F.P. No. 25 of TPS. 23, situated at Achiyer, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered *vide* Regn. No. 3965 dated 10-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range 1, Ahmedabad.

Date: 3-11-1980

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1228/Acq.-23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 1280, 1281 of Kalupur situated at Kalupur-I, Rajamheta's Polc, Ahmedabad (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

- Shri Kunjbihari Popatlal Shah; Shantikamal Society, Behind Arya Samaj Shantacruz (West) Bombay-54.
 - (Transferor)
- (2) (1) Shri Kantilal Ratanlal Vakta;
 - (3) Shri Chandrakant Ratanlal Vakta; Doshiwadani Pole, Simandhar Manino Khancho, Ahmedabad.
 - (4) Shri Shailesh Vadilal Shah; Jigar Apartment, Paldi, Ahmedabad.

(2) Shri Dineshchandra Ratanlal Vakta;

(5) Shri Balchand Virchand; Shahpur, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share in the building standing on land admeasuring 134-61-69 sq. metres bearing S. No. 1280, 1281 of Kalupur, situated at Rajamehtani Pole, Laxminarayanni Pole, Laxshini Khadki, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3038 dated 1-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1229/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1280, 1281 of Kalupur situated at Rajamehtani Pole, Laxminarayan Pole, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 1-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Gopalbhai Popatlal Shah;
 Kangara Bhuvan, 1st Floor, Block No. 8,
 Opp. Podar Hospital, Worli, Bombay-18.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Shaileshkumar Vadilal Shah;
 - (2) Shri Kantilal Ratanlal Vakta;
 - (3) Shri Chandrakant Ratanlal Vakta;
 - (4) Shri Dineshchandra Ratanlal Vakta; Simandhar Swamini Khadki, Doshiwadani Pole, Ahmedabad.
 - (5) Balchand Virghand Shah; Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1th share in the building standing on land admeasuring 134-61-69 sq. metres bearing S. No. 1280, 1281 of Kalupur, situated at Rajamehtani Pole, Laxminarayanni Pole, Lavsini Khadki, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3039 dated 1-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1230/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 1280, 1281 of Kalupur situated at Rajamehta's Pole, Laxminarayanni Pole, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 1-3-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhanuprasad Popatlal Shah;
 B-1. Akashdeep Flats,
 Opp. Telephone Exchange, Ahmedabad-7.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Shailesh Vadilal Shah; Jigar Flats, Paldi, Ahmedabad,
 - (2) Shri Kantilal Ratanlal Vakta;
 - (3) Shri Chandrakant Ratanlal Vakta;
 - (4) Shri Dineshchandra Ratanlal Vakta; Doshiwadani Pole, Simandhar Swamino Khancho, Ahmedabad.
 - (5) Balchand Virchand Shah; Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share in the building standing on land admeasuring 134-61-69 sq. metres bearing S. No. 1280, 1281 of Kalupur situated at Rajamehtani Pole, Laxminarayanni Pole, Lavsini Khdaki, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3038 dated 18-2-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P. R. No. 1231/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to at the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 1280, S. No. 1281 of Kalupur situated at Rajamehtani Pole, Laxminanayanni Pole, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 1-3-1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Lilavati Wd/o Popatlal Manilal Shah;
 B-1; Akashdip Flats, Opp. Akashdip Flats,
 Ahmedabad-7.

(Transferor)

- (2) (1) Shri Shailesh Kumar Shah; Paldi, Ahmedabad.
 - (2) Shri Kantilal Ratanlal Vakta:
 - (3) Shri Chandrakant Ratanlal Vakta;
 - (4) Shri Dineshchandra Rutanlal Vakta; Doshiwadani Pole, Simandhar Swamin Khancho Ahmedabad.
 - (5) Balchand Virchand Shah; Shahpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 4th share in the building standing on land admeasuring 134-61-69 sq. metres bearing S. No. 1280, 1281 of Kalupur-I, situated at Rajamehtani Pole, Laxminarayanni Pole, Laxshini Khadki, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 3037 dated 1-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1232/Acq.-23/I/80-81,—Whereas. I, MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/and bearing

No. 1/6th Individual share—S. No. 696 apart and 696-A-1 situated at Telegraphic Office, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 14-4-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Pravinchandra J. Kamdar;
 - (2) Shri Ramniklal J. Kamdar;
 - (3) Shri Jayantilal J. Kamdar;
 - (4) Shri Kantilal J. Kamdar;
 - Shri Gunvantlal J. Kamdar; C/o. Kamdar Bros., Garedia Kuwa Road. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Manharlal Jagannath Kamdar; Garedia Kuwa Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th Undivided share in the land and building standing on land admeasuring 1975-4-0 sq. yds, bearing S. No. 696, apart and 696-A-1, part known as Jag Prabha situated behind Telegraphic Office, Near Jubilee, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 2450 dated 14-4-1980.

MANGI I.AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 10-11-1980

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

(1) Shanti Nagar Co-operative Housing Society Pvt. 50, Ezra Streea, Calcutta.

(Transferor)

(2) Monoharlal Rungta, 49, Madan Mohan Burman Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-/R-IV/Cal/80-81—.Whereas, I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 2C, situated at Netaji Subhas Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 469.75 sq. ft, situated at 2C, Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1897 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
4, Rafl Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Dated: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1980

Ref. No. Ac-61/R-IV/Cal/80-81,—Whereas I, K. SINHA. at Nasra P. S. Ranaghat

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. a piece of land situated at Nasra, P.S. Ranaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcuta on 14-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ajit Kumar Chakravorty, 15, Jadu Bhattacharya Lane, Calcutta-26. (Transferor)
- (2) Smt. Meera Rani Dey, W/o., Sri Durgapada Dey, Dayal Nagar, Barabari, P. S. Ranaghat, Dt. Nadia, W-B.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1.64 satak situated at Nasra, P. S. Ranaghat, Dt. Nadia, more paracularly as per deed No. 1626 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 20-11-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1235/Acq.-23-1/80-81.—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 67, Sub-plot No. 3, of Chandlodia, situate at Chandlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 6-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concaelmen of tany income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shantaben w/o Shri Dhanabhai Shankarbhai; Chandlodia, Village Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vanraj Co-operative Housing Society; Through: Chairman: Ashok Madhavji Solanki, Chandlodia, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1333 sq. yds. bearing S. No. 67 Sub-plot No. 3 of Chandlodia and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 4050 dated 6-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

Seal ;

49-386GI/80

 Shri Bhalabhai Dhanabhai Patel; Chandlodia, Village Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Vanaraj Co-operative Housing Society, Ltd., Chandlodia, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1236/Acq,-23-I/80-81,—Whereas, I. MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 67, Sub-plot No. 6 of Chandlodia situated at Chandlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 6-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—34—386CiI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1333 sq. yds. bearing S. No. 67, Sub-plot No. 6 of Chandlodia, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 4055 dated 6-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-11-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1237/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 67-1, Sub-plot No. 7, situated at

Chandlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 5-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ranchhodbhai Dhanabhai Patel; Chandlodia, Village Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vanaraj Co-operative Housing Society; Chandlodia, Village Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1333 sq. yds. bearing S. No. 67, Sub-plot No. 7 of Chandlodia, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 4060 dated 6-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 5-11-1980

(1) Shri Davarbhai Dhanabhai Patel; Chandlodia, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Vanaraj Co-operative Housing Society Ltd. Chandlodia, Ahmedabad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Amedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1238/Acq-23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 67, Sub-plot No. 5, of Chandlodia situated at Chandlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 6-3-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason ot believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1333 Sq. Yds, bearing S. No. 67, Sub-plot No. 5 of Chandlodia, Ahmedabad and fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 4061 dated 6-3-1980.

> MANGI LAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 5-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1239/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I. MANGI LAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 67, paiki Sub-plot No. 4, situated at

Chandlodia, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 6-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chunilal Dhanabhai Patel; Chandlodia, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Vanaraj Coop. Housing Society Ltd. Through: Chairman: Ashok Madhavji Solanki, Chandlodia, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1333 sq. yds. bearing S. No. 67, Sub-plot No. 4 of Chandlodia, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 4060 dated 16-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-11-1980

(1) Sri Nani Gopal Sarkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Sailendra Nath Bhattacharjee.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th July 1980

Ref. AC-12/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 62 situated at Chetla Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 22-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ·-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any money sor other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4K-14Ch-16Sq. ft. situated at 62, Chetla Road, Calcutta, under P.S. Alipur. More particularly described in deed No. 1363.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 5-7-1980 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1980

Ref. No. 791/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Sec-

tion 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34A situated at Arobinda Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 31-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Union Paper & Board Mills Ltd.

(Transferor)

(2) The Indian Asphalts Pvt. 1.td.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

34A Aurobinda Sarani, Calcutta-5 (land measuring 3K 12Ch 6 Sq. ft. with bullding).

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-11-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1980

Ref. No. 788/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IUNEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 12 situated at Anil Moitra Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Alipur on 21-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Mrs. Sumitra Ambrose.

(Transferor)

(2) Siddartha Kr. Mukherjee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One storeyed dwelling house with land measuring 7 cottahs 1 chittack 18 sq. ft. being premises No. 12, Anil Moitra Road, Calcutta.

L. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Dte: 7-11-1980.

FORM NO. I.T.N.S.-----

(1) Sm. Indira Rani Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bijoy Kr. Singh & ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1980

Ref. No. 789/Acq. R-HI 80-81.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Bechu Chatterjee Street, Calcutta

No. 11 situated at Bechu Chatterjee Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—386GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two and partly three storied building with land measuring 2K 9Ch 33 sq. ft. being premises No. 11, Bechu Chatterice Street, Calcutta.

I. V. S. JÜNEJA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-III, Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-11-80.

FORM ITNS-----

(1) Captain Rathindra Kr. Basu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 7th November 1980

Ref. No. 790/Acq. R-III/80-81.---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Bechu Chatterjee Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afosesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Surendra Prosad Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly two and partly three storied building with land measuring 2K 10Ch 21 sq. ft. being premises No. 11. Bechu Chalterjee Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 7-11-1980

(1) Sri Kalachand Kar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Monjur Hossain.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III,

CALCUTTA.

Calcutta, the 7th November 1980

Ref. No. 736/Acq. R-III 80-81 Cal.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8A, situated at Chamru Khansama Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One double storied building containing an area of 2K 4Ch. of land being premises No. 8A, Chamru Khansama Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNFJA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Dte: 7-11-1980.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBII BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 3rd October 1980

Ref. No. L.C. 423/80-81,-Whereas, I, V. MOHANI.AI., being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule, situated at Ernakulam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Frnakulam on 15-3-1980

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- 'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) J. Smt. Lakshmi S. Menon 2. Shri V. Jayachandra Menon

 - 3. Smt. Latha Menon 4. Smt. Rama Vasudevan "Ganesh Vilas", Edappally.

(Transferor)

(2) J. Shri Varghese P. Ittoop 2. Smt. Reena 36, 840-1, Iyyatil Lane, Cochin-682 011. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 34 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.065 cents of land with building in Sy. No. 535 of Karithala Desom, Ernakulam Village.

> V. MOHANLAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 3-10-1980

FORM ITNS---

(1) Kanailal Mukherjee.

(Transferor)

(2) Ganapathi V, Krishnan.

('Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA.

Calcutta, the 29th October 1980

Ret. No. St. 557/TR-239/C-169/Cal-1/79-80.—Whereas, J. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26/C situated at Nirmal Chandra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3K 12Ch together with building thereon at the premises No. 26/C, Nirmal Chandra Street, Calcutta vide deed No. I-1938 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta dated 26-3-80.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016.

Date: 29-10-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 31st October 1980

Ref. No. L.C. 428/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000:- and bearing

No, as per schedule situated at Kaloor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ernakulam on 26-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. C. R. Geetha, W/o Vishwanathan Thalichujulangara House, Azad Road, Cochin-17..

(Transferor)

(2) Shri M. I. Sabu, XI. 563A, Azad Road, Kaloor.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FERPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.212 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. $1063\,^{\circ}80$ dated 26-3-1980.

V. MOHANLAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Frankulam

Date: 31-10-1980,

FORM I.T.N.S.- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDG", ANAND BAZAAR, COCHIN

Cochin-682016, the 10th Noveber 1980

Ref. No. L.C. 429/80-81.—Whereas, I. V. MOHANI AI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Nehru Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ollukkara on 17-3-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri E. V. Menon, Manater, Reptakos Britt Ltd., Cochin.

(Transferor)

(2) Shri K. A. Sreedharan Namboodiripad. Assistant Engineer, Door Darshan. Madras

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

23 cents of land with building as per schedule attached to document No. 1334/80.

V. MOHANIAI.

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ernakulam

Date: 10th Noember 1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Dwarka Prosad Mahato, 2. Sri Babulal Mahato & 3. Sm. Haridasi Mahato all of 11-A, Baisnab Sett Street, Calcutta-6.

(Transferor)

(2) Sri Gopal Chandra Dev. 47-50, Girish Ghosh Lane, Ghusuri, Dt. Howrah.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV,

CALCUTTA

Calcutta, the 11th November 1980

Ref. Ac-56 R-IV/Cal/80-81.--Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18/1, situated at I ala Baba Savar Road, P. S. Bally, Dt. Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 19-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8K, 5Chs. and 26-Sft. with building situated at 18/1, Lala Baba Sayar Road. P. S. Bally. Dt. Howrah, more particularly as per Deed No. 863 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range: IV, Calcutta.

Date: 11-11-1980.

Şeal:

(1) Rajendra Kr. Somany.

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 803/Acq. R-III-80-81.—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
51—686 G I/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one twelvth part of the property being premises No. 34B Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 10-11-1980

(1) Hira Lal Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX TAX, 1961 (43 OF 1961) (2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 802/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34B situated at Ratu Sarkar Land, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one eighteenth part of the property premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-11-1980

(1) Kamala Devi Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 801/Acq. R-JII/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any moorne or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1992 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one eighteenth part of the property telling premises No. 34B, Ratu Sarkar Lone, Cal utte.

I. V. S. IUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan, Acquisition Range I'l, Celeutto 54, Rafi Ahmed Kidwa; Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C c. the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dat: 10-11-1980

(1) Nalini Somany

(Transferor)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 800/Acq. R-III/80-81.--Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcuttal

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: nad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one eighteenth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 10-11-1980

(1) Sanjay Somany

(Transferor)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 799/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money: or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one twenty-fourth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-11-1980

Seal

(1) Sudha Somany

(Transferor)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 798/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one twenty-fourth part of the property being premises No. 34B. Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III(Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-11-1980

FORM ITNS----

(1) Sandip Somany

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta the 10th November 1980

Ref. No. 797/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IUNEJA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34B situated at Raut Sarkar Lane, Calcuttal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one twelvth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNFJA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-11-1980

(1) Mukul Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 796/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. IIINFIA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided on twenty fourth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-11-1980

(1) Chandra Kr. Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta the 10th November 1980

Ref. No. 795/Acq. R-IIJ/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one twenty fourth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I, V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—52—386 GI|80

Date: 10-11-1980

FORM I.T.N.S.---

(1) Anind Kr. Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 794/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chupter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one eighteenth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IIL/Calcutta.

Date: 10-11-1980

FORM NO. ITNS-

(1) Shree Kant Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 793/Acq. R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one eighteenth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lanc, Calcutta.

l. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 10-11-1980

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Soumendra Kumar Somany

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Maheswari Seva Trust

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IIL CALCUTTA

Calcutta, the 10th November 1980

Ref. No. 792/Acq. R-III/80-81,—Whereas, I, I. V. S. IIINEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 34B situated at Ratu Sarkar Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

All that undivided one eighteenth part of the property being premises No. 34B, Ratu Sarkar Lane, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 10-11-1980

(1) Sri Manindra Nath Neogi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kumud Parekh & Smt. Jayshree Parekh.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 14th November 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Sl. 558/TR-226/79-80/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having af air market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 55A situated at Free School Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 5-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One storeyed building being premises No. 55A Free School Street, Calcutta, along with land measuring 6 k 13 Ch. 5 sft. registered by the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 1264 dt. 5-3-80.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-80

14200

FORM NO. J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1980

Ref. No. AC-41/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Premises No. 32A/1, situated at Suren Sarkar Rd., Mouza Purba Surah, Dehee Panchannagram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Scaldah on 14-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by move than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Labanya Prova Basu, 22B, Jhamapukur Lane, Calcutta-700 009.

(Transferor)

(2) Smt. Amita Mitra, 144/1, Raja Rajendra Lal Mitra Road, Calcutta-700 010.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-K., 8-Ch. of vacant land—promises No. 32A/1, Suren Serkar Road, P. S. Beliaghats, Calcutta.—Mouza Purba Surah, Dehce Panchannagram, S.R., Sealdah, More particularly described in deed No. 248 dt. 14-3-80.

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.

Date: 12-11-80

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1980

Ref.No. AC-42/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 92E, situated at Alipore Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at R.A., Calcutta, 3-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Technico Electric and Engineering Co. Ltd., 2/3, Clive Row, Calcutta.

(Transferor)

(2) Footful (India) Pvt. Ltd., 1, Wood Street, Salcutta.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11-Ks., 7-Chs. & 5-sq. ft. at 92E, Alipore Road, Calcutta-27, More particularly discribed in Deed No. 135 of 3-3-80.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 12-11-1980.

(1) Shri Sumit Ghoshal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Raghu Nath Ghosh. 170, Keshab Chandra Sen Street, Calcutta-9. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 12th November 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Ac-44/R-II/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

No. Premises No. 1, situated at Dhana Debi Khanna Road, P.S. Nerkeldenga, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14-3-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3-Ks 12 Chs. & 30-sq. ft. at No. 1, Dhan Debi Khanna Road, Cal-11, More particularly described in Deed No. 1578 dt. 14-3-1980.

K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-11-1980.

S. R. Alipore on 8-3-1980

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 12th November 1980

Ref. No. Ac-43/R-II/Cal/80-81,—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 38, situated at P. N. Mitra Road, P. S. Bahala, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
53-386 GI/80

Schindra Nath Hazra,
 Russe Road South 3rd Lane,
 Calcutta-33.

(Transferor)

(2) Prevat Kumar Ghosh. 186A, Babendra Chandra Dey Road, Calcutta-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-Ks., 1-Ch. & 30-sq. ft. with two storeyed building at premises No. 38, P. N. Mitra Brick Field Road. P. S. Bahala, 24-Parganas, More particularly described in deed No. 961 dt. 8-3-1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Calcutta.

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Data: 12-11-1980,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTT:

Calcutta, the 12th November 1980

Ref. No. AC-45/R-II/Cal/80-81,---Whereas I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. H-81, Kh. No. 322, Day Nos. 688, 689 and 680 situated at Paharpur Road, P. S. McGabra, Cal. 14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Alipore on 29-3-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Chandra Chowdhury, alias Ram of H-81, Paharpur Road, Cal-24.

(Transferor)

(2) Shri Abdur Rahim, S/o., Naimul Haque, 608, Slaughter House Road, Calcuta-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measured—1-K. only. H-81, Paharpur Road, Kh. No. 322, Dag Nos. 688, 689 & 680, P.S. Metabruz, Calcutta-24. More particularly described in Deed No. 1422.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Calcutta.

Date: 12-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1233/Acq.-23-1/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 166-1; F.P. No. 454 of TPS-21, situated at Paladi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 13-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhupatrav Valabbram Dave;
 Kamalnayan Sockety,
 Opp. High Court, Near Navjivan Press, Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) Shri Ajayakumar Jaskaran Chhabada; 961, Opp. Post Office, Gheekanta, Ahmedabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesa d persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHIDULE

Undivided 1 share in the open plot of land admeasuring 580 sq. yds. berning S. No. 106-1, F.P. No. 454 of TPS-21, situated at Paladi, Ahmedabad and as fully described in the sale deed registered vide Reyn. No. 4287 dated 15-3-80.

MANGI LAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-I, Ahmedabad.

Date : 5-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1980

Ref. No. Ac-60/R-IV/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No. Plot 194, situated at Debgram, Jalpaiguri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 14-3-1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Smt. Hemangini Nandy, W/o., Late J. N. Nandy, New Jalpaiguri, Jalpaiguri.

(Transferor)

(2) Smt. Mira Roy, W/o Sri Satish Chander Roy, New Colony, Siliguri, Darjeeling.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 161-decs. with building situated at Debgram, Dt. Jalpaiguri, more particularly as per deed No. 1949 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 17-11-1980.

(1) Smt. Mira Chatterjee, 264, Rash Behari Avenuc, Cal-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Sushil Chandra Roy, Deshbandhupara, Sonarpur, 24-Parganas.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 20th November 1980

Ref. No. Ac-62/R-IV/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 33B situated at Maharaj Tagore Road, P. S. Kasba, 24-Prgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 28-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1-kh., 13-chs, with building situated at 33B, Maharaj Tagore Road, Kasba more particularly as per Deed No. 2328 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta.

Date: 20-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Sri Sat Satyendra Nath Gupta.

(Transferor)

2. Sri Ajoy Sen and Sm. Indira Sen, both of Kcota lat bagan P.O. Sahaganj, Dt. Hoogly.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 21st November 1980

Ref. No. AC-63/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Balagarh

at Balagarh

P. S. Chinsurah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinsurah on 11-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that share piece and parcel of land measuring 11-khs., 10-chs. & 23½ sq. ft. with building situated at Mouza Balagarh, P. S. Chinsurah, Dt. Hooghly, more particularly as per Deed No. 443 of 1980.

K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16.

Date: 21-11-1980.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Sri Prafulla Kumar Das, Vill. Kantola, P. S. Mathurapur, Distt. 24-Parganas, W-B.

(Transferor)

(1) Sri Ajit Kumar Sarkar, Krishnaganj, Distt. Nadia.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

OFFICE OF THE IAC: ACQ. R-IV CALCUTTA

Calcutta, the 1th November 1980

Ref. No. ΔC -46/R-II|Cal|80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot-21, Block-CA, situated at Sector-1, Northern Salt Lake City Extension Area (Salt Lake)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

D. R., 24-Parganas on 10-3-80

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building measuring 3.2184 Khs., at Plot No. 21, Block-CA in Sector 1, Northern Salt Lake, P. S. Dum Dum, 24-Parganas, more particularly described in deed No. 1655 of 10-3-80.

K. SINHA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16.

Date: 14-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

Calcutta, the 18th November 1980

Ref. No. AC-48/R-II|Cal|80-81.---Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Premises No. S-28, Lichubagan, Mouza Garden Reach, P. S. Mctiabruz, 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore on 28-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Maya Sankar Singh,Block S-28, Lichubagan,P. S. Metiabruz, 24-Parganas.

(Transferor)

(2) Ram Shandra Chowdhury, H-81, Paharpur Road, P. S. Garden Reach. Distt. 24-Parganas.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ollicial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5-ks. (one storeyed tiled shed) at Touzi No. 411, Khatian No. 46, Dag No. 81, Mouza Garden Reach, P. S. Metiabruz, Distt. 24-Parganus, more particularly as per deed No. 1508 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-16.

Date: 18-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. Ac-73/R-IV/Cal/80-81,—Whereas, I K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2C situated at Netaji Subhas Road, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shanti Nagar Co-operative Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mansukhiai B. Dave 11. Portuguese Church Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publicatios of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 345.17-sq. ft. situated at 2C, Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1902 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
4, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-80.

Seal:

4-346 GI/80

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-72/R-IV/Cal/80-81.—Whereas I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2C. situated at Netaji Subhas Road. Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shanti Nagar Co-operative Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shree Gopal Agarwal 43, Zakaria Street, Calcutta, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land mearing 469.75 sq. ft. situated at 2C, Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1901 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JV,
4, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-/R-IV/Cal/80-81—.Whereas, I K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2C, situated at Netaii Subhas Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shnti Nagar Co-operative Housing Society Pvt.: Ltd. 40, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sanwarmal Killa 10, Stark Road, Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 488-sq. ft. situated at 2C, Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed no. 1900 of 1980.

K. SINHA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, 4, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-80.

(1) Shanti Nagar Co-operative housing Pvt. Ltd., 56 Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kirti Kr. M. Dave 11, Portuguese Church Street, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-70/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2C, situated at Netaji Subhas Road, Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land mearing 630.85 sq. ft situated at 2C, Netaii Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1899 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
4, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-80.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-JV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Rei. No. Ac-/R-IV/Cal/80-81—.Whereas, I K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2C, situated at Netaji Subhas Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calcutta on 25-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shanti Nagar Co-operative Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Bishwambharlal Modi P-11, Chitpur Street, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 469.75 sq. ft. situated at 2C, Netaii Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1898 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV.
4, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Dhanabhai Shankarbhai; Chandlodia, Dist, Ahmedabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Vanraj Co-operative Housing Society; Chairman: Ashok Madhavji Solanki, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 5th November 1980

Ref. No. P.R. No. 1234/Acq.-23-I/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 67, Sub-Plot No. 2 of Chandlodia; situated at Chandlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-3-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be closed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1335 sq. vds. bearing S. No. 67, Sub-plot No. 2. situated at Chandlodia, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registertd vide Regn. No. 4057 dated 6-3-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-11-1980

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

____: ==== : ==

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-67/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K, SINFIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2C, situated at Netaji Subhas Road, Howra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 11-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Shanti Nagar Co-operative Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra Street, Calcutta.

 (Transferor)
- (2) Nauranglal Saboo 117/A. Central Avenue, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land mearing 469.75-sq. ft. situated at 2C, Netaii Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1394 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
4, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-80.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-66/R-IV/Cal/80-81,—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2C, situated at Netaji Subhas Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shantinagar Co-oprative Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra Street, Calcutta. (Transferor)
- (2) Rajendra Kr. Mehra 19, Bellilious Road, Howrah. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land mearing 469.75-sq. ft. situated at 2C, Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1396 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
4, Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 24-11-80.

(1) Shantinagar Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kishorilal Mehra, 18, Sikdarpara Street, Calcutta. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-65/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable poperty, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2C, situated at Netaji Subhas Road, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

55-346 GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 469.75-sq. ft. situated at 2C. Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1397 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
4, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 24-11-80

LORM 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, CAI CUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. Ac-4/R-IV/Col/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2C. situated at Netaji Subhas Road, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Shantinagar Housing Society Pvt. Ltd., 50, Fzra Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Ramotar Modi, 161/1, M.G. Road, Calcutta. Bldg. No. 1A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece ond parcel of land measuring 469.75-sq. ft. situated at 2C, Netaji Subhas Road, Howrah, more particularly as per Deed No. 1395 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta
4, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 24-11-80.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Amar Krishna Ghose, 9.459 Pahar Pur Road, Calcutta-24.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

(2) M/s. Max Industries, 3A, Pullock Street, Calcutta-1.

(Transferee)

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. AC-52/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag No. 772 & 773 Kh. No. 142

situated at Mouza Alampur P. S.-Metiabruz 24 pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore on 5-3-80

for an apparent cosideration which is less than the fari market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Land measuring 13k, 11ch, 18 sq. ft, Portion of R. S. Dag No. 772 & 773, Kh. No. 142, Mouza-Alampur, P. S.—Metiabruz, Distt, 24 pgs. More Particularly described in deed No. 883 dt. 5-3-80 of S. R. Alipore.

K. SINHA.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 25-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Samar Krishna Ghose, 459A Pahar Pur Road, Calcutta-24,

(Transferor)

(2) Smt. Kundan Rasik Lal and others, 3A, Pullock Street, Calcutta-1.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Re. No. AC-51/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Dag No. 772 & 733 Kh. No. 142 situated at Mouza Alampur P. S.—Metiabruz Distt. 24 pgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer S. R. Alipore on 5-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissolved by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring: 13K. 11ch. 18 sq. ft. Portion of R. S. Dag No. 772 & 773. Kh. No. 142. Mouza-Alampur. P. S.—Metiabruz. Distt. 24 pgs. More Particularly described in deed No. 937 dt. 5-3-80 of S. R. Alipore.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 25-11-1980.

(1) Guha Trust Estate

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Anima Sengupta.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. 804/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3C at 302/1 situated at Netaji Subhas Ch. Bosc Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 5-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3C, being premises No. 302/1, Netaji Subhas Ch. Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 25-11-1980.

(1) Smt. Vijay Devi Barmecha

(Transferor)

(1) Smt. Namita Chowdhuri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. 805/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 110, Flat No. 1 & 2 situated at Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—Thet terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. I & 2 being premises No. 110, Dr. Meghnad Saha Sarani, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 25-11-1980.

(1) Radha Nath Paul & Ois.

('Transferors

(1) Bharat Chandra Bag.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. 806/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, L. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. 114/2, situated at Hazra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2K, 8 Ch. together with building at premises No. 114/2, Hazra Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-III, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Rowd, Calcutta-700016.

Date: 25-11-1980.

[PART III-SEC.]

FORM ITNS-

(1) Sri Somesh Rai Sahgal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Dr. Mrs. Piku Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-111 CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. 807/Acq.R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10 B, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A on 1st floor being premises No. 10B, Ballygunge Circular Road, Calcutta.

J. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 25-11-1980.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. 808/Acq-R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2, situated at Mendiville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

56-386 GI/80

(1) Saloni Ownership Flats Scheme Pvt. Ltd.

(Transferee)

(1) Mr. Biman Behari Ghosh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E on 4th floor of the building situated at 2, Mendeville Gardens, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 25-11-1980.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 24th November 1980

Ref. No. AC-49/R-11/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

J. L. No. J.R.S. 83 Touzi-346 situated at Mouza-Gopalput. P. S.—Behala. Df. 24 pgs. (and more fully described in the Scheduled Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 14-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Birla Jute—Manufacturing Co. Ltd. Birla Building at 9/1. R. N. Mukharjee Road. Calcutta-1.

(Transferor)

- (1) Narendra Nagar Co-operative Housing Society Ltd. 37, Banarjee para Road, Calcutta-60.
- (1) Birla Jute Manufacturing Co. Ltd.
 (Person in occupation of the property)
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4.23 decimals. 1. L. No. 1 R.S.—83. Touzi-346. Mouza-Gopalpur P. S. Behala, Df. 24 pargana. More particularly described in deed No. 1435 dt. 14-3-80 of R. A. Calcutta.

K. SINHA,

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 24-11-80,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 25th November 1980

Ref. No. AC-50/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag Nos. 772 & 773. Kh. No. 142.

situated at Mouzra-Alampur, P. S. Metiabruz 24 parganas (W.R.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at S. R. Aliporc on 24-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rabindra Nath Glosh. 335, Paharpur Road, Calcutta-24.

(Transferor)

 Smt. Uma Dilip Kumar.
 Smt. Joytsna Sudhir Kumar.
 Pullock Street, Calcutta-700001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 K. 11 ch. 18 Sq. ft. Portion of R. S. Dag No. 772 & 773. Kh. No. 142. Mouza-Alampur. P.S.—Metiabruz Distt. 24 parganas. More particularly described in deed No. 936 dt. 5-3-80 of S. R. Alipore.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 25-11-80.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 28th November 1980

Ref. No. Ac-74/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Madurdah, P. C. Tilajala, 24-Prgs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aliporc on 15-3-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Kishori Mohan Paul of Jadavpur, P. S. Jadavpur, 24-Parganas.
 - (Transferor)
- (2) Sri Kartick Chandra Paik of Kalikapur, P. S. Tiljala, Dt. 24-Parganas.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2-bighas, 17-cottahs, 11-chittaks & 14-sq. ft. situated at Mouza Madurdaha, P. S. Tiljala, Dt. 24-Parganas, more particularly as per Deed No. 1862 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

No. 1862 of 1980. Seal:

FORM I.T.N.S.--

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 28th November 1980

Rcf. No. AC-56/R-11/Cal/80-81.—Whereas, 1, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10 D Ultadingi Road,

situated at P. S. Ultadanga Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 14-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Himangsa Sekhar Basu, 40/6, Ballygange Circular Road, Calcutta.

(Transferor)

 Ais Kumar Halder and others, 10-D, Uttadingi Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Area: 2 K 15 ch. 35 sq. ft. 10 D, Ultadingi Road, Calcutta More particularly described in deed No. 1591 dt. 14-3-80 of R. A. Calcutta.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 28-11-1980.

(1) Shri Biswanath Ghose

(Transfere)

[PART III—SEC 1

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shrimati Sonal Jaswant Kumar and others. (Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Calcutta, the 28th November 1980

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rcf. No. AC-53/R-II/Cal/80-81.--Whereas, I, K. SINHA,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag Nos. 772 & 773 situated at Mouza Alampur, P. S. Metiabrug, Dt. 24 Parganas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Alipore on 5-3-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 27 of 1957);

K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Calcutta.

THE SCHEDULE

Area: 13 K. 11 ch. 18 sq. ft. Portion of Dag Nos. 772 &

773. Kh. No. 142. Mouza-Alampur P. S. Metiabruz Dt. 24 Parganas. More particularly described in deed No. 938, dt.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1980.

5-3-80 of S. R. Alipore.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FIGURE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11 CALCUTTA

Calcutta, the 28th November 1980

Ref. No. ΛC-54/R-H/Cal/80-81.—Wherens, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Sec-

tion 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag Nos. 772 & 773 situated at Mouza-Alampur P. S. Metiabruz Dt. 24 parganas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offiffice of the Registering Offictr at S. R. Alipore on 5-3-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or ar moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfered the purposes of the Indian Income-tax Act, 1 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C one said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit of the aforesaid property by the issue of this notice uer subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the the other persons, namely:—

(1) Shri Paresh Chandra C 355, Paharpur Road, Calcutta-24.

(Transferor)

others.

 Smt. Nirmal Hem C
 3Λ, Pullock Street, Calcutta-700001.

(Transferee)

isition of the said property
Objections, if any, to undersigned:—
may be made in writi/

aforesaid persons within a

(a) by any from the date of publicaperiod ofte in the Official Gazette or
tion of ays from the service of notice on
a periodersons, whichever period expires
the rest
later;

ter person interested in the said immov-(b) by₂rty, within 45 days from the date of the abn of this notice in the Official Gazette.

HON:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 13 K. 11 ch. 18 sq. ft. Dag Nos. 772 & 773 Mouza-Alampur, P. S. Metiabruz, Dt. 24 parganas. More particularly described in deed No. 939 dt. 5-3-80 of S. R. Alipore.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 28-11-1980.

NOTICE UNDER SEC.

TAX ACT, (1) OF THE INCOME-OF 1961)

GOVERNM

INDIA

OFFICE OF THE INSPEC SIONER OF INCOME-TAX, SISTANT COMMISCAL COLLOWITH RANGE-IV,

Calcutta, the 28th N

1980

Ref. No. AC-55/R-II/Cal/80-81. K. SINHA, 8, I,

being the Competent Authority unde Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 269B of the as the 'said Act'), have reason to believer referred to property, having a fair market value exe immovable and bearing No. Rs. 25,000/-Dag Nos. 772 & 773 situated at Mouza A bruz Dt. 24 Parganas. 2. S. Metia-

bruz Dt. 24 Parganas.

2. S. Metia(and more fully described in the Schedule
has been transferred under the Registration hereto),
of 1908) in the office of the Registering Ol908 (16
S. R. Alipore on 5-3-80.

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I he fair believe that the fair market value of the propertson to exceeds the apparent consideration therefor by resaid fifteen per cent of such apparent consideration a than consideration for such transfer as agreed to be the parties has not been truly stated in the said instricted transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lial of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lal Behari Ghosh, J. 461/1 Paharpur Road, Calcutta-24.

(Transferoi)

(2) Smt. Sarla Suresh Chandra and others. 3A, Pullock Street, Calcutta-700001.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said programmay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 13 K. 11 ch. 18 Sq. ft. Dag Nos. 772 & 773. Mou ampur. P. S. Metiabruz. Dt. 24 Parganas More particula lescribed in deed No. 940 dt. 5-3-80 of S. R. Aliporc.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 28₁₋₁₉₈₀. Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd December 1980

Re. No. AC-76/R-IV/Cal/80-81.—Whereus, I. K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat, No. 23, Bldg. No. 2, situated at 2C. N. S. Road, Lilooah, Howrah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

R. A., Calcutta on 18-3-80

For air apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantinagar Housing Society Pvt. Ltd., 50, Ezra Street, Calcutta.

(Transferor)

(1) Vidyut P. Mehta, 25, Amratola Lane, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Inveranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring covered area 488-sq. ft. situated at Apartment No. 23, Building No. 2A at 2C, N. S. Road, Lilooah, Howrah, more particularly as per Deed No. 1723 of 1980.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 3-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Nath, Natworfal, Banwari Lal, Rimeso Chandra S/o Jagannath, Smt. Narendra Devi W/o Shri Jagannath Ji Lahoti, Niwasi 47 Mandi Mohalla, Pali

 Shri Suresh Kumur S/o Shankarfal 2, Smt, Jimmidevi W/o Bheramalji 3, Smt, Shardadevi W/o Ram

Ratangarh

narainji Govind Prashad S/o Bheramji Sarraf Niwas

(Transferon-)

(Transferees)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 20th November 1980

M. R. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), thereinafter ich real to as the 'said Act', have rea on to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-32/33 situated at Pali

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 27-3-1980

for an apparent consideration which is less than the fast market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as the property and the property and than officen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or even on of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this reflect in the Official Gazette or a period of 30 days from the vervice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preparty, within 45 Pays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herebe as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-32 and G-33 situated at Industrial Area-? Paland morefully described in the sale deed registered by Pali vide his registration No. 41 dated 22-3-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Japur.

Date: 20-11-1980